54वाँ वार्षिक प्रतिवेदन
ANNUAL REPORT
2015-16

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद
Indian Institute of Management Ahmedabad

विद्याविनियोगाद्विकासः
IIM AHMEDABAD

संस्थापक प्रणेता

डॉ. जीवराज एन. मेहता

कस्तूरभाई लालभाई

डॉ. विक्रम ए. साराभाई

पूर्व अध्यक्ष

डॉ. जीवराज एन. मेहता

श्री प्रकाश टंडन

श्री एस.एल. किर्लोस्कर

श्री केशव महिन्द्रा

श्री वी. कृष्णमूर्ति

श्री ए.पी. वेंकटेश्वरन

प्रोफेसर एस.के. खन्ना

डॉ. आई. जी. पटेल

श्री एन.आर. नारायण मूर्ति

डॉ.विजयपत सिंघानिया

श्री ए. एम. नायक

वर्तमान अध्यक्ष

श्री पंकज पटेल

वर्तमान निदेशक

प्रोफेसर आशीष नन्दा

पूर्व निदेशक

डॉ. विक्रम ए. साराभाई

प्रोफेसर रवि जे. मथाई

डॉ. सैम्युअल पॉल

प्रोफेसर वी. एस. व्यास

डॉ. आई. जी. पटेल

प्रोफेसर एन. आर. शेठ

प्रोफेसर पी. एन. खांडवाला

प्रोफेसर जहर साहा

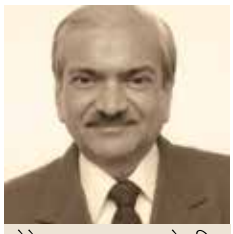
प्रोफेसर बकुल एच. धोलकिया

प्रोफेसर समीर के. बरुआ

विद्याविनियोगाद्विकासः

IIM AHMEDABAD

54वाँ वार्षिक प्रतिवेदन

ANNUAL REPORT

2015-16

वर्ष का सिंहावलोकन एवं भावी योजना 5

शैक्षणिक कार्यक्रम 8

1. प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) 8

2. खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एफएबीएम) 12

3. कार्यपालकों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स) 13

4. प्रबंध में फैलो कार्यक्रम 14

स्थानन 15

दीक्षांत समारोह 18

प्रबंधन में संकाय विकास कार्यक्रम 19

अनुसंधान और प्रकाशन 20

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम 22

केस केन्द्र 23

अंतर्विषयक केंद्र एवं समूह 24

1. लिंग समानता, विविधता और समावेशिता केंद्र 24

2. अवसंरचना नीति और विनियमन केंद्र (सीआईपीआर) 25

3. नवाचार, उद्यमायन और उद्यमिता केंद्र 26

4. कृषि प्रबंध केंद्र 31

5. स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र (सीएमएचएस) 31

6. खुदरा बिक्री केन्द्र 32

7. सार्वजनिक प्रणाली समूह 32

8. रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवप्रवर्तन केन्द्र 33

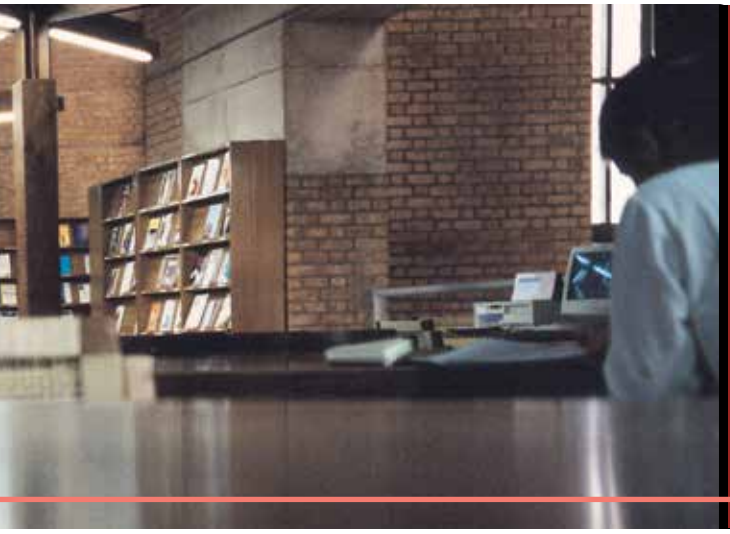

अनुक्रमणिका

अंतर्विषयक केंद्र एवं समूह 33

1. व्यापार नीति 35
2. संचार 36
3. अर्थशास्त्र 36
4. वित्त और लेखाकरण 37
5. मानव संसाधन प्रबंधन 38
6. सूचना प्रणालियाँ 39
7. विपणन 39
8. संगठनात्मक व्यवहार 40
9. उत्पादन और मात्रात्मक तरीके 41

पूर्वछात्र गतिविधियाँ 43

सामुदायिक सेवा सहायता 46

वैश्विक भागीदारी और कॉर्पोरेट मामले 48

भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र 55

विभिन्न स्वर्ण उद्योग कार्यक्रमों में भागीदारी 55

बुनियादी ढाँचे का विकास 56

राजभाषा कार्यान्वयन 57

कार्मिक 58

छात्र गतिविधियाँ 59

विक्रम साराभाई पुस्तकालय 72

कल्याण गतिविधियाँ 74

परिशिष्ट 77

दृष्टि

उद्यमों के अग्रणियों को शिक्षण

लक्ष्य

भारत और अन्य देशों को बदलने के लिए अनुसंधान एवं निर्माण पर आधारित वैश्विक महत्त्व के नए विचारों को उत्पन्न करने तथा प्रचार के माध्यम से जोखिम उठाने वाले ऐसे अग्रणी-प्रबंधक तैयार करना जो संगठनों के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए प्रबंधकीय एवं प्रशासनिक प्रथाओं को बदल सकें।

उद्देश्य

- प्रबंधन और उसके अंतर्निहित विषयों के लिए जो प्रासंगिक है ऐसे अनुप्रयुक्त और संकल्पनात्मक अनुसंधान के माध्यम से ज्ञान का सृजन करना, और इस ज्ञान का प्रकाशनों के माध्यम से प्रसार करना।
- संगठनों के सभी प्रकारों में प्रबंधन में कैरियर और संबंधित क्षेत्रों के लिए युवा पुरूषों एवं महिलाओं को तैयार करने के लिए शैक्षणिक सुविधाएँ स्थापित करना।
- प्रबंधन से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता के साथ प्रबंधन शिक्षकों और शोधकर्ताओं को विकसित करना।
- नवाचार और अत्याधुनिक प्रबंधन शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से अभ्यासरत प्रबंधकों के निर्णय निर्धारक कौशलों एवं प्रशासनिक क्षमता में सुधार करना और शिक्षा जारी रखने के लिए अवसर उपलब्ध कराना।
- परामर्शी सेवाएँ उपलब्ध कराना ताकि – क) संगठनों में निर्णय निर्धारक कौशलों एवं प्रक्रियाओं को, और ख) सार्वजनिक नीतियों की प्रभावशीलता को बढ़ाया जा सके।
- सार्थक सहयोग के माध्यम से अपनी क्षमताओं के निर्माण द्वारा अन्य प्रबंधन स्कूलों में प्रबंधन शिक्षा और अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार लाना।
- उपरोक्त उद्देश्यों में से किसी एक अथवा सभी के संदर्भ में संस्थान का संचालन और संबंधों का वैश्विकीकरण करना ताकि वैश्विक स्तर पर सम्मानित भारत में पूर्व-प्रख्यात प्रबंधन स्कूल के रूप में उभर सके।

वर्ष का सिंहावलोकन एवं भावी योजना

अपने सर्वोत्तम रूप में, आईआईएमए एक परिवर्तनकारी अनुभव है। यह उन लोगों पर स्थायी प्रभाव छोड़ता है जो इसे अनुभव करते हैं। यह प्रभाव जिस तरह से महसूस हुआ, उसे शायद यह देखकर समझा जा सकता है कि हमारे पूर्व छात्रों (एल्युमिनी) ने खुद कैसे आचरण किया है और उन्होंने जीवन में क्या हासिल किया है। हमारे पूर्व छात्रों ने खुद को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय निगमों, उद्यमियों, सरकारी कर्मचारियों, शिक्षाविदों के अग्रणी, और सामाजिक क्षेत्र के अग्रणियों के रूप में प्रतिष्ठित किया है। जीवन पथ में वे भले ही पारंपरिक रहे हैं, लेकिन हमारे पूर्व छात्र उत्प्रेरक रहे हैं। सामान्य तौर पर और असामान्य तरीके से, उन्होंने अपने आस-पास की दुनिया में बेहतर बदलाव का नेतृत्व किया है।

यह हमारे संस्थान का उत्कृष्ट उद्देश्य है : हम उद्यमों के अग्रणियों को प्रशिक्षित करते हैं।

इस उद्देश्य के लिए, संस्थान ने तीन प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित किया है जोड़ना, शिक्षित (पोषित) करना और विकसित करना। मैं उन गतिविधियों पर प्रकाश डालता हूँ जिनमें इन प्राथमिकताओं में से प्रत्येक में कुछ तो संपन्न हो गई हैं और कुछ की योजना बनाई गई है।

हमारा उद्देश्य पांच कार्य क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत करना है पूर्व छात्र, अनुसंधान, अभ्यास, नीति और समुदाय। पिछले साल, 450 से अधिक पूर्व छात्रों और उनके परिवारों ने आईआईएमए में आयोजित सात पुनर्मिलनों में भाग लिया। हमारे डीन (पूर्व छात्र और बाहरी संबंध) और मैंने भारत और विदेशों में सात एल्युमिनी चैप्टर का दौरा किया। हमारे पूर्व छात्रों और संस्थान के बीच संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए हम एक वैश्विक पूर्व छात्र परिषद की स्थापना करने जा रहे हैं।

अनुसंधान को जोड़ने के साथ मजबूत करने के लिए, हम अनुसंधान वित्त पोषण में काफी वृद्धि करने की योजना बना रहे हैं ताकि साहसी और उत्पादक परियोजनाओं को प्रोत्साहित किया जा सके और उत्कृष्ट कार्य को मान्यता देना जारी रहे।

हम कार्यकारी शिक्षण को एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में देखते हैं जो संस्थान को अभ्यास की दुनिया से जोड़ता है और इस वर्ष भी इस सेतु को मजबूत करना जारी रखने की उम्मीद है। अभ्यास की दुनिया के साथ एक और महत्वपूर्ण सेतु जिसका हम समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, वह केस अनुसंधान है।

आईआईएमए में जेएसडब्ल्यू स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी की स्थापना के साथ, हम पॉलिसी की दुनिया के साथ अधिक निकटता से संबंधित संस्थान के प्रयासों का एक केन्द्र विकसित करने की उम्मीद करते हैं।

यह संस्थान, स्थानीय समुदाय के बच्चों के साथ, छात्रों की अगुवाई वाली पहल प्रयास, और स्थानीय उच्च शिक्षा संस्थानों के छात्रों के साथ ए-लीग के माध्यम से जुड़ा है। इस वर्ष, हमें स्थानीय बच्चों को सेवा सहायता की पहल को जारी रखने और अहमदाबाद/ गाँधीनगर समूह में अन्य शैक्षिक संस्थानों के साथ संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए ए-लीग की सफलता पर काम करने की आशा है।

उच्च-निष्पादन वाले काम के माहौल को विकसित करने के लिए, हम अपने छात्रों को शैक्षिक गतिविधियों से जोडने के साथ-साथ शैक्षिक से अलग गतिविधियों के लिए भी प्रोत्साहित करते हैं। हमें गर्व है कि हमारे छात्र लगातार तीसरे वर्ष भी इंटर-आईआईएम मीट 'संघर्ष' में विजयी रहे हैं। 40 ऑड स्टूडेंट्स क्लब त्यौहारों, मेलों, सम्मेलनों और कार्यक्रमों में भाग लेते हैं, क्योंकि वे न केवल शिक्षा के क्षेत्र में सम्मिलित होते हैं बल्कि जीवन की संपूर्ण खोज करते हैं।

एक उच्च-निष्पादन वाले कार्य वातावरण ने पूरे समुदाय की शिक्षा को समृद्ध करने के लिए पृष्ठभूमि और अनुभवों की विविधता का लाभ उठाया है। हम उम्मीदवारों के लिए समृद्ध मिश्रण को प्रोत्साहित करना चाहते हैं जो प्रवेश के दौरान संपूर्ण मूल्यांकन के द्वारा हमारे कार्यक्रमों में प्रवेश कर सकते हैं और जिन उम्मीदवारों के लिए स्थगित प्रवेश की पेशकश कर रहे हैं वे कुछ कार्य अनुभव से लाभान्वित हो सकते हैं। हम अपने विनिमय कार्यक्रम का समर्थन करना जारी रखेंगे, जिनमें अपने सीखने के अनुभव को समृद्ध करने के उद्देश्य से हमारे 140 पीजीपी छात्रों ने पिछले साल, दोहरी डिग्री के अवसरों और अंतरराष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम में भाग लिया था।

एक शैक्षणिक व्यवस्था में, उच्च निष्पादन को उच्च उम्मीदों के साथ स्वायत्तता के संयोजन के द्वारा प्रोत्साहित किया जाता है। हम अपने छात्रों को उन विषयों और क्षेत्रों के चयन में छूट देते हैं जिनमें वे विशेषज्ञता चाहते हैं, और जो भी विशेषज्ञता क्षेत्र चुनते हैं, हम उनसे उनमें उत्कृष्टता की उम्मीद करते हैं। वैकल्पिक पाठ्यक्रमों का एक जीवंत मिश्रण, क्षेत्रों के व्यापक क्षेत्र में इंटर्नशिप का अनुभव करने की क्षमता, उद्यमशीलता सोच वाले छात्रों को समर्थन करने के लिए उन्हें अपने पंख फैलाने और दिशा में उड़ने की सुविधा प्रदान की जाती है, जिसके लिए वे अपने को सबसे अधिक प्रतिबद्ध मानते हैं।

इसके समानांतर, संस्थान अपनी पसंद के विषयों और विषयों पर कार्य करने में शामिल होने के लिए हमारे संकाय को स्वतंत्रता प्रदान करता है, और जिस भी अनुसंधान क्षेत्र में वे शामिल होते हैं उनसे उत्कृष्टता की उम्मीद करते हैं। हमारे संकाय द्वारा उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान को परिपोषित करने के लिए, अनुसंधान वित्तपोषण में काफी वृद्धि करने की योजना को अलावा, हम उच्च गुणवत्ता वाले संकायों को उन्हें प्रोफेसरशिप की पेशकश करके मान्यता देते हैं।

संस्थान की समाज के प्रति भी समान प्रतिबद्धता है। वहनीय स्वायत्तता का हम यही बेहतरीन इस्तेमाल कर सकते हैं, कि हम अपनी क्षमता का सर्वश्रेष्ठ निष्पादन के लिए प्रयास करने का वादा करते हैं। माननीय अध्यक्ष और बोर्ड संस्थान के लिए प्रतिबद्ध हैं और उन्होंने उत्कृष्टता की खोज में हमें प्रोत्साहित और समर्थन करने के लिए हर संभव प्रयास किया है। उच्च उम्मीदों को बनाए रखते हुए बोर्ड ने प्रबंधन स्वायत्तता को बढ़ावा देने के शक्तिशाली रसायन विद्या का प्रदर्शन किया है।

शैक्षणिक उत्कृष्टता की संस्था के रूप में, हम समाज में व्यापक शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे डॉक्टरेट कार्यक्रम न केवल संस्थान में एक रोमांचक अनुसंधान वातावरण बनाए रखते हैं बल्कि वे फेलो भी तैयार करते हैं जो भारत और विदेशों में अन्य प्रबंधन संस्थानों में संकायों के रूप में योगदान कर सकते हैं। लगभग तीन दशकों से, हमने हमारे संकाय विकास कार्यक्रम के माध्यम से प्रबंधन विद्यार्थियों की शिक्षा में योगदान दिया है। देश में क्षमता निर्माण के लिए अर्थपूर्ण ढंग से योगदान करने के लिए, हम सक्रिय रूप से आईआईएम नागपुर का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

हमारा उद्देश्य रणनीतिक रूप से विकसित होना, हमारा फोकस बनाए रखना, समुदाय की भावना और उच्चतम गुणवत्ता मानकों के प्रति प्रतिबद्धता है। हमारे आदर्श वाक्य विद्या विनियोगात् विकासः - ज्ञान के उपयोग के माध्यम से विकास करना है। शून्य में सीखना पर्याप्त नहीं है, न ही ज्ञान से असमर्थित प्रयास है। हम अपने छात्रों को अभ्यास के साथ ज्ञान को जोडने के लिए शिक्षित करते हैं। जैसे-जैसे हम अपने क्षेत्र का विस्तार करते हैं, वैसे-वैसे हम ज्ञान और अभ्यास के अंतःक्षेपण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रतिबद्ध रहते हैं।

जब हम विकास पर ध्यान देते हैं, तब हम एक बाध्यकारी बाधा का सामना करते हैं, वह है भौतिक आधारभूत संरचना। हम संकाय और छात्र आवास के निर्माण के लिए नई परियोजनाओं और एक नए शैक्षणिक ब्लॉक की शुरूआत कर रहे हैं। हम स्विमिंग पूल के साथ मनोरंजन परिसर का निर्माण कर रहे हैं। हम आईआईएमए में जेएसडब्ल्यू स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी के लिए एक इमारत का निर्माण कर रहे हैं।

ये सभी नए निर्माण हमारे सुंदर परिसर के विकास और नवीनीकरण को सुनिश्चित करने के लिए 25 वर्षीय विकास योजना का पहला चरण होगा। इस परिसर की विरासत और समग्रता को बनाए रखते हुए नया निर्माण हमारे रणनीतिक लक्ष्यों को हासिल करने में मदद करेगा। जैसे-जैसे हम विकसित होते हैं, वैसे-वैसे हमें अपने प्रिय लेकिन पुराने, विरासती परिसर को बचाना और बहाल करना होगा । इस वर्ष हमारे पुस्तकालय और विरासती परिसर के लिए एक बहुवर्षीय संरक्षण परियोजना की शुरूआत होगी।

हम सार्वजनिक नीति में कार्यक्रमों को शामिल करने के लिए चुनिंदा कार्यक्रमों का विस्तार भी दूरस्थ शिक्षा तकनीक का लाभ उठाने वाले मिश्रित शिक्षण कार्यक्रम, और व्यापक कार्यकारी शिक्षा की विस्तृत श्रेणी से करेंगे।

हमने साथ मिलकर पिछले एक साल में काफी प्रगति की है, और हम इस आने वाले वर्ष की हमारी प्राथमिकताओं पर भी मिलकर आगे बढ़ने की योजना बना रहे हैं। जो भी हमने हासिल किया है, और जो कुछ भी हम करने का प्रयास कर रहे हैं, वह पूरे समुदाय के साथ मिलकर कार्य करने पर ही कामयाब हो सकता है और तभी हम उद्यमों के अग्रणियों को शिक्षित करने के हमारे अग्रणी संस्थान होने के लक्ष्य को हासिल कर सकेंगे।

आशीष नंदा

शैक्षणिक कार्यक्रम

वर्तमान में, संस्थान अलग-अलग अवधियों के पाँच शैक्षणिक कार्यक्रम चलाता है प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) (एमबीए के समकक्ष); खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एफ़एबीएम) (एमबीए के समकक्ष); कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स); प्रबंधन में फैलो कार्यक्रम (एफ़पीएम) (पीएच.डी. के समकक्ष); और प्रबंधन शिक्षकों और प्रशिक्षकों के लिए संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)।

1. प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी)

प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) का 52वां बैच 396 छात्रों के साथ 15 जून, 2015 को शुरु हुआ। साल के अंत में, 396 छात्र दूसरे वर्ष में आगे बढे।

कार्यक्रम का दूसरा वर्ष 395 छात्रों के साथ, 10 जून, 2015 को शुरू किया गया। दूसरे वर्ष के अंत में, (डबल डिग्री सहित) 403 छात्र संतोषजनक शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करके स्नातक हुए।

विवरण **परिशिष्ट क1** में दिये गये हैं।

श्रेणी के अनुसार छात्रों के विवरण

छात्र	सामान्य	एनसी-ओबीसी	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	विकलांग	कुल
प्रथम वर्ष	188	107	58	28	15	396
द्वितीय वर्ष	186	105	62	28	14	395

पूर्व-तैयारी (प्रीपरेटरी) कार्यक्रम

पूर्व-तैयारी कार्यक्रम को उन नए प्रविष्ट छात्रों के मतलब से तैयार किया गया है, जो संचार एवं गणितीय कौशलों में अपेक्षाकृत कमजोर हैं। नियमित सत्र के शुरू होने से पहले, 01 जून से 13 जून, 2015 के दौरान आयोजित इस कार्यक्रम में 99 छात्रों ने भाग लिया।

भिविन्यास कार्यक्रम

नए छात्रों के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम 17 से 19 जून, 2015 के दौरान आयोजित किया गया था। इसमें डीन और पीजीपी अध्यक्ष के द्वारा संबोधन के उपरांत, पीजीपी कार्यकारी समिति और कंप्यूटर तथा पुस्तकालय की सुविधा के साथ ही उनके उपयोग से संबंधित जानकारी का उन्मुखीकरण कार्यक्रम रखा गया था। केस तैयारी तथा केस पद्धति पर एक विस्तृत सत्र का भी आयोजन नए छात्रों के लिए किया गया था जिससे छात्र केसों से परिचित हो सकें जो उनके लिए एक प्रमुख शैक्षणिक साधन है। संगठनात्मक व्यवहार विषय-क्षेत्र द्वारा स्वयं की और टीम की प्रक्रियाओं की समझ के लिए व्यवहारात्मक प्रतिबिंब पर एक दो-दिवसीय प्रेरण मॉड्यूल भी प्रस्तुत किया गया था।

ट्यूटोरियल

प्रथम वर्ष के कुछ पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षकों द्वारा ट्यूटोरियल की पेशकश की गई थी जिससे छात्रों को इस कार्यक्रम की आवश्यकताओं में मदद मिल सके।

पाठ्यचर्या

पीजीपी समीक्षा समिति द्वारा नवीनतम अनुसंधान के साथ तालमेल रखने के लिए समय-समय पर पाठ्यक्रम को संशोधित किया जाता है।

इस साल, प्रथम वर्ष के छात्रों ने तीन सत्रों से अधिक में फैले 30 अनिवार्य पाठ्यक्रम (2 नम्य मुख्य पाठ्यक्रम सहित) (22 केडिट) लिए। दूसरे वर्ष में, छात्रों को वैकल्पिक पाठ्यक्रम के न्यूनतम 17 केडिट और अधिकतम 20 केडिट पूरे करने थे।

दूसरे वर्ष के दौरान, कुल 136 पाठ्यक्रमों को वैकल्पिक रूप में पेश किया गया जिनमें से 22 वैकल्पिक पाठ्यक्रमों को पहली बार पेश किया गया था। पन्द्रह पाठ्यक्रमों को दो अनुभागों में पेश किया गया, तीन पाठ्यक्रमों को तीन अनुभागों में, और एक पाठ्यक्रम को चार अनुभागों में पेश किया गया था। इसके अलावा, 129 परियोजना पाठ्यक्रम पेश किए गए।

नए पाठ्यक्रम

दूसरे वर्ष में पेश किए गए नए वैकल्पिक पाठ्यक्रम इस प्रकार थे

- विमानन नीतियाँ और पीपीपी
- डेटा विश्लेषण के लिए बेएसियन तरीके
- बड़े डेटा विश्लेषक
- अभिनव व्यापार डिजाइन के लिए डिजाइन सोच
- वित्तीय मॉडलिंग
- एक प्रशिक्षु के लिए तकनीक पूर्वानुमान
- लोग खेल खेलते हैं : मानव संसाधन प्रबंधन का मनोविज्ञान
- वैश्विक नेतृत्व और प्रभावी लोक प्रबंधन
- प्रबंधकों के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय मुद्दे
- भारत का समष्टि अर्थशास्त्र एक व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य
- विविध संगठनों का प्रबंधन
- बड़े पैमाने पर परिवर्तन अर्थशास्त्र और वित्त
- मोबाइल विपणन की आवश्यकताएँ
- वित्त में अनुकूलन के तरीके
- प्रबंधन के लिए गुणात्मक अनुसंधान
- रेल परिवहन योजना और प्रबंधन
- डिजिटल युग में सामरिक संचार
- प्रौद्योगिकी और नवाचार के सामरिक प्रबंधन
- आपूर्ति श्रृंखला की रणनीति
- स्थिरता और पर्यावरण प्रबंधन
- निर्णय लेने की कला औप शिल्प
- परियोजनाएँ क्यों असफल होती हैं? परियोजनाओं में अनिश्चितता, जटिलता, और जोखिम

दोहरी डिग्री विनिमय कार्यक्रम और एकसत्रीय विनिमय कार्यक्रम

दोहरी डिग्री विनिमय कार्यक्रम

शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों में शैक्षिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को विकसित करने के उद्देश्य से, संस्थान स्नातकोत्तर स्तर पर दोहरी डिग्री कार्यक्रम के लिए निम्नलिखित विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग कर रहा है

- ईएसएसईसी
- बोक्कोनी विश्वविद्यालय
- एचईसी प्रबंध स्कूल
- यूरोपीय बिज़नेस स्कूल
- कोलोन विश्वविद्यालय
- ईएससीपी-यूरोप बिजनेस स्कूल

इस वर्ष के दौरान नौ द्वितीय वर्ष के छात्रों ने ईएसएसईसी बिजनेस स्कूल, बोकोनी विश्वविद्यालय, और एचईसी के दोहरी डिग्री कार्यक्रमों में भाग लिया। वर्ष के दौरान, बोकोनी विश्वविद्यालय से और एचईसी के सात छात्रों ने पीजीपी के दूसरे वर्ष में दोहरी डिग्री विनिमय कार्यक्रम में भाग लिया।

एक सत्रीय विनिमय कार्यक्रम

पीजीपी छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन उपलब्ध कराने की दृष्टि से संस्थान ने एक सत्रीय छात्र विनिमय कार्यक्रम के लिए कई अंतरराष्ट्रीय बिजनेस स्कूलों के साथ सहयोग किया।

इसके तहत, 131 छात्रों को भागीदार विदेशी विश्वविद्यालयों में भेजा गया, जबकि 81 विदेशी छात्र संस्थान में आए। इसके विवरण **परिशिष्ट क2 और क3** में दिए गए हैं।

छात्रवृत्ति

संस्थान ने शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर बड़ी संख्या में छात्रवृत्तियाँ प्रदान की हैं। संस्थान जरूरत के आधार पर भी छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है।

उद्योग छात्रवृत्ति

चालीस छात्रों को शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर उद्योग छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई।

आदित्य बिड़ला छात्रवृत्ति

आदित्य बिड़ला ग्रुप ने 10 छात्रों को प्रत्येक को 1,75,000/ रुपए की छात्रवृत्ति राशि के लिए चुना।

भा. प्र. संस्थान अहमदाबाद की विशेष आवश्यकता आधारित छात्रवृत्तियाँ (एसएनबीएस)

संस्थान ने इस वर्ष के दौरान आवश्यकता आधारित विशेष छात्रवृत्ति लगभग 4,80,14,000 रुपए की छात्रवृत्तियां दी। यह छात्रवृत्ति 50,000/ रुपए से लेकर 6,09,000/ रुपए तक थी। कुल पाठ्यक्रम फीस का अधिकतम 70 प्रतिशत समर्थन 76 छात्रों को दिया गया। इन छात्रवृत्तियों को प्राप्त करने वाले छात्रों का विवरण पाठ्यक्रम के अनुसार निम्न प्रकार है :-

	छात्रों की संख्या	राशि (रु.)
पीजीपी-द्वितीय	56	1,85,31,000
पीजीपी-एफ़एबीएम-द्वितीय	20	73,08,000
पीजीपी-प्रथम	134	1,69,05,000
पीजीपी-एफ़एबीएम-प्रथम	29	52,70,000
कुल	**239**	**4,80,14,000**

भारत सरकार - शीर्ष स्तर की शिक्षा के लिए केन्द्रीय क्षेत्र की छात्रवृत्ति योजना

अनुसूचित जाति : प्रथम वर्ष के छात्रों से प्राप्त पाँच आवेदनों को छह नवीकरण आवेदन पत्रों के साथ-साथ मानव संसाधन विकास मंत्रालय को भेजा गया था। इस वर्ष के दौरान नवीकरण की गई छात्रवृत्तियों के लिए अनुदान प्राप्त हुआ और वितरित किया गया। प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए अनुदान की प्रतीक्षा है।

अनुसूचित जनजाति : प्रथम वर्ष के छात्रों से प्राप्त पाँच आवेदनों को चार नवीकरण आवेदन पत्रों के साथ-साथ मानव संसाधन विकास मंत्रालय को भेजा गया था। नवीकरण की गई छात्रवृत्तियों

के लिए अनुदान प्राप्त हुआ और इस वर्ष के दौरान वितरित किया गया। प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए अनुदान की प्रतीक्षा है।

आईआईएमए अनुसूचित जाति / जनजाति छात्रवृत्ति

वर्ष के दौरान, 182 छात्रों को प्रत्येक को 1500 रुपए के हिसाब से अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई।

अन्य एजेंसियों द्वारा संस्थापित छात्रवृत्तियाँ

- पीजीपी द्वितीय वर्ष के रक्षित गुप्ता को 1,00,000/ रुपए की टी. थॉमस छात्रवृत्ति प्रदान की गई।
- शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए प्रति छात्र 1,00,000/ रु की दुनिया वित्त छात्रवृत्ति निम्नलिखित पाँच छात्रों को प्रदान की गई:-
  - अनुराग अग्रवाल
  - आयुष अग्रवाल
  - अवनि जैन
  - अनिरुद्ध जैन
  - उज्ज्वल कालराध
- कई पीजीपी पूर्वछात्रों ने उदारता से जरूरतमंद छात्रों का समर्थन करने के लिए संस्थान में आर्थिक योगदान दिया है। जबकि निधि में से कुछ पूँजी का उपयोग एसएनबीएस के लिए तथा कुछ पूँजी का उपयोग वापसी योग्य आधार पर एसएनबीएस पुरस्कृतों के लिए टॉप-अप के रूप में किया गया।

राज्य सरकार से छात्रवृत्तियाँ

कर्नाटक सरकार द्वारा प्रायोजित छात्रवृत्ति जी.वी. चंदन कुमार को प्रदान की गई थी। छात्रवृत्ति की राशि 8,16,000 रू थी।

छात्रवृत्तियों का विवरण **परिशिष्ट क4** में दिया गया है।

अन्य पुरस्कार

श्री एस. के. शेठ स्मारक पुरस्कार

यह पुरस्कार श्रीमती शांति शेठ द्वारा संस्थापित अपने पति स्व. श्री एस.के. शेठ, संस्थान के प्रथम पुस्तकालयाध्यक्ष की स्मृति में पीजीपी कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में उच्चतम ग्रेड अंक प्राप्त करने वाले एक छात्र को दिया जाता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार आयुष अग्रवाल को दिया गया।

एस. उमापति पुरस्कार

यह पुरस्कार स्वर्गीय एस. उमापति के भाई द्वारा, किसी एक छात्र की शैक्षणिक उत्कृष्टता को पहचान दिलाने के लिए संस्थापित है, और संस्थान के साथ सहयोग की उनकी स्मृति में पीजीपी प्रथम वर्ष के श्रेष्ठ छात्र को दिया जाता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार आयुष अग्रवाल को दिया गया।

सर्वोत्तम पीजीपी ऑल राउंडर के लिए कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास पुरस्कार

कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास पुरस्कार, स्वर्गीय श्री कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास के माता-पिता द्वारा किसी असाधारण छात्र के बहुमुखी प्रदर्शन को पहचान दिलाने एवं संस्थान के साथ श्रीनिवास की स्मृति में सम्मान के लिए स्थापित किया गया था। इस वर्ष, यह पुरस्कार अर्जुन बनर्जी को दिया गया।

प्रायोजक	राशि (रु.)	प्राप्तकर्ता	कक्षा / बैच
पीजीपी 1969 कक्षा बंदोबस्ती कोष	2,00,000	करिकलन डी.	पीजीपी-प्रथम / 2014-16
	2,00,000	बीवीएस फणीन्द्र	पीजीपी-प्रथम / 2014-16
	2,00,000	नायडू वेंकटरमण राव	पीजीपी-प्रथम / 2014-16
तेग इंडस्ट्रीज (श्री मदन मोहन्का)	1,00,000	मोनीष बख्शा	पीजीपी-द्वितीय/ 2014-16
श्री बी.वी. दोशी	3,00,000	अमृता डोकनिया	पीजीपी-द्वितीय/ 2014-16
श्री दीपक गुप्ता	3,00,000	करिकालन डी.	पीजीपी-द्वितीय/ 2014-16
	3,00,000	रयान जूड मोन्तेरियो	पीजीपी-द्वितीय/ 2014-16
पेरी विश्वनाथ छात्रवृत्ति, 2001कक्षा	4,00,000	गुलसार अहमद	पीजीपी-द्वितीय/ 2014-16 (दो साल के लिए)
तारावती ट्रस्ट (एमसीएम)	80,000	एंड्रयू जॉन विन्नी	पीजीपी-प्रथम/ 2015-17
एसएनबीएस के साथ विलय की गई छात्रवृत्तियाँ			
वारबर्ग पिंकस	16,80,000		पीजीपी-प्रथम / पीजीपी-द्वितीय एवं एफ़एबीएम-प्रथम /एबीएम-द्वितीय
श्री अर्जुन नंदा	16,50,000		पीजीपी-प्रथम / पीजीपी-द्वितीय एवं एफ़एबीएम-प्रथम / एबीएम-द्वितीय
श्री दीप कालरा	2,50,000		पीजीपी-प्रथम / पीजीपी-द्वितीय एवं एफ़एबीएम-प्रथम / एबीएम-द्वितीय
उद्योग एनबीएस फंड	10,000		पीजीपी-प्रथम / पीजीपी-द्वितीय एवं एफ़एबीएम-प्रथम / एबीएम-द्वितीय

शैक्षिक प्रदर्शन के लिए देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्वर्ण पदक

यह पुरस्कार, भारत के प्रथम राष्ट्रपति, स्व. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की स्मृति में कामधेनु फाउंडेशन द्वारा स्थापित किया गया है। यह उस छात्र को दिया जाता है जो कार्यक्रम के दोनों वर्षों में सर्वोच्च ग्रेड अंक प्राप्त करता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार आयुष अग्रवाल को दिया गया था।

महिला ऑल राउंडर पुरस्कार

पीजीपी महिला ऑल राउंडर उत्कृष्टता पुरस्कार, इस संस्थान के पूर्वछात्र श्री अरुण दुग्गल की पत्नी सुश्री रीता दुग्गल द्वारा एक असाधारण महिला छात्रा के ऑलराउंड निष्पादन को पहचान देने हेतु स्थापित किया गया है। इस वर्ष, यह पुरस्कार सुश्री अर्पिता शेट्टी को दिया गया।

पीजीपी महिला ऑल राउंडर उत्कृष्टता स्वर्ण पदक क्वेजल फाउंडेशन द्वारा एक असाधारण महिला छात्रा के ऑल राउंड निष्पादन को मान्यता देने हेतु स्थापित किया गया है। इस वर्ष, यह पुरस्कार सुश्री अर्पिता शेट्टी को दिया गया।

सजीव सिरपाल शैक्षणिक एवं सृजनात्मकता उत्कृष्टता पुरस्कार

सुश्री कनक सिरपाल (1984) एवं मित्रों द्वारा संस्थापित यह पुरस्कार श्री सजीव सिरपाल (पीजीपी 1984) की स्मृति में छात्रों में शिक्षाविदों एवं सृजनात्मकता की पहचान करने के लिए दिया जाता है। इस वर्ष, ये पुरस्कार अनुराग अग्रवाल और शैली अनंत राणे को दिए गए।

श्रीमती जे. नगम्मा स्मारक पुरस्कार

यह पुरस्कार श्रीमती जे. नगम्मा की स्मृति में उनके पुत्र श्री प्रमोद कुंजू (पीजीपी 1999) द्वारा शैक्षणिक उत्कृष्टता को पहचान दिलाने के लिए स्थापित किया गया है। यह उस छात्र को दिया जाता है जो पीजीपी प्रथम वर्ष के कार्यक्रम में सर्वोच्च सीजीपीए (संचयी ग्रेड बिंदु औसत) प्राप्त करता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार आयुष अग्रवाल को दिया गया था।

श्री जी.सी. मित्तल उद्यमिता आर्थिक सहायता

यह पुरस्कार श्री अंकित मित्तल (पीजीपी 2005) द्वारा उन छात्रों के लिए स्थापित किया गया है जो स्वयं का उद्यम शुरू करना चाहते हैं। इस वर्ष, यह सहायता पूजा मेहरा को दी गई थी।

उत्कृष्ट खिलाड़ी पुरस्कार

यह पुरस्कार श्री सुनील चैनानी (पीजीपी 1980) द्वारा स्थापित किया गया है। यह खेल में सर्वांगीण उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र को दिया जाता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार सुश्री अजीता बनर्जी और श्री वरुण यादव (एफ़एबीएम) को दिए गए थे।

प्रवेश

पीजीपी 20152017 बैच में शामिल हुए उम्मीदवारों को इस प्रकार वर्गीकृत किया गया है :

	पुरुष	महिला	कुल
सामान्य	161	27	188
नॉन-क्रीमी ओबीसी	93	14	107
अनुसूचित जाति	48	10	58
अनुसूचित जनजाति	24	4	28
विकलांग	13	2	15
कुल	**339**	**57**	**396**

कैट 2015 का आयोजन 29 नवंबर 2015 को एक कंप्यूटर आधारित परीक्षा के रूप में किया गया था।

जून 2016 से शुरू होने वाले स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए 1,66,596 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें विदेशी उम्मीदवार भी शामिल थे। तुलनात्मक आंकड़े इस प्रकार हैं :

	बैच 2015-2017			बैच 2016-2018			
वर्ग	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	ट्रांस जेंडर	कुल
सामान्य	84939	38350	123322	86150	43087		129237
नॉन-क्रीमी ओबीसी	15305	4695	20000	16406	5510	37	21953
अनुसूचित जाति	7967	2749	10716	8497	3163		11660
अनुसूचित जनजाति	2008	839	2847	2157	892		3049
विकलांग	500	97	597	577	90		667
जीमैट / विदेशी भारतीय	20	7	27	17	2		19
एसएनक्यू (अधिसंख्य कोटा)	4	2	6	9	2		11
कुल	**110743**	**46739**	**157482**	**113813**	**52746**	**37**	**166596**
	70.32	**29.68**	**100.00**	**68.32**	**31.66**	**0.02**	**100.00**

पीजीपी 2016-2018 बेच के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या, अकादमिक लेखन परीक्षा और व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए बुलाए गए उम्मीदवारों (एडब्लूटी एवं पीआई) की संख्या के विवरण **परिशिष्ट क5** में दिए गए हैं।

2. खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एफएबीएम)

खाद्य, कृषि-व्यवसाय, ग्रामीण, तथा संबद्ध क्षेत्रों में संगठनों की चुनौतियों से निपटने के लिए युवा महिलाओं एवं पुरुषों को गतिशील व्यावसायिक प्रबंधकों, अग्रणियों, तथा उद्यमियों के रूप में तैयार करने के लिए खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम बनायागया है। शुरूआत से ही संस्थान ने अपने महत्त्वपूर्ण हिस्से के रूप में कृषि, खाद्य, तथा अन्य विकासात्मक क्षेत्रों से संबंधित प्रबंधकीय मुद्दों को स्वीकार किया है।

उद्देश्य

इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पुरुषों और महिलाओं को खाद्य और कृषि व्यवसाय, ग्रामीण और संबंधित क्षेत्रों के लिए सक्षम व्यवसायी प्रबंधकों के रूप में विकसित करना है। बढ़ती हुई पर्यावरणीय चिंताओं एवं उच्चतम बाजारोन्मुख वातावरण में चुनौतियाँ बढ़ने से कृषि खाद्य उद्योग नीतियों में परिवर्तन करने और उन परिवर्तनों का प्रबंध करने के लिए जोशीले ढंग से प्रतिक्रिया करने की आवश्यकता है। अभिनव कौशलों के साथसाथ जो लोग इस उद्योग में कार्यरत हैं उन्हें प्रबंधकीय कौशलों की विभिन्नता की, नीति पर्यावरण से परिचित होने की, और एक रणनीतिक परिप्रेक्ष्य की जरूरत है। इन बदलावों की प्रक्रिया को प्रबंधित और नेतृत्व करने के इस कठिन कार्य के लिए इस कार्यक्रम द्वारा छात्रों को तैयार किया जाता है। इस कार्यक्रम के उद्देश्य इस प्रकार से हैं :

- कृषि व्यवसाय के विशिष्ट संदर्भ में प्रबंधकीय निर्णय लेने और लागू करने के लिए एक सामाजिक उद्देश्य की भावना के साथ-साथ छात्रों को वैचारिक और पारस्परिक कौशल के साथ तैयार करना।
- कृषि व्यवसाय के क्षेत्र छात्रों को सफल व्यावसायियों में परिवर्तित करने के लिए कृषि उद्यमिता को बढ़ावा देना।
- छात्रों को परिवर्तन के अनुकूल बनने में सक्षम बनाते हुए उनमें नेतृत्व क्षमता का विकास करना और जिन संगठनों में वे काम करते हैं वहाँ काम करने के लिए प्रेरित करना।
- छात्रों के दृष्टिकोण को व्यापक बनाना और उनमें व्यावसायिकता, अखंडता, नैतिकता, और सामाजिक प्रतिबद्धता के मूल्यों को बढ़ाना।

प्रवेश

छात्र समुदाय द्वारा इस कार्यक्रम को अच्छी प्रतिक्रिया मिली। वर्ष 2015-16 में संस्थान को 1,13,973 आवेदन प्राप्त हुए। इसके विवरण **परिशिष्ट ख1 और ख2** में दिए गए हैं। एक कठिन चयन प्रक्रिया के बाद, जिसमें सामान्य प्रवेश परीक्षा (कैट), समूह चर्चा, एवं साक्षात्कार शामिल थे, इस कार्यक्रम में 46 छात्रों को दाखिला मिला।

तैयारी कार्यक्रम

सभी नए छात्रों को उनके गणित, संचार एवं कंप्यूटर कौशलों को मजबूत करने हेतु 1 जून से 13 जून, 2015 तक चलाए गए प्रारंभिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए कहा गया। इस बार कृषि से परिचय नाम के एक नए मॉड्यूल की शुरूआत की गई जो ऐसे छात्रों के लिए था जो कृषि क्षेत्र की औपचारिक शैक्षिक पृष्ठभूमि से नहीं थे।

अभिविन्यास कार्यक्रम

नए बैच के लिए 17 से19 जून, 2015 के दौरान एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पीजीपी-एफ़एबीएम कार्यकारी समिति के साथ बातचीत हुई और संस्थान की कंप्यूटर एवं पुस्तकालय सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। छात्रों को केस पद्धति शिक्षण से परिचित कराने के लिए केस तैयारी तथा केस चर्चा पर एक सत्र का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का दूसरा वर्ष 45 छात्रों के साथ, 10 जून, 2015 को शुरुहुआ। प्रथम वर्ष (2015-16) के अंत में, 46 छात्र प्रथम वर्ष से दूसरे वर्ष में पदोन्नत हुए।

इसके विवरण **परिशिष्ट ख3** में दिए गए हैं।

पाठ्यक्रम

इस कार्यक्रम का प्रथम वर्ष पीजीपी के साथ समान ही रहता है। छात्रों ने 30 अनिवार्य पाठ्यक्रम (22.50 केडिट्स) लिए जो छह स्लॉटों में थे। एक नया अनिवार्य पाठ्यक्रम ग्रामीण, सामाजिक और संस्थागत परिवेश की शुरुआत इस वर्ष विशेष रूप से एफ़एबीएम छात्रों के लिए की गई।

द्वितीय वर्ष में कृषि व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं को समाहित करते हुए चार क्षेत्रविशेष अनिवार्य पाठ्यक्रम और 27 ऐच्छिक पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए गए। दो नए ऐच्छिक पाठ्यक्रम कृषि भंडारण और कृषि बाजार एवं मूल्य निर्धारण प्रस्तुत किए गए। दूसरे वर्ष के छात्रों को न्यूनतम 17 केडिट और अधिकतम 20 केडिट के लिए पंजीयन करना जरूरी था। उन्हें अन्य कार्यक्रमों से भी 3.5 केडिट के लिए पंजीयन करने के लिए अनुमति मिली थी।

ग्रामीण निमज्जन मॉड्यूल

ग्रामीण निमज्जन मॉड्यूल का उद्देश्य छात्रों को ग्रामीणों के जीवन से संपर्क कराना, ग्रामीणों के साथ बातचीत से सीखना और

ग्रामीण परिवेश, समाज, संस्थानों, एवं अर्थव्यवस्था से परिचित होने का एक मौका प्रदान कराना है। 30 मार्च से 9 अप्रैल, 2015 के दौरान इस ग्रामीण मॉड्यूल का पहला चरण आयोजित किया गया। छात्रों को नौ समूहों में विभाजित किया गया। भारत की श्रेष्ठ एनजीओ गैर-सरकारी संगठन में से एक ऐसे बीएआईएफ़, पुणे में छह समूहों को रखा गया। अन्य तीन समूहों को मेहसाणा, बारडोली, और अमलसाड में रखा गया। दूसरा चरण इन्हीं स्थानों पर, 12 से 22 दिसंबर, 2015 के दौरान आयोजित किया गया था।

छात्रवृत्तियाँ

अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के सभी छात्रों को भारत सरकार की अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई। आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों की मदद करने के लिए, संस्थान ने आवश्यकता के आधार पर छात्रवृत्तियाँ प्रदान की।

पुरस्कार

श्री आर.सी. माथुर (आईआईएम अहमदाबाद के पीएमए 1072 बैच) पुरस्कार सर्वोत्तम आल राउंडर पीजीपी-एबीएम छात्रा सुश्री अमृता डोकानिया को दिया गया।

विनिमय कार्यक्रम

पीजीपी-एफ़एबीएम में द्वितीय वर्ष के पांच छात्रों को ईएसएसईसी एमएस एग्रीबिजनेस स्कूल भेजा गया और दो छात्रों को ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय भेजा गया और इन सभी ने वहाँ सितंबर से दिसंबर 2015 तक का एक सत्र बिताया।

3. कार्यपालकों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स)

पीजीपीएक्स कार्यक्रम की शुरूआत 9 अप्रैल, 2016 से हुई जिसमें 16 छात्राओं सहित कुल 85 छात्र शामिल थे। प्रतिभागियों की औसत उम्र 33 वर्ष थी और कार्यानुभव 9 वर्ष था जिसमें अंतरराष्ट्रीय अनुभव भी शामिल था। इस बैच का प्रोफ़ाइल **परिशिष्ट ग1** में दिया गया है।

कार्यक्रम संरचना और पाठ्यक्रम

पाँच शैक्षणिक सत्रों में विस्तारित पीजीपीएक्स कार्यक्रम की संरचना छह खंडों में की गई है प्रेरण, घटकों का निर्माण, शीर्ष प्रबंधन की तैयारी, अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन, ऐच्छिक, और कैपस्टोन। सात नए पाठ्यक्रम सहित चौबीस मुख्य / अनिवार्य तथा बहत्तर ऐच्छिक पाठ्यक्रमों की पेशकश इस अकादमिक वर्ष के दौरान की गई जिनमें 7 नए पाठ्यक्रमों सहित 40 पाठ्यक्रम चलाए गए।

इस वर्ष के दौरान पेश किए गए नए पाठ्यक्रमों की सूची **परिशिष्ट ग2** में दी गई है।

अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम

अंतरराष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम 6 से 18 सितंबर, 2015 के दौरान आयोजित किया गया। प्रतिभागियों ने तीन समूहों में इस प्रकार यात्रा की :-

- चाइनीज़ युनिवर्सिटी ऑफ हाँगकाँग, चाइना (30 छात्र)
- वारविक बिजनेस स्कूल (17 छात्र)
- एकोल सुपरियरेद कॉमर्स पेरिस, पेरिस (38 छात्र)

भारत में कारोबार करना

वारविक बिजनेस स्कूल से आए विनिमय छात्रों के लिए इस मॉड्यूल का आयोजन किया गया था। इसमें निम्नलिखित विषयों को समाहित किया गया :

- भारत में व्यापार
- भारत में व्यापार मध्यस्थता
- संकट संचार
- हितधारकों के साथ सहभागिता
- समावेशी नवाचार
- भारतीय अर्थव्यवस्था और विश्व व्यापार संगठन
- भारतीय अर्थव्यवस्था सूक्ष्म आर्थिक परिप्रेक्ष्य
- भारतीय वित्तीय प्रणाली
- भारतीय ग्राहकों के लिए विपणन
- भारत में पेटेंट संरक्षण
- भारत में पीपीपी (सार्वजनिक निजी सहकारिता)
- दुकान का स्थापन और भारत में व्यापार को बढ़ाना
- भारत में व्यापार रहस्य और संरक्षण
- भारत और भारतीय ग्राहकों को समझना

कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में, प्रतिभागियों ने अहमदाबाद में मोटिफ़ एटरप्राइज़ेस (केपीओ) और जीवीके ईएमआरआई (108 एम्बुलेंस सेवा) केंद्र का दौरा किया।

ईएससीपी छात्रों के लिए मॉड्यूल

एक अन्य मॉड्यूल ईएससीपी, पेरिस से आए विनिमय छात्रों के लिए आयोजित किया गया था। इस मॉड्यूल में निम्नलिखित विषय शामिल हैं :

- भारत में व्यापार
- आर्थिक नीति सुधार
- भारत में विकास का इतिहास
- भारत देश, इसकी संस्कृति, राष्ट्रीयता, इतिहास और उपभोक्ताओं का एक संक्षिप्त अवलोकन

- बौद्धिक संपदा अधिकारों सहित विधिक परिवेश
- भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए संभावनाएँ
- भारतीय वितरण प्रणाली से निपटना
- भारतीय उपभोक्ता को समझना

कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में, प्रतिभागियों ने गुजरात चाय प्रोसेसर (वाघ बकरी चाय कंपनी), अटीरा (अहमदाबाद वस्त्र उद्योग अनुसंधान संघ), और संस्थान में नवाचार उन्मायन एवं उद्यमिता केंद्र का दौरा किया।

अकादमिक प्रदर्शन और छात्रवृत्तियाँ

सभी 85 छात्र सफलतापूर्वक स्नातक हुए। उन्हें निम्नलिखित प्रशस्ति पत्रों से सम्मानित किया गया :

- पीजीपीएक्स टॉपर को स्वर्ण पदक श्री प्रसन्न वेंकटेशन श्रीनिवासन आय्यंगर
- शीर्ष पाँच छात्रों को प्रत्येक के लिए 30,000/ रु का नकद अकामदिक मेरिट पुरस्कार श्री प्रसन्ना वेंकटेशन श्रीनिवासन अय्यंगार, श्री विनोद शशिकांत कुलकर्णी, श्री शालीन मनीष पटेल, श्री अतुल कुमार, और श्री जयपाल सिंह यादव।
- श्री अरुण दुग्गल (अध्यक्ष श्री राम कैपिटल लिमिटेड, आईआईएमए के आकगंतुक संकाय और 1974 बैच के पूर्वछात्र) द्वारा प्रायोजित 1,00,000/ रु का सर्वश्रेष्ठ उत्कृष्टता पुरस्कार श्री विनोद शशिकांत कुलकर्णी
- शापूरजी पालोनजी उभरते सितारे शैक्षणिक योग्यता पुरस्कार श्री अंशुल श्रीवास्तव।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान

पीजीपीएक्स कार्यक्रम ने फाइनेंशियल टाइम्स एफटी ग्लोबल एमबीए रैंकिंग2016 में विश्व स्तर पर अपना सर्वश्रेष्ठ स्थान बनाए रखा। यह कार्यक्रम कैरियर प्रगति में प्रथम स्थान पर तथा समग्र दृष्टि से 24वें स्थान पर रहा।

पीजीपीएक्स छात्र गतिविधियाँ

कोनेक्सियन 2015

कोनेक्सियन 2015, वार्षिक व्यापार सम्मेलन 8 से 9 अक्टूबर 2015 के दौरान आयोजित किया गया। व्यापार जगत के लगभग 30 व्यावसायिक अग्रणियों ने विज़न 2025 भारत को वैश्विक नवाचार नक्शे पर स्थापित करना मुख्य विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए इस समारोह में भाग लिया। इसके उप-विषयों में स्मार्ट सिटीज़ में आईओटी (इंटरनेट ऑफ़ थिंग्सचीज़ों का इंटरनेट), नवोन्मेष को बढ़ावा देने में वित्त की भूमिका, मीडिया में नवाचार तथा मनोरंजन उद्योग, भारतीय विनिर्माण उद्योग में नवाचार की प्रासंगिकता, आत्मनिर्भर डिजिटल भारत का निर्माण, ग्राम्य खेलों में नवाचार तथा समाज के उत्थान में उसकी भूमिका आदि शामिल थे। मुख्य वक्ता और वरिष्ठ अधिकारियों ने छात्रों तथा शिक्षकों के साथ अपने विचार साझा किए।

पीजीपीएक्स पूर्वछात्र मिलन

पीजीपीएक्स 2016 के बैच ने कोनेक्सियन 2015 के दौरान अपने अतिरिक्त कार्य के रूप में पूर्वछात्र मिलन समारोह का आयोजन किया। इस मिलन समारोह में पचहत्तर पूर्वछात्र उपस्थित रहे और पीजीपीएक्स द्वारा व्यवसाय प्रबंधन की उनकी समझ को कैसे बढ़ावा मिला उस पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने उद्योग की अपेक्षाओं पर भी अपने बहुमूल्य सुझाव साझा किए।

पीजीपीएक्स वक्ता श्रृंखला

वक्ता श्रृंखला एक पीजीपीएक्स छात्रों की एक पहल है जहाँ वरिष्ठ कंपनी अग्रणियों और प्रख्यात नागरिकों को छात्रों के साथ अपने अनुभवों को साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। इस वर्ष सोलह वक्ताओं ने अपने अनुभव साझा किये। इसके विवरण **परिशिष्ट ग3** में दिए गए हैं।

प्रवेश

इस कार्यक्रम के लिए 923 आवेदन प्राप्त हुए और इनमें से साक्षात्कार के लिए 409 आवेदनों को लघुसूचीकृत किया गया। 100 उम्मीदवारों को अंतिम प्रस्ताव दिए गए और 10 को प्रतीक्षा सूची में रखा गया जिनमें से 9 को आगे बढ़ाया गया। अंततः, 90 उम्मीदवार (इसमें पिछले वर्ष के स्थगित 3 शामिल किए गए) कार्यक्रम से जुड़े जिनमें 20 छात्राएँ हैं। चार उम्मीदवारों ने अपने प्रवेश को स्थगित करते हुए आगामी अप्रैल 2017 में शुरू होने वाले बैच में शामिल होने का निर्णय लिया।

4. प्रबंध में फैलो कार्यक्रम

वर्ष 2016 में स्नातक हुए 12 छात्रों सहित इस वर्ष तक 319 छात्रों ने भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद फेलो की उपाधि प्राप्त की है। 41 छात्र शोध प्रबंध चरण में हैं और 39 छात्र पाठ्यक्रम कार्य कर रहे हैं।

वर्ष 2015-16 में स्नातक हुए छात्रों के नाम **परिशिष्ट घ** में दिए गए हैं।

पुरस्कार

आईएफसीआई शोध-प्रबंध पुरस्कार

	शोध-प्रबंध का शीर्षक	पुरस्कार
प्रंतोश जे. बनर्जी (विपणन)	बंडल घटकों के लिए उपभोक्ताओं की आईआरपी में परिवर्तन पर बंडल रूप का प्रभाव	50,000 रु
अमित के. वत्स (उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके)	अनिश्चित सर्वर की संख्या के साथ बहुअवधि सुविधा स्थान की समस्या	50,000 रु

प्रोफ़ेसर तीरथ गुप्ता स्मारक पुरस्कार

	शोध-प्रबंध का शीर्षक	पुरस्कार
हर्ष दाधीच (विपणन)	ब्रांड के विदेशीपन की धारणा उपभोक्ताओं के वर्गीकृत मनसूबे की एक जाँच और ब्रांड मूल्यांकन पर इसके प्रभाव	33,000 रु
कमल शर्मा (व्यापार नीति)	बड़ी भारतीय फर्मों में सामरिक परिवर्तन पर सीईओ के उत्तराधिकार का प्रभाव	33,000 रु
खान्डेपरकर कपिल लक्ष्मण (विपणन)	चलो उस चेहरे पर एक मुस्कान लाएँ विनोदी विज्ञापनों की असंबद्धता पर एक अध्ययन	33,000 रु

प्रथम वर्ष में सर्वश्रेष्ठ शैक्षिक प्रदर्शन के लिए चौधरी-पद्मनाभन पंत पुरस्कार

- अर्पित शाह 10,000 रु

सम्मेलन / डॉक्टरल वार्ता / कंसोर्टियम में छात्रों की प्रतिभागिता / आधार पत्र प्रकाशन

सम्मेलन	
अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	13
घरेलू सम्मेलन	13
कुल सम्मेलन	26
कुल छात्रों ने भाग लिया	21
डॉक्टरल वार्ता / कंसोर्टियम	
अंतर्राष्ट्रीय डॉक्टरल वार्ता	1
घरेलू डॉक्टरल वार्ता	1
कुल डॉक्टरल वार्ता	2
कुल छात्रों ने भाग लिया	2
आधार पत्र प्रकाशन	
कुल प्रकाशित आधारपत्र	20
शामिल छात्रों की कुल संख्या	10

पिछले 10 वर्षों की पीजीपी, पीजीपी-एफ़एबीएम, पीजीपीएक्स, और एफ़पीएम छात्रों की संख्या के विवरण **परिशिष्ट ङ** में दिए गए हैं।

स्थानन

पीजीपी

पीजीपी के लिए अंतिम स्थानन प्रक्रिया सफलतापूर्वक तीन समूहों के भीतर पूरी कर ली गई जिनमें छात्रों को 13 क्षेत्रों और उनकी पसंद के कार्यों के लिए स्थानन किया गया।

स्थानन प्रक्रिया

कंपनियों को प्रस्तावित प्रोफ़ाइल के आधार पर सहकर्मी-समूहों में बाँटा गया और इन सहकर्मी समूहों को विभिन्न समूहों में परिसर पर आमंत्रित किया गया था। पिछले वर्षों की तरह, इस वर्ष भी छात्रों को उनके सपनों के अनुरूप, स्थानन के प्रस्ताव मिलने के बावजूद बाद वाले समूहों में अपनी पसंद की कंपनी में आवेदन करने की सुविधा उपलब्ध करायी गई। इस वर्ष 100 से अधिक छात्रों नें अपने सपनों के लिए आवेदन किया था। इससे छात्रों को अपनी पसंद के क्षेत्रों में करियर बनाने के अवसर और विकल्प मिले। छात्रों को नवाचार एवं उद्यमायन उद्यमिता केन्द्र सीआईआईई के मार्गदर्शन के तहत अपने उद्यमशील विचारों पर काम करने का भी अवसर मिला।

क्षेत्रीय अवलोकन

विभिन्न क्षेत्रों और भौगोलिक प्रदेशों से कंपनियाँ स्थानन प्रक्रिया में उपस्थित रही। प्रबंधन और आला परामर्श डोमेन में भर्तीकर्ता के रूप में अन्य सभी कंपनियों में एक्सेंचर स्ट्रेटेजी, अल्वारेज़ एंड मार्सल, ए.टी. कर्नी, बैन एंड कंपनी, मैकिन्से एंड कंपनी, मॉनिटर डेलॉइट, रोलाण्ड बर्गर, और बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप शामिल थीं। निवेश बैंकिंग और बाजार स्थानों में प्रमुख नियोक्ताओं में बैंक ऑफ अमेरिका, मेरिल लिंच, सिटी बैंक, ड्यूश बैंक, गोल्डमैन सैक्स, जे. पी. मॉर्गन, कोटक आई. बी. और स्टैंडर्ड चार्टर्ड शामिल थे। बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा नियोक्ताओं में से एक्सिस बैंक, भारती एक्सा, और यस बैंक ने अपने प्रस्तावों को विस्तारित किया।

बिक्री और विपणन के कार्यभार के लिए अन्य कंपनियों में एयरटेल, डिज्नी, एचयूएल, जॉनसन और जॉनसन, पी एंड जी,

रेकिट बेंकिजर, स्टार इंडिया, वोडाफोन, और विप्रो जैसे नियोक्ताओं द्वारा पेशकश की गई थी। सामान्य प्रबंधन सहकर्मी में आदित्य बिड़ला समूह, टाटा एड्मिनिस्ट्रेटिव सर्विसीज़, सी.के. बिड़ला, महिंद्रा एंड महिंद्रा, और विप्रो ने भाग लिया। इंटरनेट और ईकॉमर्स में अमेज़न, फ्लिपकार्ट, ओला कैब्स, और स्प्रिंकलर जैसे नियोक्ता थे। प्रौद्योगिकी सहयोगियों में गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियों में कार्यभार के लिए पेशकश की गई थी।

शीर्ष नियोक्ता

सन् 2016 में 110 से अधिक कंपनियों ने अंतिम स्थानन प्रक्रिया में भाग लिया। जिन कंपनियों ने परिसर में आकर सबसे अधिक पेशकश रखीं उनमें एक्सेंचर स्ट्रेटेजी, अमेज़न, बैन एंड कंपनी, फ्लिपकार्ट, मैकिन्से एंड कंपनी और बोस्टन कंसल्टिंग समूह शामिल थीं। एक्सेंचर स्ट्रेटेजी ने सर्वाधिक 18 पेशकश रखीं। वैश्विक बैंकों में गोल्डमैन सैक्स सबसे बड़ा भर्तीकर्ता बना जिसने 7 छात्रों को चुना। बिक्री और विपणन के डोमेन में, स्टार इंडिया ने 9, और प्रोक्टर एंड गैंबल ने 8 पदों के लिए पेशकश रखीं। 7 पेशकशों के साथ आदित्य बिड़ला समूह जनरल प्रबंधन सहकर्मी में सबसे बड़ा भर्तीकर्ता रहा। इंटरनेट और ईकॉमर्स के क्षेत्र में, फ्लिपकार्ट ने विपणन, संचालन, उत्पाद विपणन और उत्पाद प्रबंधन में पदों के लिए छात्रों के समक्ष 17 प्रस्ताव प्रस्तुत करके सबसे बड़ा नियोक्ता रहा।

पुराने संबंधों को मजबूत करना और नए लोगों के साथ नए संबंध बनाना

स्थानन प्रक्रिया को उद्योग जगत के साथ संबंध निर्माण और एक सहजीवी संघ बनाने के एक अवसर के रूप में देखा जाता है। मौजूदा नियोक्ताओं ने बड़ी संख्या में भर्ती के द्वारा ना केवल संस्थान के साथ संबंध निभाए हैं बल्कि, कई नई कंपनियों को भी भर्ती के लिए जोड़ा है। जैसे कि देखा जा सकता है, निम्नलिखित सूचीबद्ध कंपनियाँ राष्ट्रीय और / या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने संचालन क्षेत्रों का नेतृत्व कर रही हैं

- वीयूक्लिप
- टॉपर
- बुक माय शॉ
- मुरुगप्पा
- मैत्रा ऐनर्जी
- स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज
- कुमार बिल्डर्स
- रेकॉन इन्फ्रास्ट्रक्चर
- एसकेएपीएस इंडस्ट्रीज
- रोपोसो
- पुणे सिटी कनेक्ट
- 5एफ़ वर्ल्ड
- टाटा कम्युनिकेशंस
- एडीसीजी
- अर्गा इन्वेस्टमेंट्स
- ब्रिजस्पान
- ल्यूसिडियस टेक
- सीईएससी
- ईज़ेडडीआई
- बीएमजीआई
- स्टेडव्यू कैपिटल
- बर्नेत्ता इंटरनेशनल
- टिपसन्स
- एससी जॉनसन
- एफ़एफ़सी
- स्प्रिंकलर

पीपीओ स्थानन (पूर्व-नियुक्ति प्रस्ताव)

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप में छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर, 108 छात्रों ने पूर्वस्थानन प्रस्ताव (पीपीओ) स्वीकार किया।

पार्श्व स्थानन

बैच के लगभग 50 प्रतिशत छात्र पार्श्व स्थानन के लिए पात्र थे और प्रौद्योगिकी, परामर्श, फार्मास्यूटिकल्स तथा विश्लेषिकी जैसे विविध क्षेत्रों से आई 30 से अधिक कंपनियों ने नियुक्ति की। पार्श्व स्थानन के माध्यम पैसठ छात्रों को नियुक्त किया गया।

उद्यमिता

हाल के वर्षों में छात्रों में अपने उद्यम शुरूकरने की प्राथमिकता बढ़ती दिखाई दे रही है। इस वर्ष लगभग 8 छात्रों ने अपने स्वयं के उद्यम शुरू करने के लिए स्थानन प्रक्रिया से बाहर रहने का विकल्प चुना।

ऐसे उद्यमियों के उत्साह के जवाब में स्थानन समिति ऐसे छात्रों को दो वर्ष का स्थानन अवकाश दे रही है। जिन छात्रों ने उद्यमिता के आधार पर स्थानन प्रक्रिया से बाहर रहने का विकल्प चुना है वे आगामी दो वर्षों में स्थानन में भाग लेने के लिए पात्र रहेंगे।

पीजीपी-एफ़एबीएम

45 छात्रों के लिए खाद्य, कृषि व्यवसाय, और संबद्ध क्षेत्रों में कैरियर के अवसरों सहित अंतिम स्थानन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। मजबूत स्थानन प्रक्रिया का प्रतिभाओं से मेल खाते अवसरों को देखकर प्रभावी रूप से नियोक्ताओं और छात्रों दोनों के तरफ से अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

एफ.एम.सी.जी., कृषि आदानों, बी.एफ.एस.आई., परामर्श, और खुदरा जैसी विस्तारित कुल 33 कंपनियों ने इसमें भाग लिया और 56 प्रस्ताव दिये। गोदरेज समूह कंपनी और फ्यूचर ग्रुप शीर्ष नियोक्ता रहे जिन्होंने क्रमश छह और चार छात्रों की नियुक्ति की। इस प्रक्रिया में रेकिट बेंकिजर, एचडीएफसी, अमेज़नक्लाउडटेल, एडीएम, स्पान डाइवर्जेंट तथा ओम्नीएक्टिव्स जैसी नियोक्ता कंपनियों ने पहली बार भाग लिया। यस बैंक, राबो बैंक, सिंजेंटा, मोनसेंटो और टैफे जैसे नियमित नियोक्ताओं ने अनेक प्रस्ताव देकर इस कार्यक्रम में अपने आत्मविश्वास की पुष्टि की। इस कार्यक्रम की पहुंच को आगे अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से, विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली नई कंपनियों को स्थानन के लिए आमंत्रित किया गया था। कुछ नई नियोक्ता कंपनियों में से थीं पीडब्ल्यूसी, फ़्लोरिश फूड्स, एडीएम,अमेज़नक्लाउडटेल, स्पान डाइवर्जेंट, एडएलिमेंट्स, रेकिट बेंकिजर, ओमनी एक्टिव्स, और एचडीएफसी।

पीपीओ स्थानन

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप में छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर, पाँच कंपनियों द्वारा नौ पूर्व-स्थानन प्रस्ताव दिये गए, जिनमें से आठ प्रस्ताव स्वीकार किये गए।

नए रिश्तों का निर्माण

उद्योग में कार्यक्रम की पहुंच को मजबूत बनाने के उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली नई कंपनियों को स्थानन के लिए आमंत्रित किया गया।

नए भर्तीकर्ता

- पीडब्ल्यूसी
- फ़्लोरिश फूड्स
- एडीएम
- अमेज़न-क्लाउडटेल
- स्पैन डाइवर्जेंट
- एडएलिमेंट्स
- रेकिट बेंकिजर
- ओम्नीएक्टिव्स
- एचडीएफसी

पीजीपीएक्स

पीजीपीएक्स की स्थानन प्रक्रिया दिसंबर, 2015 में शुरू हुई और प्रतिभागियों को मध्यम से लेकर वरिष्ठ स्तर के पदों के लिए चुना गया। पीजीपीएक्स स्थानन में प्रतिभागियों और संभावित नौकरी / भूमिका के बीच एक अच्छी उपयुक्तता सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

जो कंपनियाँ स्थानन के लिए आई थी उनमें शामिल हैं भारती एयरटेल, एक्सेंचर, परसिस्टेंट सिस्टम्स, जेनपैक्ट, सिंटेल, एन्जेन ग्लोबल, एरिक्सन और माइक्रोसॉफ्ट। भारती एयरटेल ने सर्वाधिक संख्या में प्रस्ताव दिये।

एफपीएम

एफपीएम स्थानन प्रक्रिया अब नियत स्थानन से आगे बढ़कर के आवर्ती स्थानन तक पहुँच गई है। चार उम्मीदवारों ने एफपीएम स्थानन प्रक्रिया का उपयोग किया। अब तक, दो उम्मीदवारों ने शैक्षणिक कार्यभार के पद प्राप्त किये हैं और शेष अभी भी नियुक्ति की प्रक्रिया में हैं।

ग्रीष्मकालीन स्थानन के बारे में प्रश्नोत्तर

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप प्रश्नोत्तर सत्रों का आयोजन प्रथम वर्ष के छात्रों को डोमेन के प्रकार तथा पदभारों के बारे में एक संक्षिप्त परिचय देने के लिए किया गया जिनमें छात्र ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान शामिल होने वाले हैं, जो कि एक शैक्षिक आवश्यकता है। पीजीपी-द्वितीय वर्ष के छात्रों ने पीजीपी प्रथम वर्ष के छात्रों के साथ अपने ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप अनुभवों को साझा किया। छात्रों को ये सत्र अत्यंत उपयोगी और ज्ञानवर्धक लगे।

स्थानन के विवरण **परिशिष्ट च** में दिए गए हैं।

दीक्षांत समारोह

इक्यावनवाँ दीक्षांत समारोह 19 मार्च, 2016 को आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह में, 12 एफपीएम छात्रों को इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद के फेलो के पद से सम्मानित किया गया; 403 छात्रों को प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा से सम्मानित किया गया; 46 छात्रों को खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा से सम्मानित किया गया; और 85 छात्रों को कार्यपालकों के लिए प्रबंधन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा से सम्मानित किया गया।

निम्नलिखित छात्रों को शैक्षिक प्रदर्शन के लिए भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद पदक से सम्मानित किया गया :

पीजीपी

- आयुष अग्रवाल
- शाह आशय सुभाष
- अनुराग अग्रवाल

पीजीपीएक्स

- प्रसन्ना वेंकटेशन श्रीनिवासन अय्यंगर

स्वर्ण पदक विजेता

आयुष अग्रवाल

शाह आशय सुभाष

अनुराग अग्रवाल

प्रसन्ना वेंकटेशन श्रीनिवासन अय्यंगर

प्रबंधन में संकाय विकास कार्यक्रम

संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) एक 15 सप्ताह का आवासीय कार्यक्रम है, जो विशेष रूप से प्रबंधन शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों के संकाय सदस्यों के लिए बनाया गया है। संस्थान ने एक विश्वविद्यालय शिक्षक श्रृंखला शुरू की उसके बाद सबसे पहला एफडीपी कार्यक्रम 1979 में प्रस्तुत किया गया। पिछले कई वर्षों में एफडीपी की संरचना और पाठ्यक्रम में प्रबंधन शिक्षकों के विकास की उभरती हुई आवश्यकताओं को देखते हुए, इसे फिर से रचा गया है।

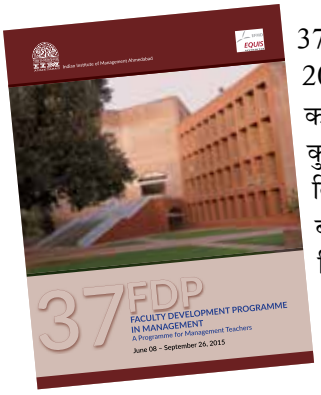

37वाँ एफडीपी 8 जून से 26 सितंबर, 2015 तक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में नेपाल के चार शिक्षकों सहित कुल बयालीस प्रबंधन शिक्षकों ने भाग लिया। चौदह महिला संकाय सदस्य थीं, बारह लोगों के पास प्रबंधन से संबंधित विभिन्न विषयों में डॉक्टरेट उपाधि थी, और उन्नीस स्वप्रायोजित थे। कुल 47,500 रु. की फैलोशिप उन्नीस स्वप्रायोजित प्रतिभागियों के लिए प्रदान की गई थी। क्षेत्रीय प्रबंधन अध्ययन केंद्र शोध अनुदान उन प्रतिभागियों को दिया गया जिन्होंने गुजरात के लिए प्रासंगिक अनुसंधान अध्ययन में काम करने के लिए इच्छा जताई।

एफडीपी में विशेष रूप से ऐसे प्रबंध शिक्षकों के शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान कौशलों के उन्न्यन पर ध्यान केंद्रित किया जाता है जिन शिक्षकों को शिक्षा और अनुसंधान के तरीकों से वर्तमान घटनाक्रम में परिचय का अवसर नहीं मिला है। इस पाठ्यक्रम के तीन समूह पेश किए गए अनुशासन आधारित पाठ्यक्रम, मूलभूत पाठ्यक्रम, और एक ऐच्छिक का समूह। पहले समूह के पाठ्यक्रम में प्रबंधन रणनीति निर्माण तथा कार्यान्वयन, प्रबंधन के लिए सूचना प्रौद्योगिकी, आर्थिक माहौल एवं नीति, लेखा और वित्तीय प्रबंधन, विपणन, संगठनात्मक व्यवहार की समझ, गुणात्मक अनुसंधान के तरीके, मानव संसाधन प्रबंधन, डेटा विश्लेषण के लिए सांख्यिकी, और संचालन प्रबंधन शामिल थे।

मूलभूत पाठ्यक्रमों का लक्ष्य विशिष्ट शैक्षणिक और अनुसंधान कौशलों पर रहा और इनमें प्रबंधन शिक्षक के लिए संचार, अनुसंधान के तरीके और डिजाइन, डेटा विश्लेषण के लिए अनुप्रयोग, और प्रबंधन शिक्षा में केस विधि शामिल थे। प्रमुख पाठ्यक्रमों के साथ कारक विश्लेषण और संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग भी आयोजित किया गया था।

ऐच्छिक पाठ्यक्रम

संगठनात्मक व्यवहार और मानव संसाधन

- उन्नत संगठनात्मक व्यवहार
- समकालीन मानव संसाधन प्रबंधन अनुसंधान पर परिप्रेक्ष्य

वित्त

- लेखांकन अभ्यास और अनुसंधान में विषय
- वित्त में विषय

विपणन

- विपणन विश्लेषिकी और उपभोक्ता प्रतिक्रिया मॉडलिंग
- पिरामिड के निम्नस्तर के लिए व्यापार रणनीतियाँ
- तंत्रिका विज्ञान और उपभोक्ता व्यवहार
- विपणन में प्रयोगात्मक तरीकों के अनुप्रयोग और विपणन

अनुसंधान

प्रतिभागियों ने अमूल चॉकलेट संयंत्र, विद्या डेयरी, अमूल डेयरी, आईआरएमए, और बेडुवा ग्राम दुग्ध सहकारी सोसाइटी आनंद स्थलों का दौरा किया।

एफडीपी पूर्वछात्र

एफडीपी को इस तरह के देश के सबसे पुराने कार्यक्रमों में से एक के रूप में मान्यता दी गई है। इसके पूर्वछात्र नेटवर्क में नेपाल, बांग्लादेश, मालदीव, श्रीलंका, भूटान तथा इथियोपिया के 91 प्रबंधन शिक्षकों सहित 774 सदस्य हैं। इन वर्षों में एफडीपी के पूर्वछात्रों ने भारत में तथा विदेशों में प्रबंधन शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया है।

अनुसंधान और प्रकाशन

इस संस्थान में अनुसंधान, महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधि का गठन करता है। संस्थान द्वारा अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अनुदान अन्य सहायता की मात्रा पर निर्भर करते हुए बड़े, छोटे, या मूलधन के रूप में वर्गीकृत करके प्रदान किया जाता है। केस लेखन एक अन्य महत्त्वपूर्ण गतिविधि है जिसे संस्थान द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। प्रकाशन के विभिन्न प्रकार जैसे पुस्तकें, मोनोग्राफ़्स, जर्नल्स में लेख, केस इन अनुसंधान परियोजनाओं के ही परिणाम हैं।

इस वर्ष के दौरान, 13 अनुसंधान परियोजनाओं और 12 मूलधन परियोजनाओं को पूरा किया गया। सोलह अनुसंधान परियोजनाएँ और 12 मूलधन परियोजनाएँ शुरू की गई। इसके अलावा, 43 ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप परियोजनाएँ शुरूकी गईं।

इस वर्ष के दौरान शैक्षणिक समुदाय ने 7 पुस्तकें और जर्नल्स में 134 लेख लिखे। उन्होंने पुस्तकों में 29 अध्यायों का योगदान दिया, सम्मेलनों में 104 आलेख प्रस्तुत किए और 126 आधार-पत्र लिखे।

परिशिष्ट छ, ज, झ में इसके विवरण दिए गए हैं ।

विकल्प : निर्णयकर्ताओं का जर्नल

***विकल्प* : निर्णयकर्ताओं का जर्नल** भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद का एक तिमाही प्रकाशन है। वर्तमान में इसके 41वें वर्ष के प्रकाशन में, विकल्प शिक्षाविदों एवं प्रबंधकों के लिए प्रबंधन विकास संप्रेषण के एक शीर्ष प्रबंधजर्नल के रूप में उभरा है। इसमें अनुप्रयुक्त अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जो शैक्षणिक कठिनता और प्रतिभावों के मानकों को पूरा करते हैं तथा अभ्यासरत प्रबंधकों के लिए प्रासंगिक हैं।

दिसंबर 2014 में, विकल्प का सेज प्रकाशक के साथ प्रकाशन का समझौता किया गया था। जनवरी-मार्च 2015 से, विकल्प के ऑनलाइन और प्रिंट दोनों संस्करण सेज द्वारा प्रकाशित किये जा रहे हैं। इस के साथ ही, विकल्प हर जगह उपलब्ध है, जिसमें संस्थान की दृश्यता और रैंकिंग के केस में अंतरराष्ट्रीय पाठकों तक पहुँचने का लक्ष्य सिद्ध होता है। हालांकि पत्रिका सेज के ओपन एक्सेस प्लेटफार्म पर उपलब्ध है, इसके साथ-साथ इसका पारंपरिक प्रिंट संस्करण भी निर्धारित मूल्य पर प्रकाशित किया गया है। इस साझेदारी की व्यवस्था में, स्वामित्व और संपादकीय नियंत्रण विकल्प के पास रहेंगे जबकि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसार करते हुए, सार संक्षेप और अनुक्रमण सेवाओं के साथ सेज प्रकाशन इसके प्रकाशन तथा विपणन के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। विकल्प के पास अब सेज प्रकाशन में एक ब्रांडेड होमपेज है जहाँ शोधकर्ता इस जर्नल की पूरी सामग्री को खोजने में सक्षम रहेंगे।

विकल्प एक प्रतिस्पर्धी समीक्षित (पीअर-रीव्यूड) जर्नल है। प्रकाशन के लिए प्राप्त रचनानाओं की प्राथमिक स्क्रीनिंग व दोहरी अप्रत्यक्ष समीक्षा की जाती है। स्वीकृत सामग्री को उचित ढंग से संपादित किया जाता है ताकि विकल्प के प्रकाशन मानकों को पूरा किया जा सके। समझौते पर हस्ताक्षर होने के समय से ही, सभी रचनाओं की समीक्षा सेज ट्रैक के माध्यम से कराई जाती हैं, जो सेज प्रकाशक की एक ऑनलाइन जमा करने की पद्धति है।

विकल्प ने जान-बूझकर सहकर्मी की समीक्षा प्रक्रिया के लिए अंतरराष्ट्रीय विद्वानों की सहायता मांगना शुरू कर दिया है। 72 समीक्षक जो 2015-16 के दौरान रचनाओं की समीक्षा के लिए सहमत हुए थे उनमें से 15 अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से थे।

वर्ष 2015-16 के दौरान, विकल्प को कुल 275 रचनाएँ प्राप्त हुई। इनमें से 204 को प्रारंभिक जाँच के दौरान ही अस्वीकार कर दिया गया था और दोहरी समीक्षा के कई दौर के बाद अन्य 15 को खारिज कर दिया गया था। शेष रचनाएँ समीक्षा प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में हैं। केवल 10 रचनाओं को ही स्वीकार किया गया था, और इस तरह से स्वीकृति दर 3.64 प्रतिशत रही।

विकल्प निम्नलिखित विशेषताओं के लिए प्रकाशन संभावनाएँ प्रदान करता है। **दृष्टिकोण** उन उभरते मुद्दों व विचारों को प्रस्तुत करता है जो संगठनों में प्रबंधकों, प्रशासकों व नीति निर्माताओं से कार्रवाई या पुनर्विचार की माँग करते हैं। **अनुसंधान** विश्लेषणात्मक या अनुसंधान आधारित लेख होते हैं, जो प्रबंधकीय व शैक्षणिक मुद्दों के समाधान पर ध्यान आकर्षित करते हैं। **अंतराफलक** ऐसे लेख प्रस्तुत करता है, जो प्रबंधकों के लिए व्यावहारिक रूप से उपयोगी होते हैं। **टिप्पणियाँ एवं व्याख्याएँ** प्रारंभिक अनुसंधान, साहित्य की समीक्षा, और प्रकाशित आधारपत्रों के विषयों पर टिप्पणियाँ। वार्ता समसामयिक विषय पर की गई चर्चा/वादविवाद शामिल होते हैं। **प्रबंध केस** किसी एक प्रबंधक या संगठन ने, रणनीतिगत, प्रकार्यात्मक या प्रचालनात्मक स्तरों पर किसी वास्तविक स्थिति का सामना किया हो, उस पर निर्णय लिया हो या कार्रवाई की हो, उसका वर्णन होता है। **निदान** शिक्षाविदों/व्यवसायियों द्वारा किए गए किसी केस का विश्लेषण। विकल्प **पुस्तक समीक्षाएँ** भी प्रस्तुत करता है।

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

वर्ष के दौरान संस्थान ने 73 मुक्त नामांकन कार्यक्रम (ईईपी) प्रस्तुत किए। इनमें सरकारी विभागों सहित निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों से 2,306 कार्यपालकों ने नामांकन भरे। यह मुक्त नामांकन कार्यक्रम गतिविधि 15,566 प्रतिभागी दिवसों के लिए चलायी गई।

इस वर्ष के दौरान, नवाचार के पोषण हेतु विचारों की योजना डिजाइन करना, गोदाम डिजाइन तथा प्रबंधन और शिपिंग के लिए सामान्य प्रबंधन कार्यक्रमों को दो बार प्रस्तुत किया गया।

पेश किये गए 73 कार्यक्रमों में से तीन नियमित सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम थे। शेष कार्यक्रमों में 13 नए कार्यक्रम थे और 57 कार्यक्रमों की पुनरावृत्ति की गई थी। इन तेरह नए कार्यक्रमों में पाँच कार्यक्रम व्यापार नीति विषय से, दो अर्थशास्त्र विषय से, तीन निजी एवं औद्योगिक संबंध विषय से, दो कार्यक्रम उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके विषय से, और एक कार्यक्रम सार्वजनिक प्रणाली विषय से था।

शुरू में, 81 कार्यक्रमों को पेश करने की योजना बनाई गई थी। बाद में, आठ कार्यक्रम रद्द किए गए थे।

अनुकूलित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

इस अवधि के दौरान, विभिन्न कंपनियों, उद्योगों, और सरकारी निकायों की तरफ से अनुकूलित और आवश्यकता आधारित कार्यक्रमों के लिए कई अनुरोध आए थे। इन अनुरोधों के परिणामस्वरूप, विभिन्न क्षेत्रों के लिए 113 कार्यक्रम पेश किये गए।

अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम

मुक्त नामांकन कार्यक्रम की पेशकश दुबई में भी की गई थी। इस वर्ष के दौरान, दो सामान्य प्रबंधन कार्यक्रमों की पेशकश की गई।

सशस्त्र बल कार्यक्रम

इस वर्ष भी संस्थान ने सशस्त्र बल अनुभवियों के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम की अवधि छह महीने की है।

इसके विवरण **परिशिष्ट ञ** में दिए गए हैं।

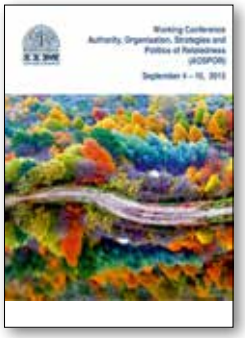

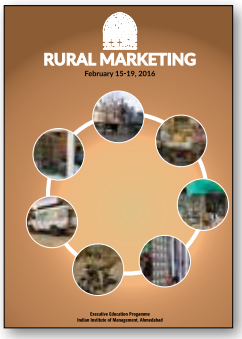

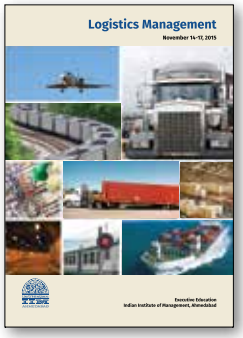

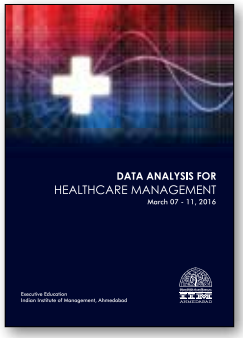

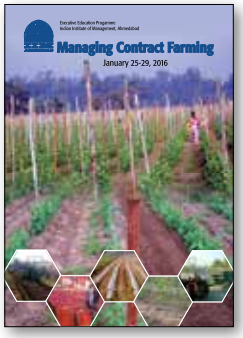

केस केन्द्र

आईआईएमए केस केंद्र के पास अभी तक पिछले पांच दशकों में विकसित 3827 केस, शिक्षण नोट्स, तकनीकी नोट्स, और अभ्यासक्रमों का एक संग्रह है। इस केंद्र को अप्रैल 2014 में स्थापित किया गया था और इसकी मुख्य गतिविधियाँ हैं केस लेखन, केस शिक्षण, और केस वितरण।

वर्ष 2015-16 के दौरान, केंद्र ने 81 केस अध्ययन, 88 शिक्षण नोट्स, और 17 तकनीकी नोटों के सहित कुल 193 लेख पंजीकृत किए। इस वर्ष के दौरान, फिलिप थॉमस मेमोरियल अवार्ड से प्रोफेसर मुकुंद आर. दीक्षित को सम्मानित किया गया था। यह पुरस्कार एक पूर्वछात्र प्रोफेसर ऋषिकेश टी. कृष्णन द्वारा वर्ष 2014 में स्थापित किया गया था।

केसों की ऑनलाइन भुगतान के माध्यम से 92,113/ रु की बिक्री हुई और ऑफ़लाइन से 25,68,700/ रु की बिक्री हुई थी। ऑनलाइन खरीद मुख्य रूप से व्यक्तिगत की गई और ऑफ़लाइन बिक्री शैक्षिक संस्थानों के साथ संपर्क के माध्यम से की गई। वर्ष के दौरान, केस केंद्र ने आईवी प्रकाशन के साथ मौजूदा समझौते के वितरण के अलावा हार्वर्ड बिजनेस प्रकाशन, केस केंद्र (पहले ईसीसीएच नाम से जाना जाता था), और सेज के साथ नए वैश्विक वितरण अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह केंद्र भारत में केस विधि शिक्षण संगोष्ठी (सीएमटीएस) की पेशकश करने के लिए हार्वर्ड बिजनेस प्रकाशन के साथ सहयोग कर रहा है। हार्वर्ड बिजनेस स्कूल और संस्थान के संकाय सदस्यों द्वारा प्रबंधन शिक्षकों के लिए इस तरह के दो सेमिनार मुंबई और हैदराबाद में आयोजित किए गए थे। ऐसी योजना बनाई गई है कि हर वर्ष ऐसी 2-3 सेमिनारों की पेशकश की जाए।

वर्ष के दौरान संस्थान ने बैंक ऑफ़ बडौदा की तरफ से बैंकिंग और वित्त क्षेत्र में केस अनुसंधान के लिए 2 करोड़ रूपए की निधि प्राप्त हुई है।

आईआईएम अहमदाबाद में "हार्वर्ड बिजनेस पब्लिशिंग के सहयोग से केस विधि शिक्षण"
पर 21 - 22 अक्टूबर 2016 को आयोजित संगोष्ठी

अंतर्विषयक केंद्र एवं समूह

1. लिंग समानता, विविधता और समावेशिता केंद्र मुख्य धारा में लाना

वर्ष 201516 में जेडी केंद्र का मुख्य केंद्रबिंदु नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों, अग्रणियों, प्रबंधकों, उद्यमियों और अन्य लोगों सहित हितधारकों के साथ संवाद की एक श्रृंखला के माध्यम से महिलाओं को मुख्य धारा में लाना था। इस केंद्र ने लैंगिक मतभेदों के प्रबंधन में बेहतर समझ एवं असामंजस्य से निपटने के लिए लिंगसंवेदी प्रक्रियाओं का निर्माण, समर्थन एवं स्थायित्व आदि प्राथमिक कार्य किये हैं और नीति अनुसंधान, शिक्षण, प्रशिक्षण एवं पहुँच के जरिये क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से क्षमता निर्माण कार्यशालाओं और मासिक जेडी वार्ता संध्याओं की एक श्रृंखला आयोजित की थी; लैंगिक पहलों पर नीतिनिर्माताओं, व्यवसायियों, विद्वानों तथा पूर्वछात्रों के साथ मिलकर परामर्शन सहायता प्रदान की गई; और लैंगिक समानता, विविधता और समावेशिता में ज्ञान वृद्धि और क्रिया अनुसंधान के लिए कार्य गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

जेडी केंद्र के विषयगत केंद्र बिंदु

आदर्श रूप से, लिंग शब्द पुरुषों और महिलाओं दोनों के दृष्टिकोणों की समझ को संदर्भित करता है। खुद कोमहिलाओं के अध्ययन की धारा से अलग करते हुए, इस केंद्र ने लिंगभेदों पर ध्यान केंद्रित किया जो जीवन के विभिन्न चरणों में उत्पन्न होते हैं और कार्यस्थल पर जीवन में वयस्क भूमिकाओं के एक संकीर्ण स्थापन में शीघ्रसुधार नहीं ला सकते। इस कारण से, इस केंद्र ने गर्भ से लेकर बुढ़ापे तक के जीवनचक्र के परिप्रेक्ष्य को अपनाया, लैंगिक मतभेदों के प्रबंधन में पूर्व प्रसव की देखभाल, शिशु देखभाल, शिशुपालन, शिक्षा, कार्यजीवन संतुलन के लिए दंपत्तियों पर ध्यान देकर असंतोष की शासन पद्धति से निपटने के लिए पदों और प्रणालिओं, आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा प्रबंधन, और व्यावसायिक जीवन के अधिकारों में महिलाओं के पुराने प्रस्तुतीकरण को संतुलित करने पर ध्यान केंद्रित किया। पहचानी गई कुछ प्राथमिकताओं में से, व्यावसायिक उत्तरदायित्व में कार्यस्थलों पर तथा उच्च शिक्षा व्यवस्था में चुने गए एवं चयनित पदों पर महिलाओं का कम प्रतिनिधित्व, और महिला विविधता, समानता एवं समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण, बच्चों के पालनपोषण के तरीके और शैक्षिक पाठ्यक्रम के डिजाइन हैं जो उन प्रणालीगत कमियों का मुकाबला करने के लिए लिंग की रूढ़िवादिता कीव्याख्या करते हैं, और विशेषकर महिला उद्यमियों और प्रबंधकों के लिए विशेष चुनौतियों का सामना करते हैं।

अनुसंधान और प्रकाशन

परामर्शक संवाद की एक श्रृंखला के आधार पर अनुसंधान विषयों की पहचान की गई और उनको आगे बढ़ाया गया तथा जेड़ी केंद्र से जुड़े संकाय सदस्यों ने अनुसंधान और प्रकाशन के परिणामों को ध्यान में रखते हुए कुछ आश्चर्यजनक खुलासे की ओर इशारा किया है

(क) इस वर्ष के दौरान, महिला व्यावसायियों के व्यापक यौन उत्पीड़न से लेकर विभिन्न प्रकारों से महिलाओं के विरुद्ध हिंसा, सभी तरीकों की अतिरिक्त घरेलू हिंसा और बलात्कार के जोखिम एजेंडा में शीर्ष पर रहे। तदनुसार, जेडी वार्ता संध्याओं के आयोजनों में दुष्कर्म, बदला, गर्भ से ही महिलाओं के प्रति हिंसा (गर्भपात), कन्याभ्रूणहत्या से लेकर महिलाशिशु मृत्यु दर (बालहत्या) और कन्या शिशु परित्याग लड़के से अधिक (81 परित्याग) की हिंसा को शामिल किया गया, जीवन में प्रणालीगत भेदभाव तक एक दीर्घकालिक नीति अनुसंधान एजेंडे की दिशा में चल रही पूछताछ को नागरिक सेवाओं और व्यवसायिक विशेष विषय के रूप में शामिल किया गया। जेडी केंद्र ने गुजरात सरकार और आईएलओ के अलावा एनजीओ,आईएएस एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ भागीदारी की और उन्हें विशेषज्ञों के रूप में आमंत्रित किया।

(ख) पुरुषों और महिलाओं के लिए कार्यस्थल समान हैं, लेकिन अलगअलग परिस्थितियाँ भी हैं, जिनसे उपयुक्त व्यक्तिगत शैलियों को विकसित किया जा सकता है और हम संगठनात्मक डिजाइन में निर्देशों के बारे में बहुत कम जानते हैं जो पेशेवर महिलाओं की बढ़ती भागीदारी के लिए भूमिकाओं में वृद्धि कर सकते हैं। कर्नाटक से एक आईएएस

अधिकारी ने एक जेडी वार्तालाप में भारत सरकार की ही सिविल सेवा में जारी कमियों और सेवा नियमों में विरोधाभास पर टिप्पणी की थी।

(ग) महिला व्यावसायिकों के कैरियर विशेष रूप से कमजोर हैं, यदि वे अपनी क्षमताओं के विकास को सीमित करने के लिए बाध्य हैं, तो केवल मर्दाना मानदंडों के अनुरूप व्यवहार की सीमित सीमा के भीतर रहने के कारण। फिर भी, विभिन्न जेडी वार्ताओं में उठाई गई सामाजिक कार्यकर्ताओं और वकीलों की मुख्य शिकायतों की आवाज़ों को संगठनों में विविधता के लिए अपर्याप्त समर्थन मिला है और कानून द्वारा अधिसूचित होने के बावजूद सार्वजनिक प्रणाली में महिला न्याय नीतियों के कार्यान्वयन में कमी देखी गई है। श्रीमती अंजूशर्मा, सचिव, महिला एवं बाल विकास ने एक जेडी वार्तालाप में संबोधन किया जिसे अब कार्यस्थलों पर यौन उत्पीड़न कानून की प्रभावशीलता का आकलन करने की एक संयुक्त अनुसंधान परियोजना में नतीजे के रूप में लिया जाएगा और इस परियोजना को प्रोफेसर आशा कौल द्वारा समन्वित किया जा रहा है। इस वर्ष के दौरान अंतर्नाद फाउंडेशनआईआईएम अध्ययन क्षेत्र के सहयोग से अंतर्नाद फाउंडेशन के हिस्से के रूप में एक बड़ी पहल शुरूकी गई जिसमें पूछताछ करने का काम प्रोफेसर अजीत एन. माथुर को सौंपा गया था उस जाँच रिपोर्ट के आधार पर यौन उत्पीड़न पर परिवार चिकित्सा और परामर्शन के साथ देखभाल व्यवसायियों को उपलब्ध कराने की पहल की गई थी।

(घ) संगठनात्मक भूमिकाओं में महिलाओं की वृद्धि की वजह से प्रबंधकीय शैलियों में अधिक विविधता के साथ सहयोगी संतुलन की खोज में घबराहट और काफी चिंता पर सीमा के अनुभव से व्यावसायिक के रूप में पुरुषों को भी आश्चर्य हो रहा है। यह बात केन्द्रीय विद्यालय के प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों के बीच लिंग संवेदीकरण के लिए क्षमता निर्माण पर किए जेडी केंद्र के कार्य के माध्यम से ध्यान में आई।

(ङ) कुछ जीवन कौशल जिन्हें पढ़ने याव्याख्यानों में सुनने से या केसों पर चर्चा करने से नहीं सीखा जा सकता है। यह पुरुषों और महिलाओं के वयस्क जीवन में कमियाँ छोड़ देता है, जब तक कि बच्चे के पालनपोषण के तरीकों में बदवाव नहीं लाए जाते हैं तथा मातापिता और शिक्षकों दोनों को प्राथमिक शिक्षा में परिवर्तन के लिए शामिल नहीं किया जाता है। खासकर जो लोग विकलांगता से पीड़ित हैं उनके लिए ये चुनौतीपूर्ण बने रहते हैं, जैसे कि दृष्टिहीन, अशक्त आदि। अंधजन मंडल और अंतर्नाद फाउंडेशन के साथ उन्नत गहन अल्पावधि चिकित्सा और परामर्शन तरीकों पर नई पहलों के तहत चर्चाएँ हो रही हैं।

सेवा संस्था पर केस अध्ययन के साथ प्रगति

जेडी केंद्र की चिंताएं केवल कॉर्पोरेट के कुलीन वर्गों तक ही सीमित नहीं थी। अनुसंधान एवं प्रकाशन समिति के समर्थन के साथ, दुनिया में सबसे बड़ी महिला सहकारी संस्था सेवा (लगभग 2 मिलियन सदस्यों के साथ) का केस अध्ययन दस्तावेजकृत किया जा रहा है, जिसमें छत्र आश्रय की विशेषताओं की समझ, हाइब्रिड संगठनात्मक सुविधाओं की समझ और इस उल्लेखनीय संगठन की प्रतिद्वंद्वी शक्ति गतिशीलता को गरीब महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए क्षेत्रीय दौरेके साथ आगे बढ़ाया जा रहा है।

लैंगिक अध्ययन

जेडी केंद्र और विक्रम साराभाई पुस्तकालय के सहयोग से पिछले वर्ष के दौरान कार्यान्वित पहल से आईआईएमए पुस्तकालय में विषय पर सभी प्रासंगिक संसाधनों को एक साथ लाने के संदर्भ में संदर्भ सामग्री के लिए नए वर्गीकरण को लागू करना जारी रखा। इसके अलावा, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में लेखों का नेतृत्व किया गया, जो कि केन्द्र द्वारा पहचाने गए विषयों के रूप में अपने दीर्घकालिक अनुसंधान एजेंडे का गठन कर रहे हैं, उन्हें अनुक्रमित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस वार्ता और संगोष्ठी

केंद्र ने प्राधिकरण 2015 में महिलाओं के गोलमेज की कार्यवाही का दस्तावेजीकरण और छद्मावरित आश्रय को तोड़ने (ब्रेकिंग द ग्लास सीलिंग) के बारे में सम्मेलन जारी रखा, जो पूरे भारत के विद्वानों, व्यावसायिकों और नीति निर्माताओं को भागीदारी के लिए आकर्षित करता है। इन कार्यक्रमों में प्रस्तुतिकर्ताओं में प्रोफेसर अजीत एन. माथुर, प्रोफेसर मंजरी सिंह, और प्रो. शेरोन बार्नहार्ट (आईआईएमए), प्रो. इंदिरा जे. परीख (प्रमुख, फ़लेम विश्वविद्यालय, पुणे), प्रोफेसर सरी मट्टिला (आईआईएम बैंगलोर) शामिलरहे और शैक्षिक समुदाल के अलावा श्री प्रकाश कुलकर्णी (निदेशक, प्राज इंडस्ट्रीज), सुश्री प्रणीत बक्शी (अमेरिकन एक्सप्रेस), और डॉक्टर कमल नागपाल (निदेशक, रेटिना फाउंडेशन) थे।

प्रतिभागियों के अनुभवों को साझा करने और आईआईएमए अनुसंधान के प्रसार के अलावा, इन कार्यक्रमों ने लैंगिक न्याय के लिए क्षमता निर्माण पहलों की गहरी समझ विकसित की थी।

2. अवसंरचना नीति और विनियमन केंद्र (सीआईपीआर)

अवसंरचना नीति और विनियमन केंद्र (सीआईपीआर) परामर्शी सेवाओं, शिक्षा, प्रकाशन, अनुसंधान तथा अवसंरचना, नीति व विनियमन के क्षेत्रों में प्रशिक्षण को बढ़ावा देता है। सीआईपीआर, आईआईएमए में उपलब्ध बुनियादी ढाँचे व विनियमन के क्षेत्र में नीति अनुसंधान में महत्त्वपूर्ण अनुभव को शक्ति प्रदान करने का प्रयास करता है। इसके जिन विशिष्ट क्षेत्रों के लिए संकायों ने योगदान दिया है वे हैं -बिजली, दूरसंचार, शहरीकरण, और परिवहन।

अनुकूलित प्रशिक्षण कार्यक्रम

- दिल्ली और अंडमान एवं निकोबार द्वीप सिविल सेवा (डीएएनआईसीएस) के अधिकारियों के लिए पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, 20-24 अप्रैल, 2015.
- आर्थिक मामला विभाग के लिए सार्वजनिक नीति पर दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम, जिसमें भारतीय आर्थिक सेवा (आईएएस) के वर्ष 2014 बैच के अधिकारी प्रशिक्षुओं सहित प्रतिभागियों ने भाग लिया, 6-17 जून, 2015.
- पावर एक्सचेंज इंडिया लिमिटेड (पीएक्सआईएल) के लिए भारतीय बिजली क्षेत्र पोर्टफोलियो अनुकूलन पर प्रबंध विकास कार्यक्रम, 8-10 जुलाई, 2015.
- भारतीय नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के 2014 बैच के लिए भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा सेवाएँ (आईए व एएस) के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए वित्त पर पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, 20-25 जुलाई, 2015.
- छत्तीसग़ढ सरकार के वरिष्ठ प्रबंधन अधिकारियों के लिए तीन दिवसीय परियोजना प्रबंधन और पीपीपी (सार्वजनिक निजी प्रतिभागिता) कार्यक्रम, 7-9 अगस्त, 2015.
- बंदरगाह अधिकारियों के लिए प्रमुख बंदरगाहों में परियोजना प्रबंधन पर पाँच दिवसीय दो कार्यक्रम, 21-25 जुलाई, 2015 और 13-18 मार्च, 2016.
- भारतीय नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा सेवाएँ (आईए व एएस) अधिकारियों के लिए कार्यकारी विकास कार्यक्रम, 29 फरवरी से 11 मार्च, 2016.
- वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आईटीएस अधिकारियों के घरेलू घटक के लिए आईआईएम अहमदाबाद में मध्य कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम, 7-13 मार्च, 2016.
- वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आईटीएस अधिकारियों के अंतरराष्ट्रीय घटक के लिए डब्ल्यूटीआई बर्न, स्विट्जरलैंड में मध्यकैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम, 14-18 मार्च, 2016.
- एल एंड टी कंपनी में आंतरिक आईपीएम कार्यक्रम.

मुक्त नामांकन कार्यक्रम

- अनिश्चितता, जटिलता और परियोजनाओं में जोखिम, 6-9 अप्रैल, 2015
- गोदाम डिजाइन और प्रबंधन, 20-24 जुलाई, 2015
- आईटी परियोजनाओं का प्रबंधन, 20-25 जुलाई, 2015
- पोतपरिवहन के लिए सामान्य प्रबंधन, 16-22 अगस्त, 2015
- आधारिक संरचना में कानूनी और विनियामक मुद्दे, 24-28 अगस्त, 2015
- अनुबंध प्रबंधन, 26-30 अक्टूबर, 2015
- रसद प्रबंधन, 14-15 नवंबर, 2015
- परियोजना प्रबंधन, 23-28 नवंबर, 2015
- गोदाम डिजाइन और प्रबंधन, 11-15 जनवरी, 2016
- शहरी परिवहन, 15-20 फरवरी, 2016
- पोत परिवहन के लिए सामान्य प्रबंधन, 28 फ़रवरी - 5मार्च, 2016
- आधारिक संरचना और पीपीपी (सार्वजनिक निजी प्रतिभागिता) अधिकार प्राप्त करना, 7-11 मार्च, 2016

अनुसंधान / प्रकाशन / केस

विषय क्षेत्र के संकायों द्वारा लिखित पुस्तकें और केसों को अनुसंधान एवं प्रकाशन समिति के अलग से प्रकाशित वार्षिक रिपोर्ट में सूचीबद्ध हैं।

3. नवाचार, ऊष्मायन और उद्यमिता केंद्र

नवाचार, ऊष्मायन और उद्यमिता केंद्र (सीआईआईई) भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग तथा गुजरात सरकार के सहयोग से स्थापित नवप्रवर्तन और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने वाला एक अद्वितीय केंद्र है। सीआईआईई केन्द्र निवेशकों, उद्यमियों, नवप्रवर्तकों, सेवा प्रदाताओं और पारिस्थितिकी तंत्र के अन्य हितधारकों के साथ मिलकर उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए कार्यरत है।

वर्ष 2002 से ही सीआईआईई उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र और स्वास्थ्य, ऊर्जा, शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, कृषि आदि विभिन्न क्षेत्रों के भारतीय स्टार्टअप समुदाय की उद्यमी भावना को पहचानने तथा पोषण प्रदान करने में यह हिमायती बना रहा है।

अब तक, सीआईआईई ने इस तरह के कार्य किए हैं :

- 400,000 से अधिक लोगों के उद्यमिता के लिए प्रेरित किया
- अपने विचारों को अस्तित्व देने के लिए 30,000 से अधिक लोगों की सहायता की
- 4000 से अधिक उद्यमियों का मार्गदर्शन किया
- 250 से अधिक उद्यमियों को समर्थिन दिया
- 100 से अधिक उद्यमों में निवेश किया, जिनसे 14:1 अनुवर्ती स्तर पर सीआईआईई निवेश को लाभ मिला है।

कृषि व्यवसाय, स्वास्थ्य देखभाल, सीएसआर पहल

सीआईआईई ने कृषि और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपनी गतिविधियाँ बढ़ाई है; और देश भर से उद्यमों को बढ़ावा दिया है। अनेक पहलों का सृजन किया गया ताकि उद्यमियों तथा विकासशील पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित किया जा सके और खोज, निवेश, और नवाचार आधारित स्वास्थ्य तथा कृषि प्रौद्योगिकियों का उद्भवन हो सके। आज तक, सीआईआईई ने छह कृषि और सात स्वास्थ्य सेवाओं

में प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप में निवेश किया है। एनएएआरएम-आईसीएआर के साथ सहयोग से, सीआईआईई ने भारत के पहले खाद्य और कृषि व्यवसाय गतिवर्धक का शुभारंभ किया है। दासरा के साथ सहयोग से, सीआईआईई ने अपने पहले स्वास्थ्य केंद्रित गतिवर्धक का शुभारंभ किया जिसके माध्यम से कार्यक्रम की पराकाष्ठा पर दो निवेश किए जाएंगे।

अक्षय ऊर्जा और स्वच्छ प्रौद्योगिकी क्षेत्र और इनफ़्यूज़ में गतिविधियाँ

इनफ़्यूज़ नामक घरेलू उद्यम के माध्यम से स्वच्छ प्रौद्योगिकी क्षेत्र अपने पंख फैला रहा है। इस निधि के द्वारा सौर ऊर्जा, भूतापीय, ऊर्जा दक्षता, ऊर्जा विश्लेषिकी और अनुकूलन, अपशिष्ट प्रबंधन, पुनः वाणिज्य और हरित रसायन जैसे क्षेत्रों में सक्रिय होने वाले 12 स्टार्टअप के प्रारंभिक चरण में निवेश किया है। स्वच्छ प्रौद्योगिकी के क्षेत्र को उत्प्रेरित करने के अपने मिशन को ध्यान में रखते हुए इनफ़्यूज़ एक स्थिर सलाहकार फर्म के लिए उद्यम सहनिर्माण पर भी कार्यरत है जिसका लक्ष्य वितरित अक्षय परियोजनाओं के लिए कम लागत वाली परियोजना का वित्तपोषण करना है। एशियाई विकास बैंक के साथ साझेदारी करते हुए इनफ़्यूज़ ने सफलतापूर्वक बेंगलुरू में एक गतिवर्धक कार्यक्रम पावरस्टार्ट को पूर्ण किया। इनफ़्यूज़ ने नए गतिशीलता त्वरक (डब्ल्यूआरआई और शेल फाउंडेशन द्वारा संचालित) का भी समर्थन किया है।

आईसीटी क्षेत्र में गतिविधियाँ

सीआईआईई ने अन्य उद्यमकर्ता पूंजी तथा विश्व में स्थित आईसीटी हब के साथ जुड़कर वैश्विक बनने के लिए अपनी दूरदर्शिता को व्यापक बनाया है। सीआईआईई ने पुणे में एक कार्यालय स्थापित किया है। फ़िनटेक/भुगतान, हर वस्तु के लिए इंटरनेट, क्लाउड कंप्यूटिंग, सुरक्षा, बड़े डेटा एवं विश्लेषण, और ईगवर्नेंस जैसे क्षेत्र के स्टार्टअप संचालित होते हैं जो इसकी गतिविधियों का केन्द्र हैं। इस उद्देश्य की पूर्ती के लिए प्रारंभिक चरण के तौर पर थींकपुणे रिपोर्ट के प्रकाशन को गिना जा सकता है। यह रिपोर्ट शेष भारत के लिए ब्रांड पुणे के बारे में अग्रणी पहल थी। वैश्विक स्तर पर थींकपुणे! का यह प्रदर्शन खाड़ी क्षेत्र में भी था। जिनको संबंधित क्षेत्रों में वैश्विक प्रौद्योगिकी अग्रणी माना जाता है ऐसे एंकर कॉरपोरेट्स के साथ विशेष विकास शिविरों का आयोजन करके चयनित क्षेत्रों में सीआईआईई ने स्वयं को अग्रणी के रूप में स्थापित किया है। विकास शिविरों के माध्यम से, सीआईआईई ने इन आला क्षेत्रों में 400 से अधिक स्टार्टअपों की समीक्षा की और रणनीतिकरण तथा उत्पाद पुष्टि के बाजार प्रवेश के लिए कोरपोरेट भागीदारों तथा उनके ग्राहकों के साथ जुड़ने के लिए लगभग 30 होनहार स्टार्टअपों को खोज निकाला। सीआईआईई डिजिटल इंडिया चैलेंज के लिए भी इनटेल डीएसटी इन्नोवेट का प्रस्तोता बना जिसमें डिजिटल इंडिया विषय के लिए 1913 आवेदन मिले और तीन महीनों तक पुणे केन्द्र में शीर्ष 20 का उद्भवन किया तथा शीर्ष तीन स्टार्टअपों में निवेश किया। सीआईआईई ने पुणे में एक ऊष्मायन केंद्र स्थापित करने के लिए महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए।

अनुसंधान और केस अध्ययन

सीआईआईई नए ख्यानों, नवाचार, और उद्यमशीलता के क्षेत्र में अनुसंधान और प्रशिक्षण देता है। यह प्रशिक्षण आईआईएमए के छात्रों और पूरे देश के इच्छुक उद्यमियों को प्रदान किया जाता है ताकि उन्हें उद्यम निवेश, उद्यमशीलता, और प्रौद्योगिकी विकास के क्षेत्र में आवश्यक कौशल विकसित करने में मदद मिल सके।

सीआईआईई में ड्रेक्सेल विश्वविद्यालय के प्रोफ़ेसर और आईआईएमए के पूर्वछात्र डॉ. वी. के. नारायणन लगभग चार महीनों तक अध्ययन प्रोत्साहन अवकाश पर थे। उन्होंने इन्क्यूबेटरों से संबंधित एक अनुसंधान परियोजना पर काम किया। इस परियोजना के शुरूआती परिणाम यह रहे कि इन्क्यूबेटरों पर और भारत में विज्ञान / प्रौद्योगिकी पार्क पर 45 केस अध्ययन होंगे और इन केसों का एक तुलनात्मक विश्लेषण भी होगा।

सीआईआईई ने केस लेखन गतिविधि शुरू की है। दूसरे वर्ष के छब्बीस छात्रों ने 11प्रोफेसरों की देखरेख में 13 केस लिखे थे। ये केस अधिग्रहण, विपणन, और व्यावसायीकरण जैसी चुनौतियों वाले ध्यान केन्द्रित क्षेत्रों के स्टार्टअप पर लिखे गए थे। इन केसों को आगे और विस्तारित किया जा रहा है तथा इनमें से कुछ को केसों को केस यूनिट में पंजीकृत किया जाएगा। इन मुद्दे और चुनौतियों से जिन इनक्युबेटीस को अपनी उद्यमशीलता की यात्रा के दौरान चुनौतियों का सामना करना पड़ता है उस संदर्भ से आईआईएममेवरिक सहित सीआईआईई के सभी इनक्युबेटीस के प्रोफ़ाइल बनाने की योजना बनाई गई है।

युवा मेवरिक्स फेलोशिप कार्यक्रम

युवा आईआईएमेवरिक्स फैलोशिप कार्यक्रम नौ स्नातक छात्रों का वह बैच था जिसने उद्यमिता अपनाने का फैसला किया था। इन नौ छात्रों में से दो ने पहले से ही एक कंपनी रजिस्टर करा ली थी।

आईआईएममेवरिक्स इंटर्नशिप में आवेदकों की संख्या में वृद्धि देखी गई और अंत में 20 छात्रों ने अप्रैल-मई 2016 के दौरान सीआईआईई के मार्गदर्शन के तहत आईआईएममेवरिक्स इंटर्नशिप में आगे बढ़ने के लिए ग्रीष्मकालीन स्थानन से बाहर रहने का विकल्प चुना। इन 20 में छह इंटर्न ने अध्ययन के दूसरे वर्ष के दौरान अपने व्यवसाय आइडिया पर काम करना जारीरखने का फैसला किया है।

पूरे वर्ष में, सीआईआईई विभिन्न उद्यमशीलता से संबंधित गतिविधियों और समारोहों जैसे कि कॉनफ़्लुअन्स, हल्ट प्राइज़, अमेथॉन, स्टार्टअप समिट, तथा छात्रों के समर्थन में अन्य कार्यक्रमों में शामिल हुआ। कुल मिलाकर, वर्ष के दौरान 206 छात्रों को उद्यमिता और पाठ्यक्रम के संबंधित विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से समर्थन दिया गया।

पाठ्यक्रम

सीआईआईई छात्रों के लिए नए पाठ्यक्रम बनाने में शामिल रहा है। निधि प्रबंधन परियोजना पाठ्यक्रम (एफ़एमपीसी), नए प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग, डिजाइन और व्यापार मॉडल (एनटीएडीबीएम), और नोर्वेस्ट वेंचर पार्टनर्स (एनवीपी) जैसे पाठ्यक्रमों की पेशकश की गई। एफ़एमपीसी पाठ्यक्रम में, छात्रों ने उद्योग विश्लेषण का आयोजन किया, सौदा मूल्यांकन के लिए स्टार्टअपों के साथ संवाद किए और यथोचित परिश्रम प्रदर्शन के लिए बातचीत की। वर्ष के दौरान एफ़एमपीसी पाठ्यक्रम दो बार पेश किया गया।

एनटीएडीबीएम की पेशकश एनआईडी (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन) और आईआईटी गाँधीनगर के साथ आईआईएमए ने तथा एनआईडी और आईआईटी गाँधीनगर के छात्रों के सहयोग से की गई। इस पाठ्यक्रम में डिजाइन और प्रबंधन के छात्रों की टीमें शामिल हैं जिन्होंने नए प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग बनाए, इन अनुप्रयोगों में से एक को डिजाइन किया, और उसे बाजार तक ले जाने का तरीका खोज रहे हैं। इस वर्ष के दौरान 29 आईआईएमए छात्रों, एनआईडी से 15 छात्रों और आईआईटी गाँधीनगर से 15 छात्रों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया।

नोर्वेस्ट वेंचर पार्टनर्स के साथ गठबंधन में एक नया परियोजना पाठ्यक्रम भी पेश किया गया जिसमें 60 आवेदकों के समूह से 18 छात्रों को चुना गया। चयनित छात्रों को उद्यम पूंजी संचालन, सौदा स्रोतकरण, और सौदा मूल्यांकन की अनुकरण गतिविधि के माध्यम से पढ़ाया गया।

अन्य नई पहल

सीआईआईईई ने पिछले एक साल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और भारत के भीतर अपने व्यवसाय का विस्तार किया है।

सितंबर 2015 में, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के हिस्से के रूप में सिलिकॉन वैली में नवीन भारतीय स्टार्टअपों को प्रदर्शित करने वाले समारोह स्टार्टअप कोन्नेक्ट प्रदर्शन की सह-मेजबानी के लिए सीआईआईई को आमंत्रित किया गया था। सीआईआईई की इनक्यूबेटी कंपनियों में से लगभग दस ने इसमें भाग लिया। इस अवसर पर, भारत नवाचार कोष सीआईआईई की नवीनतम और सबसे बड़ी पहल शुरू की गई थी। यह उद्यम कोष स्वास्थ्य देखभाल, स्थिरता, और डिजिटल रूपांतरण जैसे तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों के स्टार्टअपों की सहायता करने में मदद करेगा।

नियामक और नीति परिवेश के साथ जुड़ने के हिस्से के रूप में, सीआईआईई औपचारिक और अनौपचारिक रूप से भारत सरकार की बनाई स्टार्टअप इंडिया पहल को मदद करने के लिए और नीति आयोग जैसी संस्था, और उद्योग और वाणिज्य मंत्रालय को सलाह देने में भी शामिल है।

पारिस्थितिकी तंत्र के विकास में गतिविधियाँ

गुजरात गतिवर्धक

सीआईआईई द्वारा संचालित तकनीकी सक्षम स्टार्टअपों के लिए एसएपी इंडिया के साथ साझेदारी में गुजरात गतिवर्धक एक स्टार्टअप गतिवर्धक था। यह अपनी तरह का पहला गुजरात केन्द्रित गतिवर्धक था जो पहचान करने, तेजी लाने, और मापन योग्य व प्रतिस्पर्धी प्रौद्योगिकी सक्षम व्यवसाय की संभावना के साथ नवीन स्टार्टअपों के शुरूआती चरणों में निवेश करने के लिए डिजाइन किया गया था। गुजरात गतिवर्धक दो चरणों में आयोजित किया गया था और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र द्वारा उसे बहुत अच्छी तरह से स्वीकारा गया था।

विचारों का सामर्थ्य

सीआईआईई ने सितंबर 2015 में ईटी पावर ऑफ़ आइडिया के तीसरे संस्करण का शुभारंभ किया। सीआईआईई को इस कार्यक्रम में 18000 से अधिक व्यापार योजनाएँ प्राप्त हुई जिसमें से 520 टीमों को लघुसूचीकृत किया गया और उन्हें मार्गदर्शन के लिए 2000 से अधिक संचयमान घंटे उपलब्ध कराए गए। सभी टीमों ने पैनलों के समक्ष एलिवेटर पिच के दौरान अपने व्यापार की योजना / पिचों को प्रस्तुत किया। इनमें से 75 टीमों का चयन संस्थान में एक 10 दिन की कार्यशाला में भाग लेने के लिए किया गया था, और 20 स्टार्टअप को अंत में एक निवेश प्रस्ताव दिया गया तथा 56 स्टार्टअपों को अनुदान राशि भी दी गई।

जल गतिवर्धक

सीआईआईई बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में अपने कार्य का विस्तार कर रहा है। पहले प्रयास में देश के पहले पानी गतिवर्धक की शुरुआत शामिल है, जो स्टार्टअप ओएसिस के सहयोग से, और हिंदुस्तान यूनिलीवर, लिवप्योर जैसे प्रायोजकों, और विश्व बैंक के जल और स्वच्छता कार्यक्रम के तकनीकी सहयोग से प्रस्तुत हुआ है। इस कार्यक्रम में व्यक्तिगत, टीमों, तथा कंपनियों की तरफ से उपचार और शुद्धि, आपूर्ति, सिंचाई, जल प्रबंधन, निगरानी और मूल्यांकन इन पाँच विषयों के तहत 90 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। 11 टीमों के एक साथी समूहको अगस्त से दिसंबर 2015 तक के चार महीने की गहन भागीदारी के लिए चुना गया था। इस कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के साथ 3 क्षमता निर्माण कार्यक्रमों, सलाहकार समर्थन, नेटवर्क कनेक्शन और दृश्यता की पेशकश की गई। जयपुर में प्रदर्शन दिवस, 12 दिसंबर 2015 को राजस्थान सरकार,

निवेशकों, प्रतिष्ठानों, और अन्य पारिस्थितिकी तंत्र के दिग्गजों का प्रतिनिधित्व करने वाले हितधारकों के मिश्रित समूह ने आठ टीमों की प्रस्तुति देखी गई।

स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र विकास ए-लीग अंतर-संस्थान छात्र और संकाय सहयोग को बढ़ावा देना

सीआईआईई को एहसास है कि एनआईडी, जीटीयू, जीएनएलयू, आईआईटी, आईआईएम, निफ्ट, पीडीपीयू, एमआईसीए, सेप्ट, और डीएआईआईसीटी जैसे अहमदाबाद-गाँधीनगर समूह के संस्थानों के मध्य स्थित दीवारों को तोड़ने की उसके पास अपार क्षमता है। इन संस्थानों के छात्रों के लिए एक परिसर की अवधारणा का अनुकरण करते हुए, सीआईआईई ने ए-लीग नामक एक मंच बनाने में मदद की है ताकि सभी छात्र संगठित हों, संवाद करें और उम्मीद की जाती है कि महान उत्पादों का सहनिर्माण करने का उद्यम करें। ए-लीग के लक्ष्य हैं :-

- अहमदाबाद-गाँधीनगर क्षेत्र में संस्थानों के छात्रों के बीच सामाजिक, पाठ्यक्रमेतर और शैक्षिक संवाद बढ़ाना।
- छात्रों के समारोहों और गतिविधियों को बढ़ावा देने एवं विस्तार करने के लिए मंच प्रदान करना और अन्य संस्थानों / कॉलेजों से आए छात्रों के लिए ये सुलभ बनाना।
- छात्रों और संकायों के स्तर पर अंतर कॉलेज सहयोग के माध्यम से नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना।

ए-लीग गतिविधियाँ

ए-लीग एक सामाजिक सहयोगी मंच है, जिसे सीआईआईई द्वारा तैयार किया गया है ताकि छात्रों को विभिन्न शाखाओं तथा अहमदाबाद तथा गांधीनगर के परिसरों को एक साथ लाया जा सके। सदस्य संस्थानों में आईआईएमए, अडानी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट, अहमदाबाद विश्वविद्यालय, सीईपीटी, डीएआईआईसीटी, ईडीआईआई, जीएनएलयू, आईआईआईटी वडोदरा, आईआईटी, गाँधीनगर, एमआईसीए, एनआईडी, निफ्ट, निरमा विश्वविद्यालय और पीडीपीयू शामिल हैं। सामाजिक, सांस्कृतिक और अकादमिक स्तरों पर सदस्य संस्थानों के बीच संबंध बनाने के लिए संघव्यवस्था का गठन किया गया है। यह एक कैंपस की अवधारणा पर आधारित है जो सिलिकॉन वैली, यू.एस. में विश्वविद्यालयों और कॉलेजों द्वारा अपनायागया है। इसका उद्देश्य केवल शिक्षाविदों और अनुसंधान में सहयोग करना ही नहीं है, बल्कि पुस्तकालयों और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशालाओं जैसे संसाधनों को साझा करना भी है।

वर्ष के दौरान, एनआईडी, डीएआईआईसीटी, और सेप्ट में डिजाइन की सोच और व्यापार विकास पर उद्यमिता कार्यशालाओं और बहुविध सत्रों का आयोजन किया गया।

आइडियाथॉन 2015

डीएआईआईसीटी से प्रोफेसर अनीश मथुरिया, आईआईएमए से प्रोफेसर राकेश बसंत, जीटीयू के उप निदेशक नरेश जड़ेजा, एनडीबीआई के सीईओ श्री विक्रम परमार, और सिकल इनोवेशन्स के संस्थापक नितिन गुप्ता की शीर्ष दस टीमों ने एक पैनल के समक्ष अपने नए विचारों को रखा। इसके विजेताओं को 1.2 लाख रु. नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

आईओटी अनुप्रयोग हैकाथॉन 2016

शीर्ष पांच टीमों ने डीएआईआईसीटी गाँधीनगर में 36 घंटे तक आयोजित हैकाथॉन में आँक्ड़ों व संख्या से भरपूर वैविध्यपूर्ण डैशबोर्ड पोस्ट में अपने निष्कर्षों को रखा।

कॉलेज रोड शो

ए-लीग की गतिविधियों और आने वाले समारोहों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए, इस टीम ने ईडीआई, एनआईडी, आईआईटी, डीएआईआईसीटी, एल.डी. कॉलेज, और जीटीयू का दौरा किया।

सात कॉलेजों के परिसरों में गरबा

ए-लीग ने सभी प्रतिभागी संस्थानों के सात कॉलेजों में गरबा का आयोजन शुरूकिया।

सामाजिक समारोह और संगीत संध्या

एक अनौपचारिक भीड़ भरा संगीत समारोह डीएआईआईसीटी, तथा एनआईडी में आयोजित किया गया, और सीआईआईई में एक सामाजिक संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सहकार्य स्थान (आइडियापैड)

आइडियापैड अहमदाबाद में उद्यमशीलता के लिए एक गतिशील, रचनात्मक, और सहयोगात्मक माहौल विकसित करने के लिए समर्पित है और इस तरह कॉफी विराम के दौरान ये लोग एकसाथ मिलकर काम करते हुए अनेक तरीकों से समारोहों, प्रदर्शनियों, और अन्य कार्यों में शामिल होते हैं। यह कार्यक्रम उद्यमिता में शहर के रचनात्मक लोगों को (कलाकार, डिजाइनर, नवीन आविष्कारकर्ता, उद्यमी, फ्रीलांसर, आदि) एकसाथ लाने, जोड़ने तथा सहकार्य करने और क्षेत्रीय गतिविधियों को बढ़ावा देने का एक प्रयास है। आइडियापैड ने वर्ष के दौरान 34 व्यक्तियों / स्टार्टअपों को समर्थन दिया।

स्टार्टअप ओएसिस में गतिविधियाँ

पारिस्थितिकी तंत्र विकास

स्टार्टअप ओएसिस ने पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए विभिन्न समारोहों / कार्यशालाओं का आयोजन किया। वर्ष 2015

में, स्टार्टअप ओएसिस ने तीन कार्यक्रमों आइडिएट, स्टार्टअप वीकएंड, और राजस्थान, स्टार्टअप फ़ेस्ट और अन्य दो कार्यक्रम उदयपुर स्टार्टअप फ़ेस्ट (यूएसएफ) और टेकफ़ोरराज का आयोजन 2016 में (मार्च तक) किया। राजस्थान स्टार्टअप फ़ेस्ट सबसे बड़ा समारोह था जिसमें 100 से अधिक स्टार्टअप और 25 निवेशकों ने भाग लिया था। स्टार्टअप ओएसिस ने प्रारंभिक चरण की उद्यमशीलता को समर्थन देने के लिए विभिन्न कॉलेजों में आठ कार्यशालाओं / प्रशिक्षण शिविरों का भी आयोजन किया।

ऊष्मायन

स्टार्टअप ओएसिस ने एक अलग संरचित ऊष्मायन प्रक्रिया विकसित की है ताकि विभिन्न विकास स्तरों पर स्टार्टअप को समर्थन दिया जा सके और महत्त्वपूर्ण रूप से बढ़े इनपुट की देखभाल की जा सके। स्टार्टअप ओएसिस को लगभग 1000 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से इसने आइडिया के स्तर पर 250 को, प्रोटोटाइप स्तर पर 15 को, और विकास के स्तर पर 8 को समर्थन दिया।

सामाजिक उद्यमिता

वर्ष 2015-16 में स्टार्टअप ओएसिस ने अपनी सामाजिक उद्यमिता समर्थन पहल शुरू की जो सामाजिक क्षेत्र के स्टार्टअपों / विचारों की सहायता के लिए की गई। अगले कदम के रूप में स्टार्टअप ओएसिस को डीएफआईडी तथा प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) के आईएनवीईएनटी (इनवेन्ट) कार्यक्रम को लागू करने वाले चार इनक्यूबेटरों में से एक के रूप में चयनित किया गया है।

भागीदारी / कोष की स्थापना

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग : स्टार्टअप ओएसिस को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास बोर्ड द्वारा एक प्रौद्योगिकी बिजनेस इनक्यूबेटर (टीबीआई) की स्थापना के लिए चुना गया था।

राजस्थान स्टार्टअप नीति : राजस्थान स्टार्टअप पॉलिसी 2015 के लिए रिको को नोडल संस्थान के रूप में नियुक्त किया गया था। इसी उद्देश्य के लिए रिको द्वारा एक अलग कानूनी इकाई की स्थापना की गई है और इस नई इकाई के संचालन और प्रबंधन की जिम्मेदारी सीआईआईई / स्टार्टअप ओएसिस की होगी।

राजस्थान सरकार के तकनीकी शिक्षा विभाग (डीटीई) के साथ साझेदारी : स्टार्टअप ओएसिस ने राजस्थान (जयपुर, उदयपुर, जोधपुर, कोटा, अजमेर, बीकानेर और भरतपुर) के सात संभागीय मुख्यालयों के सरकारी कॉलेजों का संचालन करने हेतु ऊष्मायन केन्द्रों की स्थापना की है और इनकी मदद करने के लिए तकनीकी शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

निवेश

स्टार्टअप ओएसिस ने राजस्थान स्टार्टअप फ़ेस्ट, ऑनलाइन डेमो दिवस, और उदयपुर स्टार्टअप फ़ेस्ट में तीन दिनों डेमो का आयोजन किया। स्टार्टअप ओएसिस से सात स्टार्टअप ने इन डेमो दिनों के सहित विभिन्न समारोहों के माध्यम से राशि जुटाई जिनमें से तीन लेनदेन वे थे जहाँ स्टार्टअप ओएसिस निवेशकों के साथ सीधे ही जुड़ा था।

उद्यमिता मेला

स्थानन समिति ने उद्यमशीलता प्रकोष्ठ और नवप्रवर्तन, ऊष्मायन और उद्यमिता केन्द्र (सीआईआईई) के सहयोग से 18-19 सितम्बर, 2015 को उद्यम मेला 2015 का आयोजन किया।

उद्देश्य और हितधारक

उद्यम मेले का प्रयोजन एक उद्यम कंपनी में छात्रों को काम करने के लिए दिशा प्रदान करना है। यह एक मंच के रूप में बनाया गया है :

- उद्यमी कंपनियों को एक मंच प्रदान करना ताकि प्रतिभावान छात्र जो उद्यमी अवसर के लिए आगे बढ़ने में रुचि रखते हैं वे आगे आए
- उद्यमिता में आगे बढ़ने का निर्णय लेने से पहले उद्यमी कंपनियों के साथ अनुभव प्राप्त करने के लिए छात्रों को एक प्रशिक्षु का अवसर प्रदान करना है।

छात्रों और उद्यमियों कंपनियों के बीच अगली पीढ़ी के उद्यमियों को प्रेरित करने के लिए और उनके बीच मजबूत संबंध बनाने के लिए यह विचार है। उद्यम मेला वेबिनार और अन्य बिजनेस स्कूलों के हितधारकों के साथ मिलकर उद्यमियों के लिए नेटवर्किंग प्रदान करना है।

उद्यम मेले के छठे संस्करण में 27 से अधिक स्टार्टअप और टेक फॉर इंडिया, अपग्रेड, नेस्सा सोलर, अर्बन रेस्त्रो, ज़ोपर आदि जैसे उभरते उपक्रमों की प्रतिभागिता देखी गई। उद्य पूंजी कंपनियाँ एक्सल पार्टनर्स तथा मुंबई एंजल्स भी इच्छुक उद्यमियों को स्टार्टअप के बारे में एक निवेशक के परिप्रेक्ष्य का अंदाजा प्रदान करने के लिए मौजूद थीं। बेंगलूरुस्थित इनक्यूबेटर ब्रांड एक्सलरेटर ने उभरते उद्यमियों के लिए अपने फैलोशिप कार्यक्रम के बारे में बताने के लिए इस मेले का दौरा किया।

4. कृषि प्रबंध केंद्र

संस्थान में कृषि प्रबंधन केंद्र (सीएमए) एक अंतर-अनुशासनात्मक अनुसंधान केंद्र है जो खाद्य, कृषि व्यवसाय, ग्रामीण और संबद्ध क्षेत्रों में लागू, नीति तथा समस्या सुलझाने के अनुसंधान में लगा हुआ है। यह इन क्षेत्रों / विषय क्षेत्रों की शिक्षण, प्रशिक्षण तथा परामर्शन गतिविधियों में भी शामिल है।

पूर्ण हुए अनुसंधान

इस वर्ष के दौरान तीन अनुसंधान परियोजनाएं पूर्ण की गईं। इन परियोजनाओं के सारांश **परिशिष्ट ट** में दिए गए हैं।

निम्नलिखित परियोजनाओं का कार्य प्रगति पर है :

- मृदा स्वास्थ्य, पादप स्वास्थ्य, और मानव स्वास्थ्य।
- कृषि जैव विविधता के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के साथ मुकाबला शून्य स्थान से एक अवलोकन
- भारतीय वायदा बाजारों में किसानों की भागीदारी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लाभों का अन्वेषण
- एम-किसान पोर्टल के माध्यम से किसान कॉल सेंटर (केसीसी), केकेएमएस, और एसएमएस की प्रभावशीलता और उपयोगिता का आकलन

शिक्षण

पीजीपी

सीएमए ने पीजीपी-एफ़एबीएम, पीजीपी, तथा पीजीपीएक्स के लिए इक्कीस पाठ्यक्रमों की पेशकश की है।

एफ पी एम (खाद्य और कृषि व्यवसाय)

सीएमए ने प्रबंधन में फैलो कार्यक्रम (खाद्य और कृषि व्यवसाय) में छह पाठ्यक्रम पेश किए।

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- कृषि निवेश विपणन, 11-16 जनवरी, 2016
- अनुबंध खेती प्रबंधन, 25-29 जनवरी, 2016

5. स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र (सीएमएचएस)

संस्थान का स्वास्थ्य क्षेत्र में योगदान सन् 1975 में सार्वजनिक प्रणाली समूह की स्थापना के साथ हुआ। शुरुआत में, प्रारंभिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएँ और परिवार नियोजन के प्रबंधन अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित किया गया। अनुसंधान गतिविधियों में 80 के दशक में द्वितीयक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के प्रबंधन को शामिल किया गया था और 90 के दशक में तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं को शामिल किया गया था। उसके बाद से स्वास्थ्य देखभाल बीमा तथा संबंधित विषयों को जोड़ा गया था।

संस्थान द्वारा भूतकाल में स्वास्थ्य क्षेत्र में दिये गए अपने योगदान की पहचान बनाने हेतु और सामाजिक आर्थिक विकास के संदर्भ में स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश को मजबूती प्रदान करने की आवश्यकता को देखते हुए जून 2004 में स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र (सीएमएचएस) की स्थापना की गई थी। सीएमएचएस का उद्देश्य क्षमतापूर्वक एवं प्रभावी रूप से विविध भागों की जनसंख्या जरूरतों से निपटने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के वितरण में प्रबंधकीय चुनौतियों को पूरा करना और स्वास्थ्य क्षेत्र में उत्कृष्ठ संस्थान का निर्माण करना तथा स्वास्थ्य नीतियों एवं व्यापक माहौल को प्रभावित करना है।

सीएमएचएस से स्वास्थ्य के क्षेत्र में भागीदारी के लिए जोर देने और दीर्घकालिक स्थिरता प्रदान करने के लिए; सामाजिक क्षेत्र के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को उजागर करने; बड़ी परियोजनाओं में भागीदारी की सुविधा प्रदान करने; दुनिया भर से स्वास्थ्य सेवा शोधकर्ताओं को आकर्षित करने; स्वास्थ्य प्रबंधन में शामिल अन्य संस्थानों के साथ सहक्रियाओं का विकास करने; और ज्ञान के प्रसार में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपेक्षा की जाती है।

आईआईएमए-सीएमएचएस संगोष्ठी श्रृंखला

सीएमएचएस ने अगस्त 2014 में एक संगोष्ठी श्रृंखला शुरू की, जिसमें हर महीने लगभग एक संगोष्ठी आयोजित की गई। वर्ष 2015-16 के दौरान निम्नलिखित संगोष्ठियाँ आयोजित की गईं :

- सेलुलर और आण्विक प्लेटफार्म केंद्र (सीकैम्प), जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की पहल बैंगलुरूके निदेशक एवं सीओओ डॉ तस्लीमारीफ सैयद द्वारा अत्याधुनिक जीवन विज्ञान / स्वास्थ्य देखभाल नवाचार को बढ़ावा देने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र पर व्याख्यान, 16 अप्रैल 2015.
- बेबीस्टेप्स अपने बच्चों के वृद्धि, विकास, तथा टीकाकरण द्वारा निगरानी रखते हुए माता-पिता का सशक्तिकरण पर डॉ. नेहा कुमार, सहायक प्रोफेसर, जॉर्जिया प्रौद्योगिकी इंस्टिट्यूट, अटलांटा और प्रोफेसर राजेश चंदवानी, आईआईएमए द्वारा व्याख्यान, 10 जुलाई 2015.
- स्वास्थ्य देखभाल में गुणवत्ता पर डॉ नंदा कुमार जयराम, अध्यक्ष और समूह चिकित्सा निदेशक, कोलंबिया एशिया हॉस्पिटल इंडिया प्रा. लि. बेंगलुरू का व्याख्यान, 08 सितम्बर, 2015.
- भारतीय दवा क्षेत्र पर श्री जावेद जिया, प्रमुख, सीपीओ तथा देश प्रमुख, नोवार्टिस इंडिया का व्याख्यान, 16 अक्टूबर 2015.
- भारतीय संदर्भ में चिकित्सा प्रौद्योगिकी पर श्री अशोक के. कक्कड़, वरिष्ठ प्रबंध निदेशक, वारियान मेडिकल सिस्टम्स इंटरनेशनल इंडिया प्रा. लि., मुंबई का व्याख्यान, 23 फरवरी 2016.
- उच्च गुणवत्ता की सस्ती स्वास्थ्य देखभाल सेवा तय करने के लिए मॉडल भारत में गुर्दे की देखभाल का केस पर डॉ सुरेश शंकर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, दविता रीनल केयर, चेन्नई का व्याख्यान, 30 मार्च 2016.

दो दिवसीय कार्यशालाएँ

दो दिवसीय कार्यशालाओं का उद्देश्य स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र के

व्यवसायियों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और फार्मा उद्योग, चिकित्सा उपकरणों के निर्माताओं आदि क्षेत्रों के पेशेवरों तक पहुँचना है।

आईआईएमए में 56 दिसंबर, 2015 के दौरान हेल्थकेयर एनालिटिक्स विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी।

ग्रीष्मकालीन स्कूल

आईआईएमए में 1 से 4 जून, 2015 के दौरान स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन सेवाओं में उन्नत के अनुसंधान तरीकों पर एक चार दिवसीय ग्रीष्मकालीन स्कूल का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के प्रबंधन से जुड़ी चुनौतियों पर काम कर रहे देश भर के अनुसंधान छात्रों तथा युवा संकाय सदस्यों को एक मंच प्रदान करने के लिए इस ग्रीष्मकालीन स्कूल को डिजाइन किया गया था। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अपोलो अस्पताल, और एमिटी विश्वविद्यालय जैसे विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों ने प्रतिभागी के रूप में इस ग्रीष्मकालीन स्कूल में भाग लिया।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन सेवाओं में प्रगति विषय पर पहला आईआईएमए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 67 जून, 2015 के दौरान आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन का उद्देश्य स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन में अत्याधुनिक अनुसंधान, नई कल्पनाओं को साझा करने, मुद्दों पर बहस करने तथा नवीनतम घटनाओं से निपटने के लिए प्रमुख शैक्षणिक वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, चिकित्सकों,स्वास्थ्य प्रशासकों, सेवा प्रदाताओं, और नीति निर्माताओं को एकसाथ एक मंच पर लाना था। प्रतिभागियों द्वारा करीब 15 दीर्घ और 28 लघु प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत की गई थी।

स्वास्थ्य प्रबंधन के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाले वक्ताओं को इस सम्मेलन में मुख्य भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया था। इनमें शिक्षाविद, औषधकीय चिकित्सक, नीति निर्माता, आदि शामिल थे।

केस अध्ययन विकास

प्रोफ़ेसर अर्नब के. लाहा तथा सुश्री प्रियंका रॉय द्वारा मूलजीभाई पटेल यूरोलोजिकल अस्पताल (एमपीयूएच) पर अध्ययन के लिए एक केस पंजीकृत किया गया था।

6. खुदरा बिक्री केन्द्र

खुदरा बिक्री केंद्र (सीएफआर) खुदरा प्रबंधन के विभिन्न विषय क्षेत्रों में अनुसंधान का समर्थन करता है। इस केंद्र के पास विपणन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और सूचना प्रणालियों की पृष्ठभूमि के साथ संकाय सदस्यों की एक टीम है। इन वर्षों में सीएफआर (खुदरा बिक्री केंद्र) खुदरा प्रबंधन के लिए जानकारी तैयार करने और उसके प्रसार में शामिल रहा है।

गतिविधियाँ

सीएफआर ने बिंघमटन युनिवर्सिटीसनी के स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट से प्रोफेसर मनोज के अग्रवाल को 22 जनवरी, 2016 को बाजार पर वित्तीय लाभों के प्रभाव सुपर मार्केटों में मैन्युफ़ैक्चरर्स के मूल्य निर्धारण तथा संवर्धन कार्यनीति की एक अनुभवपरक जाँच विषय पर एक शोध संगोष्ठी के लिए आमंत्रित किया था। सीएफआर ने विभिन्न अनुसंधान सहयोग संभावनाओं का पता लगाने के लिए संकायों के साथ प्रोफेसर अग्रवाल की एक बैठक भी आयोजित की थी।

संस्थान ने अरविंद ब्रांड्स के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसका उद्देश्य खुदरा बिक्री और प्रचार प्रसार ज्ञान के विभिन्न विषय-क्षेत्रों में अनुसंधान को अंजाम देना है। अनुसंधान के लिए पहचाने जाने वाले कुछ विषय हैं खुदरा बिक्री में मानव संसाधन प्रबंधन, ब्रांडिंग और मूल्य निर्धारण के संदर्भ में खपत व्यवहार, तंत्रिका विज्ञान तकनीक और खुदरा बिक्री, परंपरागत खुदरा बिक्री पर ई-कॉमर्स के प्रभाव, मूल्य-घटाव प्रबंधन रणनीति, और ग्राहक संबंध प्रबंधन।

7. सार्वजनिक प्रणाली समूह

सार्वजनिक प्रणाली समूह (पी.एस.जी.) अत्याधुनिक सामरिक सार्वजनिक प्रबंधन तथा सामाजिक नीति पर अनुसंधान, प्रशिक्षण, और संगठनात्मक कार्य को संभालता है। इस समूह का उद्देश्य ऐसे अनुसंधान को बढ़ावा देना है जो सार्वजनिक प्रणालियों के प्रभावी प्रबंधन की अवधारणाएँ तथा सिद्धांत उत्पादित करेंगे और साथ-साथ नीति बनाने के आधार पर सामाजिक और राजनीतिक प्रक्रियाओं को विद्वानों की तरह समझ एवं स्पष्ट अभिव्यक्ति प्रदान करेंगे।

संकायों के वर्तमान अनुसंधान हितों में ऊर्जा एवं जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण एवं स्थिरता, वैश्विक पर्यावरण वार्ता और जोखिम मूल्यांकन; प्राथमिक, द्वितीयक, व तृतीयक स्वास्थ्य क्षेत्रों को समाहित करते हुए अस्पताल एवं स्वास्थ्य प्रणालियाँ; ग्रामीण प्रबंधन, परिवहन एवं विमानन प्रबंधन, बुनियादी ढांचे का विकास एवं पुनर्वास; सार्वजनिक वित्त, शिक्षा नीति, व सामुदायिक विकास; सार्वजनिक प्रणालियों में संचालन अनुसंधान, प्रभाव आकलन तथा दूरसंचार शामिल हैं।

पाठ्यक्रम

विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों में क्षेत्र संकाय द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रमों की पेशकश की गई :-

मूल विषय (कोर)

- व्यवसाय का सामाजिक सांस्कृतिक माहौल
- सरकारी प्रणालियाँ और प्रक्रियाएँ

ऐच्छिक विषय

- विमानन व्यापार रणनीतियाँ
- हवाई अड्डे की नीति और पीपीपी
- कार्बन वित्त
- सुशासन और गरीबी में रहने वाले लोग
- कॉर्पोरेट सामाजिक अनुत्तरदायित्व की जाँच
- अवसंरचना विकासऔर वित्त पोषण
- ऊर्जा व्यवसाय प्रबंधन
- हस्त कौशल, कल्पित कथा, और विपणन
- स्थायित्व प्रबंधन
- संगठनों में सत्ता और राजनीति
- सार्वजनिक वित्त
- सार्वजनिक नीति
- विकास के लिए भागीदारी रंगमंच
- रेल परिवहन योजना और प्रबंधन
- सामाजिक उद्यमिता: नवप्रवर्तक सामाजिक परिवर्तन
- भारतीय अर्थव्यवस्था में सामरिक सुधार और परिवर्तन
- स्थिरता और पर्यावरण प्रबंधन
- परिवहन अवसंरचना
- शहरी अर्थशास्त्र एवं व्यावसायिक माहौल
- स्वास्थ्य देखभाल में साहस

पीजीपी-एफ़एबीएम

- कार्बन वित्त (पीजीपी के साथ)
- कॉर्पोरेट सामाजिक अनुत्तरदायित्व की जाँच (पीजीपी के साथ)
- स्थायित्व प्रबंधन (पीजीपी के साथ)
- सार्वजनिक वित्त (पीजीपी के साथ)
- सामाजिक उद्यमिता नवप्रवर्तक सामाजिक परिवर्तन (पीजीपी के साथ)

एफपीएम

प्रथम वर्ष के मूल विषय (कोर)

- सार्वजनिक नीति भाग1

द्वितीय वर्ष के मूल विषय (कोर)

- सार्वजनिक नीति भाग2
- सार्वजनिक वित्त
- सार्वजनिक प्रबंधन

द्वितीय वर्ष के ऐच्छिक विषय

- आर्थिक विकास एवं वृद्धि
- ऊर्जा और पर्यावरण नीति
- वित्त पोषण और स्वास्थ्य देखभाल सेवा
- स्वास्थ्य बीमा
- व्याख्यात्मक अनुसंधान के तरीके
- सार्वजनिक प्रणालियों में ओ.आर. अनुप्रयोग
- परिवहन नीति पर संगोष्ठी
- सामाजिक नीति में व्यावहारिक निष्कर्ष के लिए मात्रात्मक तरीकों का उपयोग करना

पीजीपीएक्स

- दूरसंचार उद्यम प्रबंध करना

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- अवसंरचना में कानूनी और विनियामक मुद्दे*
- शहरी परिवहन
- जहाजों के लिए सामान्य प्रबंधन (दो बार पेश किया गया)

*संयुक्त रूप से व्यापार नीति विषय-क्षेत्र के साथ पेशकश की गई

8. रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवप्रवर्तन केन्द्र

रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवप्रवर्तन केंद्र (आरजेएमसीईआई) ने सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में अपनी परियोजना शैक्षणिक नवप्रवर्तन बैंक सार्वजनिक स्कूली शिक्षा में विकेन्द्रीकृत व्यावसायिक विकास और गुणवत्ता संवर्द्धन के माध्यम से नवप्रवर्तनों पर अपनी शोध जारी रखी। इस परियोजना का उद्देश्य उन सरकारी शिक्षकों को सक्षम बनाना है जो अपने दम पर प्रयोग एवं नवप्रवर्तन करते हैं ताकि कुछ नया सीखने के लिए संदर्भ विशेष बाधाओं से निपटा जा सके। यह परियोजना गुजरात और महाराष्ट्र की सरकारों के साथ साझेदारी में चलाई जा रही है, इसके द्वारा 12000 नवप्रवर्तनों को जुटाया गया है और इनमें से 10000 से अधिक जाँच की गई है। इनमें से सबसे अच्छे नवप्रवर्तनों को उनकी प्रभावशीलता के लिए मूल्यांकित किया जा रहा है। इसके अलावा, गुजरात के सभी जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों में नवप्रवर्तन प्रकोष्ठ स्थापित किए गए हैं। महाराष्ट्र और गुजरात में अनेक नवप्रवर्तन कार्यशालाओं और राज्य स्तरीय सम्मेलनों का आयोजन किया गया है।

वर्ष 2015-16 की प्रमुख गतिविधियाँ नीचे दी गई हैं :

- गुजरात के सभी 33 जिलों में शैक्षिक नवप्रवर्तन मेलों का आयोजन राज्य सरकार के सहयोग से किया गया और 1299 नवप्रवर्तक शिक्षकों ने अपने नवप्रवर्तन प्रदर्शित किए; 108

शिक्षकों को एक राज्य स्तरीय मेले में गाँधीनगर आमंत्रित किया गया था।

- 350 नवीन शोधों के साथ सरकारी प्राथमिक शिक्षक और लगभग 6400 छात्र बच्चों के सर्वांगीण विकास में गैर संज्ञानात्मक भूमिका का अध्ययन करेंगे।
- स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों के लिए प्रशिक्षण सामग्री तैयार की गई थी और गुजरात के 100 गाँवों में अपने स्वयं के नवप्रवर्तनों के प्रति प्रेरित करने के लिए एक कार्य अनुसंधान परियोजना तैयार की गई थी। इसके अलावा, 150 स्कूल प्रबंधन समितियों का एक आकलन शुरूआती ग्राम शिक्षा समिति मॉडल में बदलाव की पहचान करने के लिए किया गया।
- परिवर्तन अभियान के लिए विद्वानों का विस्तार करते हुए इसके तहत कक्षा 6 से 8 के लिए विज्ञान और गणित में लगभग 3500 वीडियो को मुक्त पहुँच पर रखा गया है; इन्हीं कक्षाओं के लिए विज्ञान और गणित में 2500 परियोजनाओं को इस वर्ष विकसित किया गया। इस सामग्री का प्रसार प्रगति पर है।
- अलग से एक शिक्षिका मंच स्थापित किया गया है जो तकनीकी के माध्यम से 1500 सदस्यों के साथ जुड़ा हुआ है और जो महिलाएँ कुछ असुविधाओं का सामना करती हैं उनसे निपटने के लिए स्थापित किया गया है।
- इस परियोजना का उद्देश्य शिक्षकों और एसएमसी के सदस्यों के लिए एक प्रौद्योगिकी संचालित सहकर्मी शिक्षा और सहकर्मियों के साझाकरण का प्रदर्शन करने के लिए मंच प्रदान करना है, और अब एक मोबाइल आधारित तथा सोशल मीडिया आधारित प्रयासों द्वारा 14 लाख लोगों तक पहुँच बनी है।

आरजेएमसीईआई ने माध्यमिक स्कूलों के प्राचार्यों के लिए सप्ताह भर के कार्यक्रमों (प्रति वर्ष एक) की पेशकश करना जारी रखा। देश भर से अलग-अलग राज्यों से आए तिरेपन प्राचार्यों और स्कूल अग्रणियों नेइस कार्यक्रम में भाग लिया। शिक्षा में उद्यमिता (पीजीपी) पर एक ऐच्छिक पाठ्यक्रम और एफडीपी तथा एफपीएम के लिए संचार से संबंधित पाठ्यक्रमों की भी पेशकश की गई।

अनुशासनिक विषय-क्षेत्र

नौ अनुशासनिक विषय-क्षेत्र हैं - व्यापार नीति, संचार, अर्थशास्त्र, वित्त एवं लेखा, सूचना प्रणाली, विपणन, संगठनात्मक व्यवहार, कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध, और उत्पादन और मात्रात्मक तरीके साथ में पीजीपी, पीजीपी-एफ़एबीएम, एफपीएम, और पीजीपीएक्स में विभिन्न अनिवार्य और वैकल्पिक पाठ्यक्रम कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों के अलावा प्रस्तुत किए जाते हैं।

1. व्यापार नीति

व्यापार नीति के विषय-क्षेत्र में डिजाइन सोच, नवप्रवर्तन, उद्यमशीलता, प्रतिस्पर्धी और कॉर्पोरेट रणनीति, नेतृत्व, व्यापार के कानूनी पहलू, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, व्यापक डेटा प्रबंधन, ज्ञान प्रबंधन, बौद्धिक संपदा अधिकार प्रबंधन, प्रायोगिक विधियाँ और क्रिया अनुसंधान में शिक्षण एवं अनुसंधान के लिए 13 प्राथमिक और 6 सहायक सदस्य हैं।

क्षेत्र के सदस्य संस्थान के विभिन्न लघु और दीर्घकालीन कार्यक्रमों के अध्यापन में, सलाहकार सेवाओं, अनुसंधान प्रकाशन, और प्रशासनिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहे। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेना जारी रखा। संस्थान के विभिन्न कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी के विवरण इस प्रकार थे।

पाठ्यक्रम

पीजीपी

मूल विषय

- सामरिक प्रबंधन
- व्यापार के कानूनी पहलू

ऐच्छिक

- व्यवसाय एवं बौद्धिक संपदा
- व्यवसाय, सरकार और कानून
- योग्यता, क्षमता, और कॉर्पोरेट रणनीति (फिर से पेश किया गया)
- अभिनव व्यापार डिजाइन के लिए डिजाइन सोच
- निर्धारण की गतिशीलता और रणनीति का निष्पादन
- रणनीति का अर्थशास्त्र
- उद्यमिता और नए उद्यम योजना
- रणनीति परामर्श की नींव
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार विवाद समाधान
- व्यावसायिक सेवा कंपनियों में नेतृत्व
- नेतृत्व दृष्टि, अर्थ, और वास्तविकता
- विविध संगठनों का प्रबंधन
- प्रबंधन में रहस्य
- प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन के सामरिक प्रबंधन
- उभरते बाजारों में रणनीति

एफपीएम

- कार्रवाई अनुसंधान पद्धतियों में प्रगतिशील संगोष्ठी
- उन्नत सामरिक प्रबंधन भाग1 एवं 2 (एफ़पीएम के बीपी क्षेत्र के लिए)
- सामरिक प्रबंधन पर मूल पाठ्यक्रम
- कॉरपोरेट शासन
- रणनीति का अर्थशास्त्र
- उद्यमिता
- अंतर्राष्ट्रीय सामरिक प्रबंधन
- रणनीति और नवप्रवर्तन

पीजीपीएक्स

- व्यापार अनुकरण कार्य कैपस्टोन
- कॉरपोरेट शासन
- डिजाइन सोच का परिचय
- व्यावसायिक सेवा कंपनियों में नेतृत्व
- नेतृत्व, मूल्य और नैतिकता

- व्यापार के कानूनी पहलू
- नई और छोटी कंपनियों का प्रबंधन
- विलय और अधिग्रहण
- सामरिक निष्पादन
- सामरिक प्रबंधन

एफडीपी

- रणनीति निर्माण और कार्यान्वयन
- प्रबंधन शिक्षा में केस पद्धति

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- अनुबंध प्रबंधन
- नवप्रवर्तन पोषण के लिए डिजाइन सोच
- रणनीति निष्पादन का अनुशासन
- विदेश में व्यवसाय करना
- पारिवारिक कारोबार संगठन, रणनीतियाँ, अंतर्राष्ट्रीयकरण, और उत्तराधिकार
- नवप्रवर्तन, कॉर्पोरेट रणनीति और प्रतिस्पर्धात्मक प्रदर्शन
- ज्ञान प्रबंधन
- अग्रणी व्यावसायिक सेवा कंपनियाँ
- इक्कीसवीं सदी के लिए संगठनात्मक नेतृत्व
- विकास के लिए रणनीतियाँ
- परिवर्तनकारी नेतृत्व
- प्राधिकरण, संगठन, रणनीतियाँ और संबद्धता की राजनीति पर कार्यकारी सम्मेलन
- युवा उद्यमी कार्यक्रम

अनुसंधान एवं प्रकाशन

संकायों के अनुसंधान की रुचि में प्रतिस्पर्धात्मक रणनीतियाँ, नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता, बौद्धिक संपदा अधिकार, अंतर्राष्ट्रीयकरण, क्षमता विकास तथा व्यापार के कानूनी पहलुओं से संबंधित अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय और रणनीतिक मुद्दे शामिल हैं। विषय-क्षेत्र के संकायों ने अपने काम को प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित किया है और अमेरिका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में आधारपत्र प्रस्तुत किए हैं।

2. संचार

पाठ्यक्रम

पीजीपी / पीजीपी-एफ़एबीएम

मूल विषय

- लिखित विश्लेषण और संचार 1
- साक्षात्कार और प्रस्तुतियों पर कार्यशाला
- लिखित विश्लेषण और संचार 2

ऐच्छिक

- कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा संचार
- टीम और नेतृत्व प्रभावशीलता के लिए संचार कौशल
- सांस्कृतिक पहचान और संचार
- मुश्किल संचार
- आंतर-सांस्कृतिक संचार क्षमता
- प्रबंधकीय संचार
- मीडिया और समाज : अर्थशास्त्र, राजनीति, नैतिकता, और जन संचार प्रौद्योगिकियाँ
- संगठनात्मक संचार
- प्रेरक संचार
- डिजिटल युग में सामरिक संचार
- अग्रणियों के लिए सामरिक चर्चा कौशल

पीजीपीएक्स

- प्रबंधन संचार (मूल विषय)

एफडीपी

- प्रबंध शिक्षकों के लिए संचार

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- प्रभावी संचार रणनीतियाँ
- लोगों को साथ लेकर धारणा द्वारा प्रबंधन
- जीतने की कगार

3. अर्थशास्त्र

पीजीपी 1

- सूक्ष्म अर्थशास्त्र
- समष्टि अर्थशास्त्र एवं नीति

पीजीपीएक्स

- कंपनियाँ एवं बाजार
- खुली अर्थव्यवस्था में बृहत्अर्थशास्त्र
- अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र और राजनीतिक माहौल

एफपीएम

- अर्थमिति
- उन्नत सूक्ष्मअर्थशास्त्र
- उन्नत समष्टि अर्थशास्त्र
- सूक्ष्म अर्थशास्त्र विश्लेषण
- उन्नत डेटा विश्लेषण

एफडीपी

- अर्थशास्त्र मॉड्यूल

इसके अलावा, संकायों ने निम्नलिखित वैकल्पिक पाठ्यक्रमों की भी पेशकश की।

पीजीपी 2

- संगठन का अर्थशास्त्र
- कार्य सिद्धांत और अनुप्रयोग
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश
- विकासशील देशों में श्रम बाजार
- मौद्रिक सिद्धांत और नीति
- खुशी का अर्थशास्त्र
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धांत और नीति
- सार्वजनिक वित्त - पीएसजी विषय-क्षेत्र के साथ संयुक्त पाठ्यक्रम
- खाद्य गुणवत्ता का अर्थशास्त्र
- प्रबंधकों के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्त के मुद्दे
- बड़े पैमाने पर परिवर्तन : अर्थशास्त्र और वित्त
- भारत का बृहत् अर्थशास्त्र : एक व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य
- रणनीति काअर्थशास्त्र (व्यापार नीति विषय-क्षेत्र के साथ)

4. वित्त और लेखाकरण

पीजीपी

मूल विषय

- कंपनी वित्त
- लागत एवं नियंत्रण प्रणाली
- वित्तीय लेखाकरण, रिपोर्टिंग और विश्लेषण
- वित्तीय बाजार

ऐच्छिक

- वैकल्पिक निवेश और बचाव निधि
- परिसंपत्ति समर्थित प्रतिभूतिकरण
- व्यावहारिक वित्त
- कंपनियों में वित्तपोषण
- निर्धारित आय प्रतिभूतियाँ दरें
- धोखाधड़ी जोखिम मूल्यांकन और शासन तंत्र
- वायदा, विकल्प, और जोखिम प्रबंधन
- संगठन के प्रदर्शन के लिए प्रबंधन नियंत्रण और मेट्रिक्स
- विलय, अधिग्रहण, एवं कंपनी पुनर्गठन
- सूक्ष्मवित्त प्रबंधन
- आधुनिक निवेश और पोर्टफोलियो प्रबंधन
- वित्त में अनुकूलन के तरीके ।
- मूल्य निर्धारण और बचाव व्यवस्था साधित प्रतिभूतियाँ
- प्रतिभूति विनियमन
- वित्त में प्रसंभाव्य कलन
- बैंकिंग में सामरिक परिप्रेक्ष्य
- व्यापार रणनीतियाँ
- कंपनियों का मूल्यांकन
- वित्तीय मॉडलिंग*

*नए ऐच्छिक

एफपीएम

मूल विषय

- परिसंपत्ति मूल्य निर्धारण
- अनुभवजन्य परिसंपत्ति मूल्य निर्धारण
- लेखा परीक्षा और कॉरपोरेट प्रशासन में अनुभवजन्य अनुसंधान
- कॉर्पोरेट वित्त में संगोष्ठी पाठ्यक्रम
- अनुभवजन्य लेखांकन अनुसंधान में संगोष्ठी पाठ्यक्रम

ऐच्छिक

- व्यावहारिक वित्त एवं लेखा
- व्युत्पन्न मूल्य निर्धारण
- लेखा परीक्षा और कॉरपोरेट प्रशासन में अनुभवजन्य अनुसंधान
- गणितीय वित्त
- अनुभवजन्य लेखांकन अनुसंधान में संगोष्ठी पाठ्यक्रम
- समय श्रृंखला विश्लेषण

पीजीपीएक्स

मूल विषय

- कंपनी वित्त
- वित्तीय बाजार
- वित्तीय रिपोर्टिंग और विश्लेषण
- संगठनात्मक प्रदर्शन के लिए प्रबंधन नियंत्रण और मेट्रिक्स
- विलय और अधिग्रहण
- सामरिक लागत प्रबंधन

ऐच्छिक

- वित्त संचालनों का प्रभावी प्रबंधन

- वित्तीय विवरण विश्लेषण
- अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन

एफडीपी

मूल विषय

- लेखा प्रबंधन और वित्तीय प्रबंधन

ऐच्छिक

- लेखा और लेखा परीक्षा अनुसंधान
- वित्त में विषय

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- उन्नत कॉर्पोरेट वित्त
- विलय, अधिग्रहण और पुनर्गठन
- सामरिक लागत प्रबंधन

अन्य क्षेत्रों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों में इस विषय-क्षेत्र के संकाय सक्रिय रूप से शामिल रहे थे।

5. मानव संसाधन प्रबंधन

वर्ष 2015-16 में, कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध विषय-क्षेत्र को मानव संसाधन प्रबंधन विषय-क्षेत्र का नाम दिया गया है।

विषय-क्षेत्र के संकाय सदस्यों ने संस्थान के सभी कार्यक्रमों (मूल विषय, फ्लेक्सीमूल विषय और ऐच्छिक पाठ्यक्रम) में पढ़ाया है। एचआरएम विषय-क्षेत्र से जुड़ी गतिविधियों के अलावा, क्षेत्रीय सदस्य एफपीएम / पीजीपीएक्स की मेजबानी वाले पाठ्यक्रमों को पढ़ाने में, व्यापार नीति और विपणन क्षेत्र और सार्वजनिक प्रणाली समूह द्वारा प्रस्तुत ऐच्छिक पाठ्यक्रमों में भी शामिल थे। वे शैक्षिक गतिविधियों और प्रशासनिक भूमिकाओं दोनों के लिए, विभिन्न केंद्रों की गतिविधियों के साथ भी शामिल थे। इस विषय-क्षेत्र ने एफडीपी और एएफपी प्रतिभागियों को भी मानव संसाधन प्रबंधन पाठ्यक्रम की पेशकश की।

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- उन्नत मानव संसाधन प्रबंधन
- आंतरिक प्रतिभा और नेतृत्व का विकास
- प्रबंधकीय प्रभावशीलता
- स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रबंधकीय उत्कृष्टता
- प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के लिए प्रदर्शन प्रबंधन
- प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के लिए प्रदर्शन प्रबंधन
- सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन

इसके अलावा, क्षेत्रीय संकायों ने अन्य क्षेत्रों के निम्नलिखित कार्यक्रमों को समन्वित किया :

- 3 टी.पी. उभरते अग्रणियों का कार्यक्रम
- स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में प्रबंधकीय उत्कृष्टता पर कार्यक्रम
- सामरिक पुनर्रचना और संगठनात्मक परिवर्तन
- बिक्री बल प्रभावशीलता बढ़ाना

अनुसंधान

क्षेत्र के संकाय सदस्यों ने अपनी रुचि के क्षेत्रों के केस लेखन, शिक्षण सामग्री के विकास और अनुसंधान में सहयोग दिया है। ये सदस्य आईआईएमए में और बाहर शोधकर्ताओं के साथ अंतर अनुशासनिक शोध में सहयोग करने में भी शामिल रहे हैं। केसों के लेखकों / सह लेखकों को वर्ष के दौरान आईआईएमए में क्षेत्रीय संकाय द्वारा पंजीकृत किया गया था। सदस्यों द्वारा लेखित (सहलेखक) पत्रों को राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किया गया और सहकर्मी समीक्षा पत्रिकाओं में प्रकाशित किया गया।

क्षेत्र के सदस्यों ने आईआईएमए और राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से अनुसंधान परियोजनाओं / केसों के विकास के लिए धन सुरक्षित किया।

बाहरी प्रभाव

क्षेत्र के सभी सदस्य नीति निर्माण, व्यापक शैक्षिक गतिविधियों, संस्थागत प्रशासन और अभ्यास में सुधार हेतु अपने प्रभाव का विस्तार करने में शामिल हैं।

क्षेत्रीय संकाय सदस्यों ने सातवें वेतन आयोग (सातवाँ सीपीसी) द्वारा अनुमोदित एक अध्ययन में नेतृत्व किया, जिसका शीर्षक था सरकारी कर्मचारियों की वेतन सुधार पर सिफारिश। इसके अलावा, सदस्यों ने समूह 'ए' के अधिकारियों के प्रवेश स्तर के वेतन को नियत करने हेतु आयोग को मार्गदर्शन दस्तावेज प्रदान करने में भी योगदान दिया। इस अध्ययन के योगदान को सातवें वेतन आयोग द्वारा स्पष्ट रूप से स्वीकार किया गया था और इसे सीधे सातवें वेतन आयोग की रिपोर्ट में संदर्भित किया गया। क्षेत्रीय संकाय सदस्य केन्द्रीय / राज्य सरकारों और सार्वजनिक संस्थानों द्वारा गठित समितियों का भी हिस्सा रहे थे।

संकाय सदस्य एचआरडी, एनएचआरडीएन और एनआईपीएम अकादमी सहित राष्ट्रीय स्तर पर व्यावसायिक संगठनों में भी सक्रिय रूप से शामिल थे। इन्होंने प्रतिष्ठित पत्रिकाओं के समीक्षक के रूप में योगदान दिया है और संपादकीय बोर्ड के सदस्यों के रूप में भी सेवाएँ दी हैं।

6. सूचना प्रणालियाँ

पाठ्यक्रम

पीजीपी 1

मूल विषय

- व्यवसाय के लिए सूचना प्रणालियाँ
- इंटरनेट प्रौद्योगिकी और व्यवसाय के लिए ई-वाणिज्य

ऐच्छिक

पीजीपी 2

- बृहत् डेटा विश्लेषिकी
- ईगवर्नेंस में परामर्शनः दृष्टि से कार्यान्वयन तक (पीजीपी एबीएम के लिए खुला)
- डेटा खनन और व्यवसाय आसूचना
- निर्णय निर्धारण के लिए डेटा दृश्यावलोकन
- विकास के लिए डिजिटल समावेशन
- उद्यम डिजिटल बुनियादी सुविधा
- ईआरपी प्रणालियाँः प्रौद्योगिकी योजना एवं कार्यान्वयन
- सॉफ्टवेयर परियोजनाओं और उद्यमों का प्रबंधन
- सूचना प्रणालियों का सामरिक प्रबंधन
- इंटरनेट अर्थव्यवस्था के लिए रणनीतियाँ

पीजीपीएक्स

- व्यवसाय आसूचना और विश्लेषिकी
- निर्णय निर्धारण के लिए डेटा दृश्यावलोकन
- सूचना प्रणाली का सामरिक प्रबंधन
- इंटरनेट अर्थव्यवस्था के लिए रणनीतियाँ

एफडीपी

- प्रबंधन के लिए सूचना प्रौद्योगिकी

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- ईआरपी सिस्टमः प्रौद्योगिकी, योजना, और कार्यान्वयन
- आईटी परियोजना प्रबंधन
- आईटी सामरिक प्रबंधन
- दृश्य व्यापार आसूचना

7. विपणन

विपणन क्षेत्र ने शिक्षण, अनुसंधान, परामर्श गतिविधियों और अकादमिक प्रशासन की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अग्रणी व्यवसायियों द्वारा अपने अनुभवों को साझा करके इस क्षेत्र के पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों को संवर्धित किया गया। उद्योग जगत से कई वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारियों ने इस विषय-क्षेत्र के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अपने अनुभव साझा किए।

पाठ्यक्रम

पीजीपी 1

मूल विषय

- विपणन 1
- विपणन 2
- विपणन 3

ऐच्छिक

- विज्ञापन और बिक्री संवर्धन प्रबंधन
- व्यवसाय से व्यवसाय तक विपणन
- ग्राहक आधारित व्यापार रणनीतियाँ
- नवप्रवर्तन, जीवंत
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार और ब्रिक देशों के विदेशी बाजार में प्रवेश
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश (संयुक्त रूप सेअर्थशास्त्र क्षेत्र के साथ प्रस्तुत)
- बाजार अनुसंधान और सूचना प्रणाली
- उच्च प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन की दुनिया में विपणन प्रबंधन
- अनिवार्य मोबाइल विपणन
- तंत्रिका विज्ञान और उपभोक्ता व्यवहार
- मूल्य निर्धारण
- ब्रांड प्रबंधन पर संगोष्ठी
- खेल विपणन
- रणनीतिक विपणन
- डिजिटल विपणन और ईबिजनेस के लिए रणनीतियाँ

एफपीएम

- विपणन में व्यावहारिक विज्ञान अनुप्रयोग
- अंतर्राष्ट्रीय विपणन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण
- विपणन रणनीति
- विपणन सिद्धांत और समकालीन मुद्दे
- मानसिक लेखा, मूल्य निर्धारण और न्यूरो विपणन
- विपणन प्रबंधन में व्याख्या संगोष्ठी
- विपणन में मात्रात्मक मॉडल पर संगोष्ठी
- संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग

पीजीपीएक्स

- उपभोक्ता मूल्य का आकलन और सृजन
- उपभोक्ता मूल्य सेवा और प्रबंधन
- उच्च प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन की दुनिया में विपणन प्रबंधन
- रणनीतिक विपणन

- ग्राहक व्यापार रणनीतियों पर संगोष्ठी

एफडीपी

- विपणन और विपणन अनुसंधान में प्रयोगात्मक विधियों के अनुप्रयोग
- पिरामिड के मूलाधार के लिए व्यापार रणनीतियाँ
- विपणन के मूल पाठ्यक्रम
- विपणन विश्लेषिकी और उपभोक्ता प्रतिक्रिया मॉडलिंग
- तंत्रिका विज्ञान और उपभोक्ता व्यवहार

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- विपणन निर्णयों के लिए उन्नत डेटा विश्लेषण
- व्यवसाय से व्यवसाय तक विपणन
- ग्राहक संबंध प्रबंधन
- ब्रांड्स का विकास और प्रबंध
- बिक्री बल प्रदर्शन बढ़ाना
- विकास के लिए नवप्रवर्तन
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार
- लाभ के लिए मूल्य निर्धारण

अनुसंधान और संगोष्ठी

अनुसंधान के क्षेत्रों में उपभोक्ता व्यवहार, ब्रांडिंग, विज्ञापन, बिक्री संवर्धन, खुदरा बिक्री, सूचना उत्पाद व सेवाएँ, पिरामिड मूलाधार, और सेवा केंद्रित रणनीति शामिल रहे।

अनुसंधान परियोजनाएँ

- विज्ञापन में कानूनी और नैतिक मुद्दे भारतीय विज्ञापनों की एक समीक्षा
- सशक्त एवं कमजोर ब्रांडों के लिए उपभोक्ताओं के संज्ञानात्मक भार और संवर्धन तैयारी के बीच परस्पर क्रिया का प्रभाव
- मुक्त रहने पर भी तनावग्रस्त व्यवसायियों द्वारा मोबाइल संचार उपकरणों के उपयोग के परजीवी प्रभाव
- भावनाओं का प्रबंधन भावनात्मक श्रम या भावनात्मक संवर्धन
- भारतीय ब्रांडों द्वारा प्रचार के लिए सोशल मीडिया का उपयोग
- बंडल घटकों के उपभोक्ताओं के संदर्भ मूल्य(आईआरपी) में परिवर्तन पर बंडल फॉर्म का प्रभाव
- हेडोनिक / यूटिलिटियन वरीयता पर समय के गणक निर्देशों का प्रभाव
- उपभोक्ता व्यवहार पर प्रारंभ के संवाद का प्रभाव
- स्मरणशक्ति, पसंद की भविष्यवाणी के आविष्कारक मानदंडों पर अंधजन और दूरदर्शीता वाले लोगों की तुलना
- उभरते बाजारों में उत्क्रम नवप्रवर्तन को समर्थ बनाने वालों की पहचान
- भारतीय संगठनों में विश्लेषिकी प्रक्रिया विकास का गहन अध्ययन

8. संगठनात्मक व्यवहार

पीजीपी 1

- लोगों और संगठनों को समझना 1
- लोगों और संगठनों को समझना 2

पीजीपी द्वितीय

- संगठनात्मक परिवर्तन का सहसृजन
- उद्यमी व्यक्तित्व का विकास
- भूमिकाओं की खोज और पहचान (परिसर से बाहर का पाठ्यक्रम)
- उच्च कार्यनिष्पादक टीमें: एक सफरनामा
- संगठनों में सत्ता और राजनीति
- प्रबंधन के लिए गुणात्मक अनुसंधान
- प्रतिभा प्रबंधन
- काम में रचनात्मक आत्मविकास
- भारतीय कार्यस्थलों को समझना

एफपीएम 1 और 2

- उन्नत सूक्ष्म संगठनात्मक व्यवहार
- मात्रात्मक सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में उन्नत विषय
- सूक्ष्म संगठनात्मक व्यवहार की बुनियाद
- संगठनात्मक व्यवहार में अच्छाईयाँ और परिप्रेक्ष्य
- अनुसंधान का क्राफ्टिंग एवं प्रकाशन
- संगठनों में नेतृत्व सिद्धांत और अनुसंधान की समीक्षा
- गुणात्मक अनुसंधान के तरीके: डेटा एकत्रीकरण और विश्लेषण
- संगठनात्मक निदान और परिवर्तन 1
- संगठनात्मक निदान और परिवर्तन 2
- संगठनात्मक संरचना और प्रक्रियाएँ
- संगठनात्मक सिद्धांत और उसके सामाजिक संदर्भ
- साइकोमेट्रिक्स और आकलन के सिद्धांत
- मात्रात्मक तरीके और विश्लेषण

पीजीपीएक्स

- प्रेरण
- नेतृत्व कौशल कार्यशाला
- संगठन व्यवहार
- प्रदर्शन क्षमता आत्मजागरूकता की यात्रा

एफडीपी

- उन्नत संगठनात्मक व्यवहार
- संगठनात्मक व्यवहार की समझ

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- प्रमुख क्षमता के रूप में सृजनात्मकता और नवप्रवर्तन व्यक्तिगत और संगठनात्मक क्षमता विकास
- व्यावसायिक महिलाओं में नेतृत्व क्षमता और कार्यक्षमता बढ़ाना
- पारस्परिक प्रभावशीलता और टीम निर्माण
- नेतृत्व और परिवर्तन प्रबंधन

9. उत्पादन और मात्रात्मक तरीके

पाठ्यक्रम

पीजीपी

मूल विषय

- निर्णय विश्लेषण
- फ़्लेक्सी मूल विषय - विनिर्माण संचालन प्रबंधन
- फ़्लेक्सी मूल विषय - सेवा संचालन प्रबंधन
- संचालन प्रबंधन 1 एवं 2
- संभावना एवं सांख्यिकी 1 एवं 2

ऐच्छिक

- डेटा विश्लेषण के उन्नत तरीके
- डेटा विश्लेषण की बायेसियन पद्धति
- हाथी और चीता प्रणालियाँ, रणनीति तथा बाधाएँ
- एक व्यवसायी के लिए निपुणता पूर्वानुमान
- संचालन रणनीति
- मात्रात्मक प्रणाली कार्यनिष्पादन
- राजस्व प्रबंधन और गतिशील मूल्य निर्धारण
- डेटा विश्लेषण में सांख्यिकीय तरीके
- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- आपूर्ति श्रृंखला रणनीति
- निर्णय लेने की कला और सूझ
- परियोजनाएं असफल क्यों? अनिश्चितता, जटिलता और परियोजनाओं में जोखिम

पीजीपी-एफ़एबीएम

- खाद्य आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन

एफपीएम

- प्रबंधन में उन्नत संभावना
- अनुप्रयुक्त बहुभिन्न रूपी विश्लेषण
- उत्तलता और अनुकूलन
- असतत अनुकूलन
- गणितीय प्रोग्रामिंग का परिचय
- बड़े पैमाने पर अनुकूलन
- कतारबद्ध मॉडल
- वास्तविक विश्लेषण
- राजस्व प्रबंधन और गतिशील मूल्य निर्धारण
- संचालन प्रबंधन 1 में संगोष्ठी
- संचालन प्रबंधन 2 में संगोष्ठी
- प्रणाली विश्लेषण और अनुकार
- समय श्रृंखला विश्लेषण

पीजीपीएक्स

- डेटा विश्लेषण
- व्यावसायिक विश्लेषिकी
- मांग पूर्ति के लिए संचालन डिजाइनिंग
- रसद प्रबंधन
- निर्णयों के लिए मॉडलिंग
- संचालन प्रबंधन पर परिप्रेक्ष्य
- गुणवत्ता प्रबंधन
- राजस्व प्रबंधन और गतिशील मूल्य निर्धारण
- सेवा स्तरों का स्थापन और वितरण

एफडीपी

- डेटा विश्लेषण के अनुप्रयोग
- संचालन प्रबंधन
- डेटा विश्लेषण के लिए सांख्यिकी

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- प्रबंधन के लिए उन्नत विश्लेषिकी
- उन्नत गुणवत्ता प्रबंधन
- रसद प्रबंधन
- विनिर्माण रणनीति
- परियोजना प्रबंधन
- राजस्व प्रबंधन और गतिशील मूल्य निर्धारण

- जोखिम मॉडलिंग और प्रबंधन
- सामरिक विश्लेषिकी मात्रात्मक डेटा विश्लेषिकी पर कार्यक्रम और व्यवसाय तथा

विपणन में उसका अनुप्रयोग ।

- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- विनिर्माण पर शीर्ष प्रबंधन कार्यशाला
- परियोजनाओं में अनिश्चितता, जटिलता और जोखिम
- गोदाम डिजाइन और प्रबंधन

अनुसंधान

प्रौद्योगिकी प्रबंधन, प्रौद्योगिकी आधारित नवाचार, विनिर्माण, निर्णय समर्थन प्रणाली, रसद, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, सुविधा स्थान, राजस्व प्रबंधन, अनुकूलन, प्रसंभाव्य अनुकूलन, बड़े पैमाने पर अनुकूलन, नेटवर्क अनुकूलन और बहुअनुमानी, नेटवर्क विश्वसनीयता,कार्य के संचालन में विपणन इंटरफ़ेस सैद्धांतिक मॉडल, वित्त में सांख्यिकीय मॉडलिंग, विरल डाटा का विश्लेषण, सर्वेक्षण पद्धति और सांख्यिकीय निष्कर्ष ऐसे क्षेत्र हैं जहां क्षेत्रीय संकायों ने प्रकाशनों के माध्यम से योगदान दिया है।

पूर्वछात्र गतिविधियाँ

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद पूर्वछात्र संघ

आईआईएमएएए का गठन एक कार्यकारी समिति (ईसी) उपलब्ध करता है जो संस्थान के हेतुओं को आगे बढ़ाने से लेकर चैप्टरों की स्थापन करने और उन्हें संभालने के कामकाज को प्रबंधित करती है। एक वैश्विक पूर्वछात्र परिषद के गठन के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

पूर्वछात्र सदस्यता शुल्क

हर वर्ष विभिन्न कार्यक्रमों के प्रतिभागी स्नातक हो जाने के बाद पूर्वछात्र बनते हैं।

आईआईएमए अलम्नस

अलम्नस संस्थान और पूर्वछात्रों के बीच संचार का एक मुख्य साधन है। यह पत्रिका जून, अक्टूबर और फरवरी में प्रकाशित होती है। पत्रिका में विज्ञापन से प्राप्त राजस्व द्वारा लागत का एक हिस्सा मिल जाता है। वर्ष 2015-16 के दौरान, इस राजस्व में पिछले साल की तुलना में लगभग 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पूर्वछात्र वेबसाइट पर वेबविज्ञापन अभियान के माध्यम से 0.34 लाख रुपये का राजस्व मिला।

रजत जयंती पुनर्मिलन

वर्ष 1991 के स्नातक हुए पीजीपी बैच का रजत जयंती पुनर्मिलन 24-26 दिसंबर, 2015 के दौरान आयोजित किया गया था। लगभग 90 पूर्वछात्रों ने सहपरिवार इसमें भाग लिया। यह मिलन समारोह आमोदप्रमोद से पूर्ण, मनोरंजक, और दोस्ती के नवीकरण से भरा हुआ था। इस पुनर्मिलन के दौरान, जिन संकायों ने 1990 के बैच को पढ़ाया था उन्हें सम्मानित किया गया।

रजत जयंती पुनर्मिलन के अलावा, छह अलग-अलग पीजीपी बैचों के पुनर्मिलनों का आयोजन किया गया, जो निम्नानुसार है :

कक्षा	बैच	पुनर्मिलन	तारीख
पीजीपीएक्स	2005-2015	संयुक्त	09.10.2015 से 10.10.2015 तक
एएफपी	2007-2015	संयुक्त	11.12.2015 से 13.12.2015 तक
2005 की कक्षा	2003-2005	10 वर्ष	18.12.2015 से 20.12.2015 तक
1986 की कक्षा	1984-1986	30 वर्ष	18.12.2015 से 20.12.2015 तक
1995 की कक्षा	1993-1995	20 वर्ष	31.12.2015 से 02.01.2016 तक
1981 के कक्षा	1979-1981	35 वर्ष	01.01.2016 से 03.01.2016 तक

स्वर्ण जयंती दीक्षांत समारोह के दूसरे बैच (1967) की उपस्थिति

पीजीपी का 51 वाँ बैच(2014-16) 21 मार्च, 2016 को स्नातक हुआ। पिछले वर्ष, संस्थान ने स्वर्ण जयंती दीक्षांत समारोह के लिए पहले पीजीपी बैच (पीजीपी 1966) को आमंत्रित किया था। इस वर्ष, संस्थान ने दूसरे पीजीपी बैच (पीजीपी 1967) को इस वर्ष के दीक्षांत समारोह के लिए आमंत्रित किया। सात पूर्वछात्रों ने इस समारोह में भाग लिया। उन्होंने छात्रों को शैक्षिक और अन्य उपलब्धियों के लिए विभिन्न पुरस्कार प्रदान किए।

पूर्वछात्र शैक्षणिक संबंध

पूर्वछात्रों के द्वारा कई वैकल्पिक पाठ्यक्रम / अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किए गए थे। इन्हें नियमित रूप से अपने ज्ञान और अनुभवों को साझा करने के महत्व के बारे में सूचित किया जाता रहा है। जिन पूर्वछात्रों ने छात्रों के साथ अपना ज्ञान साझा किया वे इस प्रकार हैं :

बैच		
आलोक मिश्रा	पीजीपी 1983	अतिथि व्याख्यान
राजेश गोपीनाथन	पीजीपी 1996	अतिथि व्याख्यान
रघु कृष्णमूर्ति	पीजीपी 1983	अतिथि व्याख्यान
अरुण खन्ना	पीजीपी 1988	अतिथि व्याख्यान
सौमेन चक्रवर्ती	पीजीपी 1984	अतिथि व्याख्यान
दीपक गुप्ता	पीजीपी 1985	अतिथि व्याख्यान
ज्ञानवर्धन गुप्ता	पीजीपी 2015	ईएफ़क्यू पाठ्यक्रम
हेमेंद्र माथुर	पीजीपी1996	वक्ता सत्र
आकाश बंसल	पीजीपीएफ़एबीएम	वक्ता सत्र
अनुराग अग्रवाल	पीजीपी 2013	ईएफ़क्यू पाठ्यक्रम

लिंक्डइन पहल

अपने पूर्वछात्रों को कैरियर समर्थन प्रणाली उपलब्ध कराने के लिए संस्थान ने इन दो समूहों आईआईएमए पूर्वछात्र समूह और आईआईएमए कार्यकारी शिक्षा पूर्वछात्र समूह की स्थापना के लिए लिंक्डइन के साथ हाथ मिलाया है। पहले वाले समूह में लंबी अवधि के सभी पूर्वछात्र जो दीक्षांत समारोह के माध्यम से स्नातक हुए हैं वे शामिल हैं। इस समूह में 3950 पूर्वछात्र हैं। आईआईएमए का स्थानन कार्यालय इस समूह में भर्तीकर्ता उपसमूह का हिस्सा बनने के लिए नियोक्ताओं को आमंत्रित करता है। दूसरे वाले समूह में अल्पकालिक कार्यक्रम के पूर्वछात्र शामिल हैं। इस समूह में 600 सदस्य हैं। इस समूह के लिए भर्तीकर्ता की सुविधा उपलब्ध नहीं है, संस्थान की नीति के अनुरूप केवल उन पूर्वछात्रों को शामिल किया गया है जो दीक्षांत समारोह के माध्यम से स्नातक हुए हैं, उन्हें ही स्थानन सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। इस पहल के पीछे उद्देश्य साथियों के साथ नेटवर्क की सुविधा देकर एक ऐसी बुनियादी सुविधा का सृजन करना है जिससे नियोक्ताओं को पूर्वछात्रों के साथ बातचीत करने की अनुमति मिलेगी। नियोक्ताओं के लिए, निचले से लेकर वरिष्ठ स्तर के पदों के बारे में कम खोज-लागत पर लाभ लेना है। पूर्वछात्रों के लिए, केवल मातृसंस्था एवं बैचसाथियों से जुड़े रहना ही नहीं अपितु मध्य कैरियर में बदलाव के लिए संभावित नियोक्ताओं के साथ भी जुड़े रहने का लाभ मिलता है। वर्तमान छात्रों के लिए, वरिष्ठों तक पहुँच बनी रहती है और कैरियर विशेष चर्चा बोर्ड में भाग लेने का लाभ मिलता है। संस्थान के लिए, लगातार पूर्वछात्रों के कैरियर में प्रगति को ट्रैक करने की क्षमता का लाभ मिलता है।

पूर्वछात्रों से कोष

इस वर्ष के दौरान, विभिन्न बैचों के पूर्वछात्रों ने व्यक्तिगत क्षमता से, और कुछ पूर्वछात्रों ने संयुक्त रूप से संस्थान को लगभग 1.50 करोड़ रु. का दान दिया। प्रमुख दाताओं के नाम नीचे सूचीबद्ध हैं:

पूर्वछात्र का नाम	बैच	रु. (लाख में)
अजय शर्मा	2000	5.00
सुरेंद्र कुमार जैन	2000	5.00
कुशल कुमार	1993	9.05
सौरभ जैन	2000	5.00
दीपक गुप्ता	1985	6.50
श्रीराम कृष्णमूर्ति	1994	5.00
दिनेश विक्टर	1994	5.00
महेश के.	1994	5.00
विशाल बख्शी	1994	5.00
रमेश श्रीनिवासन	1994	5.00
श्रीरामअय्यर	1994	5.00
होमीयार वासनिया	1994	5.00
आनंद संघी	1994	5.00
कैकेय जंगबहादुर	1994	10.00
अनुपम गर्ग	1994	10.00
नरेंद्र मुरखुम्बी	1994	5.00

छात्रवृत्तियाँ और पुरस्कार

इस वर्ष के दौरान, पूर्वछात्रों द्वारा संस्थापित निम्नलिखित छात्रवृत्तियाँ / पुरस्कार दिए गए :-

मार्टी मन्नारिया गुरुनाथ उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार

यह पुरस्कार प्रोफेसर मार्टी सुब्रह्मणियम (पीजीपी 196769) द्वारा श्री मार्टी मन्नारिया गुरुनाथ की स्मृति में स्थापित किया गया था। यह पुरस्कार एक संकाय सदस्य को उस दीक्षांत समारोह में स्नातक हुए पीजीपी बैच के अध्यापन के लिए दिया जाता है। इस वर्ष यह पुरस्कार प्रोफेसर सरल मुखर्जी को दिया गया।

आईआईएमए पूर्वछात्र वीवीईएफ़ उत्कृष्ट शोधकर्ता पुरस्कार

यह पुरस्कार विद्या वर्धिनी शिक्षा प्रतिष्ठान द्वारा स्थापित किया गया था, जो आईआईएमए के पूर्वछात्रों द्वारा संचालित सैक्शन 25 कंपनी नाम से जाना जाता है। यह पुरस्कार एक संकाय को दिया जाता है जो अपने स्थायी अनुसंधान योगदान और / अथवा सबसे अलग प्रकृति के महत्वपूर्ण अनुसंधान के लिए पहचाने गए हों। इस वर्ष यह पुरस्कार प्रोफेसर अमित गर्ग को दिया गया।

फिलिप थॉमस मेमोरियल रणनीतिसार्वजनिक प्रणाली केस पुरस्कार

यह पुरस्कार प्रोफेसर ऋशिकेश टी. कृष्णन (एफ़पीएम 1996) द्वारा श्री फिलिप थॉमस (पीजीपी1966) की स्मृति में स्थापित किया गया था। प्रति वर्ष यह पुरस्कार रणनीति/व्यवसाय नीति तथा सार्वजनिक प्रणाली के क्षेत्र के केस लेखक(कों) को दिया जाता है। पहला पुरस्कार प्रोफेसर एम.आर. दीक्षित को दिया गया।

सजीव सिरपाल अकादमिक तथा रचनात्मकता उत्कृष्टता पुरस्कार

यह पुरस्कार श्री सजीव सिरपाल (पीजीपी 1984) की स्मृति में सुश्री कनक सिरपाल (पीजीपी 1984) और उनके मित्रों द्वारा स्थापित किया गया था। यह पुरस्कार पीजीपी छात्रों के अकादमिक प्रदर्शन और रचनात्मकता में उत्कृष्टता की पहचान के लिए दिया जाता है। श्री अनुराग अग्रवाल (पीजीपी2016) और सुश्री शैली राणे (पीजीपी 2016) को यह पुरस्कार दिया गया।

1969 बैच छात्रवृत्ति

वर्ष 2011-13 से पीजीपी 1969 बैच के दाताओं ने आर्थिक, सामाजिक और शारीरिक रूप से कमजोर प्रथम वर्ष के पीजीपी छात्रों को समर्थन देने का निर्णय लिया। इस वर्ष तीन छात्रों के लिए प्रत्येक को 2 लाख रुपए की वित्तीय सहायता जारी की गई थी।

श्री जी. सी. मित्तल उद्यमशीलता सहायता

अंकित मित्तल (पीजीपी 2005) द्वारा स्थापित यह सहायता उन स्नातक छात्रों के लिए है जो स्थानन प्रक्रिया से बाहर रह कर अपना उद्यम स्थापित करना चाहते हैं। इस वर्ष, पूजा मेहरा (पीजीपी 2016) यह पुरस्कार दिया गया।

उत्कृष्ट खिलाड़ी पुरस्कार

श्री सुनील चैनानी (पीजीपी 1980) द्वारा स्थापित यह पुरस्कार संस्थान के छात्रकाल के दौरान खेल में सर्वांगीण प्रदर्शन में उत्कृष्ट ता को पहचान दिलाने के लिए दिया जाता था। यह उत्कृष्ट खिलाड़ी पुरस्कार श्री वरुण यादव (2016) और सुश्री अजीता बनर्जी (2016) को दिया गया।

श्रीमती जे. नगम्मा स्मृति पुरस्कार

श्री प्रमोद कुंजु (पीजीपी 1999) द्वारा स्थापित यह 15,000/ रुपए की पुरस्कार राशि अकादमिक रूप से अच्छे प्रदर्शन करने वाले पीजीपी छात्र को प्रथम वर्ष समाप्त होने पर दी जाती थी। श्री आयुष अग्रवाल ने यह पुरस्कार प्राप्त किया।

श्रीमती शारदा भंडारी और श्री पी.के. रथ छात्रवृत्ति

यह छात्रवृत्ति श्रीमती शारदा भंडारी तथा श्री पी.के. रथ की स्मृति में श्री समीर भंडारी (पीजीपी 1989) द्वारा पाँच वर्ष के लिए स्थापित की गई थी जो पीजीपी द्वितीय वर्ष के छात्रों की उच्च शिक्षा के समर्थक थे। इस वर्ष श्री शाह आशय सुभाष (पीजीपी 2016) को यह 1 लाख रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

रितु बंगा उद्योग छात्रवृत्ति

यह छात्रवृत्ति सुश्री रितु बंगा (पीजीपी 1981) द्वारा पाँच वर्ष के लिए स्थापित की गई थी। लाख रुपए की यह छात्रवृत्ति श्री सुमित कुमार जायसवाल (पीजीपी 2016) को प्रदान की गई।

अजय बंगा उद्योग छात्रवृत्ति

यह छात्रवृत्ति श्री अजय बंगा (पीजीपी 1981) द्वारा पाँच वर्ष के लिए स्थापित की गई थी। 1 लाख रुपए की यह छात्रवृत्ति श्री आयुष अग्रवाल (पीजीपी 2016) को प्रदान की गई।

एसआरके पुरस्कार

यह पीजीपीएक्स संकाय पुरस्कार श्री रामकृष्ण एक्सपोर्ट्स प्रा. लिमिटेड द्वारा स्थापित किया गया था। प्रोफ़ेसर अरिंदम बनर्जी (विपणन क्षेत्र) को यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

स्मारिका वस्तुएँ

स्मारिका वस्तुओं में टी-शर्ट्स, सिल्क टाई, ब्रास वॉल हैंगिंग, कॉफ़ी मग, चाय कप सेट, एलकेपी की सफेद धातु की रचना इत्यादि शामिल हैं। वर्ष 2015-16 के दौरान, इन वस्तुओं की बिक्री से 5.52 लाख रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ था।

शाखा सभा गतिविधियाँ

इस वर्ष के दौरानमुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, ओमान, पुणे, सिंगापुर, अमेरिका, लंदन आदि में स्थित कई शाखाओं ने विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गई।

शाखा सभा की गतिविधियों के विवरण **परिशिष्ट ठ** में दिए गए हैं।

सामुदायिक सेवा सहायता

इस वर्ष के दौरान निम्नलिखित क्लबों द्वारा कई सामुदायिक सेवा सहायता पहल संस्थान में की गईं।

स्माइल

सामुदायिक सेवा सहायता कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में, संस्थान ने वस्त्रापुर एवं इसके आस-पास रहने वाले वंचित छात्रों के लाभ के लिए वाघ बकरी चाय ग्रुप और अहमदाबाद नगर निगम के सहयोग से ज्ञान शक्ति मार्ग पुल के नीचे एक पूरक शिक्षा / संसाधन केंद्र, एसएमआईएलई (अच्छी तरह से सीखने के लिए छात्र मध्यस्थता पहल) की स्थापना की है। इसके सभी छात्रों के लिए यह केंद्र 24 घंटे खुला रहता है जो इसके संसाधनों का उपयोग करना चाहते हैं और यहाँ 9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए कक्षाएँ आयोजित की जाती हैं। यह केंद्र बीच में पढ़ाई छोड़ने वाले छात्रों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने की योजना बना रहा है।

परामर्श क्लब

परामर्श क्लब ने पहल **(सामुदायिक सेवा सहायता पोर्टल),** **(cop.consultclub-iima.com)** नामक एक अनूठे अंतक्रिया मंच का शुभारंभ किया है जो सामाजिक गतिविधियों का आयोजन करने वाले ऐसे स्वयंसेवकों और अपनी रुचि के आधार पर ऐसी गतिविधियों में योगदान देने वाले स्वयंसेवकों की तलाश करने वाले संगठनों को एकसाथ लाता है।

अद्वितीय विशेषताएँ

प्रोफाइल बनाना : उपयोगकर्ता अपने प्रोफाइल बना सकते हैं और अपने पहले के योगदानों / गतिविधियों पर प्रकाश डाल सकते हैं।

परियोजना निर्माण : आयोजक अभ्यास परियोजना का निर्माण कर सकते हैं और सटीक आवश्यकताओं को दर्शाने के लिए गतिविधियाँ कर सकते हैं।

स्वचालित सूचना : रुचि रखने वाले सहयोगियों को गतिविधियों के स्वचालित ईमेल अपडेट मिल जाते हैं; आयोजकों को स्वचालित रूप से दिलचस्पी रखने वाले सहयोगियों की सूचना मिल जाती है।

प्रतिक्रिया और ट्रैकिंग : आयोजक और सहयोगी, दोनों अपने अनुभवों के आधार पर एक दूसरे के बारे में प्रतिक्रिया दे सकते हैं।

पैनेसिया क्लब

पैनेसिया क्लब ने स्माइल के साथ अपने सेवा सहायता कार्यक्रम की शुरुआत की है। इस कार्यक्रम में निम्नलिखित कार्यक्रम शामिल थे :

- निःशुल्क दंत जाँच शिविर
- दैनिक उपयोग गतिविधियों वाली किट का निशुल्क वितरण, बच्चों और परिवार के सदस्यों के लिए स्वस्थ भोजन और स्वस्थ रहने के तरीकों के बारे में पोषण विशेषज्ञ और बाल रोग विशेषज्ञ के साथ एक पारस्परिक सत्र का आयोजन किया गया
- छात्रों के लिए स्वास्थ्य सेवा में कैरियर के अवसरों पर सत्र।

कृषि व्यवसाय क्लब

आरम्भ, महिलाओं में स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण के बारे में जागरूकता पैदा करने वाला एक सामुदायिक सेवा कार्यक्रम है। कृषि व्यवसाय क्लब के सदस्य माहवारी के दौरान सावधानी रखने के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए गुजराती में मुद्रित पोस्टरों को अहमदाबाद के सरकारी स्कूलों में लेकर गए थे। सातवीं कक्षा से आगे की कक्षाओं की छात्राओं को माहवारी के दौरान उन्हें कौन-कौन से आहार लेने चाहिए/ नहीं लेने चाहिए उसके बारे में तथा स्वच्छता और पोषण के महत्व के बारे में बताया गया। क्लब के सदस्यों ने 13 स्कूलों में लगभग 2500 छात्राओं से संपर्क किया। स्माइल में भी कन्या छात्राओं और उनकी बहनों के लिए एक सत्र आयोजित किया गया था।

फुटलूज़ क्लब

संस्थान में जॉय ऑफ़ गिविंग वीक (आनंद प्रदान सप्ताह) के दौरान एक सांस्कृतिक संगीत संध्या सतरंग का आयोजन किया गया। यह संगीत समारोह सभी हाउस कीपिंग कर्मचारी सदस्यों का आभार अभिव्यक्त करने और उनकी प्रशंसा करने के लिए एक

प्रतीकात्मक संकेत रूप था। कर्मचारियों के सम्मान में विभिन्न सांस्कृतिक क्लबों द्वारा मनोरंजक प्रदर्शन का आनंद उठाने हेतु उन्हें अपने परिवार के साथ आमंत्रित किया गया था। कुछ अन्य लोगों के साथ मिलकर फुटलूज़ सदस्यों ने बॉलीवुड, अर्द्धशास्त्रीय, फ्री स्टाइल, हिप हॉप से लेकर विभिन्न शैलियों में नृत्य और गानों का प्रदर्शन किया।

प्रयास

सामुदायिक सेवा सहायता कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में, प्रयास ने अन्य संस्थानों में प्रयास जैसे केंद्रों को स्थापित करने में मदद की है। प्रयास ने आईआईएम कोलकाता को उनके परिसर के आस-पास रहने वाले गरीब छात्रों के लाभ के लिए एक अनुपूरक शिक्षा केन्द्र स्थापित करने में सहायता की है। प्रयास अभी जीएनएलयू को अपने परिसर के करीब एक गांव में एक अनुपूरक शिक्षा केन्द्र स्थापित करने में मदद कर रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में कम लागत वाले पुस्तकालय स्थापित करने के उद्देश्य से सृजन पाल सिंह ने कलाम पुस्तकालय परियोजना नामक एक पहल की शुरुआत की है। प्रयास के बच्चों और छात्रावास के सफाईकर्मियों के लाभ हेतु जिला कलेक्टर श्री राजकुमार बेनिवाल के हाथों से ऐसे प्रथम पुस्तकालय का उद्घाटन प्रयास कक्षा में किया गया।

सामान्य प्रबंधन एवं नेतृत्व प्रकोष्ठ

गुजरात भर से करीब 600 पूर्वस्नातक छात्रों को आईआईएमए में प्रत्यक्ष विशेष अनुभव कराने के लिए संस्थान में आमंत्रित किया गया था। छात्रों को पाँच वर्गों में विभाजित किया गया और उन्होंने तीन कक्षाओं में भाग लिया। उन्होंने पढ़ाई सत्रों के बीच चाय-नाश्ते के अवकाश में परस्पर नेटवर्क बनाया। उसके बाद उन्हें समूहों में बाँट दिया गया और आईआईएमए छात्रों के साथ आइआइएमए परिसर के भ्रमण हेतु ले जाया गया। उस दौरान आईआईएमए छात्रों ने उन्हें परिसर के जीवन के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी दी। निदेशक महोदय ने भी इन आगंतुक छात्रों के साथ बातचीत की।

हेरिटेज क्लब

तीनदिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम सतरंग का उद्देश्य पारंपरिक भारतीय नृत्य और संगीत के प्रकारों का आयोजन करना और स्थानीय हस्तशिल्प और कारीगरों को प्रोत्साहित करना है। इस वर्ष, सतरंग का आयोजन सात्त्विक के सहयोग से किया गया था। सात्त्विक सृष्टि द्वारा आयोजित एक तीन दिवसीय व्यंजन उत्सव/फ़ूड फेस्टिवल है, इसमें गुजरात के स्थानीय सात्त्विक व्यंजनों को बढ़ावा देने का लक्ष्य रहता है।

हेरिटेज क्लब संगीत या संगीत वाद्यों के प्रतिभावान स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहित करता है। कर्दम शर्मा और आरिफ मीर ने अपने मधुर और सुखदायक संगीत के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था। इसमें पखावज और हार्मोनियम कलाकारों ने भी युगलबंदी का प्रदर्शन किया था।

महिला नेतृत्व सोसायटी

सामुदायिक सेवा सहायता कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में, महिला नेतृत्व सोसायटी ने स्तन कैंसर के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए पिंकाथोंन अहमदाबाद के साथ करार किया था। पिंकाथोन महिलाओं को सशक्तिकरण प्रदान करने के विचार से मैराथन है। महिला नेतृत्व सोसायटी ने परिसर में पिंकाथॉन में सक्रिय रूप से भाग लिया और इसे बढ़ावा दिया। 25 अक्टूबर को आयोजित दौड़ के लिए संस्थान से जिन्होंने पंजीकरण कराया था उनके साथ प्रसिद्ध मॉडल मिलिंद सोमन ने संवाद किया था।

एफएसआई और एलोकॉन्स क्लब (सार्वजनिक वक्ता क्लब)

एफएसआई और एलोकॉन्स क्लब द्वारा संयुक्त रूप से सेवा सहायता गतिविधियों का आयोजन किया गया था। इसके लिए, छात्रों ने वस्त्रापुर में स्थित सरकारी प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के साथ काम किया। स्कूल के प्राचार्य के अनुरोध पर, बच्चों के लिए सहपाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियाँ आयोजित की गईं। एक चित्रकला गतिविधि आयोजित की गई जिसके लिए बच्चों को रंग और पेपर उपलब्ध कराए गए थे। आठवीं कक्षा के छात्रों के लिए बीजगणित के मूल आधारों पर एक पुनरीक्षण कक्षा आयोजित की गई थी।

कौशल (फिनेस)

फिनेस के सदस्य ललित कला के बारे में बहुत उत्साही होते हैं। सेवा सहायता गतिविधि के हिस्से के रूप में, फ़िनेस क्लब ने 200 बच्चों के लिए एक पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता के लिए रंग सामग्री क्लब द्वारा प्रदान की गई थी। यह देखने के लिए आश्चर्यजनक था कि कैसे बच्चों ने लीक से हटकर अपने विचारों को पेंट करके व्यक्त किया था।

फिनेस ने रक्षाबंधन त्यौहार के ठीक पहले एक राखी कार्यशाला का आयोजन किया। लड़कियों को राखी बनाने का तरीका सिखाया गया जो वे अपने भाइयों को उपहार के रूप में दे सकती हैं जबकि लड़कों को उनकी बहनों को शुभेच्छाएं देने हेतु कार्ड कैसे बनाए यह सिखाया गया।

फ़िनेस ने आईआईएमए समुदाय के लिए दो दिवसीय ग्लास पेंटिंग वर्कशॉप का भी आयोजन किया। इस कार्यशाला में प्रयास और स्माइल के 20 छात्रों ने सफलतापूर्वक भाग लिया।

वैश्विक भागीदारी और कॉर्पोरेट मामले

ब्रांडिंग और स्थिति निर्धारण

प्रबंधन शिक्षा में अपनी ब्रांड और स्थान को बढ़ाने के लिए एक सतत गतिविधि के रूप में, संस्थान ने इस वर्ष के दौरान रैंकिंग के लिए 17 बीस्कूलों (राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय) के सर्वेक्षणों में भाग लिया। संस्थान ने सभी प्रमुख एवं प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में शीर्ष स्थान बनाए रखा। हाल की अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में इसकी स्थिति स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि संस्थान के कार्यक्रम और छात्र उच्च गुणवत्ता के हैं और वैश्विक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ हैं।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय सर्वेक्षण

संस्थान ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) सर्वेक्षण और रैंकिंग प्रक्रिया में सक्रिय और समयोचित भागीदारी सुनिश्चित की है। वर्ष के दौरान, संस्थान ने उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण के छठे संस्करण में भाग लिया।

देश भर में उच्च शिक्षा संस्थानों को रैंक देने के लिए एमएचआरडी नेराष्ट्रीय संस्थानगत रैंकिंग रूपरेखा (एनआईआरएफ) का शुभारंभ किया है। जनवरी 2016 में शुरू हुई रैंकिंग प्रक्रिया पूरी तरह से संस्थान द्वारा समर्थित थी। आईआईएमए को प्रबंधन (अनुसंधान और शिक्षण संस्थान) श्रेणी में दूसरा स्थान दिया गया था।

कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग (अनुकूलित कार्यक्रम)

लघु अवधि के कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम (ईईपी) के पुनर्गठन के बाद, प्रस्तावों पर तीसरे पक्ष की समीक्षा पर विचार करना महत्वपूर्ण हो गया। इस खोज के लिए, संस्थान ने फाइनेंशियल टाइम्स कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग में भाग लिया। फाइनेंशियल टाइम्स कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग 2016 (कस्टम कार्यक्रम) में संस्थान को तिरासीवाँ स्थान मिला था।

प्रबंध में एफ.टी. (फाइनान्सियल टाइम) मास्टर्स रैंकिंग 2015

प्रबंध में मास्टर्स (एमआईएम) 2015 रैंकिंग के लिए वैश्विक रूप से समीक्षित 80 कार्यक्रमों में संस्थान पन्द्रहवें स्थान पर रहा। पीजीपी को चार मानदंडों वर्तमान वेतन (यूएस डॉलर), भारित वेतन (यूएस डॉलर), तीन महीने में रोजगार प्राप्त और डॉक्टरेट संकाय पर पहला स्थान मिला जबकि इसे स्थानन सफलता रैंक में दूसरा तथा कैरियर में तीसरा स्थान मिला।

एफटी वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2016

आईआईएमए के पीजीपीएक्स को फाइनेंशियल टाइम्स वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2016 में शीर्ष 100 बी-स्कूलों में चौबीसवाँ स्थान मिला। इसके अलावा, एफ़.टी. कैरियर प्रगति रैंक तथा डॉक्टरेट हुए संकाय में पीजीपीएक्स ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि वर्तमान वेतन (यूएस डॉलर) और भारित वेतन (यूएस डॉलर) में तीसरे स्थान पर रखा गया।

पीजीपी

आईआईएमए का पीजीपी कार्यक्रम एमबीए स्तर का एकमात्र भारतीय कार्यक्रम है जो लगातार दी इकोनोमिस्ट रैंकिंग में शीर्ष 100 पर रहा है।

संस्थान दी इकोनोमिस्ट पूर्णकालिक एमबीए कार्यक्रम रैंकिंग 2015 में लगातार रैंक प्राप्त करता रहा है, और अब छह से अधिक वर्षों से शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाला एकमात्र भारतीय व्यावसायिक स्कूल है।

रैंकिंग के लिए मुक्त नए रोजगार अवसर, नियोक्ताओं की विविधता, स्नातक होने के बाद तीन महीनों के भीतर रोजगार प्राप्ति के प्रतिशत आदि रैंकिंग में संस्थान प्रथम स्थान पर रहा और कैरियर सेवा के माध्यम से रोजगार प्राप्ति के प्रतिशत में दूसरे स्थान पर रहा। एमबीएपूर्व वेतन पर बढ़े प्रतिशत रैंकिंग के मानदंडों में संस्थानतीसरे स्थान पर रहा।

संस्थान ने एशिया और आस्ट्रेलिया 2015 क्षेत्रीय रैंकिंग में छठा स्थान पाया और दी इकोनोमिस्ट पूर्णकालिक एमबीए कार्यक्रम रैंकिंग 2015 में वैश्विक स्तर पर 60वाँ स्थान प्राप्त किया।

पीजीपी-एफ़एबीएम

आईआईएमए के कृषि व्यवसाय में स्नातकोत्तर कार्यक्रम ने इस क्षेत्र के लिए वैश्विक रूप से शीर्ष 50 रैंककृत कार्यक्रमों में एड्युनिवर्सल कृषि व्यवसाय / खाद्य उद्योग प्रबंधन की सर्वोत्तम

मास्टर रैंकिंग 2015 में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। एड्युनिवर्सल उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक विशेष फ्रांसीसी रेटिंग एजेंसी है।

इसके विवरण **परिशिष्ट ड** में दिए गए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय मान्यता

इस वर्ष पाँच वर्ष की अवधि के लिए 2015 की शुरूआत में ईक्विस की पुन:मान्यता प्राप्त करने के बाद मान्यता को बनाए रखने के अपने प्रयासों को संस्थान ने जारी रखा।

यह संस्थान भारत का पहला ऐसा व्यवसायिक स्कूल है जिसे 2008 में इक्विस मान्यता प्राप्त हुई है और तब से इसे बनाए रखा है। यह भी है कि संस्थान को एकमात्र भारतीय व्यवसायिक स्कूल के रूप में पाँच वर्ष तक मान्यता प्राप्त करने की प्रतिष्ठा प्राप्त है।

एएसीएसबी मान्यता

वर्ष के दौरान एएसीएसबी (व्यवसाय स्कूल महाविद्यालयीन निर्माण संघ) की अंतरराष्ट्रीय पात्रता की प्रक्रिया शुरू की गई थी। समीक्षा के लिए एक प्रारंभिक आवेदन दस्तावेज़ तैयार किया गया है।

वैश्विक भागीदारी

प्रतिष्ठित विदेशी व्यवसाय स्कूलों, संस्थानों, और मिशनों के साथ शैक्षणिक सहयोग को मजबूत करने के लिए संवादों का आयोजन किया गया। संस्थान के कार्यक्रमों और गतिविधियों के अंतर्राष्ट्रीयकरण की दिशा में अधिक गति प्रदान करने के लिए इस आयोजन का दायित्व बड़े उद्देश्यों के साथ किया गया।

वर्ष 2015 के दौरान, विदेशी व्यवसाय स्कूलों के शीर्ष स्तर के प्रतिनिधियों के साथ जुड़ने के जागरूक प्रयासों से अंतरराष्ट्रीय छात्र विनिमय कार्यक्रम और दोहरी उपाधि कार्यक्रमों के लिए नई साझेदारी के माध्यम से छात्र गतिशीलता में वृद्धि हुई है।

पीजीपी-एफएबीएम के लिए अंतर्राष्ट्रीय छात्र गतिशीलता को सक्षम करने के लिए वर्ष 2015 के दौरान स्थापित कृषि व्यवसाय कार्यक्रमों की पेशकश करने वाले लगभग 10 प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय / संस्थानों का संपर्क किया गया था संस्थान ने नवंबर 2015 में कृषि व्यवसाय क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय बी-स्कूलों से जुड़ने तथा नेटवर्क बनाने के लिए इंडोग्लोबल एजुकेशन समिट में भी भाग लिया। मार्च 2016 में, अंताई अर्थशास्त्र कॉलेज और शंघाई जिओ टोंग प्रबंध विश्वविद्यालय के बीच एक छात्र विनिमय समझौता पर हस्ताक्षर किए गए। इसके साथ अब, छात्र विनिमय के लिए नौ सीट उपलब्ध हैं।

अनुसंधान और सहयोग के नए क्षेत्र

अनुसंधान संस्कृति को बढ़ावा देने और विदेशी संकायों और विद्वानों के साथ संयुक्त अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए संस्थान ने इस वर्ष के दौरान विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं :

- राष्ट्रीय नीति अध्ययन स्नातक संस्थान (जीआरआईपीएस)
- कार्ल्शुहे प्रौद्योगिकी संस्थान (केआईटी)
- न्यूकैसल बिजनेस स्कूल विश्वविद्यालय, न्यूकैसल अपॉन टाइन विश्वविद्यालय

अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ जुड़ने का बड़ा उद्देश्य केवल अपनी वैश्विक पहचान का विस्तार करना ही नहीं है बल्कि नए भौगोलिक, नए लाभार्थियों, बेहतर सेवा सहायता और उभरते हुए क्षेत्रों में सेवा प्रदान करना, तथा समृद्ध बनाने के प्रयासों का स्वागत करना भी शामिल है।

विदेशी संस्थानों के साथ संलग्नता

वर्ष के दौरान संस्थान विदेशी संस्थानों / अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के कई उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडलों के साथ सार्थक संवाद में संलग्न रहा।

डॉ. एनीस रासीद बास्वेदान, संस्कृति और प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा मंत्री, इंडोनेशिया सरकार, जकार्ता, आईआईएमए में संकायों के साथ

श्री डेविड अकोव, मुंबई में इसरायल के महावाणिज्य दूत, आईआईएमए में प्रोफ़ेसर एर्रोल डीसूजा, डीन (संकाय) से भेंट करते हुए

प्रोफेसर शैलेष गाँधी, डीन (कार्यक्रम) डॉ. लिनस वॉन केस्टलमुर, राजदूत, भारत में स्विट्जरलेंड दूतावास को स्मृति चिह्न देते हुए

- डॉ. अनीस रसीद बसवेडन, सांस्कृतिक एवं प्राथमिक तथा माध्यमिक शिक्षा मंत्री, इंडोनेशिया सरकार, जकार्ता, 9 सितंबर, 2015.
- सुश्री रितिका नंदकेवलयार, राजदूत राजनीतिक / आर्थिक और सार्वजनिक मामले, कनाडा के वाणिज्य दूतावास, मुंबई।
- सुश्री किल्मेनी बेकरिंग विनकर्स, उपराजदूत जनरल, ऑस्ट्रेलियाई वाणिज्य दूतावास, मुंबई, साथ में श्री टॉम स्वीज़र, संपादक, अमेरिकन रिव्यू।
- प्रोफेसर डॉ इवान प्रणोतो, इंडोनेशिया गणराज्य दूतावास के शिक्षा एवं संस्कृति सहचरी।
- श्री डेविड अकोव, इजराइल के राजदूत, मुंबई।
- डॉ. लिनस वॉन कास्टेलमूर, राजदूत, भारत में स्विट्जरलैंड दूतावास, साथ में डॉ. बालकृष्ण विट्ठलदास दोशी, वास्तुकार।
- डॉ. गिलर्मो रोड्रिग्ज मार्टिन, निदेशक, कासा दे ला इंडिया, स्पेन, और श्री जुआन मैनुएल गुइमरन्स रुबियो, निदेशक संस्कृति वाणिज्य और प्रवासन, वलडॉलिड सिटी काउंसिल, वलडोलिड विश्वविद्यालय।
- प्रोफ़ेसर क्रिस कार, कॉर्पोरेट रणनीति के प्रोफेसर, एडिनबर्ग बिजनेस स्कूल विश्वविद्यालय।
- श्री विनय हेब्बर, प्रबंध निदेशक, एशिया-प्रशांत, और श्री विवेक चचरा, कंट्री मैनेजर, हार्वर्ड बिजनेस स्कूल पब्लिशिंग।
- प्रोफेसर कैथरिन हेन्स, उप निदेशक और सुश्री हेलेन एटकिंसन, अंतर्राष्ट्रीय संबंध अधिकारी, न्यूकैसल विश्वविद्यालय बिजनेस स्कूल।
- प्रोफेसर लुइस सीसर हेरेरो प्रीटो, निदेशक, वेलाडोलिड विश्वविद्यालय और प्रोफेसर जुआन लुइस दे लास रिवास सान्ज़, प्रोफेसर, यूनिवर्सिदाद दे वैलाडोलिड।
- प्रोफेसर श्मूएल वुल्फ, कृषि संकाय डीन, हिब्रू यूनिवर्सिटी, यरूशलम, और श्री निमरोड असौलीन, इजरायल के वाणिज्य दूतावास के मिशन महाप्रबंधक, मुंबई।
- श्री एडविन जिरम्बा, कार्यकारी निदेशक, नामीबिया लोक प्रशासन और प्रबंधन संस्थान (निपाम) साथ में सुश्री तुयाकुला हैपिंज, सदस्य प्रशिक्षण और विकास बोर्ड, श्री ब्रायन एन. चका, कंपनी सचिव, सूचना केंद्र के निदेशक श्री डेनिस शिंडुम, और निपाम के सलाहकार श्री विश्वास सक्सेना।
- सुश्री बेआट्रिज गुज़मैन, अंतर्राष्ट्रीय कार्यालय निदेशक, आईपीएडीई बिजनेस स्कूल, मैक्सिको, और सुश्री रोसा गार्सिदुएनास, अंतर्राष्ट्रीय कार्यालय प्रबंधक।
- प्रोफ़ेसर लिओन लाउलुशा,अंतरराष्ट्रीय संबंध में डीन, ईएससीपी यूरोप और श्री एलेक्जेंडर लेडरमैन, डीनईएससीपी यूरोप के विशेष सलाहकार और प्रोफेसर ज्योति गुप्ता, अवकाश प्राप्त प्रोफेसर।

प्रोफेसर श्मुएल वुल्फ़, कृषि संकाय डीन, हिब्रू विश्वविद्यालय, जेरुसलेम आईआईएमए के संकाय सदस्यों के साथ संवाद करते हुए

श्री एडविन त्जिरम्बा, कार्यकारी निदेशक, एनआईपीएएम, नामीबिया गणराज्य सरकार (बाएं से तीसरे) आईआईएमए के निदेशक और डीन्स के साथ एक बैठक में

आईआईएमए में समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर कार्यक्रम के दौरान प्रोफेसर जॉन विल्सन, निदेशक, न्यूकेसल युनिवर्सिटी बिजनेस स्कूल और प्रोफेसर आशीष नंदा, निदेशक,आईआईएमए

- प्रोफेसर जॉन विल्सन, निदेशक न्यूकैसल विश्वविद्यालय बिजनेस स्कूल, साथ में प्रोफेसर साववस पेपिजिनीनिदिस, डेविड गोल्डमैनप्रोफेसर फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेनरशिप, सुश्री शेरोन मेमिस, वेस्ट इंडिया की निदेशक, ब्रिटिश काउंसिल और श्रीमती शर्मिष्ठा चटर्जी-बनर्जी, विदेशी संबंध की प्रमुख।
- श्री जोस रामन गोन्ज़ेलज़ गार्सिया इंटरनेशनल एंड इंस्टीट्यूशनल अफेयर्स के कुलसचिव/कुलपति, वालडोलिड विश्वविद्यालय, साथ में श्री डैनियल मिगुएल सैन होज़े, रेक्टर, अलेहांद्रा गर्डा फूएर्तेस, परामर्शक सांस्कृतिक और प्रेस मामले, स्पेन दूतावास, के साथ में श्री मकरंद शुक्ला, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद में क्षेत्रीय अधिकारी।

विदेशी पहुँच

विदेशों में संस्थान के एमबीए स्तर के कार्यक्रमों की पहुँच का विस्तार करने के लिए मार्गदर्शक दृष्टिकोण के रूप में कदम उठाए गए।

संस्थान लागोस, नैरोबी, जोहानिसबर्ग, दुबई, सिंगापुर, कुआलालंपुर, जकार्ता, हो ची मिन्ह सिटी और ढाका में प्रचार यात्रा में भाग लेकर विदेशी छात्रों के साथ जुड़ा रहा। इस पहुँच से लगभग 200 राय और 10,000 से अधिक संभावित संपर्क बने।

प्रोटोकॉल दौरे एवं सार्वजनिक भागीदारी

संस्थान ने वर्ष के दौरान कई प्रतिष्ठित आगंतुकों का स्वागत किया:

- 6 अगस्त, 2015 को श्री फिलिप जाकिंटो न्युसी, मोजाम्बिक गणराज्य के माननीय राष्ट्रपति और पूर्व छात्र (एमईपी 2003)।
- छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्य मंत्री डॉ. रमन सिंह ने 7 अगस्त, 2015 को छत्तीसगढ़ सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए परियोजना प्रबंधन और पीपीपी पर आईआईएमए के कार्यक्रम का उद्घाटन किया।
- भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर डॉ. रघुराम राजन ने 19

आईआईएमए के एक दौरे के दौरान महामहिम श्री फिलिप जैसिन्तो नायसी, मोज़ाम्बिक गणराज्य के माननीय राष्ट्रपति

डॉ. रमण सिंह, माननीय मुख्य मंत्री, छत्तीसग़ढ का स्वागत करते हुए प्रोफेसर अजय पांडेय, डीन (कार्यक्रम), आईआईएमए

डॉ. रघुराम राजन, गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक आईआईएमए में प्रोफेसर आशीष नंदा, निदेशक, आईआईएमए के साथ

आईआईएमए के एक दौरे के दौरान श्री प्रणव मुखर्जी, भारत के माननीय राष्ट्रपति को सम्मानित करते हुए प्रोफेसर आशीष नंदा

अक्तूबर, 2015 को संस्थान के संकायों और छात्रों के साथ संवाद किया।

- भारत के माननीय राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने 30 नवंबर, 2015 को संस्थान का दौरा किया। छात्रों और संकायों को संबोधित करते हुए भारत के माननीय राष्ट्रपति ने कहा, संस्थान का एक शानदार इतिहास रहा है। यह शिक्षाविदों में उत्कृष्टता हासिल कर चुका है और इसने भारत और पूरी दुनिया को श्रेष्ठ प्रबंधन प्रतिभा प्रदान की है। उन्होंने उद्योग, व्यवसाय, उद्यमियों, समाज के नेताओं और जमीनी स्तर पर कार्यरत लोगों के रचनात्मक विचारों से जुड़ने के लिए संकायों, छात्रों और पूर्व छात्रों से अनुरोध किया

इस अवसर पर, प्रोफेसर आशीष नंदा, निदेशक, ने माननीय राष्ट्रपति को भारत में उच्च शिक्षा के शैक्षणिक संस्थानों में उत्कृष्टता कैसे बढ़ाएं और आईआईएमए जैसे शैक्षणिक संस्थान का पारिस्थितिकी तंत्र जो देश में नवप्रवर्तन/ नवीनता को बढ़ावा देता है उसके लिए क्या कर सकते है उससे संबंधित आईआईएमए के संकायों व छात्रों के सुझावों पर संपादित एक पुस्तिका प्रदान की।

- श्री ओ.पी. कोहली, गुजरात के माननीय गवर्नर और श्रीमती आनंदीबेन पटेल, गुजरात के माननीय मुख्य मंत्री ने भी उपस्थित रहकर समारोह की शोभा बढ़ाई।
- श्री राधा मोहन सिंह, माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री ने 15 जनवरी 2016 को अमैथॉन 2016 का उद्घाटन किया और सभा को संबोधित किया।

सार्वजनिक संलग्नता

- गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री ने 1 अगस्त से 14 अगस्त 2015 की अवधि के दौरान महिला सशक्तीकरण पखवाड़े का आयोजन करने की घोषणा की। इसके एक हिस्से के रूप गुजरात सरकार ने 7 अगस्त 2015 को महिलाओं की प्रतिभा को उजागर करने के लिए महिला शिक्षा दिवस घोषित किया।
- संस्थान ने गुजरात के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज और गुजरात पॉलिटेक्निक की लगभग 200 महिला छात्राओं की मेजबानी की। इस कार्यक्रम की बहुत सराहना की गई और समारोह की एक रिपोर्ट श्री ए.एम. मांकड, आयुक्त, तकनीकी शिक्षा, गुजरात सरकार को भेजी गई।
- संस्थान ने स्थानीय समुदाय के साथ जुड़ने के बड़े उद्देश्य से 22 अगस्त 2015 को पूर्वस्नातक कॉलेज के छात्रों के लिए दूसरे मुक्त दिवस का आयोजन किया।

संस्थान में महिला शिक्षा दिवस समारोह के दौरान ध्यान मग्न महिलाएँ

पूर्वस्नातक छात्रों के लिए आईआईएमए में ओपन दिवस को 600 से अधिक छात्र

- खचाखच भरे छात्रों के बीच किए गए कार्यक्रम में आईआईएमए के जीवन की एक झलक प्रस्तुत की गई जबकि छात्रों ने केस अध्ययन पद्धति में अपनी प्रतिभा दर्शायी और प्रबंधन में कैरियर संबंधित चर्चाओं में भाग लिया। इस कार्यक्रम से 600 से अधिक कॉलेज छात्र लाभान्वित हुए और उन्हें संस्थान में समय व्यतीत करने का एक दुर्लभ अवसर मिला।

अध्ययन दौरे

प्रति वर्ष संस्थान अपने परिसर पर पर्यटन तथा अध्ययन दौरों के लिए आगंतुकों को सक्षम बनाता है। इससे संस्थान के स्थापत्य वैभव का मान बढ़ाने का अवसर प्रदान करने के अलावा उन्हें संस्थान की गतिविधियों की एक व्यापक समझ उपलब्ध कराई जाती है। संस्थान का दौरा करने वाले कुछ अध्ययन समूह / संस्था निम्नलिखित हैं :

- लाल बहादुरशास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (भारत सरकार), मसूरी
- युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के माध्यम से चीनी प्रतिनिधिमंडल
- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिची
- अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई
- कर्पगम विश्वविद्यालय, कोयंबटूर
- गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- लवली व्यावसायिक विश्वविद्यालय, फगवाड़ा
- कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, कलाबुरगी
- उत्तरपूर्वी पहाड़ी विश्वविद्यालय, तुरा, मेघालय
- हांगकांग विश्वविद्यालय, हांगकांग
- पेडुआ विश्वविद्यालय, इटली
- उमेआ आर्किटेक्चर स्कूल, स्वीडन
- मोरातुवा विश्वविद्यालय, श्रीलंका
- म्युंगजी विश्वविद्यालय, कोरिया
- शाहजलाल विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, सिलहट, बांग्लादेश

सहायता अनुदान

वर्ष 2015-16 के दौरान, इस संस्थान ने गैर-योजना (नियमित) एवं योजना (नियमित) के अंतर्गत, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से कोई भी सहायता अनुदान प्राप्त नहीं किया।

भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र

विश्व स्वर्ण परिषद् द्वारा प्रायोजित भारतीय स्वर्ण नीति केन्द्र (आईजीपीसी), उत्कृष्टता का एक केन्द्र है, जो भारत में स्वर्ण उद्योग पर अत्याधुनिक प्रायोगिक अनुसंधान का आयोजन करता है और नीतियों तथा निष्पादन स्तरों दोनों पर तरीकों का सुझाव देने के लिए अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। इस केंद्र की स्थापना नवंबर 2014 में की गई थी।

एक ट्रिलियन डॉलर के अनुमानित स्वर्ण के शेयरों के साथ, स्वर्ण एक अति मूल्यवान राष्ट्रीय संपत्ति है जिसे भारत के आर्थिक विकास को समर्थन देने के लिए प्रकट किया जा सकता है। भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र का उद्देश्य भारत के स्वामित्व वाले सोने के महत्वपूर्ण शेयरों का कैसे उपयोग करके विकास, रोजगार, सामाजिक समावेशन और आर्थिक धन को बढाने की अंतर्दृष्टि विकसित करना है। केन्द्र का उद्देश्य बहुआयामी अनुसंधान का संचालन करना है, जिनका उपयोग उद्योग और हितधारक कर सकते हैं, जिससे देश एक प्रभावी स्वर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास की ओर अग्रसर हो सके।

स्वर्ण के मुद्रीकरण पर आईजीपीसी (भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र) की हस्ताक्षर कार्यशाला

आईजीपीसी ने 27 अक्टूबर, 2015 को मुंबई में सोने के मुद्रीकरण पर अपनी हस्ताक्षर कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में स्वर्ण उद्योग और नीति निर्माताओं से व्यापक प्रतिभागिता रही।

इस कार्यशाला के दौरान दो पैनल चर्चाएँ हुईं। पहली पैनल चर्चा स्वर्ण मुद्रीकरण में सोने की मूल्य श्रृंखला को एकीकृत करने के बारे में थी, जब कि दूसरी पैनल चर्चा स्वर्ण मुद्रीकरण में बैंकों की भूमिका पर थी। स्वर्ण मुद्रीकरण योजना को सफल बनाने के लिए वित्त मंत्रालय को एक श्वेत पत्र प्रस्तुत किया गया था। यह श्वेतपत्र http://www.iimahd.ernet.in/users/webrequest/files/IGPC/Whitepaper_GMS_to_GOI.pdf पर उपलब्ध है।

अनुसंधान परियोजनाएँ

- प्रोफेसर एरोल डिसूजा द्वारा (मार्च 2015) भारत के लिए स्वर्ण मुद्रीकरण योजना Http://www.iimahd.ernet.in/users/webrequest/files/IGPC/Gold_Monetisation_Scheme_for_India.pdf
- प्रोफेसर जोशी जैकब और प्रोफेसर जयंत आर. वर्मा द्वारा भारत में स्वर्ण विनिमय की व्यवहार्यता (फरवरी 2016) Http://www.iimahd.ernet.in/users/webrequest/files/IGPC/Viability-of-gold-exchange-report-final-edited.pdf
- प्रोफेसर अरविंद सहाय और डॉ सुमितवा मुखर्जी (मार्च 2016) द्वारा भारत में सोने की खरीद के इरादों और स्वर्ण के मूल्यांकन पर संदर्भ मूल्य का प्रभाव Http://www.iimahd.ernet.in/users/webrequest/files/IGPC/2016/gold%20report%20AS%20SM%202016%20%281%29.pdf

विदेशी संलग्नता

पूरे वर्ष भर उद्योग हितधारकों और नीति निर्माताओं के साथ आईजीपीसी की संलग्नता भारत के स्वर्ण पारिस्थितिकी तंत्र में एक अद्वितीय इकाई के रूप में स्थापित हुई है। स्वर्ण केन्द्र ने खुद को एक अनुसन्धान और नीति अनुशंसा संगठन के रूप में स्थापित किया है जो स्वर्ण क्षेत्र के हित में विकसित होगा।

भारतीय स्वर्ण फोरम में भागीदारी

फ़ोरटेल सॉल्युशन्स से बुलियन बुलेटिन ने विश्व स्वर्ण परिषद् (डब्ल्यूजीसी) और एमएमटीसी-पीएएमपी भारत के साथ साझेदारी में 23 जनवरी 2016 को चेन्नई में इंडिया गोल्ड फ़ोरम का आयोजन किया। इसमें प्रोफेसर अरविंद सहाय, डीन पूर्व छात्र एवं बाह्य संबंध और आईजीपीसी सदस्य (नामित अध्यक्ष) मुख्य वक्ता थे

विभिन्न स्वर्ण उद्योग कार्यक्रमों में भागीदारी

विभिन्न स्वर्ण उद्योग कार्यक्रमों में आईजीपीसी ने प्रतिनिधित्व किया था।

स्वर्ण नीति निर्माताओं की संलग्नता

- स्वर्ण विनिमय कार्यक्रम में प्रगति और कितने अधिक स्वर्ण उपभोक्ताओं एवं स्वर्ण धारकों को उनका सोनासिस्टम में लाने के लिए राजी किया जा सकता है उस पर चर्चा करने हेतु 22 दिसंबर 2015 को प्रोफेसर अरविंद सहाय आईजीसीपी के नामित अध्यक्ष और डीन, बाह्य संबंध ने श्री शक्तिकांत दास सचिव, आर्थिक मामले के साथ इस बैठक में भाग लिया।

बुनियादी ढाँचे का विकास

बुनियादी ढाँचे को मजबूत करना संस्थान की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है, और संस्थान इसमें आगे बढ़ रहा है। परिसर के समग्र भविष्य की योजना के लिए कुशल वास्तुकार की नियुक्ति के बाद, और लुइस काह्न भवन की मरम्मत के लिए संरक्षण वास्तुकार की नियुक्ति के बाद संस्थान ने आगामी भवनों को डिजाइन करने के लिए वास्तुकारों का नामांकन करने का निर्णय लिया। इन चयनों का उद्देश्य संबंधित परियोजना के लिए सबसे योग्य वास्तुकार का चयन करना और बारबार की चयन प्रक्रियाओं से मुक्ति पाना था। वास्तुकारों के नामांकन के लिए ईओआई के जवाब में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठानों के 67 वास्तुकार कम्पनियों ने आवेदन दिया। विस्तृत जाँच के बाद, 12 कम्पनियों को प्रस्तुतियों के लिए बुलाया गया।

संस्थान के उद्देश्य के लिए इन कम्पनियों की उपयुक्तता को देखते हुए, निम्नलिखित पाँच फर्मों की सूची बनाई गई थी :

- एचसीपी डिजाइन योजना और प्रबंधन प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद
- एआरसीओपी (प्रा.) लिमिटेड, नई दिल्ली
- आरएमए आर्किटेक्ट्स, मुंबई
- वास्तुशिल्प परामर्शदाता, अहमदाबाद
- करण ग्रोवर एंड एसोसिएट्स, वडोदरा

वर्तमान में संस्थान निम्नलिखित परियोजनाएँ चला रहा है

- नए परिसर में शैक्षणिक ब्लॉक: एचसीपी डिजाइन योजना और प्रबंधन
- नए परिसर में खेल संकुल: एचसीपी डिजाइन योजना और प्रबंधन
- मुख्य परिसर में संकाय आवास: एआरसीओपी
- नए परिसर में छात्रावास: एआरसीओपी
- नए परिसर में जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक नीति स्कूल आरएमए आर्किटेक्ट्स

लुइस काह्न भवन के संरक्षण के लिए पहले चरण में छात्रावास 15 और पुस्तकालय का काम करने का निर्णय लिया गया। संरक्षण वास्तुकार सोमैया और कलप्पा ने निविदा तैयार की है और ठेकेदारों को उचित प्रक्रिया के बाद नियुक्त किया जाएगा।

मौजूदा बुनियादी ढाँचे के उन्नयन की प्रक्रिया में संस्थान ने निम्नलिखित निर्णय लिए हैं:

- एक ही फर्श पर रहे दो संगोष्ठी कमरों को थियेटर स्टाइल क्लास रूम (उन्नत आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ) में परिवर्तित करना।
- आईएमडीसी में पी.पी. गुप्ता ऑडिटोरियम का उन्नयन (उन्नत आईटी अवसंरचना के साथ)
- रवि जे. मथाई सभागृह के सामने रवि जे. मथाई प्लाज़ा विकासित करना
- नर्सरी में एक उद्यान पथ बनाना

उपरोक्त कार्यों के लिए कार्य आदेश जारी कर दिए गए हैं।

कुशल वास्तुकार के मार्गदर्शन में सौम्य एवं मजबूत परिदृश्य को सुधारने की योजना बनाई जा रही है। संस्थान ग्रीन पहल के हिस्से के रूप में धीरे धीरे एलईडी लाइट्स और इनवर्टर प्रकार के ए.सी. लगाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

राजभाषा कार्यान्वयन

संस्थान पूर्णतया भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। इस वर्ष भी संस्थान ने 14 से 28 सितम्बर, 2015 के दौरान राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया। इस समारोह के दौरान हिंदी निबंध लेखन, हिंदी कविता-पाठ, हिंदी शब्द ज्ञान, हिंदी गायन, हिंदी स्लोगन, और हिंदी सुलेखन आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। संस्थान के 110 से अधिक हिंदीभाषी एवं गैर-हिंदीभाषी कर्मचारी सदस्यों एवं छात्रों ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इस समारोह के समापन दिवस पर, प्रोफेसर अजय पांडेय, डीन (कार्यक्रम) द्वारा नकद पुरस्कार तथा प्रमाणपत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर, कमांडर मनोज भट्ट मुख्य प्रशासनिक अधिकारी ने भी दैनिक कार्यकलापों में राजभाषा हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए संस्थान के सभी कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया। 16 सितंबर 2015 को विक्रम साराभाई पुस्तकालय में विभिन्न विषयों पर उपलब्ध हिंदी पुस्तकों की एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री एवं माननीय गृह मंत्री की तरफ से प्राप्त संदेश की प्रतिलिपियों को सभी सूचना पट्टों पर प्रदर्शित किया गया।

हिंदी पत्रिका

संस्थान की हिंदी पत्रिका प्रतिबिंब के पाँचवे अंक का प्रकाशन जनवरी 2016 में किया गया और इस अंक की प्रतियाँ सभी आईआईएम, आईआईटी, केंद्रीय विश्वविद्यालयों, संबंधित मंत्रालयों, शासी मंडल के सदस्यों और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) के सभी 140 सदस्यों को भेजी गईं।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

संस्थान ने 21 जुलाई 2015 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 66वीं बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में संस्थानों के प्रमुखों के सहित नराकास से अधिकतम सदस्य उपस्थित रहे थे। वर्ष 2014-15 के दौरान संस्थान में राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए संस्थान को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। संस्थान को श्री सुशील चंद्रा, अध्यक्ष नराकास एवं प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त अहमदाबाद द्वारा राजभाषा शील्ड और प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया। संस्थान के हिंदी अधिकारी डॉ. मुकेश शर्मा को समिति के अध्यक्ष द्वारा संस्थान में राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन में विशेष योगदान देने के लिए प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

वर्ष के दौरान, राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार बैठकें आयोजित की गईं जिनमें सरकार द्वारा 'ख' क्षेत्र के लिए वार्षिक कार्यक्रम में जारी निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कार्यान्वयन पर जोर दिया गया। संस्थान में राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए पूरे वर्ष के दौरान चार हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

हिंदी प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा नियंत्रित हिंदी प्रशिक्षण संस्थान अहमदाबाद की सहायता से एक हिंदी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए, 34 कर्मचारी सदस्यों को नामांकित किया गया और 31 सदस्य 21 मई 2015 को आयोजित परीक्षा में उपस्थित हुए। सभी ने अच्छे अंकों के साथ यह परीक्षा उत्तीर्ण की।

16 अप्रैल 2015 को संस्थान में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, अहमदाबाद के सभी सदस्य कार्यालयों के लिए हिंदी आशुभाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में लगभग 40 सदस्यों ने भाग लिया और विजेताओं को 66वीं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति बैठक में संस्थान द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए।

कार्मिक

वर्ष 2015-16 के दौरान, आठ नए संकाय सदस्यों ने संस्थान में कार्यभार ग्रहण किया। एक संकाय सदस्य ने त्यागपत्र दिया और दो संकाय सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हुआ दो कर्मचारियों ने त्यागपत्र दिया और एक कर्मचारी का सेवाकाल समाप्त हुआ। एक संकाय सदस्य और सत्रह स्टाफ सदस्य सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्त हुए।

चार संकाय सदस्यों को अनुपस्थिति की छुट्टी दी गई थी वे छुट्टी समाप्त होने पर फिर से संस्थान से जुड़ गए हैं।

अधिकारी एवं कर्मचारी विकास गतिविधि

वर्ष के दौरान, अधिकारियों और स्टाफ के कर्मचारियों सहित 109 कर्मचारियों को अहमदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन तथा अन्य प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रायोजित किया गया। संस्थान ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में आगे बढ़ने के लिए कई स्टाफ सदस्यों को प्रायोजित करना जारी रखा। संस्थान द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्त जीवन के प्रबंधन के लिए एक आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अंग्रेजी संचार पर एक अन्य आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम स्कोप के माध्यम से आयोजित किया गया था जिसमें 26 कर्मचारियों ने भाग लिया। कंप्यूटर कौशल संबंधित ज्ञान बढ़ाने हेतु कर्मचारियों को एमएस-एक्सेस और एमएस-ऑफिस पर भी प्रशिक्षण दिया गया।

संस्थान ने विभिन्न पाठ्यक्रमों को पूरा करने के लिए कई स्टाफ सदस्यों को प्रायोजित करना जारी रखा।

कर्मचारी पुरस्कार / सम्मान

वर्ष के दौरान, रेवती श्रीनिवासन, गोविंदभाई मंगल सोलंकी, डैनियल वाय. मेकवान, जयंतीलाल एस छनियारा, सीताराम पी. सिंह, सीएचएस प्रसाद, कानजीभाई जी. वाघेला, भारती रामचंद्रन, मोहन एम. पटेल, गोविंदभाई डी. वाघेला, नारायण ए. डामोर, लुम्भाजी डी.जे. मारवाडी, अयोध्याप्रसाद बी. तिवारी, बचुभाई आर. राणा, कमलेश एस. जोशी, रणजीत सिंह बी. चावड़ा और रसिक यू. पाटडीया आदि को संस्थान की दीर्घकालीन सेवा से सेवानिवृत्त होने पर, संस्थान द्वारा सुदीर्घ सेवा पुरस्कार दिए गए।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत वर्ष के दौरान 136 आरटीआई आवेदन और 6 प्रथम अपीलें प्राप्त हुई हैं और इनके जवाब दिए गए हैं।

इसके विवरण **परिशिष्ट ढ** में दिए गए हैं।

परिशिष्ट ढ8 में कर्मचारियों की संख्या के डाटा दिए गए हैं।

छात्र गतिविधियाँ

एबेकस

वर्ष 2015-16 में गणित और उसके वास्तविक जीवन के अनुप्रयोगों के बीच के अंतर को लक्षित करने के लिए नई पहलें की गई। पहली शुरूआत जूज़ विश्लेषण के साथ, एबेकस ने लेख श्रृंखला रियल मैथ शुरू की। पाठ्यक्रमों में सीखी गई अवधारणाओं को रोजमर्रा की जिंदगी में लागू किया गया, और कुछ दिलचस्प अनुमानों का परीक्षण किया गया। यह पाया गया कि नियत कार्य की तारीखें जूज़ की उच्च संख्या के साथ सहसंबद्ध थीं। इस प्रकार का यह पहला लेख छात्र समुदाय द्वारा सराहा गया था।

एक घंटे तक की रोचक व दिमाग पर जोर देने वाली पहेलियाँ सुलाझाने वाली नटकेकर, वार्षिक पहली प्रतियोगिता से इस वर्ष की शुरुआत हुई। टेसरेक्ट, स्थानन तैयारी के लिए पहेली डेटाबेस, का अद्यतन नई पहेलियों के साथ किया गया था और पज़ल बोर्ड की पहल की गई। कक्षाओं में बोर्डों पर रोजाना नई पहेलीयाँ पेश की गईं, जिससे चायविरामों में अथवा नींद प्रेरित सत्रों में समस्या हल करना दैनिक समय व्यतीत करने का एक साधन सा बन गया था।

अमेथन 2016 के दौरान आयोजित नीलामी प्रक्रिया कार्यशाला में परिसर के अंदर और बाहर से 100 से अधिक छात्रों की उपस्थिति देखी गई। आईपीएल और अन्य नीलामी प्रक्रिया में बोली लगाने की समझ स्पष्ट करने के लिए पोकर चिप्स का उपयोग करके इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। यह कार्यक्रम नीलामी के बारे में जिज्ञासा पैदा करने में सफल रहा।

एबेकस क्लब ने पी.एस. पाठ्यक्रमों के लिए उपचारात्मक सत्र और संदेह स्पष्टीकरण सत्र आयोजित किए। एबेकस ने आगामी बैचों के लिए न केवल गणित पाठ्यक्रमों के लिए, बल्कि जिसमे गणित शामिल हो ऐसे परिचालन, अर्थशास्त्र, और वित्त जैसे पाठ्यक्रमों के लिए भी पाठ्य सामग्री विकसित करने का काम शुरू किया गया।

कृषि व्यवसाय क्लब

कृषि व्यवसाय क्लब (एबीसी) की गतिविधियों का उद्देश्य कृषि व्यापार क्षेत्र में जागरूकता पैदा करना और रुचि समझाना है। इस वर्ष के दौरान क्लब द्वारा कुछ वक्ता सत्रों, कार्यशालाओं और औद्योगिक दौरों का आयोजन किया गया। एनसीडीईएक्स वस्तु प्रशिक्षण कार्यशाला में छात्रों द्वारा बढ़-चढ़कर भाग लिया गया था। अमेथॉन के साथ जुड़कर एबीसी (कृषि व्यवसाय क्लब) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर के प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम "क्विज़ोफाइल" को बड़ी सफलता मिली। एबीसी ने कुछ मॉक समूह चर्चा सत्र और कृषि वित्त पर एक सत्र का आयोजन भी किया, ताकि पीजीपी-एफ़एबीएम अपने ग्रीष्मकाल के लिए तैयारी में सहायता पा सके। इन तकनीकी कार्यक्रमों के अलावा, आरंभ समुदाय सेवा सहायता कार्यक्रम, जिसका उद्देश्य महिला स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण के बारे में जागरूकता पैदा करना है उसे उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिली।

आने वाले वर्ष के लिए एबीसी ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को क्लब के दायरे में शामिल करने की योजना बनाई है। इससे क्लब को खाद्य प्रसंस्करण, खाद्य सलामती और खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में अपनी गतिविधियों को विस्तृत करने में मदद मिलेगी।

शैक्षणिक परिषद

शैक्षणिक परिषद संस्थान में सभी शैक्षणिक गतिविधियों की केंद्र बिन्दु है। यह परिषद छात्रों और संकाय के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करती है, यह छात्रों के मामलों को प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत करती है और शैक्षिक नीतिनिर्माण की प्रक्रिया में भाग लेती है। परिषद ने पीजीपी पाठ्यक्रम की समीक्षा प्रक्रिया में एक सक्रिय भूमिका निभाई है जो हर पाँच साल में एक बार की जाती है।

शैक्षणिक परिषद द्वारा कार्यान्वित की गई प्रमुख पहलों में से एक पहल नीलामी की बोली प्रक्रिया की सुविधा के लिए शुरू किए गए एक नए सॉफ्टवेयर की पहल थी। कार्यक्रम में रह गई त्रुटियों से निपटने हेतु संघर्ष शीट में परिवर्तन किए गए थे। परिषद ने सभी उपलब्ध पाठ्यक्रमों के साथ स्पष्ट रूप से उपयुक्त श्रेणियों में विभाजित की गई एक नई वेबसाइट का शुभारंभ किया। यह पोर्टल सभी शैक्षणिक प्रश्नों को स्पष्ट करने के लिए समाधान केंद्र था। इसमें सभी प्रमुख पोर्टल्स के लिंक शामिल थे। अन्य एक

तकनीक कुशाग्र पहल उबाने वाले पेपर और पेन आधारित प्रारूप से पाठ्यक्रम और प्रशिक्षक प्रतिक्रिया संग्रह प्रक्रिया में बेहतर संरचित ऑनलाइन प्रारूप परिवर्तन लाना थी।

इस परिषद ने प्रथम वर्ष के पीजीपी छात्रों के उपचारात्मक सत्रों का आयोजन करके सहायता की, जिसमें वे मित्रों द्वारा अपने संकल्पनात्मक संदेह का समाधान प्राप्त कर सकें। उपचारात्मक सत्रों से बैच को परीक्षाओं और क्विज़ का सफलतापूर्वक सामना करने में सहायता मिली। परिषद ने प्रोफेसरों का संपर्क करके पहले साल के बैच को माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल पर ऑनलाइन सत्र आयोजित करने में सहायता की।

शैक्षणिक परिषद ने बहुत सी पहलों पर काम करना शुरूकर दिया है जिसका फल निकट भविष्य में मिलेगा। पूरी पोस्ट-बोली प्रक्रिया ऑनलाइन किए जाने की योजना है। एक ऐसे पोर्टल की स्थापना पर काम चल रहा है जिसमें छात्र क्विज़ और परीक्षाओं के संग्रह जमा कर सकते हैं, जिसका समाधान ऑनलाइन भी प्राप्त कर सकते हैं। ग्रेड भी ऑनलाइन उपलब्ध कराए जाएंगे। हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के साथ सभी नए मूडल सिस्टम के माध्यम से ऑनलाइन केसों की उपलब्धता को सुविधाजनक बनाने के लिए वार्ता प्रगति पर है।

पूर्वछात्र प्रकोष्ठ

नई पहल करने और छात्रों एवं पूर्व छात्रों के बीच संवाद को बढ़ावा देने के दोनों संदर्भ में, यह वर्ष पूर्वछात्र प्रकोष्ठ के लिए महत्वपूर्ण था। सबसे पहले अप्रैल-मई 2015 में सिंक्रॉनी से शुरूआत हुई, जो 6 अंतरराष्ट्रीय स्थानों सहित 15 शहरों में आयोजित किया गया था। सिंक्रोनी न केवल सभी बैचों के पूर्व छात्रों के बीच संवाद का एक मंच प्रदान करता है, बल्कि आने वाले बैच को आईआईएमए की संस्कृति की झलक दिखाने के लिए भी सक्षम बनाता है।

शिक्षा क्षेत्र से लेकर उद्यमिता तक के कई क्षेत्रों में सम्मानित पूर्व छात्रों की उपलब्धियों को स्वीकार करने के लिए युवा पूर्व छात्रवृत्ति पुरस्कार सन् 2015 में शुरू किया गया। इस वर्ष यह पुरस्कार श्रीमती अपर्णा लबरू केलॉग प्रबंधन स्कूल, नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी; श्री राजेश गोपीनाथ, सीएफओ, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज; तथा श्री रघुनाथन जी और अप्रमेय राधाकृष्ण, टैक्सी फॉरस्योर के सहसंस्थापक को दिया गया। विम्वियन पूर्व छात्र क्विज़, ए.के.ए. डब्लूएक्यू ने छात्रों को कई प्रसिद्ध पूर्व छात्रों के बारे में अधिक जानने और उपहारों को जीतने का एक अनोखा अवसर प्रदान किया।

प्रकोष्ठ ने अपनी मासिक न्यूजलेटर टाइडिंग्स की ख़बरों में परिसर की और बाहर की प्रमुख घटनाओं को सम्मिलित किया। इस महीने का पूर्व छात्र लेख में कुछ प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों के जीवन सफर को शामिल किया गया। पूर्व छात्रों के बीच नेटवर्किंग को बढ़ावा देने की एक पहल के रूप में आईआईएमए पूर्व छात्र मोबाइल ऐप शुरु की गई। पूर्व छात्र प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित पूर्वछात्रों द्वारा वर्तमान छात्रों को मार्गदर्शन कार्यक्रम में बड़ी सफलता मिली जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के 100 से अधिक पूर्वछात्रों ने पीजीपी1 और पीजीपी2 के 200 से अधिक छात्रों को मार्गदर्शन दिया। इससे छात्रों को अपनी पसंद के उद्योगों के बारे में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने का अवसर मिला। पूर्व छात्रों और वर्तमान छात्रों के बीच बेहतर पारस्परिक संवाद के लिए समय-समय पर वक्ता श्रृंखलाएँ भी आयोजित की गईं।

दिसंबर 2015 और जनवरी 2016 के बीच छह बैचों 2005, 1995, 1991, 1986, 1981, और एएफपी के पुनर्मिलन का आयोजन किया गया। पूर्व छात्रों ने अपनी यादों को ताज़ा किया और वर्तमान बैचों के साथ अपने परिसर की कहानियों को साझा किया। छात्रों को इस अवधि के दौरान आयोजित उद्योग से संबंधित और कैरियर से जुडी चर्चाओं का भी लाभ मिला।

अमेथॉन

अमेथॉन एशिया का सबसे बड़ा खाद्य एवं कृषि व्यवसाय शिखर सम्मेलन है, जो 13 से 15 जनवरी, 2016 के दौरान आयोजित किया गया और इसमें 30,000 से ज्यादा आगंतुक शामिल हुए। यह उभरते कृषि व्यवसाय प्रबंधकों के लिए उद्योग अग्रणियों, सफल उद्यमियों, प्रसिद्ध अकादमिक और सरकारी अधिकारियों के साथ कृषि व्यवसाय क्षेत्र के मुद्दों और अवसरों पर चर्चा और विचार-विमर्श करने का एक अंर्तक्रियात्मक मंच प्रदान करता है। इसके मुख्य अतिथि माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री श्री राधा मोहन सिंहजी थे। स्टार्टअप स्ट्रीट, कृषि भविष्य की प्रदर्शनी, और ड्रोन डिस्प्ले जैसे समारोहों एवं प्रदर्शनियों ने देश भर के प्रतिभागियों को आकर्षित किया। अमेथॉन क्लब ने सभागार में एक विशेष स्क्रीनिंग का आयोजन करके स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया पर प्रधानमंत्री के भाषण की भी मेजबानी की थी।

बीटा

वित्त क्लब बीटा ने रोमांचक समारोहों की एक श्रृंखला के माध्यम से, फिनोमिना 2015 के साथ नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत की, जिसमें परिसर पर वित्तीय परिक्षकों को रोमांचित किया। पुराने छात्रों द्वारा किए गए विशेष रूप से व्यापार वस्तुओं और बाजारों पर गहन अनुसंधान सहित व्यापक क्विज़ों को चित्रित किया गया। बीटा क्लब ने खातों, वित्तीय बाजारों, लागत और कॉर्पोरेट वित्त विषयों के लिए समय पर आधारित उपचारात्मक सत्र आयोजित किए।

छात्र और बीटा पूर्वछात्र जिन दो हस्ताक्षर गतिविधियों को भविष्य में देखना चाहते हैं वे स्थानन के तीन महीने पहले शुरू की गई हैं 'द वर्ड ऑफ द डे' और 'बीटा डेली'। टीम ने इन गतिविधियों को

दैनिक आधार पर चलाया ताकि बैच को वित्तीय अवधारणाओं और महत्वपूर्ण समाचार घटनाओं की बुनियादी समझ के बारे में तैयार किया जा सके।

बीटा ने निवेश बैंकिंग, कॉरपोरेट बैंकिंग, कॉर्पोरेट वित्त, प्राइवेट इक्विटी, वेंचर कैपिटल, और वित्तीय बाजार की भूमिकाओं के लिए नियमित और उन्नत सत्र आयोजित करके ग्रीष्मकालीन स्थानन के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बीटा ने वित्त लघुसूचितों के लिए नकली साक्षात्कार सत्र भी आयोजित किए।

बीटा क्लब टीम के सदस्यों को इस क्षेत्र में रुचि पैदा करने के लिए विभिन्न रोचक और ऑफबीट विषयों पर ब्लॉग लिखने के लिए प्रोत्साहित करता है। एक्सेल और ब्लूमबर्ग में मूल्यांकन के लिए कार्यशालाएँ आयोजित की गईं ताकि छात्रों को इंटर्नशिप और वित्त में नौकरियों के लिए तैयार किया जा सके।

कैओस

वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव का मज़ा और उल्लास 86 घंटों तक रहा। यह वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव किसी भी कॉलेज में प्रत्येक के दिल के करीब होता है और कैओस इससे जुदा नहीं है 4 दिन, 50 से अधिक समारोह, दैनिक 9000 से अधिक लोगों का आगमन, व्यापक मीडिया कवरेज, और जीवन के सभी क्षेत्रों के दर्शक।

दिन में स्ट्रीट प्ले, कोरियोग्राफी, फ़ैशन शो और स्प्रे पेंटिंग, मैकैम, कुंगफू, हिप हॉप, चरखा और जाइव पर कार्यशालाएँ आयोजित करके हजारों छात्रों को व्यस्त रखकर मनोरंजन करना और इससे वे लाभान्वित भी हों। आगंतुकों को फोटोग्राफ स्टॉल, व्यंजनों के ठेले, पेंट बॉल तथा आर्चरी जैसे खेलों द्वारा मजा कराया गया।

स्टैंड-अप कॉमेडी की लोकप्रिय संस्कृति को ध्यान में रखते हुए हमने रोहन जोशी और कानीज़ सुर्का के एक शो का आयोजन किया था। कुमार विश्वास ने अपनी कविता, भारत और पूरे जीवन के बारे में अद्वितीय अवलोकनों और टिप्पणियों से दर्शकों में समा बांध दिया था। समारोह की शुरूआती शाम को डी.जे. एसेएक्स का प्रदर्शन था जबकि रघु दीक्षित ने अपने दिलचस्प संगीत से लोगों को जकड़े रखा था। पपोन ने समकालीन बॉलीवुड संगीत के साथ मिश्रित अपने पारंपरिक लोकगीतों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और इज़राइली बैंड ऊज़ोबाजूका ने अंतर्राष्ट्रीय संगीत का आस्वाद कराया। समारोह की अंतिम शाम को मोहित चौहान ने अपनी सशक्त धुनों के साथ समारोह का समापन किया।

कम्प्यूटर केन्द्र समिति

कम्प्यूटर केन्द्र समिति उन कुछ क्लबों में से एक थी जिसने परिसर में आने से पूर्व नए जुडने वाले बैच के साथ संवाद किया था। इस समिति ने उन्हें और स्थानन समिति को आगमन के समय पर ले जाने वाले दस्तावेजों और विभिन्न अन्य मूल लेखों के बारे में प्रभावी रूप से संवाद करने के लिए एक मंच प्रदान किया। समिति ने मैक लैपटॉप, एमएस ऑफ़िस और विंडोज के थोक सौदे आयोजित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। रियायती मूल्य पर मैक के मालिक होने में सक्षम होना कई नए छात्रों के लिए सुखमय रहा और इससे उनका आईआईएमए के साथ जुड़ने का आनंद दुगुना हो गया था।

समिति ने परिसर में नेट कनेक्टिविटी को सुधारने की ओर रुख किया और कम कनेक्टिविटी वाले छात्रावासों में नए ऐक्सेस प्वाइंट स्थापित किए। जिन्हें कनेक्टिविटी की समस्या थी ऐसे 120 से अधिक छात्रों के कमरों में राऊटर उपलब्ध कराए गए।

स्थानन की तैयारी में छात्रों की अधिक सहायता करने के लिए, समिति ने साप्ताहिक तकनीक न्यूज़लेटर्स प्रकाशित किये ताकि छात्र समुदाय इस क्षेत्र में नवीनतम विकास के साथ आगे बढ़ सके। समिति ने क्लब की दृश्यता तथा अपनी पहलों को जोड़ते हुए अपनी वेबसाइट से एफएसआई की सहायता करने जैसी कई पहलों का प्रारंभ किया। भोजनालय को वाईफाई से जोड़ने की अक्षमता छात्रों की एक बड़ी शिकायत थी। सीसीसी ने भोजनालय में भी वाईफाई कनेक्टिविटी को लागू करके इस समस्या का निवारण किया। समिति ने छात्र गतिविधि समिति के लिए चुनाव प्रक्रिया को निष्पादित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और पूरी प्रक्रिया के निर्बाध कार्यान्वयन को सुनिश्चित किया। छात्र गतिविधि समिति के सदस्यों की प्रतिष्ठित पदों के लिए सोपबॉक्स की लाइव स्ट्रीमिंग की शुरुआत भी अप्रत्याशित थी और पूरे समुदाय को उनके छात्रावासों की लक़्ज़री से इस प्रक्रिया को देखने का अवसर प्रदान किया गया। आखिर में समिति ने पूरे बैच के डेटा के लिए एक समर्पित स्थान प्रदान किया जहाँ से छात्र समुदाय द्वारा उसका उपयोग किया जा सकता है।

कॉन्फ़्लुअन्स

कॉन्फ़्लुअन्स क्लब याने वार्षिक प्रबंधन विचार संगोष्ठी का उद्देश्य व्यवसाय दर्शन संबंधित बहस, चर्चा, और पुनर्विचार करने के लिए एक वैश्विक मंच प्रदान करना है। यह उद्योगों के दिग्गजों, उद्यमियों और छात्रों के बीच विभिन्न क्षेत्रों जैसे कि वित्त, विपणन, उद्यमिता, मीडिया और खेल सम्बन्धित विचारों के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करता है। कॉन्फ़्लुअन्स 2015 ने छात्रों को कार्यशालाओं, प्रतियोगिताओं और पैनल चर्चाओं की विशाल श्रृंखला के माध्यम से व्यवसाय जैसी परिस्थितियों का अनुभव करने का अवसर प्रदान किया।

कॉन्फ़्लुअन्स 2015 ने मास्टरप्लान से स्टॉकमैनिएक, एक अपरंपरागत व्यवसाय अनुकार खेल से लेकर प्रबंधन समारोहों का बड़ी संख्या में आयोजन किया। कॉन्फ़्लुअन्स ने कला और खेल से लेकर केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त जैसे विभिन्न क्षेत्रों से देश के सबसे अद्भुत वक्ताओं में से कुछ की मेजबानी की। प्रमुख कार्यशाला श्रृंखला में बीएफएसआई, विपणन और उद्यमिता के क्षेत्र में 300 से अधिक छात्रों की उपस्थिति देखी गई जिसमें सम्मानित मेहमान और संकायों ने प्रतिभागियों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

परामर्श क्लब

परामर्श क्लब पूरे वर्ष के दौरान सक्रिय रहा। इसने बैच में परामर्श के लिए उत्साह निर्माण करने से शुरूआत की। परामर्श के बुनियादी मसलों के लिए आने वाले पीजीपी बैच को परिचित कराने के लिए परिचय से परामर्श पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। एक व्यावसायी दृष्टि से परामर्श के परिप्रेक्ष्य को प्रदान करने के लिए क्लब द्वारा, मैक्किंसे, बैन, बीसीजी और एटीके जैसे रणनीति सलाहकारों की चार बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधित्व के साथ एक वक्ता सत्र भी आयोजित किया गया।

आंतरिक उन्मुखीकरण कार्यक्रमों में स्थानन तैयारी की गतिविधियों का प्रभुत्व था। शुरुआत करने वालों के लिए, संपूर्ण कैस बुक का पुनरोत्थान किया गया। इसे अधिक संरचनात्मक और गहन बनाया गया और यह सुनिश्चित किया गया कि इसमें क्षेत्रों और उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल किया गया है। मार्गदर्शन कार्यक्रम में व्यापक भागीदारी देखी गई और छात्रों को एक बहुमूल्य संसाधन के साथ पुराने छात्रों का ज्ञान, उनके निपटान पर प्रदान किया गया। स्थानन तैयारी की दिशा में सक्षम करने वाली अन्य गतिविधियों में कंपनी प्रोफाइल, पैनोरमा (क्षेत्र रिपोर्ट के लिए फैंसी शब्द), और परामर्श 360 (सलाहकार प्रशिक्षुओं के साक्षात्कार और इंटर्नशिप के अनुभव) थीं। परामर्श हॉटलाइन से परामर्शन शुरू किया गया था जिसमें तैयारी प्रक्रिया में सहायता के लिए लघुसूचीकृत छात्रों के लिए विभिन्न परामर्शन कंपनियों हेतु कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

केस बुकों को साझा करने के लिए बाह्य रूप से उन्मुखीकृत गतिविधियों में एनवाईयू स्टर्न का समझौता शामिल था। मेक्कोम्ब को भी एक भागीदार के रूप में लाया गया था। क्लब ने विश्व युद्ध 3 की थीम के साथ एक राष्ट्रव्यापी प्रतियोगिता, आर्मगेडन, भी आयोजित की। समाज के प्रति योगदान देने हेतु परामर्श क्लब ने एक समुदाय सेवा सहायता पोर्टल पहल विकसित किया, जो सामाजिक गतिविधियों के लिए स्वयंसेवकों और अवसरों के बीच सेतु के रूप में कार्य करता है।

सांस्कृतिक और सामाजिक मामले समिति (कल्टकॉम)

संक्षिप्त में कहा जाए तो कल्टकॉम परिसर को जीवंत और मस्ती भरा रखने के लिए जिम्मेदार है। चाहे वेलकम वीक, टी-नाइट, गरबा, होली, दिवाली, क्रिसमस, पोंगल, लोहड़ी, या गणेश चतुर्थी हो, कल्टकॉम ने आईआईएमए संस्कृति को सफलतापूर्वक बनाए रखा है। गरबा रास, न्यू ईयर पार्टी और बाइक सैर ने छात्रों को अपने व्यस्त कार्यक्रम से विराम पाने और अपने दोस्तों के साथ आनंद उठाने की सुविधा दी है। इसके अतिरिक्त कल्याण समिति की मदद से मुख्य त्यौहार, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और संस्थान दिवस मनाए गए। कल्टकॉम ने अन्य क्लबों जैसे म्यूज़िक क्लब एवं फुटलूज के सहयोग से कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस साल, क्लब ने अहमदाबाद के महाविद्यालयों के बीच सहयोग बढ़ाने की पहल की, जिसके परिणामस्वरूप ए-लीग का जन्म हुआ।

सार्वजनिक वक्ता क्लब (इलोकन्स)

महिला नेतृत्व सोसायटी (विमेन लीडरशिप सोसाइटी) के साथ संयुक्त सत्र में हमारी प्रोफेसर आशा कौल की महत्वपूर्ण टिप्पणी से वर्ष की शुरुआत हुई। क्या महिलाओं के पास सब कुछ हो सकता है? इस विषय को कई लोगों से प्रतिध्वनि मिली। इस 70वें सत्र के लिए, प्रोफेसर धीरज शर्मा छोटी बातें विषय के लिए शामिल हुए। अपेक्षित रूप से, विपणन ज्ञान ने अनजाने सत्र में अपना रास्ता खोज लिया और इसे और अधिक मजेदार बना दिया। जैसे कि यह सब पर्याप्त नहीं था। 72 वें सत्र के लिए विषय छिद्रान्वेषी में बहुत कुछ देखा गया। भ्रष्टाचार एक वरदान है; और सहशिक्षा (छात्र-छात्राओं की) पर प्रतिबंध लगा दिया जाना चाहिए जैसे विवादास्पद बयानों पर वक्ताओं से समर्थन प्राप्त हुआ और ऐसे दृष्टिकोण दिए गए जो सामान्य रूप से सुनने में नहीं आते हैं। जस्टिन बीबर को रजत जयंती सत्र के अवसर पर एक बलून बहस के विजेता के रूप में चुने जाने पर एक अनपेक्षित परिणाम मिला था जिससे यह और भी विनोदी और यादगार बना गया।

एंत्रे क्लब

इस वर्ष की शुरूआत प्रोफेसर सुनील हांडा द्वारा उद्यमशीलता एवं प्रेरणा में प्रयोगशाला विषय के साथ हुई। अपनी अनूठी शैली और प्रेरणादायक कहानियों के माध्यम से उन्होंने खचाखच भरी कक्षा में उपस्थित छात्रों के जीवन स्तर को छुआ।

एंत्रे मेले की शुरुआत श्री रोनी स्क्रूवाला द्वारा अतिथि व्याख्यान से हुई, जिस दौरान उन्होंने उपस्थित लोगों को खुली आँखों से सपने देखने के लिए प्रेरित किया। यह एक बहुत ही सफल कार्यक्रम था जिसने न केवल आईआईएमए समुदाय को बल्कि अन्य कॉलेजों के छात्रों को स्टार्ट अपों से अंतक्रिया करने का अवसर प्रदान किया। मास्टर प्लान कॉन्फ़्लुअन्स 2015 के दौरान आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में 500 से अधिक टीमों ने प्रतिष्ठित खिताब जीतने के लिए पंजीकरण कराया। इस कार्यक्रम के अंतिम दौर से पहले एक वक्ता सत्र और एक पैनल चर्चा आयोजित की गई थी।

क्लब ने एक समुदाय सेवा सहायता कार्यक्रम मैनेजमेंट क्लिनिक शुरू किया जिसका उद्देश्य छोटे विकेताओं, आपूर्तिकर्ताओं, निर्माताओं और अन्य स्थानीय उद्यमियों के व्यवसाय को समझना और उन्हें अपने व्यवसाय का विस्तार करने में मदद करना है। इस पहल को काफी सराहा गया और यह आने वाले वर्षों के लिए देखने लायक कार्यक्रम कहा जा सकता है। क्लब ने ब्रेक आउट सत्रों के माध्यम से आला उद्यमी विषयों से संबंधित चर्चा की सुविधा भी प्रदान की। हेय संस्थापक श्रृंखला से छात्रों को संस्थापकों और वीसी तक पहुंचने और अपने काम को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिली।

इक्विपोइज़

इक्विपोइज़ परिस्थिति संबंधित स्नातकों और अर्थशास्त्र में रुचि रखने वाले उत्साही लोगों के समूह का एक क्लब है। इस क्लब ने दो पीजीपी बैचों के बीच आपसी महत्त्वपूर्ण विचार-विमर्श को प्रोत्साहित किया। पहली बातचीत चॉकलेट केक के प्रति हमारी चाहत को लेकर प्रत्येक के साथ समान रूप से चोकलेट केक साझा करने की शर्त से शुरू हुई । सार्वजनिक नीति पाठ्यक्रम से प्रेरणा लेने के प्रयोग की अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

परीक्षाओं से पहले हमेशा आयोजित किए जाने वाले उपचारात्मक सत्रों के प्रति हमेशा उत्तेजना की भावना रही है जो हमेशा उपस्थित छात्रों और आरईएम लेने वाले छात्रों की संख्या से नजर आता है। वर्ष भर, टीम ने चीनी शेयर बाज़ार के धोखे, ग्रीस संकट, तेल परिदृश्य जैसे और कई अन्य दिलचस्प विषयों पर विभिन्न ब्लॉग लिखे, जिनके लिए पाठकों से अधिकतम प्रतिक्रियाएँ प्राप्त हुई। इक्विपोइज़ ने एक आर्थिक रणनीति खेल के रूप में साम्राज्यवादियों के टकराव कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की और उसकी मेजबानी भी की थी। इसने भारी प्रतिक्रिया प्राप्त की जिससे क्लब ने परिसर के बाहर कॉलेजों के लिए भी कॉन्फ़्लुअन्स के सहयोग से खेल के एक संशोधित संस्करण की मेजबानी की थी।

विनिमय परिषद

पूरे वर्ष के दौरान विनिमय परिषद की गतिविधियों की एक अच्छी भूमिका रही। हमने अपने छात्रों को विभिन्न विश्वविद्यालयों में भेजने और उनके वीजा, पासपोर्ट, विदेशी मुद्रा आदि की व्यवस्था करने से काम की शुरुआत की। परिषद ने "नमस्ते इंडिया" अभियान के अंतर्गत विदेश से आने वाले विनिमय छात्रों का स्वागत, यात्रा, स्थानीय स्थानों, परिसर दौरों आदि के सत्रों से किया।

विनिमय मेले में, छात्रों ने अपने इंटर्नशिप के अनुभवों के बारे में बताया। विनिमय मानदंडों के संबंध में बैच की प्रतिक्रिया ली गई और इसमें कुछ बदलाव किए गए थे। छात्रों को विनिमय सीट छोड़ने से रोकने के लिए ढांचे का पुनर्निमाण किया गया। पुराने छात्रों के विनिमय के अनुभवों को यात्रा बाइबिल में शामिल किया गया, जो आने वाले वर्षों के लिए जानकारी का एकमात्र विकल्प बना रहेगा।

संकाय-छात्र आपसी विचार-विमर्श प्रकोष्ठ

संस्थान में एफएसआई और संकाय-छात्र संवाद के लिए यह एक रोमांचक वर्ष रहा। संकाय और छात्रों के बीच आपसी विचार-विमर्श को अधिक बढ़ावा देने के लिए कई नई पहल की गईं। इस वर्ष की शुरुआत मार्गदर्शन कार्यक्रम से की गई जिसमें 175 छात्रों को 38 संकाय सदस्यों की सलाह से बहुत फायदा हुआ। एक ऐसे संकाय सूचना पोर्टल का शुभारंभ किया गया जो संकायों के अनुसंधान और अनौपचारिक हितों दोनों को एकीकृत करता है।

शिक्षक दिवस पर संकाय सदस्यों के परिप्रेक्ष्य से लाल ईंटों के भीतर के जीवन पर एक दिलचस्प नाटक किया गया था। प्रोफेसर राकेश बसंत, प्रोफेसर आशा कौल, प्रोफेसर सचिन जायसवाल, प्रोफेसर देबजीत रॉय, जतिन नागोरी, और विक्टर परेरा ने आईआईएमऐक्ट्स के साथ मिलकर दर्शकों को उनके अभिनय प्रदर्शन से मंत्रमुग्ध का दिया था। फुटलूज़ तथा म्यूजिक क्लब ने अपने शानदार प्रदर्शन से रात को सुहाना बना दिया था। पॉटपुरी में प्रोफेसर सतीश देवधर, प्रोफेसर विश्वनाथ पिंगाली, प्रोफेसर सोभेश अग्रवाल, और अपने छात्र दल के साथ प्रोफेसर अनीश सुगथन के बीच एक दिलचस्प खेल का आयोजन देखा गया।

इस साल खेल की गली संस्करण में स्थानांतरित प्रारूप के साथ क्रिकेट मैच अधिकतम अनौपचारिक और मनोरंजक कार्यक्रम बन गया था। इसके परिणामस्वरूप छात्रों और संकायों के बीच एक आकर्षक मैच हुआ था। इस खेल के दौरान प्रोफेसरों को मैत्रीपूर्ण स्लेजिंग और शोर मचाते देखा गया।

उद्योग संवाद मंच

वर्ष 2015-16 एफआईआई के लिए उल्लेखनीय रहा। इस वर्ष के दौरान वर्ष 2014-15 में रही परियोजनाओं की संख्या 42 से वर्ष 2015-16 में 85 तक की संख्या लगभग दुगुनी तो हुई बल्कि उद्योग और संबंधित संगठनों में एफआईआई में उपस्थिति को बढ़ाने में महत्वपूर्ण निवेश भी किया था। एफआईआई ने सार्वजनिक क्षेत्र की पहलों को निपुणता प्रदान करके सरकार के साथ पहले से कहीं ज्यादा अधिक नजदीकी से काम किया। एफआईआई ने ग्रामीण क्षेत्रों के लिए ईहाट की स्थापना, गांवों में स्वच्छता समबन्धित सर्वेक्षण और आदिवासी क्षेत्रों में शौचालयों के निर्माण से संबंधित परियोजनाएँ जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं में गुजरात के ग्रामीण विकास विभाग के साथ मिलकर काम किया। एफआईआई ने कई स्टार्टअपों को भी सहयोग दिया है जिसमें बाजार अनुसंधान पर परियोजनाएँ, व्यवहार्यता अध्ययन, रणनीति तैयार करना, और बाजार प्रवेश की संभावनाएँ शामिल हैं।

एफएसएसआई ने जेएडीई-यूरोपीय जूनियर उद्यम परिसंघ (यूरोप के उद्यमों का एक अंतरराष्ट्रीय गैरलाभप्रद छात्र संगठन) के साथ साझेदारी में प्रवेश किया, जो यूरोप भर में पूरी तरह से छात्रों द्वारा संचालित है। दो अन्य अंतरराष्ट्रीय साझेदारों में व्यवसाय क्लब फ्रांस इंडिया और ब्राजील जूनियर ब्राजील जूनियर कंपनी परिसंघ हैं। इन साझेदारियों को विदेशी निवेशकों की अंतर्राष्ट्रीय दृश्यता और उद्योग के विस्तार से वृद्धि के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय सम्मेलनों में भागीदारी बढ़ाने में लाभ होगा।

घरेलू मोर्चे पर, एफआईआई ने टीआईई-दी इंडस एंटरप्रेन्योरस, एसआईएनइसोसाइटी फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (आईआईटी बॉम्बे), इंडिया इनोवेशन इनिशिएटिव और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के साथ करार किया है। इन सभी ने दृश्यता और परियोजना विविधता दोनों को बहुत बढ़ावा दिया है।

कौशल (फ़िनेस)

फ़िनेस एक ललित कला क्लब है, यह कला प्रेमियों और शिक्षार्थियों का एक समुदाय है जिसका लक्ष्य परिसर में कला संस्कृति को विकसित करना और बढ़ावा देना है। यह आईआईएमए समुदाय के रचनात्मक विचारकों के लिए एक मंच प्रदान करता है ताकि वे आगे आ सकें, प्रदर्शन करें और विभिन्न कला रूपों को सीख सकें।

क्लब ने पूरे वर्ष के दौरान कई कार्यशालाओं और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। क्विलिंग और ग्लास पेंटिंग कार्यशालाओं में बड़ी संख्या में समुदाय सदस्यों ने भाग लिया। क्लब ने रक्षाबंधन के दौरान प्रयास के विशिष्ट रूप से प्रतिभाशाली बच्चों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया, जहाँ उन्होंने क्विलिंग का उपयोग करके सुंदर राखी बनाई। फिनेस ने कार्टून स्ट्रिप्स आईआईएमए क्रॉनिकल्स के माध्यम से संस्थान के तेज और उग्र, मनमौजी फिर भी आनंदी जीवन को पेश करने का प्रयास किया, जो सभी को बहुत भाया। क्लब ने आनंद प्रदान सप्ताह 'जॉय ऑफ गिविंग वीक' और 'कैओस' की कई प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया।

फुटलूज

नृत्य हमेशा से कुछ वह चीज़ रहा है जो लोगों को अंदर से जोड़ता है, बेहद विशुद्ध खुशी, एक उत्तेजक जोश, अपने आप में आत्मविश्वास महसूस करने का और दिल की धड़कन के साथ संगीत की प्रतिध्वनि जोड़ने का एक कार्य है, यही सब कुछ है जिसके लिए फुटलूज हमेशा तत्पर रहता है।

शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत वर्ष के सबसे बड़े नृत्य शो बिग बैंग के साथ की गई। इस दौरान हिपहॉप, भारतीय शास्त्रीय, साल्सा, बॉलीवुड 'आप नाम बोलिए और हम कर दिखाएँ' बिना किसी तैयारी के गणपति विसर्जन नृत्य से लॉकिंग और पॉपिंग और लैटिन अमेरिकी से कथक तक के नृत्य किए गए। बैंग भी कुछ समारोहों में से एक था, जिसमें न केवल सदस्यों का परन्तु पूरे छात्र समुदाय का उत्साही दर्शकों के सामने अपने नृत्य कौशल का प्रदर्शन करने के लिए अभिवादन किया था। फुटलूज़ ने स्वतंत्रता दिवस पर अपने शास्त्रीय नृत्य प्रदर्शन के साथ देशभक्ति की भावना को आत्मसात किया। हमारे देश की विविधता का जश्न मनाने के लिए देश के चारों कोनों के लोक नृत्यों का प्रदर्शन किया गया।

शिक्षक दिवस पर संकायों को श्रद्धांजलि देने के लिए फुटलूज, आईआईएमएक्ट्स और संगीत क्लब ने एफएसआई के साथ सहयोग किया। नए फुटलूज सदस्यों ने साल्सा और भांग़डा के प्रदर्शन द्वारा संकायों और छात्रों का समान रूप से मनोरंजन किया। जॉय ऑफ गिविंग वीक के दौरान फुटलूज द्वारा किए गए प्रदर्शन का दर्शकों ने पूरी तरह से लुत्फ़ उठाया और इसकी सराहना कीगई। दोंनो क्लबों ने कथक नृत्य रूपों से लेकर अंतरराष्ट्रीय बॉलरूम नृत्य रूप जैसे कि साल्सा का प्रदर्शन किया। हर वर्ष की तरह, इस वर्ष भी फूट्लूज ने संस्थान के स्थापना दिवस पर अपना योगदान देते हुए इस आयोजन में प्रदर्शन किया। संकायों, कर्मचारियों, छात्रों और उनके परिवार के सदस्यों से भरे सभागार में हिपहॉप, साल्सा और भांग़डा का प्रदर्शन किया गया।

एक नई पहल - फ्लैश मॉब ने आईआईएम के लिए इस वर्ष आयोजित संघर्ष वार्षिक अंतर आईआईएम खेल शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले छात्रों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कई वर्षों के बाद, फुटलूज ने कैओस 2016 के दौरान आयोजित नृत्य प्रतियोगिता में भाग लिया।

फुटलूज़ ने डान्स नाइट के साथ वर्ष का समापन किया जो हमारे प्यारे पुराने छात्रों को विदाई समारोह के तौर पर समर्पित होता है, इन छात्रों ने बिग बैंग के दौरान बड़े उत्साह और उर्जा के साथ नवागंतुकों का स्वागत किया था। फुटलूज ने आईआईएमए मंच पर नृत्य के अपने बकेट सूची आइटम को टिक करने के लिए सभी पुराने छात्रों को एक मंच भी प्रदान किया। क्लब ने कल्टकॉम के पुरस्कार समारोह के दौरान आश्चर्यजनक टीजर प्रदर्शन आयोजित करके समारोह के बारे में हलचल पैदा कर दी थी।

जेनेसिस

वर्ष 2015-16 उत्पाद प्रबंधन एवं प्रौद्योगिकी क्लब (मूल नाम जेनेसिस के रूप में पढ़िए) के लिए बहुत ही रोमांचक रहा है। परिसर पर स्थित कई अन्य क्लबों की तरह जेनेसिस ने नई पहलों की शुरुआत की। भारत में शीर्ष व्यवसाय स्कूलों के प्रौद्योगिकी क्लबों को जोड़ने के लिए एक प्लेटफार्म अखिल भारतीय आईआईएम कनेक्ट की स्थापना की गई। वर्ष के पहले बड़े समारोह का आयोजन इन्टरआईआईएम कन्वर्जन्स पूरी तरह से ऑनलाइन आयोजित किया गया। कार्यक्रम को आईआईएम ए, बी और सी परिसरों में अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

एक अन्य प्रमुख पहल एक अलग उत्पाद प्रबंधन प्रकोष्ठ की रचना है। परिसर के सभी उत्साही पी एम नवांगतुक छात्र(।) के लिए लघु-पाठ्यक्रम तैयार करने में इस प्रकोष्ठ ने सहायक की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके बाद क्लब ने कम्पनी विशेष तैयारी सामग्री के साथ-साथ बनावटी समूह चर्चाओं और बनावटी साक्षात्कारों के माध्यम से नए छात्रों(।) के मार्गदर्शन की दिशा में आगे बढा। केओस के सहयोग से परिसर में कुछ रोमांचक वक्ता श्रृंखला आयोजित करके और ऑनलाईन खेल में उत्साही लोगों के लिए खेल कार्यक्रम का आयोजन कर के पीजीपी1 के मनोरंजन स्लॉट को अधिक जीवंत बना दिया।

सामान्य प्रबंधन एवं नेतृत्व प्रकोष्ठ

वर्ष की शुरुआत ट्रेजर हंट के साथ एक बड़े स्वर के रूप में हुई जिसमें 200 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। निदेशक प्रोफेसर आशिष नंदा के सामान्य प्रबंधन में कैरियर विषय पर के एक सत्र लिया और हेवमोर के औद्योगिक दौरे को अच्छी प्रतिक्रिया मिली। इससे बाद में गिफ्ट सिटी, जिसे भारत में आने वाले स्मार्ट शहरों के लिए मॉडल रूप माना जाता है, उसके दौरे के लिए प्रोत्साहित किया।

जीएमएलसी ने ओपन डे आयोजित किया, जिसमें गुजरात के दस कॉलेजों के 500 से ज्यादा प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसने न केवल सहभागी छात्रों को संस्थान के अंदर के जीवन की झलक पाने में मदद की बल्कि संगठन की टीम को यह भी समझने में मदद की कि बाहर के छात्र उन्हें किस नजरिये से देखते हैं। स्थानन से पहले, जीएमएलसी ने इच्छुक छात्रों की सहायता के लिए प्रमुख समूह चर्चा, बनावटी साक्षात्कार का आयोजन किया। इसके अतिरिक्त, उन्हें समय बचाने में मदद करने हेतु सामान्य प्रबंधन कंपनियों के प्रोफाइल भी उपलब्ध कराए गए थे।

हेरिटेज क्लब

हेरिटेज क्लब ने छात्र समुदाय को अहमदाबाद और गुजरात की संस्कृति और विविधता के करीब लाने का पूरा प्रयास किया है।

वर्ष भर में कई हेरिटेज पैदल यात्राओं का आयोजन किया गया

जिसे ज़ोरदार प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। सिद्दी सैयद मस्जिद जहाँ से संस्थान ने अपना प्रतीक चिह्न लिया है उसकी सबसे अधिक प्रशंसा की गई ओर उसे देखने की बार बार माँग उठी। जामा मस्जिद, गाँधी आश्रम, और रानी सिप्री मस्जिद इन हेरिटेज पैदल यात्राओं के अन्य प्रतिष्ठित स्थल थे। इफ्तार पैदल यात्रा, रथ यात्रा फोटो भ्रमण और रात्रि बाजार यात्रा ने विविध, समृद्ध और राजस्थानी और गुजराती संस्कृति के एक प्रकार के संयोजन का आस्वादन करवाया।

इस वर्ष भी इनसाइट के दौरान वारसी बंधुओ और उस्मान मीर जैसे कुछ सुप्रसिद्ध कलाकारों का लोक संगीत प्रदर्शन और सात्विक व्यंजन मेले के दौरान कर्दम शर्मा और आरिफ मीर जैसी स्थानीय अनुभूतियों का मजा लिया गया। जब विशाल पैमाने पर व्यंजन उत्सव मनाया जा रहा था तब कलाकारों ने उनके सुरीले सुरों, पखवाज और हार्मोनियम प्रदर्शनों से भीड़ को मंत्रमुग्ध किया था।

आईआईएमैक्ट्स

नाटक और थिएटर क्लब आईआईएमऐक्ट्स की यात्रा 'ए स्लिप इन टाइम' थ्रिलर के साथ शुरू हुई। अगला नाटक था 'मिडल ओफ नोव्हेर,' जो एक स्थिति जन्य कॉमेडी था। अगले नाटक 'इल्हाम' ने सवाल ख़डे किए और एक अस्तित्वगत संकट की परिसर में सबसे अधिक बार दिखाई जानेवाली दुविधा का जवाब देने की कोशिश की गई।

इसके बाद, विनिमय सत्र में, आईआईएमएक्ट्स ने 'दारा' का मंचन किया, जिसके परिमाण आज तक मेल नहीं हो पा रहे हैं। यह नाटक ऐसे परिवार पर था जो एकदूसरे के खिलाफ कैसे ख़डा होता है उस बारे में था। संकाय नाटक में संकाय सदस्य शामिल थे और आईआईएमएक्ट्स ने स्क्रिप्ट लेखन को समन्वित किया था और बाद में उसे अभिनीत करने में भी समन्वयन किया था। इस नाटक में शिक्षकों ने छात्रों की और छात्रों ने शिक्षकों की भूमिका निभाई थी। दोनों पक्षों को पता चला कि हर किसी का जीवन वास्तव में कितना मुश्किल है। 'जॉय ऑफ़ गिविंग' का प्रहसन नाटक अत्यधिक सफल रहा।

हमने एक वीडियो 'ईमानदार सोप बॉक्स' भी शुरू किया जो मूल रूप से सोप बोक्सों के आयोजन के तरीकों पर एक विचित्र व्यंग्य था। एक अन्य नाटक ने भारत में हिजड़ों के सामने आने वाली समस्याओं पर प्रकाश डाला गया। आईआईएमऐक्ट्स ने कैओस के दौरान दूसरा पुरस्कार जीता जो शीर्ष पर चेरी की तरह था। 'द फाइनल ऐक्ट,' जैसा कि नाम से भी पता चलता है, टीम का आखिरी नाटक था। एक नाटक, उसके भीतर एक नाटक, उसके भी भीतर एक और नाटक .....।

अंतर्दृष्टि (इनसाइट)

पहली बार इनसाईट प्रबंधन संगोष्ठी 25 से 27 सितंबर 2016 तक तीन दिनों के लिए आयोजित की गई। इनसाईट ने फिर से आईआईएम के छात्रों को एक मंच प्रदान किया ताकि वे मीडिया से लेकर बैंकिंग तक की श्रेणी के उद्योगों पर विभिन्न प्रच्छन्न बाजार अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से उनकी पढ़ाई को अभ्यास में तबदील कर सकें।

क्लब की विपणन प्रतियोगिताओं में देशभर के 10,000 से अधिक प्रतिभागियों की भागीदारी देखी गई। प्रमुथ प्रतियोगिता कोटलर अपनी तरह की एक ऐसी प्रतियोगिता थी जिसमें देश के शीर्ष 10 व्यवसाय स्कूलों में आयोजित परिसर दौरों से अंतिम दौर में पहुँचने वालों का चयन किया गया था। इस समारोह में वक्ता सत्र और कार्यशालाएँ थीं; प्रहलाद ककड़ द्वारा की गई विज्ञापन कार्यशाला को सबसे अधिक अंक मिले। सौरभ पंत का गुदगुदाने वाला स्टैंडअप कॉमेडी प्रदर्शन और उस्मान मीर के शानदार ग़जल प्रदर्शन के साथ सम्मेलन संपन्न हुआ।

साहित्यिक संगोष्ठी डेस्क

साहित्यिक संगोष्ठी डेस्क ने वर्ष के दौरान बहुतसारी गतिविधियों का आयोजन किया। वर्ष की एलएसडी गतिविधियों की शुरुआत नवागंतुक छात्र साहित्यिक सप्ताह से की गई जिसने नए छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली साहित्यिक उम्मीदों का आस्वादन कराया। परिसर के अंदर एक बहस संस्कृति बनाने के लिए, एलएसडी ने नियमित संसदीय बहस का आयोजन किया, जिनमें से कई सत्र, सत्र के बाद रात्रि भोजन की टेबल पर उग्र चर्चाओं में बदल गई। हालांकि, उनमें से सबसे पसंदीदा कार्यक्रम स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित संकाय-छात्र वादविवाद था। यह बहस निदेशक प्रोफेसर आशीष नंदा और प्रोफेसर अजय पांडेय द्वारा एक छात्र दल के समक्ष आईआईएम अहमदाबाद का दर्शन विद्यार्थियों की व्यक्तिगत दृष्टि से जुड़ा हुआ है मुद्दे को लेकर थी। इस कार्यक्रम ने एक दिलचस्प चर्चा को उभारा, जिसमें कई लोगों को अपनी राय से संबंधित आवाज उठाने का मौका मिला। नक्षत्रीय बहस करने के बाद, क्लब को एडवांटेज इंडिया की पुस्तक लॉन्च करने का विशेषाधिकार भी दिया गया, जिसे संयुक्त रूप से श्री अब्दुल कलाम (उनकी अंतिम पुस्तक) और हमारे पूर्व छात्र श्रीजन पाल सिंह ने लिखा था।

एलएसडी ने साहित्यिक रैली, वार्षिक अंतर-अनुभाग प्रतियोगिता का आयोजन किया। भीड़ भरे कार्यक्रमों से निपटने के दौरान कुछ दिलचस्प विषयों पर चर्चाएँ की गई थी जबकि कुछ प्रश्नोतरियाँ संदेहात्मक रूप से खत्म हुई थी। जैसे कि यह परंपरा है, आईआईएमए ने इस साल भी 17 प्रतिभागियों को नीहिलान्त में भेजा था। सात कार्यक्रमों में से छह के लिए मंच पर उपस्थिति सुनिश्चित करके, क्विज़िंग समुदाय के भीतर छोटे दल ने प्रतिष्ठा को बनाए रखा है।

एलएसडी ने इस वर्ष कैओस के दौरान कई कार्यक्रमों का भी आयोजन किया था। तीन दिनों में छः कार्यक्रमों के साथ, एलएसडी

के पास सभी के लिए कुछ न कुछ पेशकश थी आखिरी दिन, लोकप्रिय जनरल क्विज ने शानदार सांस्कृतिक उत्सव से समापन किया।

मैड क्लब

अपने पाठ्यक्रम सेलिब्रेटिंग द स्पिरिट ऑफ़ एन्टरप्रीनरशिप के लिए प्रासंगिक सामग्री बनाने के लिए मैडफिल्म क्लब को प्रोफेसर राकेश बसंत से सहयोग मिला। कॉन्फ़्लुअन्स डायरेक्टर सीरीज़ मांझी टीम से मिलिए की शुरूआत करने के लिए मैड क्लब ने कॉन्फ़्लुअन्स के साथ काम किया। इस कार्यक्रम ने फिल्म बनाने की कला और व्यवसाय का पता लगाया और यह समझने में मदद की है कि रचनात्मक भावना व्यावसायिक व्यवहार्यता के विचार के साथ कैसे काम करती है। बेहद लोकप्रिय अभिनेता नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी और राधिका आप्टे का तालियों की गडगडाहट के साथ अभिवादन किया गया।

मैड क्लब ने आईआईएमए समुदाय को पुराने युग की सराहना करने के लिए 'रिमेम्बरिग द क्लासिक्स' नामक नई क्लासिक्स मूवी की शुरुआत की। सिनेमा को चाहने वालों की खुशी के लिए उन्हें 'कैसाब्लांका' और 'सिटिजन केन' जैसी फिल्में दिखाई गईं। विनिमय छात्रों को शेक्सपियर के हेमलेट के हमारे प्रसिद्ध रूपांतरण हैदर और क्वीन के प्रदर्शन से भारत का आस्वादन कराया गया।

सिनेमा के उत्साही लोगों के जुनून और सिनेमा के ज्ञान को साझा करने के लिए सिनेमा प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। निशे क्लब के सहयोग से, मैड क्लब द्वारा स्टीव जॉब्स की दस्तावेजी फिल्म द मैन इन द मशीन दिखाई गई। कुछ प्रमुख कार्यक्रमों में से एक डीसी, साझा सामग्री को बढ़ाकर और वाईफाई पर उसे उपलब्ध कराने के द्वारा प्रोफाइल बढ़ा रहा था।

मीडिया प्रकोष्ठ

पिछले साल तक बड़े पैमाने पर बाहरी मसलों का सामना करने वाला यह मीडिया प्रकोष्ठ इस साल आंतरिक बन गया और नई दिशाओं में फैलने में कामयाब रहा। प्रथम वर्ष के छात्रों की ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया के साथ वर्ष की शुरुआत जल्द हुई थी।आंतरिक ब्लॉग ने तत्काल काम करना शुरू कर दिया तथा विवादों और वार्तालापों में कदम रखा। आंतरिक प्रवचन की समग्र ताकत में योगदान करके संस्थान स्तर की गतिविधियों जैसे सोप बोक्स और चुनाव को कुछ हद तक शामिल किया। संघर्ष के सभी खेलों और बजट सत्रों जिसमें अभूतपूर्व राष्ट्रीय अत्यावश्यकता शामिल थी जैसी सभी घटनाओं के लिए मीडिया कवरेज में बड़े पैमाने पर बढ़ोतरी हुई। छात्रों की रुचि को खीझाने वाले प्रत्येक नए मुद्दे के साथ 'ब्रिक इन द वॉल' को आधिकारिक न्यूज़लेटर के रूप में लॉन्च किया गया। सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को जीवंत स्कोर अपडेट जैसी गतिविधियों के साथ गुंजायमान रखा गया।

इतने वर्षों से मीडिया प्रकोष्ठ अपनी पहचान बनाने में सफल रहा है और अगले वर्ष इसे आगे बढ़ाने के लिए इसने पुराने छात्रों की टीम को पीछे छोड़ दिया है।

मार्गदर्शन प्रकोष्ठ

मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के लिए यह वर्ष बहुत अच्छा रहा था। आने वाले बैच के लिए मार्गदर्शकों ने एक समर्थन प्रणाली का गठन किया। एलकेपी के घास के मैदान में बैठकर, तैयारी के लिए क्या क्या किया जाए उसके बारे में सलाह देने और स्थानन की तैयारी में छात्रों की मदद करके सलाहकारों ने सुनिश्चित किया कि नए बैच को शिक्षण और ग्रीष्मकालीन स्थानन के लिए बेहतर रूप से तैयार किया गया है।

मार्गदर्शन कार्यक्रम के अलावा, मार्गदर्शन प्रकोष्ठ ने स्थानन और इंटर्नशिप से संबंधित विभिन्न कार्यशालाओं और सत्रों का आयोजन किया। इस साल, बड़ी बहन / भाई कार्यक्रम के रूप में प्रयास के बच्चों के लिए इक्कीस सलाहकार आवंटित किए गए थे। जिन्होंने अपनी शारीरिक विकलांगताओं के बावजूद भी जीवन में उत्कृष्टता हासिल की उन आईआईएमए युवा प्रतिद्वंद्वियों को सम्मानित करने के लिए युवा सफल व्यक्तियों की बैठक का आयोजन किया गया। स्वस्थ परिसर पहल सत्रों का भी आयोजन किया गया। पहले साल के अधिकांश छात्रों को अपने मार्गदर्शकों का शानदार अनुभव रहने के कारण मार्गदर्शक बनने के लिए प्रेरित किया गया और यह उनके अनुगामी छात्रों को प्राप्त मार्गदर्शन वापस देने का भी समय था।

भोजनालय समिति

शिक्षक दिवस के रात्रिभोज से शुरुआत की गई जिसमें 600 लोग शामिल हुए थे तब से लेकर भोजनालय समिति ने रात्रिभोजों के आयोजनों में एक बड़ी सफलता हासिल की है। छात्रों द्वारा एकत्रित निधि से आईआईएमए सहायक स्टाफ के लिए रात्रिभोज जॉय ऑफ़ गिविंग डिनर आयोजित करने में मदद मिली, नव वर्ष पूर्व संध्या रात्रिभोज जिसमें 750 से अधिक छात्रों ने भाग लिया था इस आयोजन को छात्र समुदाय से काफी प्रशंसा मिली।

लोगों में भोजन को बर्बाद न करने के महत्व को संवेदनशील बनाने और उसके लिए उनमें जिम्मेदारी की भावना पैदा करने के लिए शून्य भोजन अपव्यय अभियान भी शुरूआत की गई है। बुनियादी रसोई कला नाम से भोजनालय स्टाफ की सहायता से बुनियादी खाना पकाने की कक्षाएँ भी आयोजित की गईं।

परिसर में विभिन्न खाद्य स्टॉलों की गुणवत्ता को अत्यंत महत्व दिया गया और नियमित गुणवत्ता जाँच द्वारा भोजन के गुणवत्ता मानकों को बनाए रखा जा रहा है।

संगीत क्लब

ऐसा क्लब जहाँ हाई वे से लेकर हेल जैसी फ़िल्मों के रूप में आप स्वर्ग की सीढ़ी पार गए हों ऐसा महसूस कराता है। ऐसा क्लब जहाँ आप अपनी डेविल वुमन के लिए फ़ी फॉलिन या ओल समबडी देट आई यूज़्ड टू नो को जान एवं गा सकते हैं।

जब खूबसूरत लाल ईंट का परिसर अपनी प्रणाली में लीक से हटता है तब आधी रात को छात्रावास नंबर 5 के तहखाने में खचाखच भीड़ लगना शुरू होती है बैच में से कुछ प्रतिभाशाली लोग परिसर में मधुर संगीत बनाने में उनका सबसे अधिक उत्पादक समय व्यतीत करने के लिए इकट्ठा होते हैं।

इतने वर्षों में, इस क्लब ने लोगों को इस तरह तैयार किया है कि वे जैगर की तरह आगे आ सके, रैम्प पर आग लगा दें, गिटार बजाने में कमाल दिखा सकें और गंभीर स्वर में गा सके, बास पर प्रश्न लगा दें।

निशे

निशे विपणन क्लब ने प्रारम्भ प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए ब्रांड प्रश्नोतरी के साथ इस वर्ष की यात्रा शुरू की। प्रारम्भ के जिन नए छात्रों ने ब्रांड्स पर अस्पष्ट सामान्य ज्ञान का उत्तर देने में खुद को बचा लिया उनसे अनगिनत सहभागिता की। निशे ने सदा प्रतिस्पर्धी और मजेदार इंटरसेक्शन विपणन प्रतियोगिता चक्रव्यूह का आयोजन किया जिसमें ब्रांड शब्द पहेलियाँ और एडमेड (विज्ञापन निर्माण) जैसे कार्यक्रमों ने नए छात्रों को उसके प्रति दीवानेपन को बाहर लाने का मौका प्रदान किया।

निशे ने विपणन में कैरियर पर प्रोफेसर अरविंद सहाय के वक्तव्य का उत्साहपूर्वक आयोजन किया। इस दौरान अत्यधिक सफल कंपनियों से विपणन में शीर्ष प्रबंधकों और अग्रणियों ने अपने अनुभवों को साझा किया निशे ने पीजीपी1 के लिए मार्केटिंग फैनटिक्स मार्गदर्शन कार्यक्रम की भी शुरुआत की ताकि उन्हें ग्रीष्मकालीन स्थानन के लिए बेहतर तरीके से तैयार किया जा सके। मार्केटिंग डीमिस्टिफाइड, विपणन से संबंधित शब्दों को समझाने वाले ईमेलों की एक श्रृंखला एक नई गतिविधि थी, जिससे छात्रों को विपणन में बड़ा फायदा मिला।

निशे ने वर्ष भर कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। केस प्रतियोगिता के लिए पैनासोनिक के साथ की गई साझेदारी बहुत सफल रही है और पूरे भारत में 100 से अधिक कॉलेजों ने इसमें भाग लिया। निशे ने विज्ञापन निर्माण व विज्ञापन रणनीति समारोह एड्मेनिया (विज्ञापन उन्माद) के आयोजन के लिए इनसाइट के साथ भागीदारी की जिसने देश भर के कॉलेजों से बड़ी संख्या में छात्रों को आकर्षित किया था। इस क्लब ने 'बियोंड द केस' का आयोजन करने के लिए कॉफ्लुअंस के साथ भागीदारी की इस वर्ष की आखिरी प्रतियोगिता एक ऑनलाइन ब्रांड क्विज़ 'मार्कोहिज़' थी। सभी समारोहों में देखी जाने वाली इस क्लब की ऊर्जा से क्लब की गतिशीलता और ताकत की गवाही मिलती है।

ऑप्टिमा

ऑप्टिमा संचालन क्लब ने हमेशा की तरह सामान्य शैक्षणिक और स्थानन तैयारी की गतिविधियों के अलावा कई अन्य गतिविधियों का आयोजन किया।

अमूल के औद्योगिक दौरे में भाग लेने वालों को भारत की सबसे मशहूर कंपनियों में से एक के परिचालनों को समझने का अवसर मिला। अन्य आकर्षण में श्री गणेशमूर्ति और श्री राम कुप्पुस्वामी क्रमशः पूर्व छात्र और ई-कॉमर्स तथा आपूर्ति श्रृंखला क्षेत्र में सम्मानित नाम के साथ वक्ता सत्र आयोजित किए गए। वक्ताओं ने परिचालन व्यवसायियों के जीवन के विशेष क्षेत्र में दिए जाने वाले पदों, भारत में उपलब्ध दिलचस्प अवसर, संचालन व्यवसायियों के विकास पथ और भारतीय रेलवे, एचपी, एक्सा, नोकिया, एटीके तथा एयरटेल के साथ काम करने के उनके अनुभवों के बारे में बात की। परिसर में ग्रीष्मकालीन और अंतिम स्थानन के दौरान संचालन संबंधी पदों के चयन करने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि देखी गई है।

पैनेसिया

पैनेसिया स्वास्थ्य सेवा क्लब के, आईआईएमए समुदाय में एक स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने और छात्रों को स्वास्थ्य सेवा उद्योग से जुड़ने में मदद करने के लिए मंच प्रदान करने के दोहरे उद्देश्य हैं। क्लब ने फार्मा उद्योग के अग्रणियों के साथ स्पीकर सत्रों का आयोजन किया। परिसर में स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने के लिए, क्लब ने रक्तदान शिविर और तीन चिकित्सा जाँचों का आयोजन किया।

परिप्रेक्ष्य (पर्स्पेक्टिव)

पर्स्पेक्टिव - फोटोग्राफी क्लब, फोटोग्राफी के प्रति उत्साही लोगों के लिए एक मंच है। पर्स्पेक्टिव ने अपने फोटोग्राफी कौशलों और तकनीकों में सुधार के इच्छुक सभी शौकिनों के लिए विभिन्न कार्यशालाओं और फोटो दौरों का आयोजन किया। कैओस में फोटोरेस जैसी जीवंत फोटोग्राफी प्रतियोगिताओं का आयोजन करना और परिसर में मौजूद सभी छात्र निकायों के फोटोशूट आयोजित करने जैसी अन्य पहलें क्लब ने की थी।

स्थानन समिति

यह वर्ष स्थानन समिति के लिए एक रोमांचक रहा क्योंकि स्थानन प्रक्रिया में सुधार से संबंधित कई लंबे अरसे से चले आ रहे विचारों को अंत में सफलता मिली। शुरू से अंत तक ग्रीष्मकालीन स्थानन की प्रक्रिया लगभग चार महीने तक चली। पीजीपी2 छात्रों के लिए पार्श्विक स्थानन की प्रक्रिया 2016 की शुरुआत में शुरू हुई थी

और लगभग एक महीने तक चली थी। साल भर सिर्फ 100 प्रतिशत स्थानन सुनिश्चित करने पर ही जोर नहीं था, बल्कि कैरियर में छात्रों की 100 प्रतिशत योग्यता को सुनिश्चित करने पर भी था।

प्रकृति

क्लब की स्थापना इस उद्देश्य के साथ की गई ताकि समुदाय को परिसर की वनस्पतियों और जीवों की सराहना करने में सक्षम बनाया जाए और ऊर्जा संरक्षण की आवश्यकता पर समुदाय को संवेदनशील बनाया जाए। क्लब ने विमवियान ग्रीन प्रश्नोत्तरी, अपने परिसर को जानो, दो बार कपड़े एकत्रीकरण अभियान का आयोजन किया और संबंधित जागरूकता निर्माण पोस्टर अभियानों, प्रकृति फोटोग्राफी प्रतियोगिता, पक्षी यात्रा श्रृंखला और सर्वाधिक प्रशंसा प्राप्त ऐनर्जी वॉर ऊर्जा युद्धों का आयोजन किया। ऊर्जा युद्ध एक अनोखा कार्यक्रम था जिसमें प्रत्येक छात्रावास में दूसरों के खिलाफ शर्त रख दी गई थी और कम से कम ऊर्जा खपत वाले छात्रावास को विजेता घोषित किया गया था। प्रत्येक विजेता, हेरिटेज परिसर से एक और नए परिसर से एक को, हरक्यूलिस साइकिल पुरस्कार के रूप में मिली, जो क्लब के उद्देश्यों के अनुरूप था।

प्रयास

सामाजिक पहल ने परिसर के पास रहने वाले वंचितों के बच्चों की संख्या 72 से 112 तक बढ़ाई। प्रयास ने 'जोय ऑफ गिविंग' सप्ताह उत्सव और डॉ. अरविंद गुप्ता के एक सत्र के साथ अपने काम की शुरुआत की। बच्चों से उनकी इच्छाएँ लिखवाई गईं और इन्हें इकट्ठा और समेकित किया गया और आईआईएमए समुदाय के साथ साझा किया गया।

इटली के विनिमय छात्रों ने प्रयास के लिए धन जुटाने के उद्देश्य से एक इटालियन व्यंजनो के रात्रिभोज का आयोजन किया। प्रति प्लेट 350 रुपए की कीमत पर समुदाय के सदस्यों को कुछ विशुद्ध इटालियन व्यंजनों का स्वाद लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। फाइन आर्ट्स क्लब के सहयोग से, प्रयास ने बच्चों के लिए एक ड्राइंग प्रतियोगिता की व्यवस्था की। इसका विषय था अपना घर छोड़ने के बाद आप क्या देखना चाहते हैं।

प्रयास क्लब ने फिनेस क्लब के सहयोग से एक विशेष राखी बनाने की कार्यशाला आयोजित की। अगस्त के महिने में आयोजित इस कार्यशाला के दौरान, लड़कियों ने अपने भाइयों के लिए कागज से राखी बनाई, जबकि लड़कों ने अपनी बहनों के लिए ग्रीटिंग कार्ड बनाए। लगभग 50 बच्चों ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के भाग के रूप प्रदर्शन किया। यह वर्ष वास्तव में प्रयास के बच्चों के लिए एक यादगार वर्ष रहा।

सार्वजनिक नीति

सार्वजनिक नीति क्लब का उद्देश्य नीति क्षेत्र में छात्रों के कैरियर को बढ़ावा देना और नीति पर बहस को सुगम बनाना रहा है।

क्लब ने चल रहे नीतिगत मुद्दों पर कई सत्र आयोजित किए, जिन्हें आईआईएमए समुदाय के लिए खुला रखा गया था। एक खुली चर्चा के बाद सत्रों के प्रारूप में दो क्लब सदस्यों द्वारा एक पूर्व-चयनित विषय पर एक प्रस्तुति शामिल थी। क्लब ने प्रस्तावित आईआईएम विधेयक पर और, एक संगठित नागरिक संहिता की आवश्यकता, जीएसटी विधेयक और भूमि अधिग्रहण कानून की आवश्यकता पर सफलतापूर्वक सत्रों का आयोजन किया। इन्हीं विषयों पर एक निबंध लेखन प्रतियोगिता के बाद सत्रों का आयोजन किया गया। क्लब ने निशे के सहयोग से उपभोक्ता संरक्षण कानून के एक सत्र के माध्यम से स्थानन के लिए छात्रों की तैयारी में सहायता प्रदान की।

क्लब ने डॉ. रघुराम राजन (गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक), श्री हर्षवर्धन मोदी (प्रमुख अधिकारी, आरटीओ अहमदाबाद), प्रोफेसर टी.टी. राम मोहन (मौद्रिक नीति विषय पर), प्रोफेसर हर्ष मंदर (सांप्रदायिक हिंसा पर), और प्रोफेसर सेबस्टियन मॉरिस और अनुराग अग्रवाल (भारतीय संविधान पर) के अतिथि वक्ता सत्रों का भी आयोजन किया।

आरटीईआरसी

शिक्षा का अधिकार संसाधन केंद्र (आरटीईआरसी) आज की मौजूदा शैक्षणिक असमानताओं को ठीक करने का एक प्रयास है। प्रोफेसर अंकुर सरीन और आशीष रंजन (पीजीपी 2012-2014) ने इस कल्याण कार्य के लिए पूरे समय काम करने का फैसला किया है। आज की मुख्य टीम में अनुसंधान सहयोगी, इंटर्न और स्वयंसेवकों को शामिल किया गया है। छात्र दल मुख्य टीम के साथ और देश भर से अन्य परिसरों के स्वयंसेवकों के साथ मिलकर काम करता है। टीम ने आरटीई अधिनियम की धारा 12 (1) (सी) और सरकारी स्कूलों में स्कूल प्रबंधन समितियों के कामकाज के कार्यान्वयन के लिए प्रचार अभियान जैसी गतिविधियों में सक्रिय रूप से योगदान दिया है। टीम ने नीति कार्यान्वयन पर एक शीतकालीन स्कूल भी आयोजित किया, जिसमें अध्यापनविदों, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, मीडिया कर्मियों और देश भर के करीब 80 छात्रों की प्रतिभागिता देखी गई। इग्नाइट; शैक्षिक पहल केंद्र द्वारा कॉन्फ्लुअन्स के दौरान आयोजित होने वाले एक कार्यक्रम में देश भर के परिसरों की अच्छी भागीदारी देखी गई। शिक्षा स्थल पर स्थायी प्रभाव बनाने के एक अवसर के रूप में आरटीई संसाधन केंद्र को देखा जाता है।

स्माइल

संस्थान ने सामुदायिक सेवा सहायता कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में, वाघ बकरी चाय समूह और अहमदाबाद नगर निगम के साथ मिलकर वस्त्रापुर और उसके आसपास रहने वाले वंचित छात्रों के लाभ के लिए ज्ञान शक्ति मार्ग पुल के नीचे स्माइल एसएमआईएलई (विशिष्ट पढ़ाई के लिए छात्र मध्यस्थता पहल) एक अनुपूरक शिक्षा / संसाधन केंद्र स्थापित किया है। कक्षा 9, 10, 11 और 12 (विज्ञान, कला और वाणिज्य) के छात्रों के लिए कक्षाएँ आयोजित की जाती हैं। यह केन्द्र निम्नलिखित सुविधाएँ प्रदान करता है वातानुकूलित कक्षाएँ, एक पूर्णतः कार्यात्मक पुस्तकालय, गतिविधि कक्ष, खेल, पानी के कूलर, शौचालय आदि। केन्द्र छात्रों और बीच में ही पाठशाला छोड़ने वालों को व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए प्रेरित करने के बारे में योजना बना रहा है।

स्माइल में की जा रही सभी गतिविधियों को छात्र स्वयंसेवकों द्वारा प्रबंधित किया जाता है। इसकी बढ़ती लोकप्रियता के साथ बाहरी स्वयंसेवकों ने भी केन्द्र में अध्यापन करना शुरू कर दिया है।

छात्र स्वयंसेवकों के साथ एक सौहार्दपूर्ण संबंध साझा करते हैं। उनमें समुदाय के अपने होने की ही भावना रहती है जो स्माइल केंद्र का जूनून है। नियमित शिक्षण सत्रों के अलावा, स्वयंसेवको को कक्षाओं के बाद छात्रों के साथ संवाद करते, साथ मिलकर चाय-नाश्ता करते, उनके मौहल्ले की मुलाकात करते और कभी-कभी उनके घरों की अचानक मुलाकात करते देखा जा सकता है।

खेल समिति

खेल समिति आईआईएमए समुदाय में नियमित रूप से खेलों का आयोजन करने के लिए जिम्मेदार है। यह वर्ष यलगार के साथ शुरू हुआ, जिसमें नए भर्ती हुए छात्रों को अपने वरिष्ठ सदस्यों को सभी खेलों में कठिन मुकाबला करते देखा गया। इसके बाद अक्टूबर में शौर्य का आयोजन किया गया जिसमें दिल्ली और इंदौर तक के दूरस्थ संस्थानों के छात्रों ने तीन दिन तक चलने वाले इस खेल आयोजन में भाग लिया। इसमें एक अच्छे अंतर से संस्थान समग्र विजेता के रूप में उभरा।

केक पर चेरी की तरह समिति का अंतिम आयोजन संघर्ष था। आईआईएम ए, बी, सी और एल ने प्रमुख अंतरआईआईएम टूर्नामेंट के लिए ट्रॉफी पर कब्जा करने के लिए आपस में कड़े मुकाबले किए। संस्थान में पूरे वर्ष के दौरान इस कार्यक्रम में एक बहुत ही उत्सवी और आनंद उल्लास का माहौल देखा गया। अंत में, तैयारी के दो महीनों के बाद जनवरी में परिणाम मिला, जब आईआईएम अहमदाबाद ने ट्रॉफी पर जीत बनाए रखने में कामयाबी पाई, लगातार तीसरे साल इस टूर्नामेंट को जीत लिया। हमारे कबड्डी खिलाड़ियों के साथ साथ संकायों को भी प्रसारण में दिखाकर स्टार स्पोर्ट्स ने प्रायोजकता से प्रसारण किया वह एक और बोनस था। ट्रॉफी जीतने के बाद, सभी टुकड़ियों ने भी परिसर के चारों ओर एक बहुत ही उल्लासपूर्वक जीत पर जुलूस निकाल कर खुशी जताई।

स्टारगेजर्स

स्टारगेजर्स - सितारें अवलोकन कर्ताओं की टीम, खगोल विज्ञान को बढ़ावा देने और ब्रह्माण्ड विज्ञान, विज्ञान कथा, अंतरिक्ष तकनीक, भौतिकी और दर्शन पर आधारित नवीन और रोमांचक घटनाओं का आयोजन करने वाला एक विशेष हित समूह है। पिछले वर्ष इस समूह द्वारा आयोजित प्रमुख आयोजनों में निम्नलिखित शामिल हैं। :-

- **रात्रि आकाश दर्शन सत्र**: सितारों, नेबुला, ग्रहों और परिसर से दिखाई देने वाली अन्य आकाशीय वस्तुओं के बारे में अतिरिक्त जानकारी के साथ यह एक शानदार सत्र रहा। यह सत्र श्री डी. श्रीनिवासन जो सशस्त्र बल कार्यक्रम से हैं उनके द्वारा दिया गया था, जो पिछले 20 वर्षों से खगोल विज्ञान के शौकीन और उत्साही रहे हैं।
- **चंद्र अवलोकन सत्र**: सुपरमून चंद्र ग्रहण की घटना का अवलोकन करने के लिए और चन्द्रमा को उनकी पूर्ण भव्यता में अवलोकित करने ने लिए दूरबीन के साथ एक व्यावहारिक एवं क्रियाशील सत्र आयोजित किया गया।
- **फिल्म प्रसारण - अपोलो 13**: वास्तविक घटनाओं पर आधारित एक क्लासिक फिल्म दिखाई गई। इस फिल्म में अपोलो 13 के चालक दल को चन्द्र तक जाने के रास्ते में अवकाश यात्रा के दौरान जो अनिश्चितताओं ओर कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था उसकी जानकारी दी गई।
- **स्टार पहेली:** खगोल विज्ञान के दिलचस्प सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं का परीक्षण करने के लिए स्टारगेज़र्स द्वारा वार्षिक खगोल विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई।

महिला नेतृत्व सोसायटी

महिला नेतृत्व सोसायटी ऐसे विशिष्टों का एक समूह है जो कॉर्पोरेट क्षेत्र में नेतृत्व की भूमिका निभाने में महिलाओं का समर्थन करने का प्रयास करते हैं। वर्ष के दौरान स्पीकर सत्र, पैनल चर्चाओं और प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला आयोजित की गई। विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध लोगों ने आकर इस बारे में छात्रों को शिक्षित किया।

8 मार्च को महिला दिवस पर राजनीति में महिलाएं पर एक पैनल चर्चा के साथ वर्ष की शुरुआत हुई। इलोक्स के साथ साझेदारी में, 'कैन वीमेन हेव इट ऑल' विषय पर एक आकर्षक चर्चा आयोजित की गई थी। इसमें छात्र समुदाय से भागीदारी देखी गई और इसे असाधारण रूप से सराहा गया।

माहवारी के बारे में लड़कियों को शिक्षित करने के लिए की गई एक पहल मेन्स्ट्रुपीडीया की संस्थापक अदिति गुप्ता को अपने उद्यमशीलता के अनुभव के बारे में वार्ता करने, अपने उद्यम को शुरू करने और विपणन करने के दौरान जिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था और जिस जूनून से उन्होंने हर बाधा का सामना किया उन सभी बातों को साझा कर ने लिए आमंत्रित किया गया था। सेवा सहायता कार्यक्रम के हिस्से के रूप में पिन्काथॉन के लिए एक प्रचार अभियान भी आयोजित किया गया था। गुजरात सरकार की पहल महिला सशक्तिकरण पखवाड़ा के भाग हिस्से के रूप में, 200 लड़कियों को परिसर का दौरा कराया गया ताकि उन्हें कड़ी मेहनत करने और प्रतिष्ठित संस्थान में शामिल होने के लिए प्रेरित किया जा सके।

कॉन्फ्लुअन्स के दौरान 27 नवम्बर को डब्लूएलएस, महिला नेतृत्व शिखर सम्मेलन का प्रमुख कार्यक्रम, 'चेंजिंग टाइम्स' आयोजित किया गया। इसमें सुश्री लक्ष्मी चार, जो याहू के ग्लोबल बिजनेस सॉल्यूशंस में वरिष्ठ निदेशक थीं, डॉ. निमीता लिमये, जो टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में वी.पी. के रूप में कार्यरत हैं, श्री नीतीन पारेख, जो कैडिला हेल्थकेयर के मुख्य वित्तीय अधिकारी हैं और डॉ. कल्पना गोपालन, जो भारतीय प्रशासनिक सेवा में कार्यरत हैं और भूमि प्रशासन, शहरी प्रबंधन, ग्रामीण विकास और शिक्षा में बड़े पैमाने पर काम किया है उन जैसे अग्रणियों के साथ प्रेरक बातचीत हुई।

विक्रम साराभाई पुस्तकालय

विक्रम साराभाई पुस्तकालय, सेवाओं की विस्तृत श्रृंखलाओं के माध्यम से सूचनाओं को सर्वाधिक विस्तृत संभव पहुँच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और उसके द्वारा प्रस्तुत सेवाओं की श्रेणी में यह प्रतिबद्धता दिखाई देती है। इसकी वेबसाइट http://www.iima.ac.in/library/ विभिन्न ऑनलाइन डेटाबेसों के साथ जुड़ी हुई है, जो इस संस्थान के और पुस्तकालय के भीतर नेटवर्क किए हुए किसी भी कम्प्यूटर से उपलब्ध है। वीएसएल ने हाल ही में अपने संसाधनों तक पहुँचने के लिए एक एंड्रॉइड ऐप शुरूकी है। यह पुस्तकालय, दोनों (मुद्रित व अमुद्रित) प्रकार की सामग्रियों के संग्रह एवं इलैक्ट्रॉनिक संसाधनों के चयन, प्राप्ति, संगठन, संरक्षण, आरक्षित, रखरखाव करने में तथा इन तक की पहुँच को सुगम बनाने के अपने प्रयासों को पूरा करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ता है, जो सदस्यों की अभिरुचियों और आवश्यकताओं को पूरा करते है।

संसाधन

विवरण	वर्ष 2015-16 के दौरान जोड़ी गई मदों की संख्या	31.03.2016 को मदों की संख्या
पुस्तकें	2755	1,91,875
पत्रिकाओं के जिल्दबंद भाग	991	45,389
आधार पत्र	91	2541
शोधप्रबंध	14	315
परियोजना प्रतिवेदन	88	2,058
शैक्षणिक वीडियो कैसेट	-	128
सीडी / डीवीडी	130	2446
मँगाए जाने वाले जर्नल्स की वर्तमान सदस्यता	264	2363
समाचार पत्र	-	30
वापस ली गई पुस्तकें	-	2000

ई-संसाधन

पुस्तकालय के पास नवीनतम जानकारी प्रदान करने के लिए अनेक कंपनियों और उद्योगों के डेटाबेस, ग्रंथसूची संबंधी डेटाबेस और ई-जर्नल्स मँगाने के लिए उपभोक्ता सदस्यता है।

कंपनी और देश के डेटाबेस

एसीई नॉलेज एंड रिसर्च पोर्टल, एसीई इक्विटी, एसीई म्युचुअल फंड, बैंकस्कोप, ब्लूमबर्ग कैपिटलाइन, सीएमआईई कैपएक्स, कमोडिटीज, कॉम्प्युस्टाट उत्तरी अमेरिका यूनि., इकोनॉमिक आउटलुक, इंडस्ट्री आउटलुक, इंडिया ट्रेड, प्रोवेस, प्रोवेस डीएक्स एंड स्टेट्स ऑफ इंडिया, क्रिसिल रीसर्च, डेटास्ट्रीम (दुनिया के स्कोप को शामिल करते हुए) डियोन इनसाइट, भारत का जिला जीडीपी, डीएसआई डेटा सर्विस एंड इंफॉर्मेशन, ईपीडब्ल्यूआरएफ इंडिया टाइम सीरीज़, ईपीडब्ल्यूआरएफ इकोनॉमिक एंड मार्केट रिव्यू और रिसर्च, यूरोमिनीटर पासपोर्ट, फ्रॉस्ट एंड सुलिवन ग्रोथ पार्टनरशिप सर्विसेज, गार्टनर, इंडियास्टेटडॉटकॉम, इंडियन बोर्ड, इन्फ्रालाइन कोयला सेक्टर, ऑयल एंड गैस सेक्टर एंडपावर सेक्टर, आईएसआई इमर्जिंग मार्केट्सएशिया, मार्केटलाइन एडवांटेज, एमआईसीए इंडियन मार्केटिंग इंटेलिजेंस, नास्कॉम सदस्य डायरेक्ट्री, थॉमसन रॉयटर्स इयकॉन, वेंचर इंटेलिजेंस प्राइवेट इक्विटी डील डेटाबेस, एम एंड ए डील डेटाबेस एंव रियल एस्टेट डील डेटाबेस, और डब्लूएआरसी डेटाबेस।

ई-जर्नल डेटाबेस

एबीआई / इन्फॉर्म कंप्लीट, एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी, ईबीएससीओ एकेडेमिक सर्च कंप्लीट, बिजनेस सोर्स कंप्लीट, इकॉनलिट, उद्यमी स्टडीज़ सोर्स, साइकआर्टिकल्स, एमराल्ड इनसाइट, आईईईई एक्सप्लोर, आईजीआई ग्लोबल, इंडियन जर्नल्स.कॉम, इनफ़ॉर्म्स पब्सओनलाइन, जेएसटीओआर, स्प्रिंगर लिंक, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, प्रोजेक्ट एमयूएसई, सेज जर्नल्स, साइंस डिरेक्ट (एल्सविअर), टेलर एंड फ्रांसिस ऑनलाइन और विले ऑनलाइन लाइब्रेरी।

ई-पुस्तकों के डेटाबेस

ईब्रेरी, बिजनेस एक्सपर्ट प्रेस ईबुक, ओईसीडी आईलाइब्रेरी (शिक्षा), ओईसीडी (कृषि और खाद्य), टेलर एंड फ्रांसिस ई-पुस्तकें, और विश्व बैंक की ई-पुस्तकालय।

अनुसंधान समर्थन उपकरण / डेटाबेस

ग्रामरली, वेब ऑफ़ सायन्स (प्रशस्ति पत्र सूचकांक 1999 से

2006 एवं 2015), आमंत्रित आधारपत्र,प्रोक्वेस्ट डिसर्टेशन एवं शोधप्रबंध के पूर्ण पाठ द ह्युमनिटीज़ एंड सोशल साइंसिस कलेक्शन, सेज रीसर्च मैथड्स ऑनलाइन, स्किवल फंडिंग तथा स्कोपस।

समाचार पत्र तथा पत्रिकाओं के डेटाबेस

द-इकोनोमिस्ट (सन् 1997 से), एफटी डॉट कॉम, एफटी आर्काइव (1888-2010), इंडिया बिजनेस इनसाइट एंड प्रेस डिस्प्ले, न्यूयॉर्क टाइम्स, वॉल स्ट्रीट जर्नल, और प्रॉक्वेस्ट टाइम्स ऑफ इंडिया आर्काइव (1888-2010 से)।

विधिक डेटाबेस

एआईआर क्रिमिनल विधि, एआईआर उच्च न्यायालय, एआईआर प्रिवी काउंसिल, एआईआर सुप्रीम कोर्ट, लेक्सिसनेक्सिस अकादमिक, क्लुवर आर्बिट्रेशन विधि और वेस्ट विधि (भारतीय विधि सहित) ।

अन्य डेटाबेस

ग्लोबल डेवलपमेंट फ़िनांस, ग्लोबल इकोनोमिक मॉनिटर, ब्रिटानिका विश्वकोश, आईएमएफ़ डेटा, ओपन नॉलेज रिपॉज़िटरी, पावर लिंगो एफ़एक्स25, विश्व बैंक के आंकड़े, और विश्व विकास संकेतक।

डेटा सेट

सेन्सस ऑफ़ इंडिया, आईएमएस एंटीटीबी डेटा, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज डेटा, सरफ़ेस डेटा, सीडीपी ग्लोबल डेटासेट, एएसआई यूनिट लेवल डेटा, एनएसई सीएम एंड एफ़एंडओ, एनएसएस डेट ा, तथा 10 स्टेशनों के लिए इंडिया डेली सरफेस डेटा।

विशेष खोज उपकरण

आंतरिक उपयोगकर्ताओं के लिए ईबीएससीओ डिस्कवरी, ईबीएससीओ एजेड और रिमोट लॉग इन।

सेवाएँ

- संचलन
- पठन सुविधा
- ईमेल चेतावनी सेवा
- संदर्भ और सूचना
- स्कैनिंग
- डेटाबेस खोज सेवा
- दस्तावेज वितरण
- अंतर-पुस्तकालयी ऋण
- फोटोकॉपी
- अनुक्रमण और ग्रंथ सूची
- सारांशकरण
- उन्मुखीकरण कार्यक्रम
- सूचना साक्षरता कार्यक्रम
- ऑनलाइन सार्वजनिक सुविधा कैटलॉग
- वर्तमान जागरूकता सेवा
- अनुसंधान सहायता

प्रकाशन

यह पुस्तकालय वर्ष 1998 से दो त्रैमासिक सूचना बुलेटिन प्रकाशित कर रहा है

- प्रबंधन में वर्तमान विषयवस्तु: विपणन
- प्रबंधन के वर्तमान सूचकांक: विपणन।

पुस्तकालय ने शोधकर्ताओं को व्यवसाय / प्रबंधन संबंधित अनुसंधान की सहायता / सुविधा के लिए निकमैन (राष्ट्रीय प्रबंध सूचना केन्द्र) की सदस्यता देना शुरू किया है।

कल्याण गतिविधियाँ

कर्मचारियों की वार्षिक स्वास्थ्य जाँच

कल्याण समिति द्वारा संस्थान के स्थायी कर्मचारियों (35 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष और महिला दोनों कर्मचारियों) की सामान्य स्वास्थ्य जाँच का आयोजन अप्रैल से जुलाई 2015 के दौरान कोलंबिया एशिया अस्पताल, अहमदाबाद में किया गया। इस गतिविधि से कुल 316 कर्मचारी और उनके पति/पत्नी लाभान्वित हुए।

आईआईएमए समुदाय के बच्चों के लिए उच्च शिक्षा ऋण

कल्याण समिति कर्मचारियों के बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए 10 मासिक किस्तों में वसूलने योग्य ब्याज मुक्त शिक्षा ऋण प्रदान करती है। समिति ने हाल ही में यह राशि 50,000 रुपये से बढ़ाकर 75,000 रुपये कर दी है। इस वर्ष, समुदाय के चार बच्चों को शिक्षा ऋण योजना से लाभ मिला।

गुजराती नव वर्ष समारोह

हर साल, कल्याण समिति गुजराती नव वर्ष मनाने के लिए स्नेह मिलन समारोह का आयोजन करती है। 20 नवंबर को, गुजराती नव वर्ष का स्वागत दीप मालाएँ जलाकर, फूलों की सजावट, आतिशबाजी करके और मिठाई के पैकेटों का वितरण करके किया गया। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों ने कर्मचारियों और उनके परिवारों को नववर्ष की बधाई दी।

आईआईएमए समुदाय के बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन कक्षाएँ

1 मई से 30 मई, 2015 के दौरान कल्याण समिति ने आईआईएमए समुदाय के बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन की कक्षाओं का आयोजन किया जिसमें बॉलीवुड नृत्य, आर्ट पॉइंट, और आर्ट एवं स्टॉन कला जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। समिति ने सामुदायिक बच्चों को एएमए और वीएएससीएससी में आयोजित ग्रीष्मकालीन कक्षाओं में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया और इन कक्षाओं में भाग लेने वाले बच्चों को 500 रुपये प्रति बच्चे के हिसाब से प्रतिपूर्ति की।

संस्थान दिवस समारोह

संस्थान के स्थापना दिवस को मनाने के लिए, हर वर्ष 11 दिसंबर को समारोह मनाया जाता है। इस समारोह के दौरान, निदेशक द्वारा मेधावी बच्चों को और कर्मचारियों को उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इस वर्ष नकद पुरस्कार की रकम बढ़ाई गई और 47 पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर आईआईएमए समुदाय के बच्चों, कर्मचारियों और संस्थान के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया था।

प्रोफेसर बी.एच. जाजू कल्याण समिति चिकित्सा योजना

इस वर्ष के दौरान, संस्थान के सेवानिवृत्त कार्मिक सदस्यों के लिए प्रोफेसर बी.एच. जाजू कल्याण समिति चिकित्सा योजना के तहत संस्थान से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को 2,50,000/रूपए की धनराशि वितरित की गई।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

समिति ने 8 मार्च, 2016 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। सभी 178 महिला कर्मचारियों को मिठाई के पैकेट बाँटकर और गुलाब देकर समारोह मनाया गया था। समिति ने सभी स्थायी महिला कर्मचारियों के लिए निदेशक, डीन और मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के साथ विशेष भोजन का भी आयोजन किया था।

महिला कर्मियों के लिए एक आधे दिन का कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें सुश्री विजयालक्ष्मी चारी द्वारा कहानी कथन पर एक अतिथि व्याख्यान था और प्रोफेसर निहारिका वोहरा द्वारा भावनात्मक ज्ञान पर एक सत्र भी रखा गया था।

भूतपूर्व-कर्मचारी मिलन

समिति ने 9 दिसंबर, 2015 को भूतपूर्व कर्मचारियों के मिलन का आयोजन किया था, जिसमें 86 सेवानिवृत्त कर्मचारी उपस्थित रहे और संस्थान के निदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर संवाद किया गया था।

सामान्य जाँच गतिविधियाँ

दाँतों की जाँच

कल्याण समिति ने 24 अगस्त, 2015 को सार्वजनिक स्वास्थ्य दाँत चिकित्सा विभाग, एएमसी, कॉलेज, अहमदाबाद की मदद से एक नि:शुल्क दंत जाँच का आयोजन किया। समुदाय के लगभग 100 सदस्यों ने इस सुविधा का लाभ उठाया।

नेत्र जाँच

कल्याण समिति ने 7 और 8 सितंबर, 2015 को वासन आई केयर की मदद से एक निशुल्क नेत्र जाँच का आयोजन किया था। इस शिविर में 100 से अधिक समुदाय के सदस्यों ने भाग लिया।

कान-नाक-गला जाँच

कल्याण समिति ने 29 अक्टूबर, 2015 को शेल्बी अस्पताल की सहायता से एक निशुल्क कान-नाक-गला जाँच का आयोजन किया। समुदाय के लगभग 90 सदस्यों ने इसका लाभ लिया था।

ईसीजी, ईको, रैंडम रक्त शर्करा, पीएफटी और रक्तचाप जाँच

समिति ने 22 जनवरी 2016 को आईआईएमए समुदाय के लिए एक नि:शुल्क सामान्य स्वास्थ्य जाँच का आयोजन किया। इसमें ईसीजी, ईसीओ/ईको, रैंडम ब्लड शुगर, पीएफटी और रक्तचाप की जाँच शामिल थी जो सीआईएमएस अस्पताल, अहमदाबाद के माध्यम से आयोजित की गई थी। समुदाय के लगभग 135 सदस्यों ने इसका लाभ उठाया था।

आईआईएमए समुदाय के बच्चों के लिए कल्याण गतिविधियाँ

समिति और छात्रों ने 12 फरवरी, 2016 को बच्चों के लिए फुटबॉल सत्रों का आयोजन किया था। इसका मूल उद्देश्य सरल पहलुओं जैसे कि पासिंग, और ड्रिबलिंग सीखना था लेकिन उससे ज्यादा बच्चे फुटबॉल खेलने का आनंद ले रहे थे।

श्रीमती जयंती गिरि की मदद से समिति ने 21 फरवरी 2016 को समुदाय के 10 से 15 साल के सभी बच्चों के लिए एक ऑरिगामी कार्यशाला का आयोजन किया। बच्चों ने अलग-अलग रंगों और आकारों के साथ कागज के नमूने बनाने का आनन्द उठाया। उन्होंने उड़ते पक्षी और तैरती हुई नौकाएँ बनाना सीखा। लगभग 28 बच्चों ने इस कार्यशाला में भाग लिया।

परिशिष्ट

क

प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

क1 पीजीपी में छात्र संख्या

	पीजीपी 1	पीजीपी 2
कार्यक्रम में शामिल हुए	396	393
(-) पढ़ाई रोक दी	2	
(-) 2016 में पुनः शामिल होने के लिए अनुमति दी गई / बोला गया	1	
(+) फिर से जुड़े	3	1
(+) 2015 में फिर से जुड़ने की अनुमति मिली	0	
(+) एफएबीएम प्रथम वर्ष के प्रदर्शन के आधार पर पीजीपी द्वितीय वर्ष में शामिल होने की अनुमति मिली	0	1
प्रथम / द्वितीय वर्ष में छात्र संख्या	**396**	**395**
(-) वापसी के लिए कहा	0	
(-) दोहराने के लिए कहा	0	
(-) शैक्षणिक आवश्यकताओं के अपूर्ण होने के कारण स्नातक नहीं हुए (डबल डिग्री और सामान्य)		9
(-) अकादमिक आवश्यकताओं के अपूर्ण होने के कारण स्नातक नहीं किया गया है		1
(+) पहले वर्ष से स्नातक किया गया		0
(+) छात्रों को डबल डिग्री प्रोग्राम के तहत स्नातक किया गया		18
कुल पदोन्नति / स्नातक उपाधि	**396**	**403**

क2 भाप्रसंअ छात्र विनिमय कार्यक्रम में छात्र संख्या

एकसत्रीय विनिमय कार्यक्रम	
एशिया	
कीओ बिजनेस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, जापान	1
ग्वांगहुआ स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, बीजिंग	2
यूरोप	
कोपेनहेगन बिजनेस स्कूल	4
ईडीएचईसी	5
ईएससीपीईएपी	12
ईएससी तुलूज़	4
ईएसएसईसी	7
एएसईईएससी एमएस, एमआईए (पीजीपी-एबीएम के लिए)	5
यूरोपीय बिजनेस स्कूल (ईबीएस)	2
एचईसी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट	6
आलटो स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन	1
जोंकोपिंग इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल	3
एचएचएल लीपज़िग ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मैनेजमेंट	2
मैनचेस्टर बिजनेस स्कूल	2

एकसत्रीय विनिमय कार्यक्रम	
नार्वेजियन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन	1
फॉर्ज़हेम युनिवर्सिटी ऑफ़ एप्लाइड साइंसेज	5
सोलवे बिजनेस स्कूल	4
स्टॉकहोम स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स	3
बोककोनी विश्वविद्यालय	5
कोलोन विश्वविद्यालय	8
मास्ट्रिच विश्वविद्यालय	5
मैनहेम विश्वविद्यालय	1
सेंट गैलेन विश्वविद्यालय	3
वियना अर्थशास्त्र और व्यवसाय प्रशासन विश्वविद्यालय	2
मुनस्टर बिजनेस और इकोनॉमिक्स स्कूल	5
लूवेन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट	3
कैटोलिका लिस्बन	2
ईएससी क्लर्मोंट	5
ईएससी रेनेस बिजनेस स्कूल	2
वारसॉ स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स	2

परिशिष्ट जारी

क

एकसत्रीय विनिमय कार्यक्रम	
एमिलीन बिजनेस स्कूल	5
आईईएसईजी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट	3
सीईयू बिजनेस स्कूल	3
उत्तरी अमेरिका	
यूसीएलए में एंडरसन स्कूल	
केनान फ्लैग्लर बिजनेसस्कूल	1
टेक्सास विश्वविद्यालय (मैककॉम्ब्स स्कूल ऑफ बिजनेस)	1
वाशिंगटन विश्वविद्यालय (जॉन एम. ओलिन स्कूल ऑफ बिज़नस)	1
फ़्यूक्वा स्कूल ऑफ बिजनेस, ड्यूक विश्वविद्यालय	3
कनाडा	
ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय (पीजीपी-एबीएम के लिए)	2
कुल	**131**
दोहरी उपाधि कार्यक्रम	
ईएसएसईसी	1
बोककोनी विश्वविद्यालय	5
एचईसी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट	3
कुल	**9**

क3 छात्र विनिमय कार्यक्रम में विदेशी छात्र संख्या

विनिमय भागीदार संस्थान का नाम	
एशिया	
एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट	1
एशियाई प्रौद्योगिकी संस्थान	2
अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय जापान	1
कीओ बिजनेस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, कीओ विश्वविद्यालय	1
ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, क्योटो विश्वविद्यालय	2
ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, सेंट पीटर्सबर्ग विश्वविद्यालय	1
ऑस्ट्रेलिया	
ऑस्ट्रेलियाई ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मैनेजमेंट	1
यूरोप	
कोपेनहेगन बिजनेस स्कूल	5
ईडीएचईसी	4
ईएससीपीईएपी	10
ईएससीतुलूज़ सेडेक्स	4
ईएसएसईसी	5
एचईसी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट	5
जोंकोपिंग इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल	1
एचएचएल लीपज़िग ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मैनेजमेंट	2
मैनचेस्टर बिजनेस स्कूल	1
सोलवे बिजनेस स्कूल	4
स्टॉकहोम स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स	3
बोककोनी विश्वविद्यालय	5
कोलोन विश्वविद्यालय	4
मास्ट्रिच विश्वविद्यालय	2
मैनहेम विश्वविद्यालय	2
वियना अर्थशास्त्र और व्यवसाय प्रशासन विश्वविद्यालय	1
मुनस्टर बिजनेस और इकोनॉमिक्स स्कूल	4
कैटोलिका लिस्बन	2
एमिलीन बिजनेस स्कूल	5
आईईएसईजी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट	2
दक्षिण अफ्रीका	
केप टाउन विश्वविद्यालय	1
कुल	**81**
दोहरी उपाधि विनिमय कार्यक्रम	
बोककोनी विश्वविद्यालय	4
एचईसी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट	2
कुल	**6**

क4 छात्रवृत्तियां

उद्योग छात्रवृत्तियां बैच 2014-16 (प्रथम वर्ष)

नाम	छात्रवृत्ति
श्री आयुष अग्रवाल	जैट एज फाइनेंस निजी लिमिटेड
श्री अनुराग अग्रवाल	इनफ़ोसिस
श्री रक्षित अग्रवाल	आईसीआईसीआई
श्री आशय सुभाष शाह	एसबीआई म्युचुअल फंड
श्री प्रीतपाल सिंह	एस.एम.शाह
कु. सैली अनंत राणे	भा.प्र.सं.अ. रजत जयंती/पीजीपी 87 बैच /संकाय स्मारक एवं ओडको एवं भा.प्र.सं.अ.
श्री विनीत गुप्ता	भा.प्र.सं.अ.
श्री नरोत्तम गर्ग	भा.प्र.सं.अ.

परिशिष्ट जारी

क

नाम	छात्रवृत्ति
श्री सुमित कुमार जैसवाल	भा.प्र.सं.अ.
श्री देवम सरदाना	भा.प्र.सं.अ.
श्री सागी पृथ्वी राज	भा.प्र.सं.अ.
श्री जलज जैन	भा.प्र.सं.अ.
श्री सौमित नंदा	भा.प्र.सं.अ.
श्री मितेश्वर सिंह	भा.प्र.सं.अ.

नाम	छात्रवृत्ति
श्री गुंजन शेठ	भा.प्र.सं.अ.
श्री पर्व अग्रवाल	भा.प्र.सं.अ.
श्री रौशन भारती	भा.प्र.सं.अ.
श्री अविरल भटनागर	भा.प्र.सं.अ.
कु. अंकिता मुसद्दी	भा.प्र.सं.अ.
श्री अर्श वीर गुप्ता	भा.प्र.सं.अ.

उद्योग छात्रवृत्तियां बैच 2014-16 (द्वितीय वर्ष)

नाम	छात्रवृत्ति
श्री आशय सुभाष शाह	श्रीमती शारदा भंडारी एवं श्री पी.के. रथ
श्री आयुष अग्रवाल	अजय बंगा उद्योग छात्रवृत्ति
श्री सुमीत कुमार जायसवाल	रीतू बंगा उद्योग छात्रवृत्ति
कु. सैली अनंत राणे	आलोक मिश्र छात्रवृत्ति
कु. आस्था मनाक्काला	जैट एज सिक्युरिटीज निजी लिमिटेड
श्री सौमित नंदा	आईएफसी आई लिमिटेड
कु. अवनि धमीजा	आईएफसी आई लिमिटेड
श्री रोशन भारती	एस.एम. शाह
श्री अनुराग अग्रवाल	मोनसेंटो एवं भा.प्र.सं.अ.
श्री तौसीफ वारसी	सुरेन्द्र पॉल एवं भा.प्र.सं.अ.

नाम	छात्रवृत्ति
श्री सुमित प्रियम	सन एवं ब्राड स्ट्रीट इन्फर्मेशन सर्विसिज इन्डिया निजी लिमिटेड एवं भा.प्र.सं.अ.
श्री रत्नेन्दू राय	डी.एस.राज शिंदे
कु. सौम्या कपूर	डी.एस.राज शिंदे
श्री जेन्स जोसेफ मनान्नल	भा.प्र.सं.अ.
श्री गुंजन शेठ	भा.प्र.सं.अ.
श्री प्रितपाल सिंह	भा.प्र.सं.अ.
श्री पर्व अग्रवाल	भा.प्र.सं.अ.
श्री रक्षित गुप्ता	भा.प्र.सं.अ.
श्री हारिस मतीन	भा.प्र.सं.अ.
श्री अखिल साईं वल्लुरी	भा.प्र.सं.अ.

आदित्य बिड़ला छात्रवृत्तियां

- अवनि जैन
- देवदत्त एस. पाटनकर
- अक्षिता गणेश
- अरुंधती हाजरा
- नितिषा सेठिया
- आदित्य कुमार
- जलज जैन

क5 पीजीपी के लिए प्राप्त आवेदन

चरण	लिंग /कुल	सामान्य वर्ग	आरक्षित वर्ग				जीमैट		कुल
			नॉन क्रीमी अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जन जाति	शारीरिक रूप से विकलांग	इंडियन ओवरसीज़	एस.एन क्यू	
आवेदकों की संख्या	पुरुष	86150	16406	8497	2157	577	17	9	113813
	महिला	43087	5510	3163	892	90	2	2	52746
	ट्रांस जेंडर		37						37
	कुल	**129237**	**21953**	**11660**	**3049**	**667**	**19**	**11**	**166596**
साक्षात्कार के लिए बुलाए गए उम्मीदवार	पुरुष	429	278	149	73	33	17	9	988
	महिला	123	35	29	14	3	2	2	208
	ट्रांस जेंडर		0						0
	कुल	**552**	**313**	**178**	**87**	**36**	**19**	**11**	**1196**
साक्षात्कार के लिए उपस्थित रहे उम्मीदवार	पुरुष	408	258	136	53	29	15	7	906
	महिला	122	34	28	12	3	2	2	203
	कुल	**530**	**292**	**164**	**65**	**32**	**17**	**9**	**1109**

ख

कृषि व्यवसाय प्रबन्ध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

ख1 पीजीपी-एफएबीम के लिए प्राप्त आवेदनपत्र

श्रेणी	2015-17 बैच			2016-18 बैच			
	महिला	पुरुष	कुल	पुरुष	महिला	ट्रांस	कुल
सामान्य	62365	25946	88311	62136	28696	0	90832
एन सी अन्य पिछड़ावर्ग	11966	3417	15383	12496	3908	27	16431
अनुसूचित जाति	5908	1894	7802	6135	2083	0	8218
अनुसूचित जन जाति	1456	573	2029	1568	576	0	2144
शारीरिक रूप से विकलांग	384	64	448	437	47	0	484
कुल	**82079**	**31894**	**113973**	**82772**	**35310**	**27**	**118109**
प्रतिशत	**72.01**	**27.99**	**100**	**70.08**	**29.90**	**0.02**	**100**

ख2 पीजीपी-एफएबीएम प्रवेश 2016-2018

	लिंग	सामान्य श्रेणी	आरक्षित श्रेणी					कुल
		सामान्य	एनसी ओबीसी	अ.जा.	अ.ज.जा.	विकलांग	जीमैट	
कैट परीक्षार्थियों की संख्या	पुरुष	91513	17671	9123	2373	611	-	121291
	महिला	47142	6392	3557	1076	103	-	58270
	ट्रांस जेंडर	0	41	0	0	0	-	41
	कुल	**138655**	**24104**	**12680**	**3449**	**714**	**-**	**179602**
आवेदकों की संख्या	पुरुष	62136	12496	6135	1568	437	-	82772
	महिला	28696	3908	2083	576	47	-	35310
	ट्रांस जेंडर	0	27	0	0	0	-	27
	कुल	**90832**	**16431**	**8218**	**2144**	**484**	**-**	**118109**
साक्षात्कार के लिए बुलाये गए उम्मीदवारों की संख्या	पुरुष	411	63	76	40	1	-	591
	महिला	134	09	15	5	0	-	163
	ट्रांस जेंडर	0	0	0	0	0	-	0
	कुल	**545**	**72**	**91**	**45**	**1**	**-**	**754**
साक्षात्कार में उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	पुरुष	185	48	33	10	8	-	284
	महिला	65	11	7	1	0	-	84
	कुल	**250**	**59**	**40**	**11**	**8**	**-**	**368**

परिशिष्ट जारी

ख

ख3 पीजीपी-एफएबीएम 2014-2015

	पीजीपीएफएबीएम - I (2015 16)	पीजीपी-एफएबीएम - II (2015-16)
कार्यक्रम से जुड़े	46	45
(-) अलग हुए		
(-) जिन्हें अनुमति दीं गई /2016 में पुन जोड़ने को कहा गया		
(+) पुनरावृत्ति करने वाले		
जिन्हें. 2016 में पुन जुड़ने के लिए अनुमति दी गई		
प्रथम /द्वितीय वर्ष में संख्या	46	45
(-) जिनसे हटाने के लिए कहा गया		
(-) जिनसे पुनरावृत्ति के लिए कहा गया	0	0
शैक्षणिक आवश्यकताएं (डबल डिग्री एवं जनरल) पूरी नहीं करने पर स्नातक नहीं हो सकें	0	01
शैक्षणिक अनुशासनहीनता के कारण स्नातक नहीं हो सके	0	0
पूर्व वर्ष के स्नातक	0	02
डबल डिग्री कार्यक्रम के तहत स्नातक हुए छात्र	0	
कुल प्रोन्नत/स्नातक	**46**	**46**

ग

कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में स्नाकोत्तर कार्यक्रम

ग1 छात्रों के प्रोफाइल

	औसत
जीमैट	706
10 अगस्त, 2014 को कुल कार्य अनुभव	9 वर्ष 6 महीने
10 अगस्त को कुल अंतर्राष्ट्रीय कार्य अनुभव	2 वर्ष 3 महीने
31 मार्च , 2015 को आयु	33 वर्ष 8 महीने

- **अंतरराष्ट्रिय कार्य प्रदर्शन**
  - 3 (3.53%) अंतरराष्ट्रीय छात्र हैं ।
  - 14 (16.47%) छात्र भारत के बाहर रहते है
  - 43 (50.58%) के पास कार्य और अध्ययन के सन्दर्भ में अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन है
- **शैक्षणिक पृष्ठभूमि**
  - 6 (7.05%) छात्रों ने अपने देश के बाहर से उपाधि प्राप्त की है।
  - 31 (36.47%) चहरों के पास स्नातक से भी उच्च योग्यता है । (व्यावसायिक, अनुस्नातक)
  - 70 (82.35%) छात्र इंजीनियर है ।
  - 15 (17.64%) छात्र आईआईटी/एनआईटी से स्नातक है।
- उद्योगों में रक्षा, शिक्षा, उर्जा/ विद्युत , वित्तीय सेवाएँ, सरकारी इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य देखभाल, इन्फ्रास्ट्रकचर, आइटी एवं आई टी सेवाएँ, प्रबंधन परामर्शन, विनिर्माण इंजीनियरिंग, विनिर्माण प्रकिया, खुदरा, शीपिंग, दूरसंचार और अन्य शामिल है ।
- 16 (18.82%) छात्र महिलाएं है ।

उद्योग विवरण		कार्यात्मक विवरण	
रक्षा	4	व्यापार विश्लेषक	3
उर्जा /विद्युत्	4	परामर्श	7
वित्तीय सेवाएं	7	वित्त एवं लेखा	1
सरकारी इंजीनियरिंग	3	सामान्य प्रबंधन	10
स्वास्थ्य देखभाल	6	विनिर्माण	4
इन्फ्रास्ट्रक्चर	1	विपणन	9
आइटी एवं आई टी सेवाएँ	26	संचालन	6
प्रबंधन कंसल्टंसी	1	पर्सनल एवं एडमिनिस्ट्रेशन	1
विनिर्माण इंजीनियरिंग	8	प्रोग्रामिंग	3
विनिर्माण प्रकिया	6	परियोजना प्रबंधन	15
खुदरा	3	गुणवत्ता आश्वासन	2
शिपिंग	2	अनुसन्धान और विकास/डिजाईनिंग	12
दूरसंचार	3	प्रणाली डिजाईनिंग	4
अन्य	11	अन्य	8
कुल	**85**	**कुल**	**85**

परिशिष्ट जारी

ग

ग2 नए वैकल्पिक पाठ्यक्रम

	नए पाठ्यक्रम	सत्र
व्यापार नीति	व्यापार कराधान	10
व्यापार नीति	डिजाईन सोच की पहचान	10
मानव संसाधन प्रबंधन	भारत में एचआर प्रथाएँ व्यवसायी की परिद्रष्टि	10
विपणन	विपणन डेटा विश्लेषण प्रथाएँ पर सेमिनार	20
व्युत्पाद एवं संख्यात्मक पध्धति	संचालन प्रबंधन पर परिद्रष्टि भाग 1 और 2	30
व्युत्पाद एवं संख्यात्मक पद्धति	राजस्व प्रबंधन एवं गतिशील कीमतें	20
पीजीपीएक्स	निजी इक्विटी फाइनेंस	20

ग3 वक्ता श्रृंखला

दिनांक	नाम	पद	संस्था	विषय
29 अप्रैल, 2015	आलोक मिश्रा	अध्यक्ष	जोह्नसनस एन्ड जोह्न्संस	जोह्नसनस एन्ड जोह्न्संस एन्ड द मैड टेक इन्डस्ट्री
24 मई, 2015	अदैरे फॉक्स मार्टिन	अध्यक्ष	एसएपी	एसपी हाइपर कनेक्टेड अर्थतंत्र , हाइपर कनेक्टेड एशिया और आईओटी
19 जून, 2015	राजेश गोपीनाथ	सीएफओ	टीसीएस	तकनीकी सेवा उद्योग का विहंगावलोकन
27 जून, 2015	मनोज गुप्ता	सी ईओ	क्राफ्टविला	क्राफ्टविला और उसकी उद्यमिता यात्रा
6 जुलाई, 2015	मिनाक्षी लेखी	संसद सदस्य		भारतीय अर्थतंत्र विकास एवं नीति निर्माण पर परिप्रेक्ष्य
10 अगस्त,2015	रघु कृष्णामूर्ति	उपाध्यक्ष	जीई	प्रतिभा समीकरण को रिफ्रेम करना ... जो आपके प्रोफेसर आपको नहीं बताएंगे!
13 अगस्त,2015	हरी बुग्गाना	सी ईओ	आईएनवी एसेंट इक्विटी	भारतीय स्वास्थ्य देखभाल अवसर ,उभरतें व्यापार मॉडल एवं निवेशक परिप्रेक्ष्य
17 अगस्त,2015	एस.वाई. सिद्दीकी	मुख्य मार्गदर्शक	मारुती सुजुकी	मारुति सुजुकी के एचआर के मार्ग निरंतर नेतृत्व को बनाए रखने के प्रयास
20 अगस्त,2015	हार्मिन महेता	सीआईओ	भारती एयरटेल	डिजिटल विश्व में लीडर कैसे बन सकते है ?
1 अक्टूबर,2015	अरुण खन्ना	अध्यक्ष	दून एन्ड ब्राडस्ट्रीट	डून और ब्राडस्ट्रीट की पृष्ठभूमि, चीन की अर्थव्यवस्था के बारे में खुली चर्चा के बाद, भारत के बाहर रहने वाले, पूर्व में करियर
5 नवम्बर,2015	सुमन चक्रबर्ती	सीएफओ	डॉ.रेड्डी	भारतीय औषधि क्षेत्रः चुनौतियां और अवसर
21 नवम्बर,2015	दीपक गुप्ता	संयुक्त प्रबंध निदेशक	कोटक बैंक	विलय और अधिग्रहण - आईएनजी वैश्य के कोटक में अधिग्रहण
27 नवम्बर,2015	विजयानंद वाद्रेवू	ग्लोबल आईटी हेड	नोवार्टिस	उपभोक्ता विश्व में उद्यम आईटी की भूमिका
20 जनवरी,2016	प्रोफ़ेसर किस दोरस्त	प्रोफ़ेसर	यूटीएस में डिजाइन के एसोसिएट डीन (रिसर्च)	डिज़ाइन की सोच व्यापार रिफ्रेम समस्याओं को हल करने में कैसे सही करती है
23 जनवरी,2016	मनमीत वोहरा	सीएमओ	स्टारबक्स	लक्जरी ब्रांडिंग - भारत में टाटा स्टारबक्स ब्रांड बिल्डिंग यात्रा
22 फरवरी,2016	डॉ.श्रीनिवासन द्वारकानाथ	मेनेजिंग डायरेक्टर	एयरबस इन्डिया	भारत में विमानन रुझान और एयरबस रणनीति

घ

प्रबंध में फेलो कार्यक्रम

स्नातक होनेवाले एफ़पीएम छात्र

नाम	क्षेत्र	शोध प्रबंध शीर्षक	शोध प्रबंध परामर्शन समिति
अबरार अली मोहम्मद उस्मानअली सैयद	व्यापार नीति	भारत में नए वेंचर्स द्वारा अंतर्राष्ट्रीयकरण के पैटर्न और निर्धारक उद्यमी, फर्म और उद्योग कारकों का एक अध्ययन	प्रोफे. राकेश बसंत (अध्यक्ष) प्रोफे. चित्र सिंगला प्रोफे.डी. कार्तिक
अमितकुमार वत्सा	उत्पादन और मात्रात्मक तरीके	एक अनिश्चित संख्या के साथ बहुकाल की सुविधा स्थान समस्या सर्वर	प्रोफे. दिप्तेश घोष (सह अध्यक्ष) प्रोफे. सचिन जायसवाल (सह अध्यक्ष) प्रोफे. टी. बंदोपाध्याय
आनंद शर्मा	अर्थशास्त्र	औद्योगिक उत्पादकता वृद्धि और संचय अर्थव्यवस्था	प्रोफे. रविन्द्र एच. धोलकिया (अध्यक्ष) प्रोफे. प्रेम पंगोत्रा प्रोफे.विश्वनाथ पिंगली
हर्ष दधीच	विपणन	ब्रांडों की विदेशीपन की धारणा उपभोक्ताओं की वर्गीकृत स्कीमा की जांच और ब्रांड मूल्यांकन पर इसका प्रभाव	प्रोफे. अब्राहम कोशी (अध्यक्ष) प्रोफे. आर्नब के. लाहा प्रोफे. निहारिका वोहरा
जानी विशालकुमार जयंतकुमार	अर्थशास्त्र	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अमृत या स्वास्थ्य के लिए जहर?	प्रोफे. रविन्द्र एच. धोलकिया (अध्यक्ष)
कमल शर्मा	व्यापार नीति	बडी भारतीय कम्पनियों में सामरिक परिवर्तन पर सीईओ उत्तराधिकार का प्रभाव	प्रोफे. एम.आर. दीक्षित (अध्यक्ष) प्रोफे. राकेश बसंत प्रोफे. डी. कार्तिक
कनिश देबनाथ	खाद्य और कृषि व्यवसाय	वित्तीय समावेशन कोपूरा करने में सामुदायिक स्वास्थ्य बीमा की भूमिका	प्रोफे. रविन्द्र एच. धोलकिया (अध्यक्ष) प्रोफे.समर के. दत्ता प्रोफे. वैभव भामोरिया प्रोफे.आर्नब के. लाहा
खान्देपरकर कपिल लक्ष्मण	विपणन	चलो उस चेहरे पर एक मुस्कुराहट लाएँः विनोदी विज्ञापनों के एंबेडेनेस पर एक अध्ययन	प्रोफे. पियूष कुमार सिन्हा (अध्यक्ष) प्रोफ. निहारिका वोहरा प्रोफे. अभिषेक
प्रन्तोश जनरंजन बेनर्जी	विपणन	बंडल घटकों के लिए उपभोक्ताओं की आईआरपी में परिवर्तन पर बंडल फॉर्म का प्रभाव	प्रोफे. अरविन्द सहाय (अध्यक्ष) प्रोफे. संजीव त्रिपाठी प्रोफे. कीर्ति शारदा
समर सिंह	व्यापार नीति	पारिवारिक व्यवसायों में रणनीति के अभ्यास पर समुदाय के प्रभाव	प्रोफे. अजीत एन. माथुर (अध्यक्ष) प्रोफे. द्विजेन्द्र त्रिपाठी प्रोफे.नवदीप माथुर प्रोफे. सुनील शर्मा
स्वर्णा जयकुमार एल.	विपणन	मानसिक मूल्य धारणा पर ओवरलैपिंग मूल्य सीमाओं का प्रभाव : मूल्य निर्धारण के रेंज सिद्धांत की समीक्षा करना	प्रोफे. अरविंद सहाय (अध्यक्ष) प्रोफे. संजीव त्रिपाठी प्रोफे. कीर्ति शारदा प्रोफे. राजीव वैधनाथन
विजय लक्ष्मी सिंह	मानव सनाधन प्रबंधन	ड्राइवर्स,फेसिलिटेटर्स और परिणाम प्रबंधन परामर्शकों के बीच नौकरी क्राफ्टिंग और जांच	प्रोफे. मंजरी सिंह (अध्यक्ष) प्रोफे.बीजू वर्की प्रोफे. सुनील शर्मा

ङ

स्नातकोत्तर और फेलो कार्यक्रम : छात्रों की संख्या

	प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	प्रबंधन में फैलो कार्यक्रम	कुल
2006-7	488	55	60	66	669
2007-8	518	54	72	75	719
2008-9	560	44	77	84	765
2009-10	602	54	80	79	815
2010-11	688	77	86	69	920
2011-12	747	78	101	73	999
2012-13	753	78	85	84	1000
2013-14	756	87	85	80	1008
2014-15	773	82	85	75	1015
2015-16	**790**	**92**	**85**	**80**	**1047**

च

स्थानन

च1 बैच प्रोफ़ाइल

शैक्षिक पृष्ठभूमि	
प्रकार्य	छात्रों का प्रतिशत
इंजीनियरिंग	87
कला, विज्ञान और अन्य	5
वाणिज्य एवं व्यवसाय प्रशासन	8

कार्य अनुभव

अवधि	छात्रों का %
नए	37
0-1 वर्ष	16
1-2 वर्ष	25
2-3 वर्ष	16
3-4 वर्ष	6

च2 पेशकश स्वीकृति

समूह	स्वीकृति
समूह 1	60
समूह 2	102
समूह 3	48
पीपीओ	108
पार्श्विक	65
कुल	383

च3 क्षेत्र / प्रकार्य अनुसार स्थानन

	2014		2015		2016	
	संख्या	कुल का %	संख्या	कुल का %	संख्या	कुल का %
बिक्री / विपणन (एफएमसीजी)	32	8.84	36	9.97	54	14.10
वित्त (निवेश बैंकिंग, बाजार, बैंकिंग और वित्तीय सेवा, पीई, वीसी, निवेश प्रबंधन और बचाव निधि)	65	17.96	57	15.79	66	17.23
प्रणालियाँ / आईटी / आईटीईएस	53	14.64	76	21.05	29	7.57
परिचालन (उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार, ऑनलाइन सेवाएँ, फार्मा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा)	24	6.63	23	6.37	10	2.61
परामर्श	114	31.49	95	26.32	112	29.24
कंपनियों के संगठन	26	7.18	29	8.03	50	13.06
सामान्य प्रबंधन (निर्माण, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी आदि)	23	6.35	35	9.70	27	7.05
मीडिया / संचार	10	2.76	6	1.66	12	3.13
अन्य (पर्यटन, रसद, रियल एस्टेट, शिक्षा प्रबंधन, पर्यावरण एवं ऊर्जा, तेल और गैस, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार)	15	4.15	4	1.11	23	6.01
कुल	**362**	**100**	**361**	**100**	**383**	**100**

च4 क्षेत्र अनुसार स्थानन

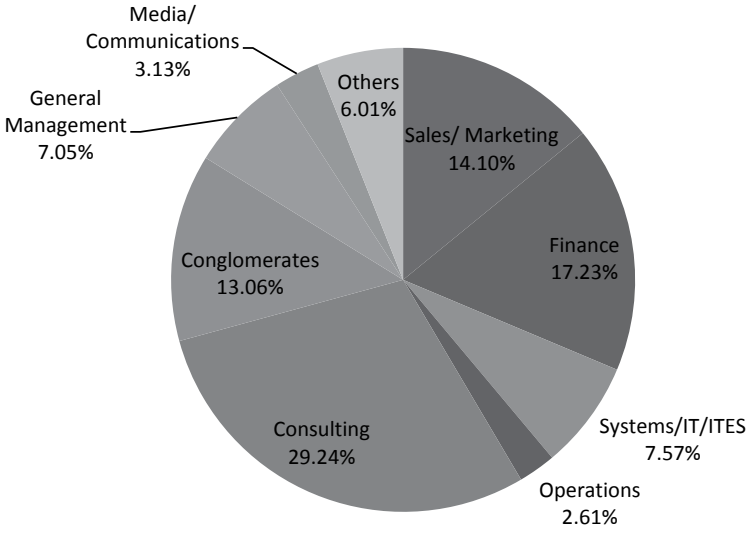

च5 क्षेत्र अनुसार शीर्ष भर्तीकर्ता

क्षेत्र	भर्तीकर्ता	भर्ती किये गए	कुल स्वीकृति का प्रतिशत (383)
परामर्श	एक्सेंचर	18	4.70
	बैन एंड कंपनी	16	4.18
	बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप	15	3.92
	मैकिन्से एंड कंपनी	11	2.87
	ए.टी. केआर्नी	9	2.35
बैंकिंग एवं वित्त सेवाएँ	यस बैंक	9	2.35
	गोल्डमैन साक्स	6	1.57
	एवेनडस कैपिटल	6	1.57
	मास्टरकार्ड	4	1.04
कंपनी संगठन	आदित्य बिड़ला समूह	7	1.83
	भारती एयरटेल	6	1.57
	टीएएस	5	1.31
आई टी एवं प्रणालियाँ	फ्लिपकार्ट	17	4.44
	अमेज़ॅन	10	2.61
	टेक महिंद्रा	7	1.83
उपभोक्ता सामान	प्रोक्टर एंड गैंबल	8	2.09
	वोडाफोन	5	1.31
	हिंदुस्तान यूनिलीवर	4	1.04
मीडिया / संचार	स्टार इंडिया	8	2.09
इंजीनियरिंग /टेकनोलॉजी	ओला	6	1.57
	स्प्रिंकलर लिमिटेड	6	1.57

च6 उद्यमिता

छात्रों के नाम	उद्यमशीलता विवरण
अभिराम तेजस एस.	वे एक वित्तीय उत्पाद का निर्माण कर रहे हैं जिसमें किरायेदार को सुरक्षा जमा की जगह एक छोटे से मासिक प्रीमियम का भुगतान करने के लिए कहा जाता है।
देबाशीष रॉउत	
ऋभु रंजन साहा	
दीपन कुमार ई.एल.	पुरानी इमारतों के लिए परेशानी मुक्त, त्वरित और अच्छी गुणवत्ता वाले नवीकरण और नवीकरण सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।
पूजा मेहरा	जो सांस्कृतिक क्षेत्र से हैं, लेकिन अत्याधुनिक और फैशनेबल हैं, उन्हें कपड़ों की श्रृंखला में डिजाइन और गुणवत्ता के लिए अपनी पहचान व्यक्त करने का मौका प्रदान करना।
राहील शेख	संघर्षरत विद्यालयों के प्रबंधन के लिए ज्ञानवान उच्च मूल्य वाले विद्यालयों की श्रृंखला
राकेश आर.	खेल जर्सियों के आसान अनुकूलन के लिए अद्वितीय मुद्रण तकनीक, बेहतर सामग्री, एक रचनात्मक टीम और एक ईकॉमर्स पोर्टल
वरुण श्रीवास्तव	अमेरिकी बाजार की सेवा के लिए भारत के बाहर स्थित एक कर्मचारी कंपनी का निर्माण और लागत लाभ के पैमाने पर काम करना।

च7 ग्रीष्मकालीन स्थानन का क्षेत्र अनुसार वितरण

क्षेत्र	स्थानन की संख्या
बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ और बीमा (बीएफएसआई)	83
कंपनी संगठन	25
परामर्श	103
उपभोक्ता सामान (एफएमसीजी)	42
उपभोक्ता सेवाएँ	7
सूचना प्रौद्योगिकी	24

क्षेत्र	स्थानन की संख्या
मीडिया / मनोरंजन	11
ऑनलाइन सेवाएँ	50
फार्मास्यूटिकल /स्वास्थ्य सेवा	13
दूरसंचार	12
अन्य	5
कुल	**375**

च8 स्थानन पूल का वर्गीकरण

श्रेणियाँ	संख्या
बैच में छात्र	45
स्थानन छुट्टी से लौटने वाले छात्र	1
स्थानन के लिए पात्र छात्र	46
जिन छात्रों ने स्थानन से बाहर रहने का विकल्प चुना	5
संस्थान के माध्यम से स्थानन प्राप्त करने वाले छात्र	41

च9 क्षेत्रों में प्रस्ताव

क्षेत्र	छात्रों की संख्या	प्रतिशत
कृषि इनपुट	11	27
बीएफएसआई	4	10
परामर्श	1	2
एफएमसीजी	7	17
खाद्य प्रसंस्करण	6	14

क्षेत्र	छात्रों की संख्या	प्रतिशत
बागवानी	2	5
आई. टी.	2	5
विनिर्माण	2	5
खुदरा	2	5
अन्य	4	10

च10 क्षेत्र वार स्थानन

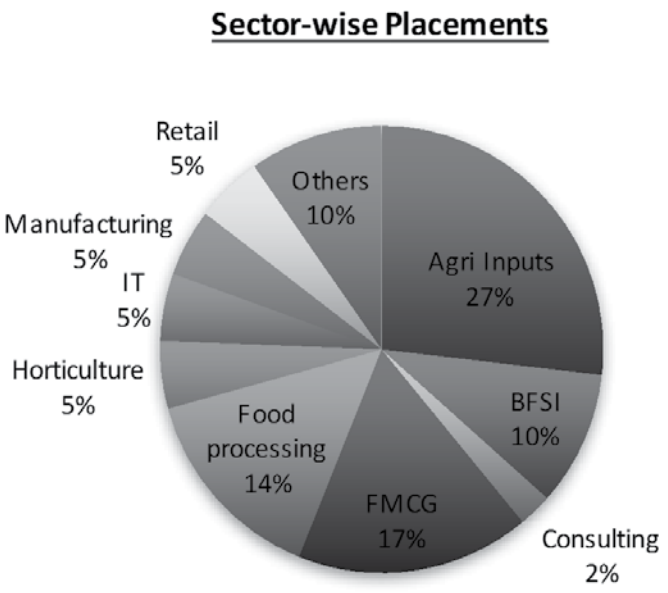

च11 पीजीपीएक्स स्थानन पूल का वर्गीकरण

छात्रों की कुल संख्या	85
अपना उद्यम शुरू करने के लिए स्थानन छुट्टी का चुनाव करने वाले छात्र	01
छात्र स्वयं अपने स्थानन की कोशिश कर रहे हैं (स्थानन प्रक्रिया से अलग)	02
विश्राम	06
छात्रों ने स्थानन प्रक्रिया के माध्यम से अंतिम प्रस्ताव प्राप्त किए	61
प्रक्रिया में छात्र	15

च12 एफपीएम स्थानन पूल का वर्गीकरण

छात्रों की कुल संख्या	4
अपना उद्यम शुरू करने के लिए स्थानन छुट्टी का चुनाव करने वाले छात्र	0
छात्रों ने अंतिम प्रस्ताव प्राप्त किए	0
विचाराधीन प्रस्तावों वाले छात्र	0
अभी छात्रों का स्थानन शेष है	2

च13 2015 में शामिल दल

डीब्रीफिंग सत्र	दल
12 जुलाई, 2015	वित्त, प्रौद्योगिकी
13 जुलाई, 2015	विपणन, सामान्य प्रबंधन, फार्मास्यूटिकल्स एवं स्वास्थ्य सेवा
14 जुलाई, 2015	परामर्श, प्रणालियाँ, संचालन

छ

अनुसंधान, केस लेखन परियोजना, और संगोष्ठी

जारी परियोजनाएँ

परियोजना का प्रकार	चल रही परियोजनाएं	शुरू की गई परियोजनाएं	पूर्ण हुई परियोजनाएं
अनुसंधान परियोजनाएँ	16	16	13
मूल धन परियोजनाएं	2	12	12
पूर्ण हुईं इंटर्नशिप परियोजनाएं		43	
अनुसंधान एवं प्रकाशन विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठी		37	
आधारपत्र		111	

शुरू की गई अनुसंधान परियोजनाएं

- फ़िनलैंड-भारतीय आर्थिक संबंध (प्रोफेसर अजीत एन.माथुर)
- भारतीय ब्रांडों द्वारा प्रमोशन संबंधित संदेशों के लिए सोशल मीडिया का उपयोग (प्रोफेसर अभिषेक और प्रोफेसर सरल मुखर्जी)
- विकासशील देशों को पूंजी सहायता के लिए सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग के निहितार्थ (प्रोफेसर संकेत महापात्र)
- सार्वजनिक प्रणाली में शिक्षक नवाचार व्यवहार और बच्चों में गैरसंज्ञानात्मक कौशल विकास (प्रोफेसर विजय शेरी चंद)
- कार्यालयों में शिक्षक संचालित नवाचारों के पूर्ववृत्त (प्रोफेसर विजय शेरी चंद)
- दफ्तर में सायबर बदमाशी विभिन्न ओनलाइन और डिजिटल मीडिया के साथ लक्ष्यों का अंतराफलक (प्रोफेसर अर्नेस्टो नोरोन्हा और प्रोफेसर प्रेमीला डीक्रूज़)
- आकलन स्टेक केन हस्तक्षेप विलंब (प्रोफेसर देबजित रॉय)
- बंडल घटकों के उपभोक्ताओं के संदर्भ मूल्य(आईआरपी) में परिवर्तन पर बंडल फॉर्म के प्रभाव (प्रोफेसर अरविंद सहाय)
- सुख विषयक / उपयोगितावादी पसंद पर समय की दिशा की गिनती के प्रभाव (प्रोफेसर संजीव त्रिपाठी)
- उपभोक्ता व्यवहार पर प्रौढता अंतक्रिया के प्रभाव (प्रोफेसर अरविंद सहाय)
- जमाव के साथ पारडॉक दरवाजा असाइनमेंट समस्या (प्रोफेसर सचिन जायसवाल)
- बहु उद्देश्य श्रेणीबद्ध अनुकूलन समस्याओं को हल करने के लिए एल्गोरिथ्म विकास (प्रोफेसर अंकुर सिन्हा)
- स्मरणशक्ति, पसंद भविष्यवाणी, और झूठ का पता लगाने के पैरामीटर पर अंधजनों और दृष्टियुक्त व्यक्तियों की तुलना (प्रोफेसर अरविंद सहाय)
- भारत में कार्यालय में व्हीसलब्लोइंग (प्रोफेसर प्रेमिला डीक्रूज़)
- ऑनलाइन श्रम बाजार : एक खोजपूर्ण अध्ययन (प्रोफेसर अर्नेस्टो नोरोन्हा और प्रोफेसर प्रेमिला डीक्रूज़)
- भारतीय अस्पतालों में इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड : एक संगठनात्मक लक्ष्यों के परिप्रेक्ष्य (प्रोफेसर राजेश चंदवानी)

शुरू की गई मूल धन परियोजनाएं

- गृह युद्ध के अध्ययनों में राज्य क्षमता के प्रॉक्सी के रूप में प्रति व्यक्ति जीडीपी से दस गुणा सुरक्षा व्यय करना (प्रोफेसर कार्तिक श्रीराम)
- दबाव और अवसरों से संबंधित धोखाधड़ी जोखिम कारकों के सापेक्ष महत्त्व का एक खोजपूर्ण विश्लेषण : विभिन्न देशों में 4 बड़े और 4 छोटे लेखापरीक्षकों से साक्ष्य (प्रोफेसर नमन देसाई)
- अल्टीमेटम खेलों में स्टेक आकारों में केवल ध्यान देने योग्य अंतर के प्रभाव का अध्ययन करना (प्रोफेसर संजीव त्रिपाठी)
- बैंकिंग के संकट को रोकना : हम अभी कहां ख़डे हैं (प्रोफेसर टी.टी. राम मोहन)
- बाइनरी उपस्कर प्रतिगमन में अधिकतम छद्म संभावना अनुमानों के लिए एसिम्पटोटिक विश्लेषण सिद्धांत (प्रोफेसर तथागत बंद्योपाध्याय)

परिशिष्ट जारी

छ

- भारतीय संगठनों में विश्लेषणात्मक प्रक्रिया विकास में गहन अध्ययन : कुछ केस (प्रोफेसर अरिंदम बनर्जी)
- किसान के बोध और सतत भूजल प्रबंधन व्यवहार का अभिग्रहण : भारत के चयनित राज्यों का एक विश्लेषण। (प्रोफेसर पूर्णिमा वर्मा)
- घरेलू स्वामित्व को दाता समर्थित कार्यक्रम से एनएसीपी के परिवर्तन (प्रोफेसर रमेश भट)
- वास्तव गतिविधि हेरफेर के माध्यम से नकद राशि हेरफेर और गलत वर्गीकरण अथवा समय निर्धारण के बीच व्यापार पर साक्ष्य (प्रोफेसर नीरव नागर)
- उच्च कार्यनिष्पादन कार्य प्रणाली (एचपीडब्ल्यूएस) और सृजनात्मकता (प्रोफेसर प्रोमिला अग्रवाल)
- कानून शिक्षण के लिए दृश्य माध्यम (प्रोफेसर अखिलेश्वर पाठक)
- वेवलेंथ दौर टिकाउ नेटवर्क डिजाइन (प्रोफेसर प्रहलाद वेंकटेशन)

पूर्ण हुई अनुसंधान परियोजनाएं

- टीबी महामारी और संबंधित दवा बिक्री भारत में क्षय रोग की महामारी के संकेतक के रूप में दवा बिक्री-क्षय की रोकथाम में चिरकालिक रूझान दवाई बाजार से अनुमान (प्रोफेसर विश्वनाथ पिंगाली और प्रोफेसर के.वी. रमनी)
- सुविधा स्टोर उद्योग में ग्राहक संतुष्टि और संरक्षण इरादों पर सेवा गुणवत्ता के प्रभाव की जांच (प्रोफेसर धीरज शर्मा)
- दो अलग-अलग भवन निर्माण परियोजनाओं में परियोजना जोखिम प्रबंधन में अपेक्षित मूल्य विधि का एक विश्लेषण (प्रोफेसर गौतम दत्ता)
- कम आय बाजारों में स्थानीय कंपनियों के साथ बहुराष्ट्रीय कंपनियां कैसे प्रतिस्पर्धा करती हैं (प्रोफेसर आनंद कुमार जायसवाल)
- भारत के आईटीईएस-बीपीओ क्षेत्र में सामूहीकरण की प्रेक्षपवक्र (प्रोफेसर प्रेमिला डीक्रूज़ और प्रोफेसर अर्नेस्टो नोरोन्हा)
- स्टोकेस्टिक मांग एवं भीड़ से स्थान आवंटन समस्याएँ : कोलाहलपूर्ण अपघटन से लांग्रगियन छूट (प्रोफेसर सचिन जायसवाल)
- भीड़ के साथ मल्टी कमोडिटी नेटवर्क डिजाइन समस्या के लिए एक बाहरी सन्निकटन एल्गोरिथ्म (प्रोफेसर सचिन जायसवाल)
- संपत्ति विवरणियों और दीर्घावधि पोर्टफोलियो विकल्प के पूर्वानुमान (प्रोफेसर विनीत विरमानी)
- रेस्टोरेंट संचालन का स्टोकेस्टिक मॉडलिंग (प्रोफेसर देबजित रॉय)
- प्रबंधन शिक्षा के माध्यम से सामाजिक गतिशीलता : महिलाओं द्वारा अपनाया गया मार्ग (प्रोफेसर अंकुर सरीन)
- ऑफशोरिंग के संदर्भ में ज्ञान कार्य (प्रोफेसर अर्नेस्टो नोरोन्हा और प्रोफेसर प्रेमिला डीक्रूज़)
- वितरण प्रयोगों में गोल बिना गोल स्टेक आकार के प्रभाव में जाँच (प्रोफेसर संजीव त्रिपाठी)
- प्रतिभा प्रबंधन : चुनौतियां और फार्मास्यूटिकल कंपनियों में उत्तम व्यवहार (प्रोफेसर कीर्ति शारदा)

पूर्ण हुई मूल धन परियोजनाएँ

- फ़िनलैंड-भारतीय आर्थिक संबंध (प्रोफेसर अजीत एन.माथुर)
- मोबाइल मार्केटिंग में सेंसर आधारित संचार के लिए अनुप्रयोग (प्रोफेसर अभिषेक)
- जनसंख्या आधारित मॉडल में आरओसी वक्र आकलन (प्रोफेसर तथागत बंद्योपाध्याय)
- पूर्ववृत्त और अंतरराष्ट्रीयकरण के परिणाम (प्रोफेसर चित्रा सिंगला)
- हाइब्रिड वाहन रूटिंग समस्या मॉडलिंग (प्रोफेसर प्रहलाद वेंकटेशन)
- पर्यावरण हितैषी और सतत खपत व्यवहार के प्रति उपभोक्ताओं के रुख के लिए घरेलू उपकरणों के लेखांकन की खरीद प्रक्रिया का मूल्यांकन (प्रोफेसर अरिंदम बनर्जी)

परिशिष्ट जारी **छ**

- विविधीकरण प्रदर्शन विश्लेषण का मेटाविश्लेषण (प्रोफेसर अमित कर्ण)
- स्थिरता आधारित ब्रांड इक्विटी के पूर्ववृत्त (प्रोफेसर अभिषेक)
- भ्रष्टाचार को सीमित करने के लिए आत्मग्लानी तथा नियंत्रण के ठिकाने और उसकी संभावना पर स्वयंसेवा के प्रभाव (प्रोफेसर नमन देसाई)
- सशस्त्र संघर्ष में अर्थपूर्ण और संस्थानीकरण : व्यवहार में अवधारणाओं को लागू करना (प्रोफेसर कीर्ति शारदा)
- उपभोक्ता धारणाओं पर कार्यक्रम आधारित छूट के प्रभाव का अध्ययन (प्रोफेसर संजीव त्रिपाठी)
- समाज कल्याण के उपकरण (प्रोफेसर अंकुर सरीन)

पूर्ण हुई इंटर्नशिप परियोजनाएं

	संकाय गाइड
भारत में उच्च शिक्षा का विकास स्ज्ञान और पैटर्न का एक अध्ययन	सेबस्टियन मॉरिस
विज़ुअल डेटा कन्स्ट्रक्शंस की व्याख्या के लिए ऑनलाइन सर्वे	कविता रंगनाथन
भारत में फार्मा के अणुओं का मूल्य निर्धारण	अरविंद सहाय
टीवी पर विज्ञापन एयरटाइम मूल्य निर्धारण	अरविंद सहाय
शिक्षा नवाचार बैंक सार्वजनिक विद्यालय में विकेंद्रीकृत व्यावसायिक विकास और गुणवत्ता संवर्धन	विजय शेरी चंद
ऑनलाइन वेब आधारित आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन खेल का विकास और विस्तार करना	संजय वर्मा
ग्रामीण भारत में वायरलेस तकनीक और ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के प्रभाव आकलन के माध्यम से स्पेक्ट्रम प्रबंधन के लिए नीति तैयार करना	रेखा जैन
संघ और नस्ल : ईंट भट्टों का केस	अर्नेस्टो नोरोन्हा
ध्यान के अभ्यास की तरह संगठनात्मक तनाव और बढ़ती कार्य उत्पादकता का प्रबंध करना	आनंद कुमार जायसवाल
भारतीय पत्रिकाओं में प्रदर्शित होने वाले ग्रीन विज्ञापनों की पहचान	अभिषेक
टी-मोबाइल के एटी एंड टी के अधिग्रहण	रेखा जैन
मॉडलिंग स्टैक केन हस्तक्षेप	देबजित रॉय
भारत में बलिदान अनुपात का अनुमान	आर.एच. धोलकिया
पाठ विश्लेषणात्मक तरीकों का उपयोग करते हुए सूचना निष्कर्षण	श्रीकुमार कृष्णमूर्ति
शिक्षा में गैरसरकारी संगठनों (एनजीओ) की प्रकृति और पहुंच की खोज	राजीव शर्मा
विभिन्न खेल लीग की संरचना को समझना	संजीव त्रिपाठी
इंडियन कैपिटल मार्केट में मार्केट माइक्रोसॉफ्ट के मुद्दे	सोभेश कुमार अग्रवाल
मीडिया और प्रसारण में राजस्व प्रबंधन : निर्धारण मॉडल का विकास	गौतम दत्ता
बिजली क्षेत्र में राजस्व प्रबंधन	गौतम दत्ता
स्टॉक स्क्रीनिंग और डायनेमिक पोर्टफोलियो निर्माण	अंकुर सिन्हा
विकासवादी द्विस्तरीय अनुकूलन	अंकुर सिन्हा
अहमदाबाद में ऊर्जा खपत से संबंधित प्रथाओं की जांच	आशीष जलोटे परमार
लिंग और प्रतियोगिता पर साहित्य समीक्षा	शेरोन बार्नहार्ट
कम लागत वाली स्वास्थ्य देखभाल के लिए नवाचार	आनंद कुमार जायसवाल
विधि सम्मत से वास्तविक तक जातीय व्यावसायिकता के लिए स्टैरियोटाइपिंग कैसे योगदान देता है	पवन मामिडी

परिशिष्ट जारी

छ

	संकाय गाइड
असममित नेटवर्क संसाधनों का उपयोग करके नवाचार	सुनील शर्मा
भारत में सीओ2 कब्जा और भंडारण क्षमता के टेक्नोइकोनॉमिक आकलन	अमित गर्ग
नर्सिंग में भावनात्मक श्रम और भावनात्मक संवर्धन	राजेश चंदवानी
ऑनलाइन रिज्यूम्स के दायित्व का मूल्यांकन करना	राजेश चंदवानी
संगठनात्मक संदर्भ में नैतिकता और भयावह व्यवहार	धीरज शर्मा
ईकॉमर्स ऑनलाइन खरीद में उपभोक्ता व्यवहार का अध्ययन	धीरज शर्मा
भारत में ईकॉमर्स युद्ध	अमित कर्ण
बाल ट्रैकिंग	अंकुर सरीन
केसों को अंतिम रूप देने के लिए अनुसंधान सहायता	जी रघुराम
परीक्षा में नकारात्मक अंकन की प्रतिक्रियाओं के लिए संभावना सिद्धांत को लागू करना	अरविंद सहाय
मौद्रिक मानदंडों के लिए बाजार से तुलना में भारत के लोगों में मूल्य सामाजिक मानदंडों का विस्तार	अरविंद सहाय
ग्राफ समझ और भ्रामक ग्राफ	कविता रंगनाथन
उपभोक्ता निर्णय लेने में ऊर्जा लेबल की भूमिका को समझना	राम मोहन तुरागा
संकट परिस्थितियों की जांच के लिए सोशल मीडिया मॉनिटरिंग	अंकुर सिन्हा
सिमेंटिक टेक्स्ट विश्लेषण की खोज	अंकुर सिन्हा
एड-हॉक-साझाकरण नेटवर्क में संसाधन रिकवरी प्रोटोकॉल का मूल्यांकन	कविता रंगनाथन
भारत के विनिर्माण क्षेत्र में कौशल संरचना और रोजगार पर व्यापार उदारीकरण का प्रभाव	श्रुति शर्मा
सड़क क्षेत्रों में परियोजना जोखिम प्रबंधन	गौतम दत्ता

अप्रैल 2015 से मार्च 2016 की अवधि के दौरान आधार-पत्र

आधार-पत्र संख्या	शीर्षक	लेखक (कों)	विषय-क्षेत्र
2015/04/01	भारत में बौद्धिक संपदा संरक्षण और स्वास्थ्य नवाचार के लिए प्रभाव उभरते परिप्रेक्ष्य	बसंत, राकेश; श्रीनिवासन, शुचि	अर्थशास्त्र
2015/04/02	भारत में उत्पाद आधारित दूरसंचार स्टार्टअप के बीच तकनीकी क्षमता का एक अध्ययन ज्ञान, शिक्षा और ब्रिकोलेज की भूमिका	एरोन, प्रगीत; जैन, रेखा	आईएस
2015/04/03	नेटवर्क संरचना, क्षमता विकास और मार्ग पदानुक्रम चीन की हवाई यातायात प्रणाली (एटीएस) के केस में दोबारा गौर किया गया	ह्यूबर, हंस	पीएसजी
2015/05/01	भारत का अनिवार्य सीएसआर, अनुपालन की प्रक्रिया और खर्च के चैनल	देवधर, सतीश वाई.	अर्थशास्त्र
2015/05/02	शहरी भारत में जलवायु परिवर्तन के तहत गर्मी संबंधित मृत्युदर की अनुमानित वृद्धि	धोलकिया, हेम एच; मिश्रा, विमल; गर्ग, अमित	पीएसजी
2015/06/01	पारिस्थितिकी के अनुकूल और सतत उपभोग व्यवहार की दिशा में उपभोक्ता के दृष्टिकोण के लिए घरेलू उपकरणों की खरीद प्रक्रिया का मूल्यांकन करना	बनर्जी, तनुश्री; बनर्जी, अरिंदम	विपणन
2015/06/02	भारत में भूमि उपयोग प्रतियोगिता की गतिशीलता धारणाएं और वास्तविकताएं	शर्मा, विजय पॉल	सीएमए

परिशिष्ट जारी

छ

आधार-पत्र संख्या	शीर्षक	लेखक (कों)	विषय-क्षेत्र
2015/07/01	आर्थिक वैश्वीकरण : अफ्रीकी स्वास्थ्य के लिए आशीर्वाद या शाप?	विशाल कुमार जानी; धोलकिया, रवींद्र एच.	अर्थशास्त्र
2015/07/02	यादृच्छिक रूप से चयनित मरीजों के लिए आरओसी वक्र विश्लेषण	बंद्योपाध्याय, तथागत; सुमंता अध्या; गुहा, अप्रतीम	पी एवं क्यू एम
2015/07/03	भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्वास अध्यादेश 2014 में उचित मुआवजा और पारदर्शिता का अधिकार : एक प्रक्रिया परिप्रेक्ष्य	रघुराम, जी.; सिमी सनी	पीएसजी
2015/07/04	मातृ एवं बाल स्वास्थ्य देखभाल के लिए भारतीय ग्रामीण सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में विशेषज्ञ सेवाएं : चार राज्यों के अध्ययन	आयंगर, श्रीकांत; धोलकिया, रवींद्र एच.	पीएसजी
2015/08/01	भारत में जान बूझकर अपस्फीति कितनी महंगी है? बलिदान अनुपात का अनुमान	धोलकिया, रवींद्र एच.; कडीयला श्री वीरिनची	अर्थशास्त्र
2015/08/02	परिमित जनसंख्या वितरण समारोह के अनुमान के आधार पर एक नोट	सुमंता अध्या; बनर्जी, तथागत; चट्टोपाध्याय, गौरांगा	पी एवं क्यू एम
2015/08/03	विद्युत का गतिशील मूल्य निर्धारण : संबंधित अनुसंधान का एक सर्वेक्षण	दत्ता, गौतम;मित्रा,कृष्णेंद्रनाथ	पी एवं क्यू एम
2015/08/04	नई अर्थव्यवस्था में उपभोक्ता अधिकार : उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 में संशोधन	पाठक, अखिलेश्वर	बीपी
2015/08/05	स्टोचैस्टिक लोटका वोल्टेररा समीकरण : परस्पर जुड़ी हुई दुनिया में प्रौद्योगिकी के झुकाव का एक मॉडल	चक्रवर्ती, अनिंद्य एस.	अर्थशास्त्र
2015/08/06	आर्थिक प्रोत्साहनों की तुलना में संस्थागत घर्षण : यूरोप के भीतर प्रवास गतिशीलता	चक्रबर्ती, अनिंद्य एस.;दत्ता, अपर्णा	अर्थशास्त्र
2015/08/07	क्रॉससेक्टोरल श्रम और पूंजी गतिहिनता के साथ नई औद्योगिक अर्थव्यवस्थाओं में मौद्रिक नीतियों के मुद्रास्फीति संबंधी प्रभाव	चक्रवर्ती, अनिंद्य एस.	अर्थशास्त्र
2015/08/08	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नेटवर्क के मुख्य और परिधि के बीच व्यापक आर्थिक अस्थिरता में फैलाव	चक्रवर्ती, अनिंद्य एस.	अर्थशास्त्र
2015/09/01	उपभोक्ता संरक्षण विधेयक, 2015 : उपभोक्ता के अधिकार (के अभाव) बिक्री अनुबंध समाप्त करने के लिए	पाठक, अखिलेश्वर	बीपी
2015/09/02	जब संस्कृति व्यावसायिक व्यवहार को नियंत्रित करती है ... भारतीय डायमंड घिसाई और चमकाना उद्योग पर एक नज़र	राव, इंदु के.	ओबी
2015/10/01	डिजाइन सोच एक सनक या वास्तविकता	परमार, आशीष-जलोटे	बीपी
2015/10/02	ईरिटेलिंग और उपभोक्ता संरक्षण बीमारी, 2015 यूरोपीय संघ उपभोक्ता निर्देशों से चित्र	पाठक, अखिलेश्वर	बीपी
2015/10/03	बुनियादी ढांचे के विकास में कानूनी मुद्दों का असर : जवाहरलाल नेहरू ट्रस्ट में कंटेनर टर्मिनल बिड्स का मामला	रघुराम, जी.; उदय कुमार, प्रशांत डी.;प्रजापति, रिचा	पीएसजी
2015/10/04	बेल कर्व को तोड़कर मुक्ति : प्रदर्शन प्रबंधन के लिए एक वैकल्पिक प्रस्ताव	श्रीहरी एस सोहनी; वर्की, बीजू	पी एवं आईआर

परिशिष्ट जारी

छ

आधार-पत्र संख्या	शीर्षक	लेखक (कों)	विषय-क्षेत्र
2015/10/05	समदूरस्थ द्विदिशात्मक लूप लेआउट समस्या का एक द्विघात प्रोग्रामिंग फॉर्मूलेशन	घोष, दिप्तेश	पी एवं क्यू एम
2015/10/06	उपभोक्ता बिक्री अनुबंध में हुए नुकसान उपभोक्ता संरक्षण विधेयक, 2015 की समीक्षा	पाठक, अखिलेश्वर	बीपी
2015/10/07	भारत का हवाई यातायात तंत्र नेटवर्क टोपोलॉजीज, पदानुक्रम और उत्क्रांति	ह्यूबर, हंस	पीएसजी
2015/10/08	क्या व्यापार एशियाई बच्चों को स्वस्थ बनाता है?	जानी, विशाल कुमार; धोलकिया, रवींद्र एच.	अर्थशास्त्र
2015/11/01	जलवायु परिवर्तन और भारत अनुकूलन जीएपी (2015)	गर्ग, अमित;मिश्रा, विमल; धोलकिया, हेम एच.	पीएसजी
2015/11/02	प्रतिस्पर्धा कानून और भारत में फार्मास्यूटिकल सेक्टर	मंडल, शमीम एस .; पिंगाली, विश्वनाथ	अर्थशास्त्र
2015/12/01	फर्म लाइफ साइकल और वास्तविक गतिविधि आधारित आय प्रबंधन	नागर, नीरव; राधाकृष्णन, सुरेश	वित्त एवं लेखा
2015/12/02	भारत में ट्रकिंग सेक्टर का अवलोकन महत्व और संरचना	रघुराम, जी.	पीएसजी
2015/12/03	निवेशक संरक्षण और नकदी प्रवाह गलत वर्गीकरण	नागर, नीरव;सेन, कौस्तव	वित्त एवं लेखा
2015/12/04	प्रमुख पोर्ट कंटेनर टर्मिनलों में टैरिफ विनियमन का प्रभाव : जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट का केस	रघुराम, जी .;प्रशांत डी उदयकुमार	पीएसजी
2016/01/01	सरोगेसी कानून पहेली	पाठक, अखिलेश्वर	बीपी
2016/02/01	फार्मास्युटिकल मूल्य विनियमन का परिणाम क्या आवश्यक दवाओं के लिए अधिक उपयोग में है? भारत में दवाओं की बिक्री की मात्रा पर दवा मूल्य नियंत्रण आदेश के प्रभाव का अध्ययन	सहाय, अरविंद; जयकुमार, सरवाना	विपणन
2016/02/02	अतिव्यापी मूल्य का प्रभाव मूल्य बोध पर रेंज मूल्य बोध की रेंजः सिद्धांत पर फिर से गौर करना	जयकुमार, सरवाना; सहाय, अरविंद	विपणन
2016/02/03	वित्तीय संकट के दौरान आय प्रबंधन रणनीतियां	नागर, नीरव;सेन, कौस्तव	वित्त एवं लेखा
2016/02/04	राष्ट्रीय संस्कृति में फिटिंग प्रतिभा प्रबंधन रणनीति	अग्रवाल, प्रोमिला	मानव संसाधन प्रबंधन
2016/02/05	उद्यम सृजन के लिए ऊष्मायन के विपरीत मॉडल भारत और यूनाइटेड किंगडम में उच्च शिक्षा संस्थानों से प्रभावकारिता और स्थिरता के लिए पाठ खोजना	बसंत, राकेश; कूपर, सारा	अर्थशास्त्र
2016/02/06	टैबू सर्च का उपयोग करके टूल मैग़जीन में इंडेक्स पोजीशन में उपकरण आवंटित करना	घोष, दिप्तेश	पी एवं क्यू एम
2016/02/07	जानकारी और संभाव्य जानकारी ग्रेन्युल के साथ अनिश्चितता मॉडलिंग	अग्रवाल, मनीष	आईएस

परिशिष्ट जारी

छ

आधार-पत्र संख्या	शीर्षक	लेखक (कों)	विषय-क्षेत्र
2016/02/08	सामरिक निर्णय लेने के लिए अनुकरणीय चयन समिति	अग्रवाल, मनीष	आईएस
2016/02/09	बहु मानदंड निर्णय लेने के लिए भेदभावपूर्ण एकत्रीकरण ऑपरेटर	अग्रवाल, मनीष	आईएस
2016/02/10	रफ सूचना समूह	अग्रवाल, मनीष	आईएस
2016/02/11	सेलेक्ट भारत आधारित संगठनों में मार्केटिंग / बिजनेस एनालिटिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर की समीक्षा	बनर्जी, अरिंदम	विपणन
2016/02/12	वरीयताओं के माध्यम से उपयोगितावादी निर्णय मॉडल का सीखना	अग्रवाल, मनीष	आईएस
2016/02/13	इंडेक्सिंग प्रॉब्लम के लिए लिन केर्निगटन नेबरहुड्स की खोज करना	घोष, दिप्तेश	पी एवं क्यू एम
2016/03/01	भारत में ऑनलाइन किराने की खरीदारी वेबसाइट के वेब सामग्री का विश्लेषण	बनर्जी, अरिंदम; बनर्जी, तनुश्री	विपणन
2016/03/02	मोबाइल एडहोक नेटवर्क में सामुदायिक आधार पर डेटा साझा करने के लिए खेल का सैद्धांतिक दृष्टिकोण	प्रेम राज एच.; रंगनाथन, कविता	आईएस
2016/03/03	सॉफ़्ट सूचना सेट और इसके आवेदन में बहु मानदंड निर्णय लेना	अग्रवाल, मनीष	आईएस
2016/03/04	सूचना उपयोगिता आधारित निर्णय समर्थन ढाँचा	अग्रवाल, मनीष	आईएस
2016/03/05	जोड़े के अनुसार वरीयताओं के माध्यम से एमएनएल के साथ लर्निंग निर्णय मॉडल	अग्रवाल, मनीष	आईएस
2016/03/06	वर्गीकरण स्थानांतरण : फर्म लाइफ साइक्ल का प्रभाव	नागर, नीरव; सेन, कौस्तव	वित्त एवं लेखा
2016/03/07	वैचारिक असतत विकल्प मॉडल की कक्षा में	अग्रवाल, मनीष	आईएस
2016/03/08	इंटरैक्टिव असतत विकल्प मॉडल	अग्रवाल, मनीष	आईएस
2016/03/09	जोड़ीदार वरीयताओं के माध्यम से वैचारिक डिसिसन मॉडल लर्निंग	अग्रवाल, मनीष	आईएस
2016/03/10	क्षमता चयन के साथ नोनलीनियर 01 नॅप्सक समस्या	जायसवाल, सचिन	पी एवं क्यू एम
2016/03/11	एफ़आरआईडब्ल्यू एक यथार्थवादी मानव गतिशीलता मॉडल के लिए मुक्त रेडिकल प्रेरित सामाजिक बांड वॉक कैप्चरिंग	रंगनाथन, कविता	आईएस
2016/03/12	कारण संबंधित मार्केटिंग में भाग लेने का इरादा कारण का प्रभाव	कुरेशी, सोनल; थॉमस, सुजो	विपणन
2016/03/13	असतत फर्जी मॉडल का असतत विकल्प	अग्रवाल, मनीष	आईएस
2016/03/14	दो विभिन्न निर्माण परियोजनाओं में परियोजना जोखिम प्रबंधन में अपेक्षित मूल्य पद्धति का अनुकरण	दत्ता, गौतम	पी एवं क्यू एम
2016/03/15	क्या विषम या सम से फर्क पड़ता है	त्रिपाठी, संजीव	अर्थशास्त्र
2016/03/16	मुझे क्यों परवाह करनी चाहिए ये दूसरों के पैसे हैं	त्रिपाठी, संजीव	अर्थशास्त्र
2016/03/17	उपकरण अनुक्रमणिका समस्या के लिए एक नया आनुवंशिक एल्गोरिथ्म	घोष, दिप्तेश	पी एवं क्यू

परिशिष्ट जारी

छ

आधार-पत्र संख्या	शीर्षक	लेखक (कों)	विषय-क्षेत्र
2016/03/18	सशस्त्र संघर्ष में अर्थपूर्ण और संस्थागतकरण : अभ्यास के लिए अवधारणाओं को लागू करना	शारदा, कीर्ति	ओबी
2016/03/19	लेखा परीक्षकों की सामग्री का विचार आयवृद्धि बनाम सामग्री आय घटते आइटम : क्या कंपनी स्तर की जानकारी से रूढिवाद और जोखिम प्रभावित होते हैं?	देसाई, नमन	मानव संसाधन प्रबंधन
2016/03/20	क्या गैरलाभकारी संगठन के लिए कार्य करने से भ्रष्टाचार के मनोविज्ञान पर प्रभाव पड़ता है? भारत से साक्ष्य	देसाई, नमन	वित्त एवं लेखा
2016/03/21	कमाई गुणवत्ता और लेखा परीक्षा शुल्क पर सतत ऑडिटिंग का प्रभाव	देसाई, नमन; जेकब, जोशी; त्रिपाठी, अरिंदम	वित्त एवं लेखा
2016/03/22	क्या लेखापरीक्षक वर्गीकरण स्थानांतरित करने में असमर्थ हैं या वे इसे रिपोर्ट करने के लिए तैयार नहीं हैं? भारत से साक्ष्य	देसाई, नमन; नागर, नीरव	वित्त एवं लेखा
2016/03/23	अच्छा कॉरपोरेट गवर्नेस क्या नकदी प्रवाह में हेरफेर करता है? भारत से साक्ष्य	नागर, नीरव; रायतथ, मेहुल	वित्त एवं लेखा
2016/03/24	निर्माण उद्योग में आय प्रबंधन	नागर, नीरव; ततिपर्टी, वेणु माधव	वित्त एवं लेखा
2016/03/25	राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों में नकदी प्रवाह हेरफेर	नागर, नीरव; अरोड़ा, जस्कीरन	वित्त एवं लेखा
2016/03/26	प्रबंधक सकल मुनाफे में हेरफेर करते हैं? उत्पाद बाजार प्रतियोगिता की भूमिका	नागर, नीरव	वित्त एवं लेखा
2016/03/27	आय स्टेटमेंट वर्गीकरण का प्रबंधन मूल्य : एक अनुभवजन्य परीक्षा	नागर, नीरव; आर्य, अविनाश	वित्त एवं लेखा
2016/03/28	वर्गीकरण स्थानांतरण : प्रबंधकों की असली कार्रवाइयां क्या है?	नागर,नीरव; सेन, कौस्तव	वित्त एवं लेखा
2016/03/29	इंडेक्सिंग समस्या के लिए आनुवंशिक एल्गोरिथ्म क्रॉसओवर और उत्परिवर्तन ऑपरेटर की तुलना करना	घोष, दिप्तेश	पी एवं क्यू एम
2016/03/30	विपणन एक विज्ञान है? : बहस पर फिर से गौर करना	शर्मा, धीरज	विपणन
2016/03/31	रणनीतियों में रूझान और भारतीय कॉर्पोरेट का प्रदर्शन : दो दशक के आर्थिक सुधारों में क्या बदलाव आया है?	बसंत, राकेश; मिश्रा, पुलक	अर्थशास्त्र
2016/03/32	अनुक्रमण समस्या को हल करने के लिए आनुवंशिक एल्गोरिदम में लिंग और आयु शामिल करना	घोष, दिप्तेश	पी एवं क्यू एम
2016-03-33	भारत में सस्ती हाउसिंग नीतियों की परीक्षा	सरकार, अनिंडो; ढविलिकर, उदयन; अग्रवाल, विक्रम; मॉरिस, सेबस्टियन	अर्थशास्त्र
2016-03-34	स्वामित्व संरचना और भारतीय फर्मों का अंतर्राष्ट्रीयकरण	सिंगला, चित्रा; जॉर्ज पी., रेजी; वेलियत, राजाराम	बीपी

परिशिष्ट जारी

छ

आधार-पत्र संख्या	शीर्षक	लेखक (कों)	विषय-क्षेत्र
2016-03-35	फर्मों के प्रदर्शन पर बोर्ड और सीईओ अभिलक्षण का प्रभाव	सिंगला, चित्रा	बीपी
2016-03-36	फर्म के शासन पर स्वतंत्र निदेशकों के इस्तीफे का प्रभाव	सिंह, प्रीत दीप; सिंगला, चित्रा	बीपी
2016-03-37	विकासशील देशों में कर चोरी का एक सिद्धांत	डिसूजा,एरोल	अर्थशास्त्र
2016-03-38	गुणांक अल्फा को समझना : आकलन और व्याख्याएं	शर्मा, धीरज	विपणन
2016-03-39	विकेता के ट्रस्ट, प्रतिबद्धता, नौकरी में संतोष, कार्य निष्पादन और संबंधपरक पूंजी पर अभिप्रायित चिनिबलाइजेशन के प्रभाव की खोज	शर्मा, धीरज	विपणन
2016-03-40	बिक्री कार्यक्रमों में उपभोक्ताओं की अपेक्षा : बिक्री के दौरान खरीदारी के साथ उपभोक्ता कितने संतुष्ट हैं?	बोर्ना, शाहीन; शर्मा, धीरज	विपणन
2016-03-41	क्या व्यवसायिक अग्रणियों की उचित खपत उचित और नैतिक रूप से संरक्षित है?	बोर्ना, शाहीन; शर्मा, धीरज	विपणन
2016-03-42	उभरती अर्थव्यवस्थाओं में ईकॉमर्स के लिए मूल्य निर्धारण	मंडल, सुदीप्त; शर्मा, धीरज	विपणन
2016-03-43	उभरते बाजार में ईकॉमर्स के लिए मार्केटिंग चैनल	कपूर, अंकुर; शर्मा, धीरज	विपणन
2016-03-44	उभरती अर्थव्यवस्था के संदर्भ में ईकॉमर्स बिक्री	पांडे, अर्पिता; शर्मा, धीरज	विपणन
2016-03-45	ऑनलाइन खुदरा प्रदर्शन के लिए एक मेटा विश्लेषण	कपूर, अंकुर; शर्मा, धीरज	विपणन
2016-03-46	ब्रांड इक्विटी के पूर्व और परिणाम : एक मेटाविश्लेषण	पांडे, अर्पिता; शर्मा, धीरज	विपणन
2016-03-47	पूर्ववाही और उत्पादन वाचार के परिणाम : एक मेट ाविश्लेषणात्मक समीक्षा	मंडल, सुदीप्त; शर्मा धीरज	विपणन
2016-03-48	एक आयाम की एक परीक्षा सीमांत वितरण : एक विकेता की बिक्री और गैरबिक्री गतिविधियां	शर्मा, धीरज; तलपुर, मीर गुलाम हैदर	विपणन
2016-03-49	खुली पहुंच प्रलोभन : खरीदार सावधान रहें	विरमानी, विनीत	वित्त एवं लेखा
2016-03-50	एल्यूमिनियम उद्योग और सर्वेक्षण या एक एकीकृत एल्यूमिनियम संयंत्र में अनुप्रयोग का एक परिचय	अपुजानी, पायल; दत्ता, गौतम; गुप्ता, नारायण	पी एवं क्यू
2016-03-51	भारत में मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य के मानव संसाधन मुद्दे	माहेश्वरी, सुनील कुमार;मावलंकर, दिलीप	सीएमएचएस
2016-03-52	भारतीय फार्मास्यूटिकल फर्मों में प्रतिभा प्रबंधन प्रणालियां : एक उभरती हुई टाईपोलॉजी की तलाश	शारदा, कीर्ति	ओबी
2016-03-53	समृद्ध समुदाय के लिए समृद्ध जलवायु शीतलनीय मितव्ययी नवाचार	डे, अनामिका; गुप्ता अनिल	सीएमए

परिशिष्ट जारी

छ

आधार-पत्र संख्या	शीर्षक	लेखक (कों)	विषय-क्षेत्र
2016-03-54	उच्च जलवायु जोखिम लचीलापन के लिए विभिन्न स्तरों पर ओपन इनोवेशन	डे अनामिका; गुप्ता, अनिल; सिंह, गुरदीप	सीएमए
2016-03-55	कार्यकारी स्टॉक विकल्प : क्या यह सभी परिदृश्यों में सुशासन तंत्र के रूप में काम करेगा?	सिंह, प्रीत दीप; सिंगला, चित्रा	बीपी
2016-03-56	फर्मों में रोलर्स बोर्ड के सदस्यों के निर्धारक कारक	सिंगला, चित्रा	बीपी
2016-03-57	क्या मेक इन इंडिया भारतीय श्रम बाजार के विनियमों से प्रभावित है?	माथुर, अजीत एन.	बीपी
2016-03-58	भारत में समर्पित उच्च गति रेल नेटवर्क : विकास में मुद्दे	रघुराम, जी; उदयकुमार, प्रशांत डी.	पीएसजी
2016-03-59	भारत में ऋण की एजेंसी लागत पर स्वामित्व संरचना का प्रभाव	कोछ्वाल, सकिनो तेहद;सिंगला, चित्रा	बीपी
2016-03-60	भारत में एक उद्योग में इनबाउंड और आउटबाउंड एम एवं ए का निर्धारण करने वाले कारक	सिंगला, चित्रा; अग्रवाल, विक्रम	बीपी
2016-03-61	ग्रामीण भारत में व्यक्तियों पर प्रभावित इंटरनेट के प्रभाव को मापना	जैन, रेखा	आईएस
2016-03-62	इंटरनेट उपयोग के चालकों के रूप में अनुमानित परिणाम अपेक्षाएं और आत्म-प्रभावकारिता : ग्रामीण भारत से परिप्रेक्ष्य	जैन, रेखा	आईएस
ईआरएस 2015005 एलआईएस	स्वचालित भारोत्तोलन वाहनों का उपयोग करने वाले कंटेनर टर्मिनल पर अनलोडिंग और लोडिंग ऑपरेशंस का स्टेचस्टिक मॉडलिंग	देबजित रॉय, रेने डी कॉस्टर	पी एवं क्यू एम
एसएसआरएन	ओपन एंडक्लोज्ड मैनुफैक्चरिंग सिस्टम्स के विश्लेषण के लिए थ्रूपूट मैचिंग एल्गोरिदम और स्टोचैस्टिक मॉडल	देबजित रॉय, वसुधा रविकुमारन	पी एवं क्यू एम
एसएसआरएन	वाहन आधारित वेयरहाउस सिस्टम के प्रदर्शन का विश्लेषण करने के लिए एक बहुस्तरीय लिंकिंग दृष्टिकोण	देबजित रॉय;अनंत कृष्णमूर्ति; सुंदेरेश हेरागु;चार्ल्स मलम्बोर्ग	पी एवं क्यू एम
डब्ल्यूपीएस 7618	उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में उपसार्वभौमिक बॉड रेटिंग पर प्रभाव	संकेत महापात्र;मनाबू नोज; दिलीप रथ	अर्थशास्त्र
वेज इंडिकेटर फाउंडेशन, एम्स्टर्डम	एशियाई देशों में न्यूनतम मजदूरी की तुलना : न्यूनतम वेतन निर्धारण http://www.wageindicator.org/documents/publicationslist/publications-2016/varkkey-b-korder-singh-s-2016-minimum-wage-comparison-asian-countries	वर्की, बीजू; कॉर्ड, रूपा; सिंह, संजना	मानव संसाधन प्रबंधन
वेज इंडिकेटर फाउंडेशन, एम्स्टर्डम	वेज इंडेक्स रिपोर्ट भारत : भारत में औपचारिक श्रम बाजार पर मजदूरी और कामकाजी परिस्थितियां।	कबीना थॉमस, वर्की बीजू, कॉर्ड स्मा, और बिजीक, पी.	मानव संसाधन प्रबंधन
ईपीडब्ल्यू	पंजाब के एपीएमसी मंडियों में अर्धियाः अपर्याप्त विश्लेषण और समाधान	सुखपाल सिंह	सीएमए

परिशिष्ट जारी

छ

आधार-पत्र संख्या	शीर्षक	लेखक (कों)	विषय-क्षेत्र
एसएसआरएन	मोबाइल संचार नीतियां और विकसित और विकासशील देशों में राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड रणनीतियां : पाठ, नीतिगत मुद्दे और चुनौतियां टीपीआरसी 43 में प्रस्तुत किए गए संचार, सूचना और इंटरनेट नीति पत्र पर 43वाँ अनुसंधान सम्मेलन, 24-27 जुलाई, 2015	डॉ. प्रभाकर के नेगी; प्रोफेसर रेखा जैन	आईएस
एमएसयू, सीओआईएन रिपोर्ट संख्या 2016008	अनिश्चितताओं के तहत बाईलेवल अनुकूलन समस्याओं में विश्वसनीय समाधान ढूँढना	ज़ेड लू; के. देब;ए के. सिन्हा	पी एवं क्यू एम
एमएसयू, सीओआईएन रिपोर्ट संख्या 2016015	निम्न स्तर इष्टतम मान कार्य के बारे में प्रस्तुत रूप से अनुमानित द्वारा आशावादी बाईलेवल कार्यक्रमों का समाधान करना	एक सिन्हा; पी मालो; के. देब	पी एवं क्यू एम
एमएसयू, सीओआईएन रिपोर्ट संख्या 2016017	उत्क्रांतिशील बाइलेवल अनुकूलन का उपयोग करते हुए उलटी इष्टतम नियंत्रण समस्याओं को संभालना	वी सूर्यन; एक सिन्हा; पी मालो; के. देब	पी एवं क्यू एम
एफ़इइएम आधारपत्र सं 110.2015	वैश्विक मॉडल से क्षेत्रीय कमउत्सर्जन पगडंडी	हेलीन वान सोएट और अन्य	पीएसजी
डीटीयू, डीके	भारत में बड़े शुद्धीकरण के रास्ते एसडीएसएन-आईडीडीआरआई	पी शुक्ला;सुभाष धर; मिनल पाठक; दर्शिनी महादेविया; अमित गर्ग	पीएसजी
यूएनएफ़सीसीसी	31 मार्च 2015 को अज़रबैजान की पहली द्विवार्षिक अद्यतन रिपोर्ट के तकनीकी विश्लेषण पर सारांश रिपोर्ट	कामेल जेमोई; अमित गर्ग; निकोलस लेक्लर्क; हेलेन जोन प्लम; मारियस तारानू	पीएसजी
यूएनएफ़सीसीसी	बोस्निया और हर्जेगोविना की पहली द्विवार्षिक अद्यतन रिपोर्ट के तकनीकी विश्लेषण पर सारांश रिपोर्ट 12 मार्च 2015 को प्रस्तुत की गई	कामेल जेमोई; अमित गर्ग; निकोलस लेक्लर्क;हेलेन जोन प्लम; मारियस तारानू	पीएसजी

अप्रैल 2015 से मार्च 2016 तक संस्थान में आयोजित की गईं संगोष्ठियाँ

वक्ता	विषय	तारीख	क्षेत्र
डॉ अरुण कुमार पीएचडी उम्मीदवार, लैंकेस्टर यूनिवर्सिटी, यूके	प्रबंधन का इतिहास; और इतिहास का प्रबंधन	अप्रैल 29, 2015	आईएफ़आरसी
प्रो. क्रिस कारर एडिनबर्ग बिजनेस स्कूल विश्वविद्यालय, यूएसए	मजबूत रणनीतियाँ : जीकेएन 17-59 2012 से सबक	24 जून, 2015	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रो सुरेश गोविंदराज न्यू जर्सी स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए	कर हानि का मूल्यांकन आगे ले जाना और वापस लाना और डायनामिक पोर्टफोलियो चयन के लिए इसके प्रभाव	25 जून, 2015	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. अंजू मेहता नॉर्दर्न आयोवा विश्वविद्यालय	टीम उन्मुखीकरण और टीम प्रभावशीलता : ज्ञान एकीकरण के बीच का प्रभाव	30 जून, 2015	ओबी

परिशिष्ट जारी

छ

वक्ता	विषय	तारीख	क्षेत्र
डॉ निखिल मेहता नॉर्दर्न आयोवा विश्वविद्यालय	आउटसोर्स सॉफ्टवेयर विकास में ज्ञान एकीकरण पहरेदार और रक्षक प्रक्रियाओं की भूमिका	30 जून, 2015	आईएस
प्रो. उट्टीयो दासगुप्ता वाग्नेर कॉलेज और इंटरनेशनल अध्ययन एंड पॉलिसी के केंद्र में एक वरिष्ठ रिसर्च एसोसिएट, फोर्डम यूनिवर्सिटी	केवल मेरा या हम सबका क्या मजबूत हकदारी परिवार में निस्संदेह विकल्प को प्रभावित करती है	9 जुलाई, 2015	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रो अनिंद्य एस चक्रवर्ती, आईआईएम अहमदाबाद	आर्थिक प्रोत्साहन बनाम संस्थागत संघर्ष : अंतरदेशीय प्रवासन की गतिशीलता	14 जुलाई, 2015	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रो. कनूप्रिया कात्याल जीआईएम, गोवा	एक उचित किराया क्या है? मूल्य निष्पक्षता और मूल्य अयोग्यता के बीच मतभेद की खोज	15 जुलाई, 2015	विपणन
डॉ. अर्कदीप्ता घोष मेथेमैटिका, न्यू जर्सी	लागत और मृत्यु दर पर बुजुर्गों के लिए सभी समावेशी देखभाल के कार्यक्रम के प्रभाव	20 जुलाई, 2015	पीएसजी
डॉ अदिति भट्टाचार्य ह्यूस्टन स्टेट यूनिवर्सिटी, टेक्सास, यूएसए	चावल खेती की तकनीकी दक्षता का एक सामान्यीकृत स्टोचस्टिक उत्पादन सीमांत विश्लेषण : असम, भारत से एक केस अध्ययन	20 जुलाई, 2015	अर्थशास्त्र
प्रोफेसर अंकुर सिन्हा आईआईएम अहमदाबाद	निम्न स्तरीय निर्णय अनिश्चितता के साथ स्टैकबर्ग गेम	29 जुलाई, 2015	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ दिलीप कुमार आईआईएम काशीपुर	मुक्त, उच्च, निम्न और करीबी कीमतों का उपयोग करके अनुमानित अस्थिरता में योगात्मक पूर्वाग्रह सुधार	31 जुलाई, 2015	वित्त एवं लेखा
प्रोफेसर रवि नायडू सहकारी संदूषण अनुसंधान केंद्र पर्यावरण का आकलन और उपाय	पर्यावरण का वैश्विक संदूषण आकलन और उपाय	3 अगस्त 2015	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रो डी. डैनियल सोकोल यूनिवर्सिटी ऑफ फ्लोरिडा लेवेन कॉलेज ऑफ़ लॉ	नीतिगत नवाचार, राजनीतिक प्राथमिकताएं, और कार्टेल उत्पीड़न	10 अगस्त 2015	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ सिद्धार्थ महापात्र आलियोन्स विश्वविद्यालय, बेंगलुरू	आय हेरफेर, मानव तर्कसंगतता, और सापेक्ष अवमूल्यन :मानव संसाधन प्रबंधन के लिए वैचारिकता एवं अनिश्चितता की लोक संकल्पना के परिप्रेक्ष्य से कुछ महत्वपूर्ण आकलन	20 अगस्त, 2015	मानव संसाधन प्रबंधन
प्रो कुलदीप कुमार बॉन्ड विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया	धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी कैसे पता लगाएँ और कैसे रोकें	26 अगस्त, 2015	अनुसंधान एवं प्रकाशन

परिशिष्ट जारी

छ

वक्ता	विषय	तारीख	क्षेत्र
प्रोफेसर विशाल गुप्ता आईआईएम अहमदाबाद	नवाचार के लिए कब बुरे अनुभव होते हैं? भारतीय अनुसंधान एवं विकास के संदर्भ में नेतृत्व, कार्य प्रेरणा और कर्मचारी की नवीनता के बीच संबंधों की जांच करना	27 अगस्त, 2015	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रो शैलेश के. टिपनिस इलिनोइस स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए	रेखांकन और मल्टीग्राफों के पथ अपघटन के बारे में	28 अगस्त, 2015	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रो आर. श्रीधरन	आपूर्ति श्रृंखला में अवसरवादीता : विकास का निर्माण और अनुभवजन्य साक्ष्य	31 अगस्त 2015	पी एवं क्यू एम
प्रो. हंस जे. ह्यूबर आईआईएम अहमदाबाद	भारत का हवाई यातायात तंत्र : नेटवर्क टोपोलॉजीज, पदानुक्रम और उत्क्रांति	4 सितंबर, 2015	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रो. अनीश सुगथन आईआईएम अहमदाबाद	भारत में कोयला आधारित ऊर्जा संयंत्र	10 सितंबर, 2015	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रो. श्रीकुमार कृष्णमूर्ति आईआईएम अहमदाबाद	ऑनलाइन समीक्षा को कैसे सहायक बनाया जाता है?	11 सितंबर, 2015	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ विजया सी. सुब्रमण्यम एग्रीग्रिगेटर इंक., बेंगलुरू	उत्पाद सुरक्षा और वैश्विक खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में वापसी	11 सितंबर, 2015	सीएमए
डॉ. मिगुएल सर्रियन पीपल मैटर्स, मैड्रिड, स्पेन	सेवा स्थापन में संलग्नता जलवायु	18 सितंबर, 2015	मानव संसाधन प्रबंधन
प्रो. काशीविश्वनाथन चेल्वकुमार, आईआईटी गांधीनगर	श्रीलंकाई जातीय स्थिति	24 सितंबर, 2015	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. स्ई ओलिविएरा सोने सिएरा, चीन	चीनी फर्मों का अंतर्राष्ट्रीयकरण : क्यों कुछ को सफलता मिली और कुछ को नहीं	29 सितंबर, 2015	बीपी
डॉ. पीटर ह्वांग सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय	बाहरी प्रोत्साहन और संगठनात्मक संदर्भ संगठनों में नियंत्रण के कठिन और नरम पहलू	30 सितंबर 2015	बीपी
प्रो. आसू जे. वखारिया फ्लोरिडा विश्वविद्यालय	आपूर्ति श्रृंखला में स्थिरता के मुद्दों की खोज	5 अक्टूबर, 2015	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. मनीष अग्रवाल	निर्णय निर्माता के आदर्श समाधान की प्राथमिकता आधारित शिक्षा	6 अक्टूबर, 2015	आईएस
प्रो. सुनील विनायक क्वींसलैंड बिजनेस स्कूल विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया	राष्ट्रीय संस्कृति का भ्रम	30 अक्टूबर, 2015	अनुसंधान एवंप्रकाशन
प्रो. अजीत एन. माथुर आईआईएम अहमदाबाद	मिदास का स्पर्श या भस्मासुर का अभिशाप? फिनलैंड में भारतीय निवेश की विफलताओं से बोध	23 नवंबर, 2015	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रो. इरीना वोडेंस्का बोस्टन विश्वविद्यालय, यूएसए	सोशल मीडिया, न्यूज और ग्लोबल फाइनेंशियल मार्केट विवरणियों के बीच रिश्ते को समझने के लिए जटिल नेटवर्क दृष्टिकोण	26 नवंबर, 2015	अनुसंधान एवं प्रकाशन

परिशिष्ट जारी

छ

वक्ता	विषय	तारीख	क्षेत्र
डॉ. लक्ष्मी नारायणन वेंकटरमन दक्षिण अफ्रीका में उच्च शिक्षा और विकास अनुसंधान केंद्र	ज्ञान अर्थव्यवस्था में विश्वविद्यालय : भारत और दक्षिण अफ्रीका में उच्च शिक्षा परिवर्तन	27 नवंबर, 2015	आरजेएमसीईआई
प्रो. चिन्मय तुम्बे टाटा समाज विज्ञान संस्थान, हैदराबाद	लापता लोग, प्रवासन और श्रम बाजार : भारत से साक्ष्य	2 दिसंबर, 2015	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रो. विक्टर याकोवेंको मैरीलैंड विश्वविद्यालय, यूएसए	सांख्यिकी भौतिकी दृष्टिकोण से आर्थिक असमानता	2 दिसंबर, 2015	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रो. अरुल मिश्रा उटा विश्वविद्यालय, यूएसए	समानता कर्नेल के माध्यम से सर्वाधिक और सबसे कम होनहार ग्राहकों की पहचान करना	11 दिसंबर, 2015	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. मोहन थीते ग्रिफ़िथ विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया	भारतीय आईटी सेवाएँ बहुराष्ट्रीय : एचआर की सामरिक भूमिका, योगदान और चुनौतियां	4 दिसंबर, 2015	मानव संसाधन प्रबंधन
प्रोफेसर हिमांशु मिश्रा उटा विश्वविद्यालय, यूएसए	इनस्टोर विज्ञापन पर बिक्री का प्रभाव	11 दिसंबर, 2015	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रो. सुशांत मलिक क्वीन मैरी लंदन विश्वविद्यालय, ब्रिटेन	कॉर्पोरेट ऋण पुनर्रचना, बैंक प्रतियोगिता और तृप्ति : लेनदारों के नजरिए से सबूत	14 दिसंबर, 2015	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. पुदुरु विश्वनाथ रेड्डी जीईआरएडी, एचईसी मॉन्ट्रियल, कनाडा	बाधाओं के साथ गैरसहकारी गतिशील कार्य	14 दिसंबर, 2015	आईएफ़आरसी
डॉ. कथन शुक्ला वर्जीनिया विश्वविद्यालय	मध्य और उच्च विद्यालयों में प्राधिकृत स्कूल जलवायु और छात्र शैक्षणिक संलग्नता, ग्रेड और आकांक्षाएं	15 दिसंबर 2015	आरजेएमसीईआई
प्रो आर. वी. राममूर्ती मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए	गैरपैरामेट्रिक अध्ययन पूर्वाग्रह : एक परिचय	15 दिसंबर 2015	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रो. सुरेश राधाकृष्णन टेक्सास विश्वविद्यालय, डलास	कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व रिपोर्ट कथाएं और विश्लेषक पूर्वानुमान सटीकता	16 दिसंबर, 2015	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. अक्षय विजयलक्ष्मी दक्षिण डकोटा विश्वविद्यालय, यूएसए	जब हिंसा स्वीकार्य होती है : हिंसक विनोदी विज्ञापनों का केस	17 दिसंबर, 2015	विपणन
प्रो मंदार ओक एडिलेड विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया	पहुंच, एजेंडा प्रतिबंध और सूचनात्मक लॉबिंग	21 दिसंबर, 2015	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. सचिन कुमार बडकास संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय एमईआरआईटी, नीदरलैंड	बहुराष्ट्रीय कंपनियां और वैश्विक विदेश नीति : पिछले 5 सालों में हमारे द्वारा छंटनी हुई एक प्रवृत्ति हो सकती है	5 जनवरी 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रो. टिमोथी ए गोन्साल्विस आईआईटी मंडी	दूरदराज के क्षेत्र में एक उच्च तकनीकी शिक्षा संस्थान का निर्माण करने में चुनौतियां : आईआईटी मंडी का एक केस अध्ययन	7 जनवरी, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन

परिशिष्ट जारी

छ

वक्ता	विषय	तारीख	क्षेत्र
प्रो. जोहान्स उरपेलैनेंन कोलम्बिया विश्वविद्यालय	कट्टर राजनीति और आमजन की त्रासदी : भारत के ब्रेडबास्केट में भूजल में कमी	8 जनवरी, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. निधि खोसला	स्वास्थ्य देखभाल एजेंसियों के बीच सहयोग को समझना	8 जनवरी, 2016	पीएसजी
डॉ रोहित सिंगला कैरोल स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, बोस्टन कॉलेज, यूएसए	कैनोला में बहुमूल्य गुणों का आर्थिक प्रभाव विश्लेषण	12 जनवरी 2016	सीएमए
प्रोफेसर अंशुमान प्रसाद न्यू हेवन विश्वविद्यालय प्रो. पुष्काल प्रसाद स्किदमोर कॉलेज	उड़ाने वाला धुआं : अमेरिकी तंबाकू उद्योग द्वारा नैतिक अवैधता का प्रबंधन	13 जनवरी 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफेसर शैलेंद्र सी. जैन पलविया लोंग आइलैंड यूनिवर्सिटी पोस्ट	भारत में भ्रष्टाचार से निपटने के लिए ई-सरकार और आईटी केस और अनुप्रयोग अनुसंधान जर्नल (जेआईटीसीएआर)	18 जनवरी, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. गौरी लाउद आरएमआईटी विश्वविद्यालय, मेलबोर्न, ऑस्ट्रेलिया	संसाधन एकीकरण के लिए अंतःस्थापित प्रणालीवाद की भूमिका : एक सामाजिक पूंजी परिप्रेक्ष्य के माध्यम से एसडी लॉजिक का क्रियान्वयन अनुसंधान	18 जनवरी, 2016	विपणन
प्रो. मनोज अगरवाल बिंगमटन विश्वविद्यालय	मार्केटिंग पर वित्तीय लाभ का प्रभाव सुपरमार्केट्स में मैन्युफैक्चरर्स के मूल्य निर्धारण और संवर्धन रणनीति की एक अनुभवजन्य जांच	22 जनवरी 2016	रिटेलिंग केंद्र
प्रो. टी.ई.एस. राघवन इलिनोइस विश्वविद्यालय, शिकागो	खेल सिद्धांत : विरोध संकल्प के लिए गणित	28 जनवरी, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
श्री ब्रायन पावर्स इलिनोइस विश्वविद्यालय, शिकागो	सात अंकों का वेतन, कुल अराजकता से बचना और गेम थ्योरी	जनवरी 29, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रो. लिलाक नचूम सिटी यूनिवर्सिटी न्यू यॉर्क	जो करीब है वह दूर है और जो दूर है वह करीब है : एफडीआई, भौगोलिक स्थान और कनेक्टिविटी	1 फरवरी, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. दीप्ती गणपति आईआईएम इंदौर (विजिटिंग फैकल्टी)	भारतीय राजनीतिज्ञों और हस्तियों के ट्वीट्स का सामग्री विश्लेषण	05 फरवरी, 2016	संचार
श्री स्वागता भट्टाचार्यजी ऑस्टिन में टेक्सास विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग में पीएचडी उम्मीदवार	संदिग्धता के तहत नवाचार के लिए करार (नौकरी बाजार आधारपत्र)	9 फरवरी, 2016	अर्थशास्त्र
डॉ. प्रबीर नियोगी कार्लेटन विश्वविद्यालय, ओटावा, कनाडा	भविष्य देखना, भूतकाल देखना : इंटरनेट पर भरोसे, विश्वास और सुरक्षा के लिए खतरे और विकासशील देशों के लिए चुनौतियां	11 फरवरी, 2016	आईआईटीसीओई

परिशिष्ट जारी

छ

वक्ता	विषय	तारीख	क्षेत्र
डॉ. चिन्मय तुम्बे टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान हैदराबाद	शहरीकरण और जनसांख्यिकी संक्रमणः भारत के जनसांख्यिकीय विचलन से साक्ष्य	15 फरवरी, 2016	अर्थशास्त्र
श्री विपुल माथुर आईआईएम बेंगलुरू में डॉक्टरेट के उम्मीदवार	अंतर्जात संपत्ति बाजार विभाजन के तहत इष्टतम मौद्रिक नीति और इक्विटी प्रीमियम	16 फरवरी, 2016	अर्थशास्त्र
श्री आशीष कुमार झा, डॉक्टरेट प्रत्याशी, आईआईएम कलकत्ता	नवाचार के लिए सहयोग : आईटी कंपनियों में नवाचार परिणामों पर प्रतिभागिता के प्रभाव की एक आनुभविक जाँच	24 फरवरी 2016	आईएस
प्रोफेसर फेलिक्स पेपर एएसईईसी बिजनेस स्कूल	अनुक्रमिक अग्रिम मांग सूचना के तहत आपूर्ति आवंटन	8 मार्च, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
सुश्री देबरती बासु डॉक्टरी के प्रत्याशी, आईआईएम कलकत्ता	अनारक्षित आंतरिक पूंजी बाजार लेनदेन को छुपाने के लिए रियल आय प्रबंधन	मार्च 08, 2016	वित्त एवं लेखा
प्रो दीपक मालघन आईआईएम बेंगलुरू	सिटीस, एलटियस, फोर्टियस कैसे दुनिया में कुशल बन गए उसका एक इतिहास	9 मार्च, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रो. पारेषा सिन्हा वाइकाटो विश्वविद्यालय	कुशल प्रवासियों के पुनर्वास निर्णय और पुनर्स्थापन प्रक्रिया : भावनात्मक श्रम की अंतःस्थापित भूमिका	11 मार्च, 2016	अनुसंधान एवं प्रकाशन

केस, अनुसंधान, और परामर्श

वर्ष	पूर्ण किए गए केस (संचयी)	पूर्ण हुई अनुसंधान परियोजनाएँ (संचयी)	पूर्ण हुई परामर्श परियोजनाएँ (संचयी)
2006-07	2977	709	2137
2007-08	2988	729	2186
2008-09	3037	749	2272
2009-10	3050	791	2405
2010-11	3062	792	2510
2011-12	3068	793	2634
2012-13	3080	797	2708
2013-14	3169	814	2823
2014-15	3210	889	3356
2015-16	**3849**	**889**	**3438**

झ

प्रकाशन

पुस्तकें

अग्रवाल, ए.के. (2016). प्रबंधकों के लिए संविदा और मध्यस्थता, लॉस एंजिल्स सेज

लाहा, ए.के. (2015). सही फैसला कैसे करें, अहमदाबाद रैंडम हाउस इंडिया

राम मोहन, टी.टी. (2015). रीथिन्क : आज के निगमों में क्या टूट गया और इसे कैसे ठीक किया जाए, दिल्ली पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया

डेस्लेर, जी., और वर्की, बी. (2016). मानव संसाधन प्रबंधन, दिल्ली पियर्सन इंडिया

माथुर, ए एन (2016) भविष्य के लिए रणनीतियों अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को समझना, आईआईएमए बिजनेस बुक्स सीरीज, पेंगुइन रैंडम हाउस, नई दिल्ली, द्वितीय संस्करण चौथा संस्करण।

रॉय, डी., रघुराम, जी., जैन, आर., शारदा, के., और त्रिपाठी, एस. (2016). ट्रकिंग व्यवसाय प्रबंधन मामले और अवधारणाएं, नई दिल्ली मैकग्रा हिल एजुकेशन (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड

शर्मा, डी., शेठ, जे., और मित्तल, बी. (2015) : उपभोक्ता व्यवहार एक प्रबंधकीय परिप्रेक्ष्य, सेन्गागे

पत्रिकाओं में आलेख

अभिषेक, और हेमचंद, एस. (2016). भारत में मोबाइल मार्केटिंग के लिए सेंसर आधारित संचार को अपनाना, भारतीय व्यापार अनुसंधान जर्नल, 8(1), 65-76 http://www.emeraldinsight.com/doi/full/10.1108/JIBR-08-2015-0091 से प्राप्त

अभिषेक, और सहाय, ए. (2016). सेलिब्रिटी विज्ञापन में संस्कृति की भूमिका भारतीय संदर्भ में मशहूर हस्तियों द्वारा ब्रांड समर्थन, भारतीय संस्कृति और व्यवसाय प्रबंधन की इंटरनेशनल जर्नल, 13 (3). http://www.inderscience.com/info/ingeneral/forthcoming.php?jcode=ijicbm से प्राप्त

अभिषेक, और सिन्हा, पी.के. (2016). कार्य परिभाषा शॉपिंग स्थितियों के तत्व भारतीय ग्राहकों का हैप्टिक सेलिएन्स पर उच्च उत्पादों के संदर्भ में अध्ययन, भारतीय संस्कृति और व्यवसाय प्रबंधन की इंटरनेशनल जर्नल, 13 (2). DOI: http://dx.doi.org/10.1504/IJICBM.2016.078043

अभिषेक, और सक्सेना, आर. (2015)। भारतीय संदर्भ में विकलांगता (सीडब्ल्यूडी) के साथ ग्राहकों के लिए बिजनेस स्ट्रेटजी को फिर से तैयार करना, विकल्पा निर्णय निर्माताओं की जर्नल http://vik.sagepub.com/content/40/2/121.full.pdf+html से प्राप्त

एरोन, पी., और जैन आर. (2015). भारत में उत्पाद आधारित दूरसंचार शुरुआतकर्ताओं के बीच तकनीकी क्षमता का एक अध्ययन ज्ञान, शिक्षा और ब्रिकोल की भूमिका, तकनीकी सीखना, नवाचार और विकास की अंतरराष्ट्रीय जर्नल। 336-360. DOI: 10.1504/IJTLID.2015.073039

अग्रवाल, पी. (2015). भारत में मनोवैज्ञानिक अनुबंध की अवस्था नया सौदा प्रबंधन, ग्लोबल बिजनेस रिव्यू, 16, 623-631

अग्रवाल, एम. (2016) सूचना समूह के साथ अनिश्चितता का प्रतिनिधित्व करना, फजी सिस्टम पर आईईईई लेनदेन, 24. http://ieeexplore.ieee.org/xpl/articleDetails.jsp? arnumber=7072501&newsearch=true&queryText=Representing%20uncertainty%20with%20information%20sets

अग्रवाल, एम. (2016) संभाव्य परिवर्तनीय प्रेसिजन फजी रफ समूह, फजी सिस्टम पर आईईईई लेनदेन, 24, 29-39 http://ieeexplore.ieee.org/xpl/articleDetails.jsp? arnumber=7094251&queryText=probabilistic%20variable%20precision%20fuzzy%20rough%20sets&newsearch=true

अग्रवाल, एम. (2016). बहुकोणीय निर्णय लेने में भाषाई भेदभावपूर्ण एकत्रीकरण, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट सिस्टम http://onlinelibrary.wiley.com/doi/ 10.1002/int.21793/abstract सार से प्राप्त

अवाशिया, वी. और गर्ग, ए. (2016). जेएनएनयूयूआरएम के तहतशहरी बुनियादी ढांचा और प्रशासन मिशन क्या सुधार किए गए हैं? आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक वर्तमान आर्थिक और राजनीतिक मामलों की जर्नल 51 (2), 41-57

परिशिष्ट जारी

बनर्जी, पी.जे., त्रिपाठी एस., और सहाय ए. (2016). जब कम अधिक से बेहतर होता है तन्यता मूल्य प्रोन्नति में कुछकम छूट, जर्नल ऑफ़ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विस 31, 93-102. DOI:10.1016/j.jretconser.2016.03.012

बसंत, आर., और श्रीनिवासन, एस. (2016). भारत में बौद्धिक संपदा संरक्षण और स्वास्थ्य नवप्रवर्तन के लिए निहितार्थ उभरते दृष्टिकोण, स्वास्थ्य में नवाचार और उद्यमिता, 3, 57-68 https://www.dovepress.com/intellectual-property-protection-in-india-and-implications-for-health--peer-reviewed-fulltext-article-IEH से प्राप्त

बाथिनी, डी.आर., और कंडाइल, जी. (2015): घर से काम वरदान या अभिशाप? कर्मचारी लागत का लापता भाग, औद्योगिक संबंधों की भारतीय जर्नल, 50 (4), 568-574

बोफ़्फ़ा, एफ़, पिंगाली, वी. एवं सला, एफ़ (2015). व्यापारी प्रसार में रणनीतिक निवेश : क्षमता उपयोगिता नियमों का प्रभाव, ऊर्जा नीति, 85, 455463. http://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S030142151500141X से प्राप्त किया।

बलसारा, एच.पी., ढींगरा, वी.एस., और गांधी, एस.बी. (2015)। विदेशी संस्थागत निवेश प्रवाह और स्टॉक मार्केट रिटर्न के बीच गतिशील संबंध भारत का मामला, समकालीन अर्थशास्त्र 9 (3), 271-298 http://ssrn.com/abstract=2690332 से प्राप्त

चक्रवर्ती, ए.एस. (2016). स्टोकैस्टिक लोटकावोल्टररा समीकरण इंटरकनेक्टेड दुनिया में प्रौद्योगिकी के झुका हुआ प्रसार का एक मॉडल, फिजिका ए सांख्यिकी यांत्रिकी और उसके अनुप्रयोग। 442, 214-223 http://www.sciencedirect.com/ science/ article/pii/ S0378437115007578 से प्राप्त किया गया

चंद, वी.एस. (2015). व्यवसाय की नीति और सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए गांधी से कुछ शिक्षा, जीआईटीएएम विश्वविद्यालय, 4, 142-144

चंदवानी, आर (2015). सामाजिक उद्यमों को बढ़ाने के लिए एचआर सिस्टम सस्ते स्वास्थ्य संगठनों के केस अध्ययन, एनएचआरडी नेटवर्क जर्नल, 67-72

चंदवानी, आर., अग्रवाल, एन.एम., और केडिया, बी.एल. (2016)। माइंडफुलनेस ग्लोबल माइंडसेट एंड लीडरशिप, थंडरबर्ड इंटरनेशनल बिजनेस रिव्यू, 58, 617-625. DOI: 10.1002/tie.21760

चांदवानी, आर., और डे राहुल (2016) टेलिमेडिसिन में चिकित्सकरोगी संपर्क निर्णय और तर्क संबंधी देखभाल के तर्क, सूचना प्रणाली फ्रंटियर्स DOI: 10.1007/s10796-016-9643-0

चंदवानी, आर., और डे, आर. (2015). मल्टीमीडिया डेटा का विश्लेषण विकास अनुसंधानके लिए आईसीटी में संदर्भ के आयाम की खोज, विकासशील देशों में सूचना प्रणाली की इलेक्ट्रॉनिक जर्नल, 69 (6), 115। आईएसएसएन 1681-4835 www.ejisdc.org से प्राप्त

चंदवानी, आर., और द्विवेदी, वाई.के. (2015). भारत में टेलीमेडिसीन वर्तमान स्थिति, चुनौतियां और अवसर, परिवर्तनकारी सरकारी लोग, प्रक्रिया और नीति, 9 (4), 3 9 3400 http://dx.doi.org/10.1108/TG-07-2015-0029 से प्राप्त

चंदवानी, आर., और वर्की बी. (2015). एपीएमएल स्वामित्व और नवाचार की संस्कृति को चलाता है ओपनडोर नीति में कर्मचारियों को परिवार का हिस्सा महसूस होता है, इंटरनेशनल डाइजेस्ट में मानव संसाधन प्रबंधन, 23 (6), 911 http://dx.doi.org/10.1108/HRMID-06-2015-0096 से प्राप्त

चारी, वी., और वोरा, एन. (2015). देखना या ना देखना एलजीबीटी समुदाय का समावेश, विकल्पा जर्नल फॉर डिसिसन मेकर्स, 40(3), 351-354. DOI: 10.1177/0256090915601515

चटर्जी, ए., चक्रवर्ती, ए.एस., घोष, ए., चक्रवर्ती, ए., और नंदी, टी.के. (2016)। उपभोग में स्थानिक असमानता की अपरिवर्तनीय विशेषताएं भारत का मामला फिजिका ए, 442, 16 9 181 http://arxiv.org/pdf/1507.04236 से प्राप्त

चटर्जी, सी., कुबो, के., और पिंगाली, पी. (2015). इंडियन ओरियल एंटीबायोटिक मार्केट में पेटेंट प्रोटेक्शन एंड प्राइसिंग के कंज्यूमर वेलफेयर इप्लिकेशंस, जर्नल ऑफ़ हेल्थ इकोनॉमिक्स 44, 255-273। http://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S0167629615001022 से प्राप्त

दास, ए., बनर्जी, जी., शेट्टी एस., और जान, के. (2016). डेरिवेटिव्स के उपयोग और बैंक स्टॉक्स के पूंजी बाजार जोखिम उपायों पर वित्तीय विवरण आइटम भारत के साक्ष्य, अर्थशास्त्र और वित्त जर्नल। DOI 10.1007/s12197-016-9366-6

परिशिष्ट जारी

झ

दास, ए., जॉन, जे., और सिंह एस. (2015). भारत में कोर मुद्रास्फीति का आकलन करने के लिए क्हा और वाहे के स्ट्रक्चरल वेक्टर ऑटो रिग्रेशन पद्धति का अनुप्रयोग एक नोट, मात्रात्मक अर्थशास्त्र जर्नल। DOI 10.1007/s40953-015-0023-2

दास, ए., और कुम्भकार, एस.सी. (2015) मार्कअप और इंडियन बैंकों की दक्षता एक इनपुट दूरी फलन दृष्टिकोण, अनुभवजन्य अर्थशास्त्र। DOI 10.1007/s00181-015-1062-4

डी क्रूज़, पी., और रेनर, सी. (2015). भारत की आईटीईएस-बीपीओ क्षेत्र में पारस्परिक कार्यस्थल बदमाशी की घटना, भारतीय श्रम अर्थशास्त्र पत्रिका, 57,227-242.

देवानी, पी., सिन्हा पी.के., और माथुर, एस. (2016). दीर्घकालिक ग्राहक संबंध, रिटेलिंग और उपभोक्ता सेवाओं की जर्नल, 31, 143156 में आभार और दायित्व की भूमिका। http://doi.org/10.1016/j.jretconser.2016.01.005 से प्राप्त

ढींगरा, वी., रॉय, डी., और डी कॉस्टर, आर. (2015). पोत से निपटने के समय का अनुमान लगाने के लिए एक सहकारी खाड़ी के आधारित स्टोकैस्टिक मॉडल, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ फ्लेक्सिबल मैन्युफैक्चरिंग सिस्टम। DOI:10.1007/s10696-015-9225-3

ढींगरा, वी., और रॉय, डी. (2015). समय और संसाधन बाधाओं के साथ आपातकालीन निकास का आकलन गुजरात से एक केस अध्ययन, सामाजिक-आर्थिक योजना विज्ञान, 51, 2333. DOI: 10.1016/j.seps.2015.06.001

ढींगरा, वी.एस. , बलसारा, एच.पी., और गांधी, एस. (2015). एआरआईएए मॉडलिंग, संगठनात्मक विज्ञान का उपयोग करके भारत की ओर विदेशी संस्थागत निवेश प्रवाह का पूर्वानुमान, संकाय, बेलग्रेड विश्वविद्यालय, 75, 13-26. DOI: 10.7595/management.fon.2015.0009

धोलकिया आर.एच., पंड्या, एम.बी., और पैटेरिया पी.एम. (2015). पंजीकृत निर्माताओं से राज्य स्तर की आय में मापन मुद्देगुजरात का केस, आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक वर्तमान आर्थिक और राजनीतिक मामलों की जर्नल 50 (17), 120-124

धोलकिया, आर.एच. (2015). डबल डिफ़्लेशन विधि और विनिर्माण का विकास एक टिप्पणी, आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक वर्तमान आर्थिक और राजनीतिक मामलों का एक जर्नल, 50 (41), 88-90

धोलकिया, आर.एच. (2015). भारत में उभरते संघवाद के संदर्भ में राज्य वित्त वित्तीय विश्लेषण और समेकन में विगत अनुभव का विश्लेषण, उभरते अर्थव्यवस्था अध्ययन। 1 (2), 115-130

डिसूजा, ई. (2015). जब औपचारिकता आदर्श हो जाएगी?, श्रम अर्थशास्त्र की भारतीय जर्नल 58 (2), 233-254 http://link.springer.com/journal/41027/58/2/page/1 से प्राप्त

दत्ता, एस., मुखोपाध्याय, जे., और पिंगाली, वी. (2016), बंडल में एंडॉमेंट इफेक्ट्स, माइक्रोइकॉनॉमिक्स में अध्ययन, 4(1), 27-45. DOI: 10.1177/2321022215624036

दत्ता, जी. (2016), परियोजना मूल्यांकन के लिए एक ब्लास्ट फर्नेस की प्रणाली गतिशीलता सिमुलेशन मॉडल। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड सिस्टम्स रिसर्च

दत्ता, जी., और सांद्रा, एस. (2016). भारतीय बाजार में पावर विचलन आंकड़े, राजस्व और मूल्य निर्धारणप्रबंधन अग्रिम ऑनलाइन प्रकाशन के साथ एयर इंडिया उद्योग में मूल्य आंदोलनों का एक अनुभवजन्य अध्ययन। doi:10.1057/rpm.2016.12

दत्ता, जी., और सांद्रा, एस. (2016). भारतीय घरेलू बाजार में एयरलाइन उद्योग में बुकिंग प्रोफाइल के साथ मूल्य आंदोलनों का एक अन्वेषणपूर्ण अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड सिस्टम्स रिसर्च 9 (1), 72-88. http://www.inderscience.com/info/inarticletoc.php?jcode=ijrm&year=2015&vol=8&issue=3/4 से प्राप्त किया गया।

द्विवेदी, वाई., साहू, जी.पी., राणा, एन.पी., सिंह, एम., और चंदवानी, आर. (2016). डिजिटल डिवाइड को ब्रिज करने के लिए एक दृष्टिकोण के रूप में सामान्य सेवा केन्द्र (सीएससी) चुनौतियां और बाधाओं पर मनन करना, परिवर्तनकारी सरकार लोग, प्रक्रिया और नीति, 10 (4), 511-525 http://dx.doi.org/10.1108/TG-01-2016-0006 से प्राप्त किया गया।

फोर्जिया, जी.एल., राहा, एस., शेक, एस., माहेश्वरी, एस.के., और अली, आर. (2015)। भारत के पब्लिक हेल्थ सर्विसेज में समांतर सिस्टम और मानव संसाधन प्रबंधन फ्रंटलाइन, लोक प्रशासन और विकास से एक दृश्य, 35 (5), 372-389.

परिशिष्ट जारी

झ

गांधी, वी.पी., जैन, डी. और अरगडे, ए. (2015)। कृषि में जैव प्रौद्योगिकी संभावित, प्रदर्शन और चिंता, भारत में कृषि स्थिति (अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार)। 72 (5), 34-40.

गुहा, ए. (2015). म्युचुअल सूचना, संख्या का इस्तेमाल करते हुए हाइब्रिड समय श्रृंखला प्रक्रियाओं के अवयवों की निर्भरता संरचना का मूल्यांकन भारतीय सांख्यिकी की जर्नल, 77, 256-292.http://link.springer.com/article/10.1007%2Fs13571-015-0099-x से प्राप्त।

गुप्ता, वी. (2015). तुम्हें मेरी जरूरत क्यों है? नेतृत्व और भारतीय संगठनों में नवाचार के लिए इसके संबंध, एनएचआरडी जर्नल, 8 (4), 4859.

इस्सार, ए., और वर्मा, पी. (2016). क्या भारतीय चावल के निर्यातकों ने मूल्य में भेदभाव किया है? बासमती और गैरबासमती चावल के व्यावहारिक प्रमाण, एप्लाइड इकोनॉमिक्स 48 (60), 6897-5908. http://dx.doi.org/10.1080/00036846.2016.1186798 से प्राप्त।

आयंगर, एस., और धोलकिया, आर.एच. (2016). गुजरात में हेल्थ केयर का प्रदर्शन गैप इंडेक्स क्या निर्धारित करता है? जर्नल ऑफ़ हेल्थ मैनेजमेंट, 18 (1).

आयंगर, एस., और धोलकिया, आर.एच. (2016). मातृ एवं बाल स्वास्थ्य देखभाल के लिए भारतीय ग्रामीण सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में विशेषज्ञ सेवाएं चार राज्यों का एक अध्ययन, भारतीय राजनीति राजनीति पत्रिका, 38.

जयकुमार, एस., और सहाय, ए. (2015). सेलिब्रिटी ऐन्डोर्समेंट्स और ब्रैंडिंग स्ट्रेटजीज इवेंट स्टडी फॉर इंडिया, जर्नल ऑफ प्रोडक्ट एंड ब्रैंड मैनेजमेंट, 24 (6) 633645. DOI: 10.1108/JPBM-06-2014-0640

जैन, डी. और गांधी, वी.पी. (2016). समावेशी और सतत विकास के लिए वाटरशेड प्रबंधन संस्थानों को सुधारना संस्थागत इंटरैक्शन और भागीदारी निर्णय लेने की भूमिका, आईआईएम कोझीकोड सोसाइटी और प्रबंधन समीक्षा (सेज) 5 (1), 22-40.

जायसवाल, एस., और ज्यूक्स, ई.एम. (2016). मूल्य और सीसा समय भेदभाव, क्षमता रणनीति और बाजार प्रतियोगिता, उत्पादन अनुसंधान की अंतरराष्ट्रीय जर्नल, 54 (9), 2791-2806 http://dx.doi.org/10.1080/00207543.2016.1145816 से प्राप्त।

जायसवाल, एस., विद्यार्थी, एन., और दास, एस. (2016). क्यूइंग देरी के साथ संयोजी बैंडविड्थ पैकिंग समस्या के लिए कटिंग प्लेन दृष्टिकोण।, अनुकूलन पत्र, 11 (1), 225239 DOI: 10.1007/s11590-016-1005-9

जायसवाल, एस., विद्यार्थी, एन., और तिरुमला चेत्ती, वी.बी. (2016). क्यूइंग देरी के साथ बैंडविड्थ पैकिंग समस्या मॉडलिंग और सटीक समाधान दृष्टिकोण, वैश्विक अनुकूलन जर्नल, 65 (4), 745-776. DOI:10.1007/s10898-015-0399-8

कौल, ए., और चौधरी, वी. (2015). कोलोकियम। सोशल मीडिया प्रबंध की प्रतिष्ठा के लिए नया मंत्र, विकल्पा जर्नल फॉर डिसिसन मेकर्स, 40 (4) 455-491.

कौल, एस., सिन्हा, पी.के., और मिश्रा, एच.जी. (2016). खरीदार विकेता रिश्ते में ग्राहक निर्भरता के लिए पूर्ववृत्त एक बोप रिटेलर जांच, ग्लोबल बिजनेस रिव्यू, 17 (3). http://gbr.sagepub.com से प्राप्त

कुमार, एन., अग्राही, आर.पी., और रॉय डी. (2015). ग्रीन सप्लाई चेन प्रोसेसस, इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ ऑटोमेटिक कंट्रोल की समीक्षा। एल्सेवियर लिमिटेड द्वारा प्रकाशित 48, 374-381 http://www.sciencedirect.com/science/journal/24058963/48/3 से प्राप्त।

कुसविला, एस., और नोरोन्हा, ई. (2015). संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत, औद्योगिक और श्रम संबंध समीक्षा, उन्नत ऑनलाइन उत्पादन में वकील के लिए पिरामिड से हीरे की कानूनी प्रक्रिया ऑफशोरिंग, रोजगार प्रणाली और श्रम बाजार DOI:10.1177/0019793915619903

लाहा ए.के. (2015). अंतराल मूल्यवान डेटा विश्लेषण, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिज़नेस एनालिटिक्स और इंटेलिजेंस 3(2), 1-3 http://www.publishingindia.com/ijbai/54/interval-valued-data-analysis/420/2996/ से प्राप्त किया गया।

लाहकर, आर. पिंगाली, वी. (2016). माइक्रोफाइनांस में विस्तार और कल्याण एक स्क्रीनिंग मोड, आर्थिक मॉडलिंग, 53 (सी), 1-7 http://www.sciencedirect.com/science/ article/pii/ S0264999315003685 से प्राप्त किया गया।

परिशिष्ट जारी

झ

लैंडौ, सी., कर्णा, ए., रिक्टर, ए., और उहेनब्रुक, के. (2016). संस्थागत उत्तोप क्षमता अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए संस्थागत लाभ बनाना और उनका उपयोग करना।, वैश्विक रणनीति जर्नल, 6 (1), 50-68. http://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1002/gsj.1108/full

लैंडौ, सी., कर्णा, ए., और सेलर, एम. (2016). उभरते बाजारों के लिए बिजनेस मॉडल अनुकूलन भारत में एक जर्मन ऑटोमोबाइल निर्माता का केस स्टडी, आर एंड डी मैनेजमेंट, 46 (3), 480-503 http://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1111/radm.12201/full केनन से प्राप्त।

लिम, जे.जे., और महापात्र, एस. (2016). मात्रात्मक सहजता और विकासशील देशों के लिए वित्तीय प्रवाह में संकट के बाद उभार, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा और वित्त जर्नल, 68. http://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S0261560616000334 से प्राप्त।

लोवालेकर, एच., नीलकंठन, आर., और रविचंद्रन, एन. (2016). रैंडम इश्युइंग के साथ पेरीशबल के लिए एक ऑर्डरअपटू लेवल नीति का विश्लेषण, ऑपरेशनल रिसर्च सोसाइटी की जर्नल। 67(3), 483-505 http://dx.doi.org/10.1057/jors.2015.59 से प्राप्त।

लोवालेकर, एच., और रविचंद्रन, एन. (2015). अस्पताल के रक्त बैंकों में रक्त इकाइयों को क्रमबद्ध करने के लिए एक संयुक्त आयु और? स्टॉक आधारित नीति, संचालन अनुसंधान में अंतरराष्ट्रीय लेनदेन. DOI:10.1111/itor.12189

मल्होत्रा, पी., और सिंह, एम. (2016). उनके अधीनस्थों के करियर की प्रगति पर उच्च निष्पादकों का अप्रत्यक्ष प्रभाव, मानव संसाधन प्रबंधन की समीक्षा, 26 (3)। DOI: 10.1016/j.hrmr.2016.01.002

मित्तल, एस., गुप्ता, वी., और मोतियानी, एम. (2016). मानव संसाधन विकास जलवायु और संगठनात्मक प्रतिबद्धता के बीच संबंध भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में अनुभवजन्य अध्ययन, भारतीय संस्कृति और व्यवसाय प्रबंधन की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका, 12(2), 204-223. DOI: 10.1504/IJICBM.2016.074481.

मित्तल, एस., गुप्ता, वी., और मोतियानी, एम. (2016). मानव संसाधन वातावरण ग्राहक संतुष्टि को प्रभावित करता है भारतीय निजी बैंकों का औद्योगिक अध्ययन, इंडियन जर्नल ऑफ इंडस्ट्रीयल रिलेशंस, 51(3) 47459. DOI: 10.1504/IJICBM.2016.074481

मोदी, के. डी., अहमद, एम. आई., चंदवानी, आर., और हरि कुमार, के वी. एस. (2015). ग्लूकोज असहिष्णुता के स्पेक्ट्रम में विटामिन डी की कमी का प्रसार, मधुमेह और मेटाबोलिक विकार जर्नल, 14(1) DOI: 10.1186/s40200-015-0179-5.

मोदी, के. डी., चंदवानी, आर., अहमद, एम. आई., और हरि कुमार के. वी. एस. (2016). टाइप 2 मधुमेह, मधुमेह और मेटाबोलिक सिंड्रोम के साथ रोगियों में हृदय संबंधी जोखिम का अनुमान लगाने के लिए लिपिड मार्करों के बीच मतभेद क्लिनिकल रिसर्च एंड रिव्यू, 10 (1), एस99-एस102. http://dx.doi.org/10.1016/j.dsx.2015.10.002 से प्राप्त।

मोदी, के.डी., चंदवानी आर., कुमार के.एच., अहमद आई., और सेंथिल टी. (2015)। टाइप 2 डायबिटीज, अपोलो मेडिसिन में रेटिनोपैथी के लिए दूरस्थ स्क्रीनिंग में टेलिमेडिसन का उपयोग, 12 (4), 260-263. http://dx.doi.org/10.1016/j.apme.2015.10.002से प्राप्त।

मुखर्जी, एस. और सहाय, ए. (2016)। प्रोसेल्फ एंड प्रोसोशल बोनस स्कीम के साथ-साथ मूल्यांकन सामाजिक सुधार, मनोविज्ञान अध्ययन, 61 (1), 4854 की ओर नई प्रबंधन नीतियों के लिए लागू। DOI: 10.1007/s12646-015-0349-z

मुखोपाध्याय, एस., और चुंग, टी.एस., (2016)। पसंद अस्थिरता, उपभोग और ऑनलाइन रेटिंग व्यवहार। मार्केटिंग में अनुसंधान की अंतरराष्ट्रीय जर्नल, 33 (3), 624638. http://doi.org/10.1016/j.ijresmar.2015.11.007

नागर, एन., और सेन, के. (2016). विनियमन परिवार नियंत्रण और नकदी प्रवाह की सूचना के बीच के संबंध को कैसे प्रभावित करता है? भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के तुलनात्मक साक्ष्य, कॉर्पोरेट गवर्नेंस एक अंतरराष्ट्रीय समीक्षा http://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1111/corg.12157/abstract से प्राप्त।

नागर, एन., और सेन, के. (2016). भारत में कमाई प्रबंधन परिचालन मुनाफे पर प्रबंधकों का निर्धारण, अंतरराष्ट्रीय लेखांकन और कराधान पत्रिका, 26, 112. http://doi.org/10.1016/j.intaccaudtax.2016.02.003 से प्राप्त

परिशिष्ट जारी

झ

नानारपुझा, आर. और अभिषेक (2016). विभिन्न प्रकार के व्यवहार में स्थितिगत कारक मॉडलिंग करना एक वैचारिक दृष्टिकोण, भारतीय संस्कृति और व्यवसाय प्रबंधन के अंतरराष्ट्रीय जर्नल, 13(3), 378-393 DOI: http://dx.doi.org/10.1504/IJICBM.2016.078843.

नंद्राम, बी., भद्रा, डी., और लियू, वाई. (2015). स्तन कैंसर के रोगियों में उपचार में नस्लीय मतभेदों का एक बेयेसिन विश्लेषण, सांख्यिकी में अग्रिम और अनुप्रयोग। 45 (2), 75-104.

नारायणस्वामी, एस. (2015). पीकअवर मेट्रो यातायात कंजेशन एलीविएशन, बिल्ट पर्यावरण पर विट लेनदेन। 146 (13), 495-507. DOI: 10.2495/UT150401

नोरोन्हा, ई., डीक्रूज, पी., और कुरविला, एस. (2016). वाणिज्यीकरण का वैश्वीकरण भारतीय वकीलों पर कानूनी प्रक्रिया आउट सोर्सिंग (एलपीओ) का प्रभाव, समकालीन एशिया की जर्नल 46 (4), 614-640 http://www.tandfonline.com/doi/full/10.1080/ 00472336.2016. 1157885. से प्राप्त।

पांडे, जे., और सिंह, एम. (2015). मुखौटा को दबाना सामुदायिक स्वास्थ्य सेवा, स्वास्थ्य नीति और योजना में जल संसाधन और नौकरी की संतुष्टि पर भावनात्मक श्रम रणनीतियों के प्रभाव। DOI: 10.1093/heapol/czv102

पांडे,जे., और सिंह, एम. (2015). शास्त्रीय न्याय सूत्रों और ज्ञान के आधुनिक सिद्धांतों के बीच समन्वय पर एक अध्ययन, मानव मूल्यों की जर्नल, 21 (2), 106-115. DOI: 10.1177/0971685815594262

पांडे, जे., और सिंह, एम. (2015). कठिन भौगोलिक क्षेत्रों में दूरस्थ शिक्षा और कामकाजी पेशेवरों के बीच की दूरी को समझना, गुणात्मक रिपोर्ट। 20(5), 596-607.

पांडे, जे., और सिंह, एम. (2015). भावनात्मक श्रम रणनीतियों और जल के मध्यस्थ के रूप में आस्ति-अनासक्ति आशा कार्यकर्ताओं पर एक अध्ययन, इंडस्ट्रियल जर्नल ऑफ इंडस्ट्रीयल रिलेशन्स, 51 (1), 57-69.

पाठक, ए. (2015). उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 में संशोधन। आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक वर्तमान आर्थिक और राजनीतिक मामलों की जर्नल, 50 (43) 27-29. http://www.epw.in/journal/2015/43 से प्राप्त किया गया।

पाठक, ए. (2016). कूलिंग ऑफ उपभोक्ता संरक्षण विधेयक, 2015 यूरोपीय संघ उपभोक्ता निर्देशक से आकर्षित, विकल्पा निर्णय कर्ताओं के लिए जर्नल। 41(1), 1-8 http://vik.sagepub.com से प्राप्त।

पाठक, ए. (2016). कॉन्ट्रैक्ट्स रद्द करने का अधिकार उपभोक्ता संरक्षण विधेयक, 2015, आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक वर्तमान आर्थिक और राजनीतिक मामलों की जर्नल, 51 (11) 20-21. http://www.epw.in/journal/2016/11

पिंगाली, वी., और चटर्जी, सी. (2015). एक ड्रग पेटेंट व्यवस्था में क्षमता और उपलब्धता को संतुलित करना आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक वर्तमान आर्थिक और राजनीतिक मामलों की जर्नल, 50 (41), 20-24। http://www.epw.in/journal/2015/41/commentary/balancing-affordability-and-availability-drug-patent-regime.html से प्राप्त।

राम मोहन, टी.टी. (2016). भारतीय बैंकिंग के बदलते चेहरे, आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक वर्तमान आर्थिक और राजनीतिक मामलों के एक जर्नल, 51 (12), 57-67. http://www.epw.in/journal/2016/12/challenges-monetary-policy/changing-face-indian-banking.html?0=ip_login_no_cache%3D0748c8e97f8f9223572489e47c2e000b से प्राप्त।

रंगनाथन, के., और सरीन ए. (2015). डिजिटल डिवाइड के लिए छलांग लगाने का मामला, सीएफजी जर्नल, 2, 23-32 http://cyfy.org/wp-content/uploads/2015/06/Digital-Debates.pdf से प्राप्त।

रिकार्ड, ए., और सैयद, ए.ए. (2015). अंतरराष्ट्रीयकरण और प्रारंभिक अंतरराष्ट्रीयकरण की ओर रुख भारतीय और फ्रेंच एसएमई के निर्णयकर्ताओं की तुलना, मैनेजमेंट, 18(1), 5477.

रॉय डी., और रमन, ए. (2015). रेस्तरां में इष्टतम तालिका मिक्स को निर्धारित करने के लिए एक विश्लेषणात्मक मॉडलिंग फ्रेमवर्क, आईएफ़एसीपेपर्सऑनलाइन, साइंस डाइरेक्ट, 48 (3), 225-230। http://www.sciencedirect.com/science/journal/24058963/48/3से प्राप्त।

परिशिष्ट जारी

झ

रॉय, के. खोखले, पी. (2016). गतिशील क्षमताओं का विकासः भारत में अंतरराष्ट्रीय संयुक्त उद्यमों का एक अध्ययन। थंडरबर्ड इंटरनेशनल बिजनेस रिव्यू, 58 (6), 75-54 http://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1002/tie.21796/full से प्राप्त।

रॉय, डी., बोनोपाध्याय, ए., और बनर्जी, पी. (2015). रेस्तरां में प्रदर्शन का विश्लेषण करने के लिए नेस्टेड अर्द्धखुले कतार नेटवर्क मॉडल, कंप्यूटर और संचालन अनुसंधान, 65, 29-41 http://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S0305054815001513 से प्राप्त।

रॉय, के., और कर्णा, ए. (2015). एक स्थायी आधार पर सामाजिक अच्छा कार्य करना सामाजिक व्यवसायों का प्रतिस्पर्धात्मक लाभ, प्रबंधन निर्णय 53, 1355-1374 .http://www.emeraldinsight.com/doi/full/10.1108/MD-09-2014-0561 से प्राप्त।

सलुजा, डी. (2015). स्वास्थ्य जागरूकता पैदा करने पर मीडिया का प्रभाव, एमएआईएमएस जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, 9 (1).

शर्मा, ए., और कौर, वी. (2015). भारत में हाईटेक मैन्युफैक्चरिंग एक असीम संभावना, योजना, (सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार), 59, 41-46.

शर्मा ए., बनर्जी, पी., यादव, आर.एस., और डैश, एस.एस. (2015). भारतीय रेस्तराओं में इंटरएक्टिव सर्विस भूमिकाओं में भावनात्मक श्रम, इंडियन जर्नल ऑफ इंडस्ट्रीयल रिलेशंस, 51(2). DOI: 10.13140/RG.2.1.2545.4809

शर्मा, डी. (2016). जब निष्पक्षता पर्याप्त नहीं है संगठनात्मक नागरिकता व्यवहार और कार्यकर्ता अलगाव पर कॉर्पोरेट नैतिक मूल्यों का प्रभाव, जज ऑफ बिजनेस एथिक्स। DOI:10.1007/s10551-016-3107-9

शर्मा, एस. (2016), स्वनिर्धारण सिद्धांत, विपणन समीक्षा, का प्रयोग करते हुए उपभोग व्यवहार को वर्गीकृत करना। 60(4). DOI: 10.1362/146934716X14636478978079

शर्मा, एस. (2015), भारतीय काम क्यों करते हैं एक सांस्कृतिक मूल्यों के परिप्रेक्ष्य, इंडस्ट्रियल जर्नल ऑफ इंडस्ट्रीयल रिलेशंस, 50 (3),425-437

शर्मा, एस दीक्षित, एम आर, और कर्णा, ए (2015). डिजाइन छलांग उभरती अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार मॉडल अनुकूलन, एशिया व्यापार अध्ययन जर्नल, 10 (2), 105-124 DOI: 10.1108/JABS-01-2015-0009

शर्मा, एस., और पुराकास्थ, ए. (2016), सही कारोबारी मॉडल के माध्यम से प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्राप्त करना केस के अध्ययन के आधार पर विश्लेषण, रणनीति और प्रबंधन जर्नल, 9 (2), 138-155. http://doi.org/10.1016/j.intaccaudtax.2016.02.003

शर्मा, एस., दीक्षित, एम.आर., और कर्णा, ए. (2016)। डिजाइन छलांग उभरती अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार मॉडल अनुकूलन, एशिया बिजनेस स्टडीज जर्नल। 10 (2), 105-124 DOI: http://dx.doi.org/10.1108/JABS-01-2015-0009

शील, आर.सी., और वोहरा, एन (2015). कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी और संगठनात्मक सनक की धारणाओं के बीच संबंध कर्मचारी स्वयंसेवा, मानव संसाधन प्रबंधन की अंतरराष्ट्रीय जर्नल, 27 (13), 13731392 की भूमिका। DOI:10.1080/09585192.2015.1072102

सिंह, एम. (2015), स्कूल के शिक्षकों के लिए प्रदर्शन प्रबंधन प्रणाली, शिक्षा विकास और अनुसंधान पर इंटरनेशनल जर्नल, 1 (1).

सिंह, एस.(2016) भारत में भूमि अधिग्रहण 2013 अधिनियम की परीक्षा और विकल्प, भूमि और ग्रामीण अध्ययन जर्नल। 4 (1), 66-78.

सिंगला, एन., सिंह, एस., और ढिंढसा, पी.के. (2014). भारतीय पंजाब में ताजा खाद्य सुपरमार्केट संगठन और प्रभाव, पंजाब स्टडीज जर्नल। 21 (1), 91-111.

सिन्हा, ए., मालो, पी., और कुसमैनैन, टी. (2015). प्रतिगमन मॉडल चयन, कम्प्यूटेशनल और ग्राफिकल सांख्यिकी के लिए एक बहुउद्देशीय खोजी प्रक्रिया पत्रिका, 24 (1), 154-182.

सिन्हा, ए. कोरोहोन, पी., और वॉलिनियस, जे. (2016). एक मल्टीक्राइटेरिया डेटा नमूने में विचार किए गए की तुलना में बेहतर विकल्प ढूँढना। जर्नल ऑफ बिज़नेस इकोनॉमिक्स, 86 (1), 35-54

परिशिष्ट जारी

झ

सिन्हा, ए., मालो, पी., देब, के., कोरहोन, पी., और वॉलिनियस, जे. (2016) निचले स्तर के निर्णय अनिश्चितता के साथ द्विस्तरीय बहुमानदंड अनुकूलन समस्याओं को हल करना। उत्क्रांत कम्प्यूटर पर आईईईई लेनदेन, 20 (2), 199-217.

सिन्हा, पी.के., गोखले, एस., और रावल एस. (2015). ऑनलाइन रीटेलिंग को किराना के साथ जोड़ना एमर्जिंग मार्केट्स के लिए एक मजबूत संयोजन, ग्राहक की आवश्यकताओं और समाधान, 2 (4), 3172324। DOI: 10.1007/s40547-015-0057-9

सोहानी, एस.एस. (2015). भारतीय अर्थव्यवस्था में परिवर्तन मानव संसाधन प्रथाओं और औद्योगिक संबंधों पर प्रभाव इंडस्ट्रियल जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल रिलेशंस, 51 (1), 137-149.

सोहानी, एस.एस., और माहेश्वरी, एस.के. (2016). बहुतों की समस्या कर्मचारी अधिशेष प्रबंध, ज्ञान आधारित संगठनों की इंटरनेशनल जर्नल 6(1) DOI: 10.4018/IJKBO.2016010103

सोहानी, एस.एस., और सिंह, एम. (2016). प्रोजेक्ट आधारित प्रौद्योगिकी कंपनियों में गतिशील क्षमताओं के विकास के लिए व्यावहारिक सीखने के ढांचे, एप्लाइड मैनेजमेंट साइंस के इंटरनेशनल जर्नल, 8(1), 52-67. DOI: http://dx.doi.org/10.1504/IJAMS.2016.075459

सोहानी, एस.एस., और सिंह, एम. (2015). बड़े मूल्य के सौदे प्राप्त करना आपकी सबसे अच्छा शर्त कौनसी है? इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ नॉलेज आधारित संगठन, 5(2), 42-57. DOI: 10.4018/ijkbo.2015040103

श्रीराम, के., राममोहोती, आर.वी., और घोष पी. (2015). बेयसियन क्वांटाइल प्रतिगमन पर छद्मसंयुक्त असममित लैपलेस की आजादी का प्रयोग, सांख्य भारतीय सांख्यिकी जर्नल http://link.springer.com/article/10.1007%2Fs13171-015-0079-2 से प्राप्त किया गया।

श्रीराम, के. (2015) असममित लाप्लास घनत्व के आधार पर बेयसियन क्वांटेल प्रतिगमन के लिए सैंडविच की संभावना का संशोधन, सांख्यिकी और संभाव्यता पत्र, 107, 18-26. http://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S016771521500276X से प्राप्त

सुगथन ए., और जॉर्ज आर. (2015). प्रशासन के बुनियादी ढांचे और मुनाफे के स्थानांतरण पर कॉर्पोरेट प्रशासन का प्रभाव, अंतरराष्ट्रीय व्यापार अध्ययन जर्नल, 8, 886-916 http://www.palgrave-journals.com/jibs/journal/v46/n8/abs/jibs201523a.html से प्राप्त।

थॉमस, एन., और वोहरा, एन. (2015). ज्ञान प्रक्रियाओं के लिए नेटवर्क उपायों का विकास एक रिलेशनल फ्रेमवर्क, ज्ञान और प्रक्रिया प्रबंधन, कॉर्पोरेट जर्नल ऑफ ट्रांसफ़ॉर्मेशन, 22 (2), 126-139। http://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1002/kpm. 1465/pdf से प्राप्त।

टॉरनेसी, एफ., कारानो, ए., पाजर जे., थॉर्न, बी. और रॉय, डी. (2016). फूस के पुनर्निर्माण के कार्बन फुट प्रिंट विश्लेषण, क्लीनर प्रोडक्शन का जर्नल, 126, 630-642. http://doi.org/10.1016/j.jclepro.2016.03.009 से प्राप्त।

त्रिपाठी, एस. (2016). आर्थिक खेलों में न्यूनतम ऑफ़र रोकना क्या प्रस्ताव बढ़ेगा?, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोनॉमिक रिसर्च, 13 (1), 15-20 http://serialsjournals.com/serialjournalmanager/pdf/1461323976.pdf से प्राप्त।

त्रिपाठी, एस. (2016). आर्थिक खेलों में प्राइमिंग के प्रभाव पर एक जांच, आर्थिक अनुसंधान की अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 13 (1), 7-13 http://serialsjournals.com/ serialjournalmanager/pdf/1461323976.pdf से प्राप्त।

त्रिपाठी, एस. (2016)। स्टोर मूल्य छवि गैर कीमत कारक की भूमिका, एप्लाइड बिजनेस और इकोनॉमिक रिसर्च इंटरनेशनल जर्नल, 14 (1), 562-576. http://www.serialsjournals.com/serialjournalmanager/pdf/1461827582.pdf से प्राप्त।

वर्की, बी., और लोन ए.एच. (2016). ग्राहक डिलाइट और कर्मचारी प्रबंधन प्रथाओं क जोड़ना एफ घीवाला एचआरसी का मामला, व्यापार और प्रबंधन की इंटरनेशनल जर्नल, 4 (2), 418-420.

वर्मा, पी. और इस्सार, ए. (2016). भारत के उच्च मूल्य कृषि-खाद्य निर्यातकों के मार्केट व्यवहार का मूल्य निर्धारण प्रमुख गंतव्य बाजारों का एकअनुभवजन्य विश्लेषण, कृषि अर्थशास्त्र, 47, 129-137। http://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1111/agec.12215/citedby से प्राप्त।

वर्मा, पी. (2015). भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज अंतरउद्योग व्यापार के देश के विशिष्ट निर्धारकों का

विश्लेषण, व्यापार और वैश्विक बाजारों की अंतरराष्ट्रीय जर्नल 8, 324-342 http://www.inderscienceonline.com/doi/abs/10.1504/ IJTGM.2015.072815 से प्राप्त।

वर्मा, जे.आर., और विरमानी वी. (2016). क्वांट लीब-पायथन का उपयोग करके कम्प्यूटेशनल फाइनेंस, कम्प्यूटिंग इन साइंस एंड इंजीनियरिंग में, 18 (2), 78-88 http://ieeexplore.ieee.org/xpl/ articleDetails.jsp?arnumber=7426276 से प्राप्त।

वत्स, ए.के., और जायसवाल, एस. (2016). सर्वर अनिश्चितता के साथ बहुआयामी अधिकतम कवर सुविधा स्थान समस्या के लिए एक नया निर्माण और बेन्डर्स अपघटन। ऑपरेशनल रिसर्च की यूरोपीय जर्नल, 251, 404-418 http://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S0377221715010747 से प्राप्त।

वेंकटेशन, पी., और माथुर, के. (2015). सेवा स्तर की बाधाओं के साथ मल्टीसरस वेबर समस्या के लिए एकहेयरिस्टिक, परिवहन विज्ञान । 49 (3), 472-483 http://pubsonline.informs.org/doi/abs/10.1287/trsc.2014.0547 से प्राप्त।

विद्यार्थी, एन., जायसवाल, एस., और तिरुमाला चेट्टी, वी.बी. (2016). क्यूइंग देरी के साथ बैंडविड्थ पैकिंग समस्या मॉडलिंग और सटीक समाधान दृष्टिकोण, वैश्विक अनुकूलन जर्नल, http://link.springer.com/article/10.1007/s10898-015-0399-8 से प्राप्त।

वोहरा, एन., और चारी, वी. (2015), वास्तविक बाधाओं को चुनौती विकलांग लोगों के शामिल, विकल्पा निर्णयकर्ताओं के लिए जर्नल, 40 (3), 355-359.

वोहरा, एन., और चारी, वी. (2015), समावेशी कार्य स्थान सिद्धांत और व्यवहार से सबक एक परिचय, विकल्पा निर्णयकर्ताओं के लिए जर्नल,, 40 (3), 324-334.

वोहरा, एन., और चारी, वी. (2015), समावेशन को करना वास्तव में क्या महत्वपूर्ण है, विकल्पा निर्णयकर्ताओं के लिए जर्नल, 40 (3), 360-362.

पुस्तकों में अध्याय

बर्न्स, ए., किडा, एम., लिम, जे., मोहपात्रा, एस. और स्टॉकर, एम. (2016). अपरंपरागत मौद्रिक नीति सामान्यीकरण और उभरते बाजार पूंजी प्रवाह। डब्लू. जे. डेन हान (एड) में, मात्रात्मक सहजता आर्थिक सोच के विकास,जैसा कि वोक्स पर हुआ (पीपी.237247)। यूनाइटेड किंगडम, सेंटर फॉर इकोनोमिक पॉलिसी रिसर्च (सीईपीआर) सीईपीआर प्रेस, http://www.voxeu.org/ sites/default/files/image/FromMay2014/QE_ebook.pdf

चंदवानी, आर., और रीचाव, आई. (2016). इंटरनेट से जुड़े मरीजों के लिए डॉक्टरों की धारणा की जांच। एम.एम.क़ुज़कुन्हा एट अल में (एड्स।), एनसाइक्लोपीडिया ऑफ़ ई हेल्थ एंड टेलीमेडिसिन (पीपी 948-957)। आईजीआईग्लोबल (मेडिकल सूचना विज्ञान संदर्भ), हर्षे पीए, 2016. DOI: 10.4018/978-1-4666-9978-6.ch073

चंदवानी, आर., और डी.आर. (2015). भारत में स्वास्थ्य पहल के लिए आईसीटी की संस्थागत गतिशीलता परिप्रेक्ष्य। ए. चीब एट अल में (एड्स।), ग्लोबल साउथ में सूचना सोसायटी रिसर्च के प्रभाव (पीपी.167 185) सिंगापुर, स्प्रिंगर DOI: 10.1007/978981-2873811_9.

डी क्रूज़, पी. (2016). भारत कार्यस्थल बदमाशी के लिए एक विरोधाभासी संदर्भ। एम. ओमरी, और एम. पाल, (एडीएस।), वर्कप्लेस बदमाशी, दुर्व्यवहार और अतिक्रमण में मेथोडोलॉजिकल और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य (5570)। ऑक्सफ़ोर्ड रूटलेज।

ढींगरा, वी., रॉय, डी., और डी कॉस्टर, आर. (2014).जहाज़ सुवर्ण समय का अनुमान लगाने के लिए एक दोस्तरीय स्टोकैस्टिक मॉडल। ए. काररानो, आर डी कॉस्टर, बी. मॉन्ट्रेइल, के. ग्यू, एम. ओगले, और जे. स्मिथ (एड्स।), 13 वीं सामग्री हैंडलिंग रिसर्च की प्रगति।

गुप्ता, वी. (2016). भारतीय प्रशासनिक सेवा और क्रॉनी पूंजीवाद। एन. खत्री में, और ए. ओझा (एड्स.), भारत में क्रोनी पूंजीवाद मजबूत संस्थागत ढांचे की स्थापना, (पीपी 1-43)। यू.के . पाल्ग्रेव मैकमिलन

गुप्ता, वी., रमन, सी. और कृष्णाथन, बी. (2016)। कार्य की दुनिया के लिए तैयार भारत में माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा पिल्ज़ एम। (एड।) में, इंडिया तैयारी फॉर द वर्ल्ड ऑफ़ वर्क, (पीपी 41-63)। जर्मनी स्प्रिंगर

परिशिष्ट जारी

झ

कौल, ए., और देसाई, ए. (2016). कार्यपालक नेतृत्व। सी. ई. कैरोल (एड.) में, कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा के सेज एनसायक्लोपीडिया, न्यूयॉर्क सेज।

कौल, ए., और देसाई, ए. (2016). प्रतिष्ठा में नेतृत्व की भूमिका। सी. ई. कैरोल (एड) में, कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा के सेज एनसायक्लोपीडिया, न्यूयॉर्क सेज।

कौल, ए., और देसाई, ए. (2016). सामरिक संरेखण। सी. ई. कैरोल (एड) में, कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा के सेज एनसायक्लोपीडिया।न्यूयॉर्क सेज

कौल, ए., और देसाई, ए. (2016). संकट संचार में सोशल मीडिया का उपयोग। सी. ई. कैरोल (एड) में, कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा के सेज एनसायक्लोपीडिया। न्यूयॉर्क सेज

लैंडौ, सी., कर्णा, ए., और ताएयुब, एफ. (2016). छिपे हुए चैंपियनों का अंतरराष्ट्रीयकरण जर्मन मित्तेल्स्टैंड फर्मों के लिए उभरते बाजार रणनीतियों पर शोध को आगे बढ़ाने के लिए संदर्भ सेट करना। एच. मर्चेंट (एड) में, उभरते बाजार पर समकालीन अनुसंधान हैंडबुक, (पृ. 292-316). DOI:http://dx.doi.org/10.4337/9781782546368.00021

लोवालेकर, एच., और रविचंद्रन, एन. (2015). रक्त बैंकों में इन्वेंटरी मैनेजमेंट। केजी मूर्ति में (एड.), केस स्टडीज इन ऑपरेशन्स रिसर्च, (पीपी 431-464)। न्यूयॉर्क स्प्रिंगर

निगम, एस., रॉय, डी., डी कॉस्टर, आर., और एडान, आई. (2014). मोबाइल शेल्फआधारित ऑर्डर पिक सिस्टम के लिए क्लासआधारित स्टोरेज रणनीतियों का विश्लेषण। ए. काररानो, आर डी कॉस्टर, बी. मॉन्ट्रेइल, के. ग्यू, एम. ओगले, और जे. स्मिथ (एड्स।), 13 वीं सामग्री हैंडलिंग रिसर्च की प्रगति। http://www.mhi.org/downloads/learning/cicmhe/colloquium/2014/toc.pdf से प्राप्त

पंगोत्रा, पी., और शुक्ला, पी.आर., (2016). गुजरात में डाईस्टफ उद्योग पर्यावरण मुद्दे। जोस पी. डी. में (एड।), निगमों और स्थिरता दक्षिण एशियाई परिप्रेक्ष्य, (117135)। यू.के. ग्रीनलाफ प्रकाशन लिमिटेड

पाठक, एम., शुक्ला, पी.आर., गर्ग, ए., और ढोलकिया, एच. (2015). सिटी प्लानिंग में जलवायु परिवर्तन को एकीकृत करना फ्रेमवर्क और केस स्टडीज। एम. देव, और एस. यदाला (सं.) में, शहर और स्थिरता मुद्दे और सामरिक मार्ग (पीपी। 51178)। स्प्रिंगर। http://link.springer.com/chapter/10.1007/978-81-322-2310-8_8 से प्राप्त।

प्रभाकर, पी., कलममल, एम., और वर्मा, पी. (2016). रसायन क्षेत्र में भारत और यूरोपीय संघ का व्यापार प्रदूषण हेवन की परिकल्पना के साक्ष्य। ए.जी. दस्तीदार, और वाई. गुप्ता (सं.) में, व्यापार, पर्यावरण और नीति में समकालीन मुद्दे (पीपी 7188)। नई दिल्ली एनई बुक प्राइवेट लिमिटेड

रघुराम जी., और परीख, एम. (2016). अहमदाबाद के लिए बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (बीआरटीएस) चुनना। प्रबंधन मामले की पुस्तिका में मुंबई ईटी मामले, 2016.

रथ, डी., मोहपात्रा, एस., और स्कीजा, ई. (2015). आर्थिक और सामाजिक विकास पर प्रवास का प्रभाव साक्ष्य और उभरते मुद्दों की समीक्षा। जे. कॉनेल, और आर.पी.सी. ब्राउन (सं.) में, प्रवासन और प्रेषण, (पीपी. 483519) अंतरराष्ट्रीय प्रवासशास्त्र पर अध्ययन की लाइब्रेरी, ऑस्ट्रेलिया एडवर्ड एल्गर पब्लिशिंग।

रविचंद्रन, एन. (2016). उच्च शिक्षा भारत और विदेशों में अवसरों की एक मार्गदर्शिका डी. राठी (एड.) में, बिग आइडियास इन ऑपरेशन्स मैनेजमेंट, बॉम्बे टाइम्स ग्रुप बुक्स।

रसेल, बी., नोरोन्हा, ई., और डी क्रूज़, पी. (2016). अंतरराष्ट्रीय कक्षा संरचना नीचे से अवलोकन। जे. स्प्रग, (एड.) में, एशिया और ओशिनिया में वैश्वीकरण और अंतरराष्ट्रीय पूंजीवाद, (पीपी. 108-124). न्यूयॉर्क रूटलेज

सिंह, एस. (2016). आधुनिक बाजारों के लिए किसान (उत्पादक) कंपनियों के माध्यम से लघुधारक संगठन श्रीलंका और भारत के अनुभव। जे. बीजमैन, आर मुरादियन, और जे. शूर्मैन, (एड्स.), सहकारिता, आर्थिक लोकोमोटेटिशन और ग्रामीण विकास, (पीपी. 75100). यू.के . एडवर्ड एलगर

सिंह, एस. (2016) भारतीय पंजाब में कृषि के विविधीकरण पर पुनर्विचार रणनीति और तंत्र की एक परीक्षा। एल, सिंह, और एन, सिंह (एड्स.) में, एक विकासशील अर्थव्यवस्था के आर्थिक परिवर्तन पंजाब, भारत का अनुभव (पीपी.77-96). सिंगापुर स्प्रिंगर

परिशिष्ट जारी

झ

सिंह, एस. (2016). भारत में फ्रेश फूड रिटेल चेन पंजाब से एक केस स्टडी. भारतीय कृषि अर्थव्यवस्था (229-240) पर एन सी सी राव, आर. राधाकृष्ण, आर.के. मिश्रा, और वी.आर. कट्टा (एड्स.) में संगठित रिटेलिंग और कृषि व्यवसायनई आपूर्ति श्रृंखला के निहितार्थ हैं। स्प्रिंगर।

सिंह, एस. (2016) भारतीय कृषि में स्थिरता के मुद्दे कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी बनाम 3 व्यवसाय मॉडल की भूमिका का एक परीक्षा। आर. एस. घुमन, और आर. शर्मा, (एड्स.) में, भारत में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व सामाजिक आर्थिक परिवर्तन के लिए खोज (3156) चंडीग़ढ सीआरआरआईडी

सिंह, एस. (2015) भारत में किसानों की आत्महत्याओं में कारक पंजाब के एक केस का अध्ययन। आर. के. छिना, (एड.) में, इंटरडिसीप्लिनरी सोशल साइंस स्टडीज, ऑक्सफोर्ड पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही आईसीआईएसएसएस 2015 (कैम्ब्रिज) एफएलई लर्निंग.

सिंह, एस. (2016) भारत में समेकित खाद्य मूल्य श्रृंखला साक्ष्य और उत्प्रेरक। सी. रामासामी और के. आर. अशोक, (एड्स.) में, फास्टग्रोइंग इंडियन इकोनॉमी में कृषि के विसिटिड्यूड्स चुनौतियां, रणनीतियाँ और द फॉरवर्ड, अकादमिक फाउंडेशन, अध्याय 21

सिन्हा, ए., मालो, पी., और देब, के. (2016). विकासवादी बहुउद्देशीय अनुकूलन में हालिया अग्रिम। एस. बेचख, आर. दत्ता, और ए. गुप्ता, (एड्स.), विकासवादी बिलवेज़ अनुकूलन एक परिचय और हालिया अग्रिम, स्प्रिंगर

मेंडोका, ए.जे., मिश्रा, एन., और डैश, एस.एस. (2015). शिक्षाविदों के बीच फ्लो को समझना। एन. एम. अश्कनासी, डब्लू. जे. जेर्बे, और सी. ई. जे. हॉर्टटेल (एड्स.) में, संगठनों में भावनाओं के अध्ययन के नए तरीके (संगठनों में भावना पर अनुसंधान, खंड 11) (पन्ना 397-421) एमेरल्ड ग्रुप पब्लिशिंग लिमिटेड.

सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

अली, एस.एस., और माथुर, ए. एन. (2015 जून 27-30) .अंतर्राष्ट्रीय रूप से जन्मे! क्या पूर्वकालीन पुन इंटरनेशनलिंग फर्मों में प्रदर्शन पर प्रभाव पड़ता है? एकेडमी ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस कॉन्फ्रेंस, बेंगलुरु में प्रस्तुत।

अली, एस.एस, और माथुर, ए. एन. (2015, दिसंबर 1-3). 41 वीं ईआईबीए वार्षिक सम्मेलन 'ब्रिक की भीड़ के बाद अंतर्राष्ट्रीय व्यापार', रियो डी जनेरियो में प्रस्तुत किए गए मामलों से पुन अंतर्राष्ट्रीयकरण प्रक्रियाओं के एनाटॉमी को उजागर किया।

एंजली, एफ., और जायसवाल, ए.के. (2015, अक्टूबर 15-17) जीएसओएम इमर्जिंग मार्केट सम्मेलन में पेश किए गए पिरामिड के नीचे समावेशी हेल्थकेयर डिलीवरी के लिए बिजनेस मॉडल इनोवेशन व्यापार और सरकारी परिप्रेक्ष्य, सेंट पीटर्सबर्ग, रूस

बनर्जी, एस. (2015, दिसंबर 17-19) भारत में वित्तीय समावेशन भारतीय फाइनेंस सम्मेलन आईआईएम कलकत्ता में प्रस्तुत कमजोर फाउंडेशन पर एक विशालकाय संरचना।

बाथिनी, डी. और कंडथिल, जी. (2015, अगस्त) क्लाइंट के पास कोई समस्या नहीं है, इसलिए लंबे समय तक मुझे परेशान न करें, टेलीवर्क में नियंत्रण और विरोध, अकादमी प्रबंधन, वैंकूवर, ईसा पूर्व, कनाडा की 75 वीं वार्षिक बैठक में प्रस्तुत किया गया।

बाथिनी, डी. और कंडथिल जी. (2015, जुलाई) हमेशा उपलब्ध 31 वीं यूरोपीय ग्रुप फॉर ऑर्गनायजेशन स्टडीज (ईजीओएस) संवर्धन, एथेंस, ग्रीस में प्रस्तुत दृश्यता और दूरसंचार में अनुपालन प्रस्तुत करना।

भद्रा, डी. (2015, अप्रैल) आईसीएडीएबीएआई, आईआईएम अहमदाबाद में प्रस्तुत स्प्लिन्स और इसके एप्लीकेशन का संक्षिप्त परिचय।

बिनॉय, जे., और वर्की, बी. (2015, मई 14-15). उच्च निष्पादन के लिए मानव संसाधन परिवर्तन आईएचआरएम, श्रम और रोजगार संबंधों के स्कूल, पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए के दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत एक भारतीय परिवार के स्वामित्व वाली व्यापार में मानव संसाधन विकास मंत्री की परिवर्तित भूमिका की खोज।

चक्रवर्ती, ए.एस., चटर्जी, ए., चक्रवर्ती, ए., घोष, ए., और नंदी, टी. (2016, मार्च 23-27). जापान एसोसिएशन फॉर इवॉल्यूशनरी इकोनॉमिक्स द्वारा आयोजित सम्मेलन में टोक्यो यूनिवर्सिटी में प्रस्तुत समूहों में उपभोग में अंतरसमूह असमानता की अपरिवर्तनीय विशेषताओं को प्रस्तुत किया गया।

दाश, एस., और वोहरा, एन. (2015, नवंबर 4-5). जॉब क्राफ्टिंग के माध्यम से सतत कार्यबल, सतत एचआरएम और कर्मचारी कल्याण में प्रस्तुत एक अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान संगोष्ठी, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया।

डीक्रूज़, पी., और नोरोन्हा ई. (2015, जुलाई 8-10). वैश्विक मूल्य श्रृंखला में भारतीय वकीलों की दुविधाएं चौथे था आरडीडब्ल्यू आईएलओ सम्मेलन, जिनेवा, स्विट्जरलैंड में प्रस्तुत कानूनी प्रक्रिया आउटसोर्सिंग का मामला।

डीक्रूज़, पी., और नोरोन्हा ई., (2015, जुलाई 8-10). नई पहचान के लिए नई रणनीतियां आवश्यक हैं भारतीय आईटी / आईटीईएस उद्योग में संघ गठन, चौथे आरडीडब्ल्यू आईएलओ सम्मेलन, जिनेवा, स्विटजरलैंड में प्रस्तुत किया गया।

डीक्रूज़, पी., और नोरोन्हा ई., (2015, सितंबर 7-11). भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र में सामूहिक सौदेबाजी पुन प्रज्वलित करना गैरमानक श्रमिकों का मामला, 17 वैं आईएलईआरए सम्मेलन, केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका में प्रस्तुत किया गया।

देवधर, एस. (2015, 1 अगस्त). मेक इन इंडिया एक अंतर के साथ मंत्र को फिर से जपना, प्रोफेसर वी. एम. दांडेकर मेमोरियल सेमिनार, इंडियन स्कूल ऑफ़ पॉलिटिकल इकोनॉमी, पुणे में प्रस्तुत ।

देव, पी. (2016, मार्च 14-19). सूचना विनिमय नेटवर्क सूचना केन्द्रों पर साक्ष्य, निर्णय और फाउंडेशन ऑफ़ फाउंडेशन ऑन द इंटरनेशनल कॉन्क्लेव, आईजीआईडीआर, मुंबई में प्रस्तुत ।

दत्ता, जी. (2015, दिसंबर 15). भारतीय ऑपरेशनल रिसर्च सोसाइटी, भुवनेश्वर के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत होम लोन प्राइसिंग में राजस्व प्रबंधन के साथ गणितीय प्रोग्रामिंग दृष्टिकोण।

गांधी, वी.पी. (2015, जून 14-17) अंतरराष्ट्रीय खाद्य और कृषि व्यवसाय प्रबंधन संघ (आईएफएएमए), सेंट पॉल (मिनियापोलिससेंट पॉल), मिनेसोटा, यूएसए के 25 वें वार्षिक विश्व सम्मेलन में प्रस्तुत भारत में एग्रीबिजनेस और फूड वैल्यू चेन के परिवर्तन निवेश, मॉडल और चुनौतियां।

गांधी, वी.पी. (2016, मार्च 22,) भारत केंद्रीय बजट 2016-17 बजट में आर कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था, 2016-17 के केंद्रीय बजट पर संगोष्ठी में प्रस्तुत, मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज (एमआईआईएस)।

गांधी, वी.पी. (2016, मार्च 14-16) प्रभावी संस्थानों और अभिनव कृषि व्यवसाय मॉडल के माध्यम से बागवानी में विपणन संबंधों को ट्रांसफ़ॉर्म करना, सस्टेनेबल बागवानी पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 2016, मिजोरम विश्वविद्यालय, मिजोरम में प्रस्तुत किया गया।

गांधी, वी.पी. (2015, जून 26-27). भारत और चीन में तेजी से आर्थिक विकास के साथ खाद्य मांग और खाद्य सुरक्षा चैलेंज, आईआईएमए सोसाइटी कॉन्फ्रेंस, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, अहमदाबाद,

गांधी, वी.पी. (2015, अक्टूबर 12-13). कृषि में प्रबंधन के लिए केंद्र, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद अनुसंधान, योगदान और कार्यकलाप की समीक्षा पिछले दस सालों में फोकस के साथ कल्याण, कृषि और किसानों के मंत्रालय द्वारा आयोजित एएआरसी की समीक्षा समिति की कार्यशाला बैठक, आर्थिक विकास संस्थान, नई दिल्ली में प्रस्तुत.

गांधी, वी.पी. (2015, जून 14-17) भारत में एग्रीबिजनेस और फूड वैल्यू चेन का परिवर्तन निवेश, मॉडल और चुनौतियां इंटरनेशनल फूड एंड एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट एसोसिएशन (आईएफएएमए), सेंटपॉल (मिनियापोलिससेंट पॉल), मिनेसोटा, यूएसए के 25 वें वार्षिक विश्व सम्मेलन में प्रस्तुत .

गांधी, वी.पी. (2015, जुलाई 22-23)। बायोटेक्नोलॉजी में नवाचार और जैवसुरक्षा के महत्व को कृषि जैव प्रौद्योगिकी और जैवसुरक्षा के संचार में चुनौतियां पर, भारतीय जनसंचार संचार संस्थान (आईआईएमसी) द्वारा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सहयोग से आयोजित विभाग संचार और पत्रकारिता, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में प्रस्तुत किया गया।

जैन, आर. (2015, मई 14-15). इंटरनेट गवर्नेंस में भारत की भूमिका डिजिटल भारत 2015 सम्मेलन, फिक्की, नई दिल्ली में प्रस्तुत ।

जैन, आर. (2015, 3 जुलाई). चिंतन शिबीर, गांधीनगर, गुजरात में प्रस्तुत एमगवर्नेंस के लिए तैयारी।

जैन, आर. (2015, 26 सितंबर). इंटरनेट गवर्नेन्स में भारत की भूमिका, एक पोस्टर टीपीआरसी 43, अर्लिंग्टन, वीए में प्रस्तुत किया।

जैन, आर. (2015, 26 सितंबर). मोबाइल संचार नीतियां और विकसित तथा विकसित देशों में राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड रणनीतियाँ पाठ, नीतिगत मुद्दे और चुनौतियां, टीपीआरसी 43, अर्लिंग्टन, वीए

परिशिष्ट जारी

झ

जैन, आर. (2015, दिसंबर 13-15). द्वितीय क्षेत्रीय आईटीएस सम्मेलन सभी के लिए कनेक्टिविटी फ्यूचर टेक्नोलॉजीज, बाजार और विनियमन, नई दिल्ली में इंटरनेट गवर्नेंस और भारत के लिए आदर्श के लिए एक मॉडल।

जानी, वी.जे. (2016, फरवरी 1-3). क्या आर्थिक वैश्वीकरण अफ्रीका को स्वस्थ बनाते हैं? डर्बहर्उनिग 2016, बार्सिलोना में प्रस्तुत

जानी, वी.जे. (2016, जनवरी 4-6) क्या व्यापार एशियाई बच्चों को स्वस्थ बनाते हैं? भारतीय अर्थमिति सोसाइटी, आईआईएम कोझीकोड की वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत

कर्णा, ए., और रॉय, के. (2015, जून 17-20). एक स्थायी आधार पर समाज के लिए अच्छा करना यूरोपीय अकादमी प्रबंधन (यूरम), वॉर्सा, पोलैंड में प्रस्तुत सामाजिक व्यवसायों का प्रतिस्पर्धात्मक लाभ।

कर्णा, ए., लैंडौ, सी., और सेलर, एम. (2015, अगस्त 7-11). बिजनेस मॉडल इनोवेशन एक जर्मन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के बिजनेस मॉडल एडेप्टेशन फॉर इंडिया, अकादमी ऑफ मैनेजमेंट (एओएम) वार्षिक बैठक 2015, वैंकूवर, कनाडा में प्रस्तुत।

कर्णा, ए, लैंडौ, सी., और सेलर, एम. (2015, जून 28-30). ऑटोमोटिव उद्योग में बिजनेस मॉडल रा अंतरराष्ट्रीयकरण उभरते बाजारों में मार्केट प्रवेश का एक प्रक्रिया मॉडल, अकादमी ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस (एआईबी) वार्षिक बैठक, बेंगलुरु, भारत में प्रस्तुत।

कर्ण, ए, पुरायस्थ, ए, शर्मा, एस। और भद्रा, डी. (2015, जून 28-30). इमर्जिंग मार्केट फर्मों के अंतर्राष्ट्रीयकरण के प्रदर्शन प्रभावों को बढ़ाने में गतिशील क्षमताओं की भूमिका भारतीय फर्मों का एक अध्ययन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अकादमी (एआईबी) वार्षिक बैठक, बेंगलुरु, भारत में प्रस्तुत किया गया।

कर्णा, ए., पुराकास्थ, ए., शर्मा, एस. और भद्रा, डी., (2015, अक्टूबर 3-7). सामरिक प्रबंधन सोसाइटी (एसएमएस) वार्षिक बैठक, डेनवर, सीओ, यूएस मेंप्रस्तुत अंतरराष्ट्रीयकरण के प्रदर्शन प्रभावों को बढ़ाने में गतिशील क्षमताओं की भूमिका भारतीय फर्मों के अध्ययन।

कर्णा, ए., रिक्टर, ए., और स्कूमर, एम. (2015, अगस्त 7-11). संस्थागत संदर्भों के पार विविधता के निष्पादन प्रभाव मेटाविश्लेषण वैंकूवर, कनाडा में आयोजित एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट (एओएम) वार्षिक बैठक 2015 में प्रस्तुत।

कर्णा, ए., रिक्टर, ए., और स्कूमर, एम. (2015, अक्टूबर 3-7). स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट सोसाइटी (एसएमएस) वार्षिक बैठक, डेनवर, सीओ, यू.एस. में प्रस्तुत सामरिक और संगठनात्मक व्याकरण और व्यावसायिक सेवा फर्मों का प्रदर्शन।

कर्णा, ए., रिक्टर, ए., और स्कूमर, एम. (2015, जून 28-30). विविधता प्रदर्शन संबंध में संस्थागत संदर्भ की भूमिका एक मेटाविश्लेषण, बंगलुरु, भारत में आयोजित एकेडमी ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस (एआईबी) वार्षिक बैठक 2015 में प्रस्तुत किया गया।

कुमार, वी. और देवधर, एस.वाय. (2016, जनवरी 4) एआईईएफएसएस सत्र, एलाइड सोशल साइंसेज एसोसिएशन (एएसएसए) की बैठकों, सैन फ्रांसिस्को, सीए, यूएसए में प्रस्तुत पुरुषों के फुटवियर में मोनोपॉलिस्टिक कॉम्पिटिशन और उत्पाद भेदभाव से अच्छी तरह से टिपटोड, शूशीन से जूता फीता तक।

माथुर, ए.एन. (2015, जून 8-14). 40 वीं ईआईबीए सम्मेलन की कार्यवाही, उप्साला में प्रस्तुत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अनपेक्षित अंधेरे रसातल।

माथुर, ए.एन. (2015, जून 8-14). मनुष्य के मानव उपयोग पार सीमा मूल्य नक्षत्रों में ठंडे विरोध के नीचे विषाक्तता का क्या होता है? 32 वें आईएसपीएसओ वार्षिक बैठक में प्रस्तुत।

माथुर, ए.एन. (2015, जून 15-18). यूरोप में भारतीय निवेश की विफलताओं से सीखना, आईएमआईटी सेमिनार, इंटरनेशनल बिजनेस स्टडीज के केंद्र, गोटेबोर्ग यूनिवर्सिटी में प्रस्तुत किया गया।

माथुर, ए. एन., और केरी, ए. (2015, अगस्त 3-5). क्या मनुष्य के मानव उपयोगों की सीमाएं हैं? 10 वें सीपीपीएम सम्मेलन में प्रस्तुत, आईआईएम बैंगलोर।

माथुर, ए.एन. (2015, अक्टूबर 22-23), 12 वीं अंतर्राष्ट्रीय ईटीएमयू सम्मेलन में पेश किए गए विदेशी मीट्रिकल्वर में संबंधों और टूटने के बारे में डायस्पोरिक स्वदेशीता मोबाइल रूट स्वदेशी और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को पुनर्विचार, लैपलैंड विश्वविद्यालय, रोवानीएमी।

परिशिष्ट जारी

झ

माथुर, ए.एन. (2015, नवंबर 3-4). भारतीय उच्च शिक्षा में अनुसंधान अभिप्राय, फिक्की उच्च शिक्षा सम्मेलन 2015, नई दिल्ली में प्रस्तुत पत्र।

माथुर, ए.एन. (2015, दिसंबर 1-3). फिनलैंड में भारतीय निवेश की विफलताओं से सीखना, ब्रिक्स की भीड, रियो डी जनेरियो के बाद 41 वीं ईआईबीए वार्षिक सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में प्रस्तुत किया।

माथुर, अजीत एन. (2016, जनवरी 4-6). आध्यात्मिकता के प्रबंधन और प्रबंधन में आध्यात्मिकता बाहरी दुनिया के लिए आंतरिक दुनिया को जोड़ने, आध्यात्मिकता और प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत कागज स्थिरता, सुशासन और आध्यात्मिक परिवर्तन के स्वदेशी मॉडल, आईआईएम बैंगलोर।

मैटीला, एस. और माथुर, ए. एन. (2015, दिसंबर 1-3). एमबीए कार्यक्रमों में अध्यापन के लिए नैतिकता और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रक्रियाओं को समझना, 41 वे. ईआईबीए वार्षिक सम्मेलन 'ब्रिक की भीड़ के बाद अंतर्राष्ट्रीय व्यापार', रियो डी जनेरियो में प्रस्तुत किया गया।

मेंडोका, ए. (2015, अगस्त 7-11) ज्ञान गहन संगठनों में कर्मचारी प्रतिरोध एक संकल्पनात्मक ढांचा अकादमी प्रबंधन (एओएम), यूएसए, वैंकूवर, ब्रिटिश कोलंबिया, कनाडा की 75 वीं वार्षिक बैठक में प्रस्तुत।

मिश्रा, एन. (2015, दिसंबर, 16-18). संगठनात्मक परिवर्तन के संदर्भ में राजनीतिक प्रक्रियाओं और व्यक्तिगत तनाव, तीसरे पॅन विश्व प्रबंधन सम्मेलन, इंदौर में प्रस्तुत।

मुखर्जी, एस. (2015, नवंबर 28) इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैटेरियल्स मैनेजमेंट, वडोदरा द्वारा आयोजित नेशनल कांफ्रेंस (एनएटीसीओएम 2015), में क्रांतिकारी सप्लाई चेन स्ट्रेट्जीज फॉर सस्टेनेबल कॉम्पिटिटिव एडवांटेज पर मुख्य भाषण।

नागर, एन. (2015, 12-13 सितंबर). कॉरपोरेट गवर्नेस एंड कैश फ्लो मैनिप्युलेशन भारत से साक्ष्य, आईएफएबीएस 2015 कॉर्पोरेट वित्त सम्मेलन, इंग्लैंड के ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ऑफ सैड बिजनेस स्कूल में प्रस्तुत।

नागर, एन. (2016, जनवरी 7-8). क्या लेखा परीक्षकों को वर्गीकरण स्थानांतरित करने में असमर्थ या केवल रिपोर्ट करने के लिए तैयार नहीं हैं? भारत से साक्ष्य, समकालीन लेखांकन और अर्थशास्त्र वार्षिक संगोष्ठी जर्नल, चुलालोंगकोर्न विश्वविद्यालय, बैंकाक में प्रस्तुत किया गया।

नागर, एन. (2016, जनवरी 7-8). कॉरपोरेट गवर्नेस एंड कैश फ्लो मैनेप्युलेशन भारत से साक्ष्य, समकालीन लेखांकन और अर्थशास्त्र वार्षिक संगोष्ठी,चुलालोंगकोर्न विश्वविद्यालय, बैंकाक की जर्नल में प्रस्तुत किया गया।

नानरपुझा, आर. और खांडेपरकर, के. (2015). वैश्विक युग के समूहों की जीवन शैली के मूल्य बाजार विभाजन का मतलब है? विपणन और संचार सम्मेलन, ला लोंडे, फ्रांस में प्रस्तुत, 26 जून, 2015.

नानरपुझा, आर. और खांडेपरकर, के. (2015, मई 26-29). वैश्विक युग के समूहों की जीवन शैली के मूल्य बाजार विभाजन का मतलब है? लेवेन, बेल्जियम में 44 वें ईएमएसी वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत।

नंदराम, बी., भद्र, डी., और लियू, वाई. (2015, 26 दिसंबर). आईआईएसए सम्मेलन, सांख्यिकी विभाग, पुणे विश्वविद्यालय में प्रस्तुत स्तन कैंसर डेटा के लिए एक आवेदन के साथ छोटे क्षेत्रों से विषम अनुपात का एक बेयेसिन विश्लेषण।

नारायणस्वामी, एस. (2015, जून) वेरलोग 2015, विएना, ऑस्ट्रिया में प्रस्तुत अनुसूचित रेलवे सेवाओं के लिए रोलिंग स्टॉक आवंटन।

नारायणस्वामी, एस. (2015, जून 27) आईआईएमए सोसाइटी कॉन्फ्रेंस, आईआईएम अहमदाबाद में प्रस्तुत सप्लाई चेन लॉजिस्टिक्स।

नारायणस्वामी, एस. (2015, जून) पीकअवर मेट्रो रेल यातायात में भीड़ उन्मूलन, वालेंसिया, स्पेन में शहरी परिवहन और पर्यावरण पर 21 वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

पांडे, जे. (2015, जून 6-7). मेडिकल टूरिज्म अंतरराष्ट्रीय रोगियों के लिए सही समन्वयक की भर्ती, अंतरराष्ट्रीय आईआईएमए अंतरराष्ट्रीय प्रबंधन संस्थान, आईआईएम अहमदाबाद में अग्रिमों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत।

पांडे, जे. और सिंह, एम. (2015, अगस्त 7-11) डॉनिंग द मास्क ऑफ सर्फेस एंड डीप एक्टिंग हेल्थकेयर में नौकरी से संतुष्टि और बर्नआउट पर प्रभाव, कनाडा के वैंकूवर, हयात रीजेंसी में अकादमी प्रबंधन 2015 वार्षिक बैठक में हेल्थकेयर वर्कफोर्स रिटेंशन सत्र में प्रस्तुत किया गया।

परिशिष्ट जारी

झ

पांडे, जे. एंड सिंह, एम. (2015, अप्रैल 11-12) भावनात्मक श्रम रणनीतियाँ और बर्नआउटः आईआईएम अहमदाबाद में उन्नत डेटा विश्लेषण, व्यवसाय विश्लेषिकी और खुफिया जानकारी पर चौथे आईआईएमए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किए गए आशा कार्यकर्ताओं के लिए आस्ति अनासतिकता की मध्यस्थता भूमिका।

पांडे, वी., नवनी, एस., और देवधर, एस.वाई. (2015, 15 मई). अनिवार्य सीएसआर और भारतीय फर्मों की प्रतिक्रिया, कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (जीएससीएसआर), भारत इंटरनेशनल सेंटर, दिल्ली में ग्लोबल समिट में प्रस्तुत किया गया।

पिंगाली, वी. (2016, मार्च 3-4). प्रतिस्पर्धा कानून के अर्थशास्त्र पर नेशनल कॉन्फ्रेंस, भारत के प्रतिस्पर्धा आयोग, नई दिल्ली में प्रस्तुत दोपक्षीय बाजार और इंटरनेट सर्च इंजन।

राधाकृष्णन, जी. (2015, अप्रैल 8-9) पोर्ट क्षेत्र में प्रतियोगिता? मुख्यालय, समुद्री प्रबंधन स्कूल, भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय, चेन्नई में प्रस्तुत।

राधाकृष्णन, जी. (2015, जून 14-15). क्या स्वामित्व हमेशा मायने रखता है? भारतीय बैंकिंग सेक्टर के साक्ष्य, हेलसिंकी, फ़िनलैंड, दक्षता और उत्पादकता विश्लेषण पर 13 वीं यूरोपीय कार्यशाला में प्रस्तुत किया गया।

राधाकृष्णन, जी (2015, 1 सितंबर). जहाज निर्माण और जहाज मरम्मत समुद्री क्लस्टर, बंदरगाहों और नौवहन पर 5 वें वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत, साकेत समूह, अहमदाबाद।

रघुराम, जी. (2015, अक्टूबर 30)भारतीय राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में समुद्री क्षेत्र की भूमिका, बुनियादी ढांचा और बंदरगाहों, अहमदाबाद पर 7 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत।

रघुराम, जी. (2015, 20 नवंबर) भारत में खाद्य सुरक्षा की आपूर्ति श्रृंखला में सामरिक मुद्दे, लीड प्रेजेंटेशन, गोदाई भंडारण प्रतिस्पर्धात्मकता निर्माण 2015 में प्रस्तुत मूल्य वृद्धि और परिवर्तन, मुंबई

रघुराम, जी. (2015, नवंबर 29). कृषि कमोडिटी वैल्यू चेन, नाबार्ड और आईएफपीआरआई, लखनऊ के वित्त पोषण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत खाद्य सुरक्षा मूल्य श्रृंखला में सामरिक मुद्दे।

रघुराम, जी. (2015, दिसंबर 16). भारत में लॉजिस्टिक्स में सुधार द वे फॉरवर्ड, थर्ड पॅन आईआईएम वर्ल्ड मैनेजमेंट कॉन्फ्रेंस, आईआईएम इंदौर में प्रस्तुत।

रघुराम, जी. (2015, दिसंबर 18). खाद्य सुरक्षा मान चेन में सामरिक मुद्दे, भारत के ऑपरेशनल रिसर्च सोसाइटी के 48 वें वार्षिक सम्मेलन और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, भुवनेश्वर में प्रस्तुत।

रघुराम, जी. (2015, दिसंबर 19). सतत फ्रेट परिवहन और रसद चुनौतियां और रास्ते बाहर, पैनलिस्ट, भारत के परिवहन अनुसंधान समूह, कोलकाता का तीसरा सम्मेलन।

रघुराम, जी. (2015, 19 नवंबर) भण्डारण प्रतिस्पर्धा निर्माण 2015 पर प्रस्तुत थीम मूल्य संवर्धन और परिवर्तन के साथ मुकाबला, मुंबई।

राम मोहन, टी.टी. (2015, जून). क्या स्वामित्व हमेशा मायने रखता है? हेलसिंकी, दक्षता और उत्पादकता विश्लेषण पर यूरोपीय कार्यशाला में प्रस्तुत भारतीय बैंकिंग से साक्ष्य।

राम मोहन, टी.टी. (2015, 26 जुलाई). भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में आज के मुद्दे, स्टेट बैंक आफ इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन कॉन्फ्रेंस, चेन्नई में प्रस्तुत की गई प्रस्तुति।

राम मोहन, टी.टी. (2016, जनवरी 27). बैंकिंग सेक्टर में सुधार, पैनल चर्चा, सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, मुंबई।

सैयद, ए.ए. (2015, जून 28-30) भारत में नई वेंचर्स द्वारा अंतरराष्ट्रीयकरण के निर्धारक, अंतरराष्ट्रीय व्यापार अकादमी, बैंगलोर में प्रस्तुत।

सैयद, ए.ए. (2015, दिसंबर 11-13) उद्यमी अभिलक्षण और नए उद्यमों का अंतरराष्ट्रीयकरण संज्ञानात्मक कारकों का अध्ययन, 4 थे द्विवार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया, इंडियन एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट, आईआईएम लखनऊ, नोएडा

सैयद, ए.ए. (2015, मई 7-9) क्या अधिक हमेशा बेहतर है? उद्यमशीलता अकादमीप्रबंधन, फिलाडेल्फिया में प्रस्तुत सीईओ शक्ति के आकस्मिक प्रभाव के तहत उद्यमशीलता अभिविन्यास और फर्म प्रदर्शन।

परिशिष्ट जारी

झ

सलूजा, डी. (2015, दिसंबर 11-13). आईसीआईएम लखनऊ, नोएडा में 4 वीं द्विवार्षिक भारतीय एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट कॉन्फ़ेंस में प्रस्तुत बीमा कंपनियों के परिप्रेक्ष्य से आरएसबीवाई की स्थिरता।

सराफ, ए. (2015, दिसंबर 14-16). टीचर लीडरशिप : व्यावसायिकता की ओर, शिक्षा शासन, मुक्ति और सम्मान, 6ठवें सीईएसआई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

शाह, पी. (2015, दिसंबर 15-18) विज्ञान शिक्षा में डिजिटल मीडिया की भूमिका का विश्लेषण एपिसटेम 6, मुंबई में प्रस्तुत एक वितरित अनुभूति दृष्टिकोण।

शाह, पी. (2015, दिसंबर 15-18) विशेषज्ञों और नौसिखियों ने कैमिस्ट्री के प्रतिनिधित्वों को कैसे नेविगेट किया है एक आईट्रैकिंग की जांच 6, मुंबई में प्रस्तुत।

शाह, पी. (2015, अक्टूबर 22-24) प्रबंधकों द्वारा नैतिक निर्णय एक महत्वपूर्ण, प्रक्रिया आधारित दृश्य, अंतरराष्ट्रीय विन्सेंटियन बिजनेस एथिक्स कॉन्फ्रेंस (आईवीबीईसी), न्यूयॉर्क में प्रस्तुत।

शर्मा, ए. (2016, फरवरी 1-3) गतिशील बाहरी और क्षेत्रीय विकास भारत से साक्ष्य, इकोनवर्ल्ड, बार्सिलोना, स्पेन में प्रस्तुत किया गया।

शर्मा, के. (2015, सितंबर 17-19) डायस्पोरा का पालन करें येल विश्वविद्यालय सीआईआई सम्मेलन, न्यूयॉर्क, यूएसए में प्रस्तुत सेवा फर्म का वैश्वीकरण।

शर्मा, एस. (2015, नवंबर 4-5) विविधता और समावेशन भारत से अंतर्दृष्टि, स्थिर एचआरएम और कर्मचारी वेलबिसिंग सिंपोसियम, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में प्रस्तुत।

शर्मा, एस. (2015, जुलाई 2-4) कोर का संरक्षण ने उद्यमी उद्यम अपनी पहचान और छवि के बीच संघर्ष का जवाब देते हैं, 31 वीं यूरोपीय समूह संगठन अध्ययन (ईजीओएस) संवर्धन, एथेंस, ग्रीस में प्रस्तुत।

शर्मा, एस. (2015, जून 21-23) हम एक हैं, लेकिन हम एक समान नहीं हैं नए उद्यमी उद्यमों ने अपनी पहचान और छवि के बीच एकरूपता का जवाब दिया, प्रक्रिया संगठनात्मक अध्ययन, कोस, ग्रीस पर संगोष्ठी में प्रस्तुत किया।

सिंह, वी.एल. (2015, अगस्त 7-11). जॉब क्राफ्टिंग का एक तनाव मॉडल जॉब प्रदर्शन पर मध्यस्थता प्रभाव, अकादमी प्रबंधन (एओएम), यूएसए, वैंकूवर, ब्रिटिश कोलंबिया, कनाडा की 75 वीं वार्षिक बैठक में प्रस्तुत।

सोहानी, एस.एस., सिंह,एम., और पांडे, जे. (2015, जून 6-7). मेडिकल पर्यटन हेल्थकेयर मैनेजमेंट सर्विसेज, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, अहमदाबाद में अग्रिम आईआईएमए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पेश हुए प्रवासी मरीजों के लिए सही समन्वयक की भर्ती।

सुगथन, ए., और पांडे, आर. (2015, 13 नवंबर). भारत में कोयला विद्युत संयंत्र, आईजीसी ऊर्जा और विकास सम्मेलन में प्रस्तुत चुनौतियां और विकासशील देशों के लिए अवसर, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और राजनीति विज्ञान।

वर्की, बी. (2015, नवंबर 17-18) सहकारी बैंकिंग रोजगार संबंध परिप्रेक्ष्य, 21 वीं सदी के लिए आर्थिक लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने पर 6 ठे एशिया-ईयूरोपीय श्रम विचारक मंच (एईएलएफ) सम्मेलन में प्रस्तुत वैश्विक श्रम आंदोलन के लिए एक परियोजना? सिंगापुर।

वर्की, बी (2015, जुलाई 8-10). मेक इन इंडिया : एक महत्वपूर्ण परीक्षा, काम पर बेहतर भविष्य के लिए नीतियों को विकसित करने और कार्यान्वित करने पर सभ्य कार्य सम्मेलन के लिए चौथे विनियमन में प्रस्तुत। आईएलओ, जिनेवा।

वर्की, बी (2015, जुलाई 8-10). भारत में न्यूनतम मजदूरी : काम पर बेहतर भविष्य के लिए नीतियों को विकसित करने और कार्यान्वितकरने पर सभ्य कार्य सम्मेलन के लिए चौथे विनियमन पर प्रस्तुत एक अवलोकन, आईएलओ जिनेवा।

वर्की, बी., और मेहता, के.पी. (2015, अगस्त 26-28) वेतन सूचक की न्यूनतम मजदूरी जांचकर्ता एक नोट, 6 वें ग्लोबल वेज इंडीकेटर सम्मेलन में प्रस्तुत वेस्टर्न इंडिया वेजइंडिकेटर फाउंडेशन के 15 वर्षों का उत्सव, एम्स्टर्डम, नीदरलैंड्स।

वर्मा, पी. (2016, जनवरी 27). कृषि प्रौद्योगिकी, स्थिर कृषि प्रौद्योगिकी का उपयोग समृद्धि का दोहन, पर फिक्की की कार्यशाला अहमदाबाद में प्रस्तुत।

परिशिष्ट जारी

झ

वोहरा, एन., शर्मा, एस., और नायर, एन. (2015, 4-5 नवंबर). भारत में संगठनों में विविधता और समावेश, स्थायी एचआरएम और कर्मचारी कल्याण में प्रस्तुत एक अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान संगोष्ठी, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया

वोहरा, एन. (2016, जनवरी 7). पुलिस अधिकारियों के लिए तनाव को कम करने के एक तरीके के रूप में भावनात्मक खुफिया, पुलिस में महिलाओं के लिए 7 वें राष्ट्रीय सम्मेलन, सीआरपीएफ अकादमी, गुड़गांव में प्रस्तुत।

वोहरा, एन. (2016, 21 जनवरी). स्कूल शिक्षकों की बुद्धिमत्ता को समझना, खाड़ी परिषद प्रिंसिपल सम्मेलन, मस्कट, ओमान में प्रस्तुत।

वोहरा, एन.(2016, मार्च 10). नेतृत्व के पदों में महिलाएं एक साइकोडायमिक व्यू, महिलाओं में, लीड! एशिया, मुंबई में महिला नेतृत्व फोरम सम्मेलन में प्रस्तुत।

यादव, आर.एस. (2015, नवंबर 4-5) कार्यस्थल आध्यात्मिकता सतत एचआरएम को बढ़ावा देने के लिए एक उपकरण, सतत एचआरएम और कर्मचारी वेलनेसिंग सिम्पोसियम, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में प्रस्तुत।

अ

कार्यकारी शिक्षा कार्यकम

प्रतिभागियों का वितरण

कार्यक्रम	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
		सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम	3	32	155	23	210
नए कार्यक्रम	13	170	209	6	385
नियमित / दोहराए कार्यक्रम	57	631	1035	45	1711
कुल	**73**	**833**	**1399**	**74**	**2306**

सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
3 टी.पी. उभरते लीडरों का कार्यक्रम 26 जुलाई से 22 अगस्त 2015	22	52	0	74
लघु और मझौले उद्यम के रूपांतरण कार्यक्रम 5-17 अक्तूबर, 2015	0	42	2	44
3 टीपी वरिष्ठ लीडरों का कार्यक्रम जनवरी 17 -फरवरी 6,2016	10	61	21	92
	32	**155**	**23**	**210**

नए कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
व्यापार नीति				
व्यावसायिक सेवा कम्पनियों का नेतृत्व करना 13-18 सितंबर, 2015	8	15	0	23
युवा उद्यमी कार्यक्रम मोड्यूल 1 21-26 सितंबर, 2015 मोड्यूल 2 11-16 जनवरी , 2016	5	26	1	32
परिवर्तनकारी नेतृत्व 28-30 सितंबर, 2015	28	22	0	50
पोषण नवाचार के लिए डिजाइन सोच 12-17 अक्तूबर, 2015	3	25	1	29
रणनीति निष्पादन का अनुशासन 7-9 दिसंबर , 2015	15	14	0	29
अर्थशास्त्र				
सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों का नेतृत्व 10-14 अगस्त , 2015	30	1	0	31
इंफ्रास्ट्रक्चर और पीपीपी अधिकार प्राप्त करना 7-11 मार्च , 2016	23	7	1	31

परिशिष्ट जारी

अ

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
कार्मिक और औद्योगिक संबंध				
हेल्थकेयर सेक्टर में प्रबंधकीय उत्कृष्टता 4-8 मई, 2015	6	20	0	26
आंतरिक प्रतिभा और नेतृत्व का विकास करना 8-10 फरवरी, 2016	21	12	1	34
प्रबंधकीय प्रभावशीलता 29 फरवरी - 5 मार्च , 2016	20	15	2	37
उत्पादन और मात्रात्मक तरीके				
विनिर्माण रणनीति 30 नवम्बर-5 दिसंबर, 2015	5	19	0	24
विनिर्माण पर शीर्ष प्रबंधन कार्यशाला 18-20 फरवरी , 2016	3	17	0	20
सार्वजनिक प्रणाली				
शिपिंग के लिए सामान्य प्रबंधन 16-22 अगस्त , 2015	3	16	0	19
	170	**209**	**6**	**385**

नियमित / दोहराए कार्यक्रम की पेशकश

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
व्यापार नीति				
विदेश में व्यवसाय करना 19-21 अगस्त, 2015	5	12	0	17
कार्यकारी सम्मेलन : प्राधिकरण,संगठन, रणनीति एवं सम्बध्धता की राजनीति (जयपुर) 4-10 सितंबर, 2015	1	14	0	15
विकास के लिए रणनीतियां 21-26 सितंबर, 2015	13	12	0	25
अनुबंध प्रबंधन 26-30 अक्तू बर, 2015	17	14	0	31
नवाचार, कॉर्पोरेट रणनीति, और प्रतिस्पर्धी कार्यप्रदर्शन 16-21 नवंबर, 2015	11	10	1	22
ज्ञान प्रबंधन 7-12 दिसंबर, 2015	6	4	2	12
21वीं सदी के लिए संगठनात्मक नेतृत्व 5-8 जनवरी, 2016	31	14	0	45
पारिवारिक व्यापार संस्था, रणनीतियां, अंतर्राष्ट्रीयकरण और उत्तराधिकार 2-5 फरवरी, 2016	9	40	0	49

परिशिष्ट जारी

अ

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	कुल
पोषण नवाचार के लिए डिजाइन सोच (दूसरा प्रस्ताव) 29 फरवरी 4 मार्च, 2016	8	25	1	34
संचार				
लोगों को साथ लेकर, अनुनय द्वारा प्रबंध 3-8 अगस्त,, 2015	19	18	0	37
जीतने की कगार पर- अग्रणियों के लिए संचार रणनीतियाँ 21-26 सितंबर,2015	5	19	3	27
प्रभावी संचार रणनीतियाँ आदमी और औरत काम पर 12 - 17 अक्टूबर, 2015	11	7	0	18
वित्त और लेखाकरण				
उन्नत कॉर्पोरेट वित्त नवम्बर 2-7,2015	20	22	0	42
विलय, अधिग्रहण, और पुनर्गठन 14- 19 दिसम्बर , 2015	9	21	1	31
सामरिक लागत प्रबंधन 18 -21 जनवरी , 2016	2	26	0	28
सूचना प्रणालियाँ				
आईटी परियोजनाओं का प्रबंधन 20-25 जुलाई , 2015	32	16	0	48
सीआईओ के लिए सामरिक आईटी प्रबंधन 14-19 सितंबर, 2015	12	16	0	28
दृश्य व्यापार आसूचना 7 -10, दिसम्बर, 2015	7	19	0	26
नई पीढ़ी के उद्यम प्रणाली ईआरपी, सीआरएम, बीआई और एससीएम 11-16 जनवरी, 2016	12	8	0	20
विपणन				
विपणन निर्णयों के लिए उन्नत डेटा विश्लेषण 24-29 अगस्त, 2015	8	10	0	18
ब्रांड का विकास करना और प्रबंध करना 14 - 17 सितंबर , 2015	21	21	6	48
अंतरराष्ट्रीय व्यापार 21 - 26 सितंबर, 2015	0	22	1	23
लाभ के लिए मूल्य निर्धारण 5 -9, अक्तू बर 2015	8	29	2	39
ग्राहक सम्बन्ध प्रबंधन 23-28 नवम्बर, 2015	21	11	1	33
विकास के लिए अभिनवकरण 25-29 जनवरी , 2016	6	11	0	17

परिशिष्ट जारी

अ

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	कुल
बी 2 बी विपणन 8-13 फरवरी ,2016	11	26	2	39
बिक्री बल प्रदर्शन बढ़ाना 22-26 फरवरी , 2016	17	30	6	53
संगठनात्मक व्यवहार				
मुख्य क्षमता के रूप में रचनात्मकता और नवीनता व्यक्तिगत और संगठनात्मक क्षमता का विकास करना 25-28 अगस्त , 2015	13	10	0	23
नेतृत्व एवं परिवर्तन प्रबंधन 7-11 सितंबर , 2015	16	41	1	58
व्यावसयिक महिलाओं के बीच नेतृत्व क्षमता और संभावना बढ़ाना 28 सितंबर-01अक्तू बर, 2015	12	15	0	27
पारस्परिक प्रभाव और टीम का निर्माण 4-7 जनवरी , 2016	35	13	0	48
कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध				
सामरिक पुनर्रचना और संगठनात्मक परिवर्तन 20-24 अप्रैल, 2015	5	21	0	26
सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन 17-22 अगस्त ,2015	16	20	0	36
कार्यनिष्पादन प्रबंधन और प्रतिस्पर्धात्मक लाभ 18 - 21 अक्तू बर, 2015	4	13	0	17
सामरिक उन्मुखीकरण और संगठनात्मक परिवर्तन 23-28 नवंबर , 2015	12	11	0	23
उन्नत मानव संसाधन प्रबंधन 7-12 दिसंबर , 2015	19	10	3	32
हेल्थकेयर सेक्टर में प्रबंधकीय उत्कृष्टता 25 - 30 जनवरी , 2016	15	8	2	25
उत्पादन और मात्रात्मक तरीके				
अनिश्चितता, जटिलता और परियोजनाओं में जोखिम 6 - 9 अप्रैल, 2015	9	20	0	29
सामरिक विश्लेषिकी क्वांटिटेटिव डेटा एनालिटिक्स पर कार्यक्रम और बिजनेस एंड मार्केटिंग में इसके एप्लीकेशन 15-18 अप्रैल , 2015	5	30	0	35
उन्नत गुणवत्ता प्रबंधन 13-17 जुलाई , 2015	3	16	0	19
गोदाम डिज़ाइन और प्रबंधन 20-24 जुलाई , 2015	8	36	0	44
प्रबंधन के लिए उन्नत विश्लेषण 31 अगस्त 5 सितंबर, 2015	25	23	2	50

परिशिष्ट जारी

अ

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	कुल
राजस्व प्रबंधन और गतिशील मूल्य निर्धारण 31 अगस्त 4 सितंबर, 2015	8	14	0	22
आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन 7-12 सितंबर, 2015	1	40	5	46
जोखिम मॉडलिंग और प्रबंधन 26- 30 अक्तू बर 2015	17	5	0	22
रसद प्रबंधन 14-17 नवम्बर , 2015	5	22	2	29
परियोजना प्रबंधन 23-28 नवम्बर, 2015	16	18	3	37
गोदाम डिज़ाइन और प्रबंधन (द्वितीय प्रस्ताव) 11-15 जनवरी , 2016	10	23	0	33
कृषि				
कृषि इनपुट विपणन 11-16 जनवरी, 2016	2	21	0	23
प्रबंध अनुबंध कृषि 25-29 जनवरी, , 2016	7	7	0	14
स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केन्द्र				
अस्पताल प्रबंधन 13-19 सितंबर,, 2015	2	19	0	21
नैदानिक प्रयोगशाला प्रबंधन 16-18 नवंबर, 2015	1	16	0	17
स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए डेटा विश्लेषण 7-11 मार्च, 2016	8	8	0	16
सार्वजनिक प्रणाली				
इन्फ्रास्ट्रकचर में कानूनी और विनियामक मुद्दे 24-28 अगस्त, 2015	20	7	0	27
शहरी परिवहन 15-20 फरवरी, 2016	7	3	0	10
शिपिंग के लिए सामान्य प्रबंधन (द्वितीय प्रस्ताव) 28 फरवरी -5 मार्च ,2016	5	13	1	19
रवि जे. मथ्थाई शैक्षिक नवाचार केंद्र (इवषभङ)				
बदलते परिवेश में स्कूलों मे सामरिक नेतृत्व 5-10 अक्तू बर, 2015	3	55	0	58
	631	**1035**	**45**	**1711**

ट

कृषि प्रबंधन केन्द्र

पूर्ण हुई अनुसंधान परियोजनाओं के सार

1. सिंचाई और उद्यमिता : सुधार और विस्तार के लिए स्थिति और सबक

अध्ययन में भारत में सिंचाई से संबंधित उद्यमिता की स्थिति का पता लगाने और भारत के सिंचाई और संबद्ध क्षेत्रों में उद्यमशीलता के विस्तार और सुधार के लिए मौजूदा उपक्रमों से सार प्राप्त करने का प्रयास किया गया।

अध्ययन ने निष्कर्ष निकाला कि सिंचाई उद्यमों ने किसानों की आजीविका पर विशेष रूप से महत्वपूर्ण प्रभाव डाल दिया है खासकर सीमित बिजली, श्रम और / या वित्त की उपलब्धता और कुछ हद तक भी पानी की कमी से निपटने के लिए उन्हें सक्षम करने के मामले में स्थिति मांग करती है कि उद्यमों को एक आवश्यक संगठनात्मक प्रारूप के रूप में देखा जाना चाहिए अन्यथा वह एक निराशाजनक स्थिति में संसाधन संकट, प्रकृति की उदासीनता और किसानों के घटते हुए संसाधनों, विशेष रूप से उत्पादन के कारकों की रूप में दिखाई देगी

आय और आश्वासित आय, बचत और निवेश पर एक सकारात्मक प्रभाव के साथ-साथ आजीविका के रूप में खेती की समग्र स्थिरता की सूचना मिली है। अध्ययन ने एक विवेचना में सरकार और उद्यमी प्रयासों के लिए एक पूरक दृष्टिकोण की आवश्यकता और सर्वोत्तम प्रभाव के लिए लागत प्रभावशीलता प्राप्त करने और एक नीति दबाव द्वारा समर्थित जमीनी सिंचाई संस्थानों में पारदर्शिता, लोकतंत्र, दक्षता और अनुपालन पर ध्यान केंद्रित किया।

2. भारत में अभिनव कृषि इनपुट विपणन मॉडल : प्रदर्शन और संभावित

इस अध्ययन ने किसान प्रासंगिकता पर नए चैनलों के प्रदर्शन का विश्लेषण किया और छोटे किसानों के लिए समग्रता और प्रभावशीलता के संदर्भ में एक संस्थागत परिप्रेक्ष्य से लाभ उठाया। पंजाब में मशीनरी और उपकरणों के दो कस्टम मॉडलों के व्यापार मॉडल की परीक्षा, स्थानीय पारंपरिक स्रोतों की तुलना में पीएसी और ज़मीनदार फोरम सॉल्यूशंस (जेडएफएस) से पता चला है कि इस तरह की सेवाओं के लिए आम तौर पर छोटे किसानों से बहुत से मांग होती है। किसानों की अन्य श्रेणियां व्यक्तिगत किसान के स्तर पर कुछ महंगे मशीन खरीद नहीं पाते। पीएसीएस का उपयोग अभिनव रूप से किया गया है क्योंकि यह एक स्थानीय स्तर की सदस्य आधारित एजेंसी है जो अपने किसानों के संबंध/जुडाव के लिए जानी जाती है । अपनी सेवाओं के किसान स्तरीय विश्लेषण से पता चला कि, सभी मामलों में, किसान आम तौर पर सेवाओं का उपयोग कर के खुश हैं, हालांकि कुछ मामलों में सेवा की कीमत या समय पर उपलब्धि न होने से समस्या होती है क्योंकि से बुवाई या कटाई की समयावधि बहुत ही कम होती है । हालांकि, मॉडल की समावेशी दोनों सहकारी और निजी वांछित से कम थी

नीति के मोर्चे पर, छोटे किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, कृषि उपकरणों का युक्तिसंगत होना चाहिए। इसके अलावा, अधिक सेवाओं को जोड़ा जा सकता है या स्थानीय मशीन मालिकों को जब उनके मशीन बेकार पड़े हो तब पीक सीजन में मशीनों की कमी को पूरा करने के लिए उन्हें अपने मशीनों को ऐसे केंद्रों में जमा करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। सहकारी समितियों के लिए राज्य का समर्थन कहीं और दोहराने की जरूरत है और इस क्षेत्र में निजी कृषि स्टार्टअप को दीर्घकालिक ऋणों के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्र ऋण देने के लिए उन्हें आसान ऋण के साथ प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। फ्रेंचाइज़िंग का इस्तेमाल कृषि स्टार्टअप के लिए आदर्श है। कपास और गन्ना जैसी फसलों में मशीनीकरण को बढ़ावा देने की योजनाओं के लिए इस मॉडल को ध्यान में रखना चाहिए, इन फसलों के लिए एक व्यकितगत किसान के लिए मशीनें खरीदना बहुत ही महंगा हैं। बिहार में देहाती केंद्रों की गतिविधियाँ और इसके किसानों की तेज गति से पता चलता है कि नए चैनलों को किसानों को अधिक जानकारी के स्तर पर इनपुट का उपयोग और छोटे दायरे के संदर्भ में उच्च मूल्यों की प्राप्ति के एहसास की ओर ले जाती है ।

उत्तर प्रदेश में के-3 के संचालन ने दिखाया कि कृषि आदान आपूर्ति पर ध्यान केंद्रित किसानों के लिए अपनी आजीविका में सुधार के लिए काफी महत्वपूर्ण हो सकता है क्योंकि यह लागत में कटौती और पैदावार में सुधार कर सकता है। ऐसी सुपरमार्केट पहल को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है, अगर वे छोटे और सीमांत किसानों को सक्रिय रूप से लक्षित करने और उन तक पहुंचने का वादा कर सकते हैं। छोटे किसानों के लिए संस्थागत वित्त में बेहतर पहुंच आधुनिक सुपरमार्केट आधारित कृषि सेवा और भारत में निवेश खुदरा को एक और प्रोत्साहन प्रदान कर सकती है।

परिशिष्ट जारी

ट

3. चावल उत्पादकता और खाद्य सुरक्षा बढ़ाना : भारत के चुने हुए राज्यों में राइस गहनता प्रणाली (एसआरआई) के दत्तक लेने का एक अध्ययन

इस अध्ययन ने चावल गहन प्रणाली (एसआरआई) प्रणाली को अपनाने के प्रभाव को प्रभावित करने वाले कारकों का और घरेलू आय पर तथा कर्नाटक, उड़ीसा और मध्यप्रदेश जैसे तीन बड़े चावल उत्पादक राज्यों की पैदावार पर एसआरआई अपनाने के प्रभाव का भी विश्लेषण किया एसआरआई को अपनाने के लिए सूचना का अभाव मुख्य कारण नहीं था। हालांकि, विस्तृत सेवाओं को महत्वपूर्ण पाया गया। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के माध्यम से एसआरआई को बढ़ावा देने में सरकार के हस्तक्षेप का कोई प्रभाव नहीं पड़ा। किसानों की सामाजिक और आर्थिक दोनों कैपिटल को बहुत महत्वपूर्ण पाया गया। सिंचाई जैसे बुनियादी ढांचा से संबंधित मुद्दों ने भी प्रमुख भूमिका निभाई। कई वर्षों तक खेती करने वाले किसान एसआरआई को अपनाने के लिए बहुत ही संदेहास्पद पाए गए थे, और जोखिम का अभाव भी भूमिका निभाता था। इसके अतिरिक्त, अध्ययन में पाया गया कि महिला वेतन दर में अपनाने की संभावना कम हो गई जबकि ज्यादातर मामलों में, पुरुष वेतन दर को अपनाने की संभावना में वृद्धि हुई यह हाथों से की जाती निराई से यांत्रिक निराई में बदलाव की वजह से है, जिसके परिणामस्वरूप पुरुष मजदूरों की मांग में अधिक वृद्धि हुई है। एसआरआई के व्यापक अपनाने में न केवल टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने में योगदान करने की क्षमता है लेकिन इससे भी अधिक खाद्य सुरक्षा में बाधाएं उपलब्ध हैं, जिसमें किसानों को उचित नीति के हस्तक्षेप से संबोधित किया गया है।

ठ

पूर्वछात्र गतिविधियां

तारीख	शाखा	घटनाक्रम	उपस्थित पूर्व छात्रों की संख्या	टिपण्णी
4 अप्रैल, 2015	चेन्नई	अध्ययन मंडल	30	सुरेश पीजीपी 1970 ने छत के शीर्ष पैनलों के माध्यम से सौर ऊर्जा पर, रसोई वनस्पति कचरा से बायो गैस, छत पर सब्जी उद्यान और वर्षा जल संचयन संबंधित अपने अनुभव को साझा किया।
17 अप्रैल, 2015	मुंबई	सिएक्सो मीटिंग	20	इस समारोह का आयोजन मुंबई के वरिष्ठ छात्र और संसथान के बीच बातचीत को बढ़ावा देने हेतु आशिष नंदा, निदेशक, आईआईएमए और अरविंद सहाय, डीन पूर्व छात्र और बाहरी संबंधों द्वारा किया गया था प्रोफे. सहाय ने एक शीर्षक का सुझाव दिया जो पीएच.डी. के अनुसन्धान विषय के करीब था प्रोफेसर नंदा ने एक बार फिर संस्थान के लिए अपने दृष्टिकोण और विभिन्न तरीकों से वरिष्ठ छात्रों को संस्थान से जुड़ना चाहिए संबंधित अपने सुझावों सहित अपने निर्दोष वितरण के साथ दर्शकों को फिर से मंत्रमुग्ध किया । विभिन्न संभावनाओं की पहचान करने के बाद, समूह को दो विशिष्ट पहलों पर कार्य करने के लिए लगा दिया की जिसका अनुसरण प्राथमिकता पर किया जा सकता है (1) विशेषज्ञों के साथ समकालीन विचारों के बारे में चर्चा और आदान-प्रदान करने के लिए ज्ञान मंच बनायें , जो बाहरी लोगों को भी शामिल करता है (2) संस्थान में प्रशिक्षकों / मार्गदर्शकों को प्रशिक्षित करने के लिए एक मंच बनाएं
19 अप्रैल, 2015 26 अप्रैल, 2015	चेन्नई	टेकमान पूर्व छात्र क्रिकेट कार्निवल	70	क्रिकेट मैचों का आयोजन किया गया। पहले मैच में आईआईएमए दूसरे स्थान से जीता और तीसरे और चौथे स्थान पर 26 वें प्लेऑफ के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ गया। आईआईएमए की कप्तानी सुरेश कुमार, पीजीपी 1983 द्वारा की गई थी।
24 अप्रैल, 2015	अहमदाबाद	अध्ययन मंडल	50	विपणन में न्यूरोसाइंस के उपयोग पर अरविन्द सहाय द्वारा नए वित्तीय वर्ष का पहला अध्ययन मंडल आयोजित किया गया ।
29 अप्रैल,2015	लन्दन	सिक्रोनी 2015	15	पूर्व छात्रों के विशिष्ट रूप से विविधतापूर्ण समूह में, आईआईएमए स्नातकों के पहले और 2016 दोनों बैचों के सदस्यों ने महमूद खान और सिडिन वडुकुत के बीच की एक जीवंत बातचीत में भाग लिया। यह कार्यक्रम लंदन में आईआईएमए के इंटर्न की यात्रा के साथ हुआ और सिंक्रोनी के साथ पंक्ति में आयोजित किया गया।
3 मई ,2015	हैदराबाद	सिक्रोनी 2015	250	यह विमवियान के वर्तमान बैच के लिए और साथ ही साथ शहर से नए आये छात्रों को पूर्व छात्रों के साथ बातचीत करने का और सूर्य के तहत उनके दिमाग को कुछ भी और सब कुछ जानकारी पाने का एक अवसर था; वास्तव में, यह वर्ष का एकमात्र समय था जब आईआईएमए समुदाय की सभी पीढ़ी आने वाले बैच, वर्तमान बैच, नवीनतम पूर्व छात्र और अनुभवी पूर्व छात्रों एक ही छत के नीचे एकत्र हुए

परिशिष्ट जारी

ठ

तारीख	शाखा	घटनाक्रम	उपस्थित पूर्व छात्रों की संख्या	टिपण्णी
9 मई, 2015	चेन्नई	सिक्रोनी 2015	153	शनिवार की रात चेन्नई के लिए काफी बड़ा अवसर था। पूर्व छात्र और उनके परिवार ने भविष्य के पूर्व छात्रों 11 पीजीपी और 28 नये छात्रों का स्वागत किया। रात के खाने के बाद वरिष्ठ पूर्व छात्रों ने नए छात्रों को परिसरज्ञान देने का और पीजीपी 1 को स्थानन सलाह देने के अवसर का मज़ा उठाया।
11 मई ,2015	लन्दन	इवान मेंजिस के साथ बातचीत	55	इस अध्याय ने इवान मेनेजेस, पीजीपी 1981 और डायजो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ एक फायरसाइड बातचीत का आयोजन किया।
15 मई, 2015	मुंबई	सिक्रोनी 2015	200	हमने पूर्व छात्रों और संस्थान के कुछ दिलचस्प ऑडियो दृश्यों को यादगार बनाने के लिए एक दुकान स्थापित करने का आयोजन किया और अनौपचारिक मनोरंजन किया। अन्य पूर्व छात्रों से बातचीत और सामान्य नेटवर्किंग को अन्य सभी चीजों से प्रथम प्राथमिकता दीं गई
16 मई ,2015	अहमदाबाद	सिक्रोनी 2015	35	कार्यक्रम जो आईआईएमए के पूर्व छात्र प्रकोष्ठ द्वारा पूर्व छात्र बैठक के दौरान आयोजित किया गया था और शहर के संबंधित पूर्व छात्र अध्याय में छात्रों और पूर्व छात्रों के भारी उपस्थिति देखी गई ।
16 मई , 2015	बेंगलोर	सिक्रोनी 2015	250	आईआईएमएएए-बैंगलोर अध्याय ने पूर्व छात्र प्रकोष्ठ के साथ सिंक्रोनी की व्यवस्था की, जिसमें यादें, जादू, पागलपन और बहुत कुछ था
23 मई , 2015	पुणे	सिक्रोनी 2015	40	पीजीपी 2016 छात्रों ने दर्शकों को खुद का परिचय दिया और परिसर में नवीनतम घटनाओं पर एक बहुत जीवंत वीडियो की प्रस्तुति की। इसकी श्रोताओं ने जोरदार प्रशंसा की। किशोर चौक्कड़ (पीजीपी 1971) ने नए छात्रों के लिए अपने संदेश में आईआईएमए के पोर्टल्स को छोड़ने के बाद उनके लिए इंतजार कर रहें कई अवसरों का जिक्र किया था। उन्होंने हालांकि जोर दिया कि अच्छा संचार कौशल, नेटवर्क करने की क्षमता, भरोसेमंदता, और व्यक्तिगत और पेशेवर अखंडता अवसरों के प्रकार के बावजूद, किसी भी भूमिका और जिम्मेदारी में सफल होने के लिए ज़रूरी होगा।
23 मई , 2015	कोलकाता	सिक्रोनी 2015	22	फ्रेशर्स/ नये छात्रों द्वारा दिए गए परिचय के बाद, हमारे कुछ कोलकाता आधारित वरिष्ठ पूर्व छात्रों द्वारा होस्ट किए गए सलाह सत्रों के साथ शुरुआत की। इन पूर्व छात्रों ने कॉर्पोरेट जगत में अपने अनुभवों को साझा किया और उन संस्थानों और संगठनों के साथ जुड़े सभी पाठों से सीख ली।
28 मई, 2015	अहमदाबाद	अध्ययन मंडल	35	सुशांत मित्रा, सहसंस्थापक लीड एंगल्सन एंगल और वेंचर इन्वेस्टरिंग द्वारा वकतव्य । पूर्व छात्रों को संकल्पना और एन्जिल निवेश की प्रक्रिया से परिचित करवाया गया।

परिशिष्ट जारी

ठ

तारीख	शाखा	घटनाक्रम	उपस्थित पूर्व छात्रों की संख्या	टिपण्णी
5 जून,2015	भुवनेश्वर	सिक्रोनी 2015	13	इस कार्यक्रम में आईआईएमए से उत्तीर्ण हुए वर्ष 1971 से लेकर वर्तमान वर्ष तक के छात्रों ने भाग लिया था। कई बड़े शहरों में आईआईएमए के पूर्व छात्रों द्वारा नियमित रूप से विश्व के कुछ मुख्य शहरों में आयोजित सिक्रोनी का उद्देश्य स्थानिक पूर्व छात्रो में बेहतर पेशेवर और सोशल नेटवर्किंग और विचारों का आदान-प्रदान करना और उनके बीच सौहार्द को बढ़ावा देना है।
17 जून,2015	अहमदाबाद	अध्ययन मंडल	25	उपभोक्ता इंटरनेट के बदलते पहलू के विषय पर, समूहओन, सेल्वम वेलमुरुगन में एपीएसी के लिए सीटीओ की एक बातचीत
25 जून, 2015	लन्दन	रघुराम राजन के साथ एक शाम	140	शाम का विषय भारत की आर्थिक नीतियों पर आरबीआई के गवर्नर डॉ. राजन का दृष्टिकोण था ।
28 जून, 2015	अहमदाबाद	वार्षिक साधारण बैठक	100	औपचारिक एजीएम आयोजित किया गया था, जिसमें अक्षत द्वारा आईआईएमएएएएसी द्वारा पिछले एक वर्ष में किए गए गतिविधियों का विवरण और विनोद द्वारा वित्तीय लेखा परीक्षा का विवरण देने के बाद हिमल ने एक भाषण दिया था। इसके बाद संस्थान के भविष्य की योजनाओं और पूर्व छात्र कैसे योगदान कर सकते हैं के बारे में निदेशक आशीष नंदा ने एक चर्चा की ।
11 जुलाई, 2015	अहमदाबाद	गिफ्ट सिटी की मुलाकात	40	गिफ्ट सिटी, गुजरात के भावी वितीय हब के दौरे का आयोजन आईआईएमएएएएसीए द्वारा पूर्व छात्र डी.सी. अंर्जिया के विशेष प्रयासों के साथ किया गया था।
15 जुलाई, 2015	लन्दन	प्रोफ़ेसर बाबा शिव के साथ बातचीत	55	प्रोफेसर बाबा शिव ने तंत्रिका अर्थशास्त्र के ऊपर और आने वाले क्षेत्र और विपणन, उपभोक्ता व्यवहार, नेतृत्व, निर्णय क्षमता और व्यवहार वित्त में उसके व्यावहारिक अनुप्रयोगों के बारे में चर्चा की।
24 जुलाई, 2015	अहमदाबाद	अध्ययन मंडल	15	रामकृष्णन टीएस (एफपीएम आईआईएमए) द्वारा उच्च गति रेल पर एक चर्चा उन्होंने मुंबई और अहमदाबाद के बीच प्रस्तावित हाई स्पीड रेल लिंक का विवरण आवरित किया था , जो 2025 तक चलने की संभावना है।
7 अगस्त, 2015	अहमदाबाद	अध्ययन मंडल	25	यह श्री बाबूलाल यादव, आईआईएमएएएएसी के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ पूर्व छात्रों ने हाल के मैगी विवाद के विभिन्न पहलुओं पर एक प्रस्तुति दी थी।
21अगस्त, 2015	अहमदाबाद	अध्ययन मंडल	30	यह धीरज शर्मा आईआईएमए द्वारा एक प्रस्तुति थी कि क्या सट्टेबाजी भारत में वैध होनी चाहिए।
22 अगस्त, 2015	यूएसए (सेन फ्रांसिस्को बे एरिया)	आई आई एम ए क्लब की शुरुआत की	16	आई आई एम ए क्लब की शुरुआत की

परिशिष्ट जारी

ठ

तारीख	शाखा	घटनाक्रम	उपस्थित पूर्व छात्रों की संख्या	टिपण्णी
25 अगस्त, 2015	अहमदाबाद	अध्ययन मंडल	50	रघुनंदन जी, पीजीपी 2007 की एक चर्चा, युवा एंटरप्रेन्योर अवॉर्ड प्राप्तकर्ता और टेक्सी फॉर स्योर के संस्थापक द्वारा बातचीत
25 सितंबर, 2015	पुणे	आपकी कहानी श्रृंखला	27	आपकी कहानी श्रृंखला इंटरैक्टिव सत्रों की शुरूआत की जिसमें हमने सहपूर्व छात्र, अन्य उपलब्धियों के प्राप्तकर्ताओं और विचारक अग्रणियों को आमंत्रित किया था। इसका उद्देश्य जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के संगठन के अग्रणियों के साथ आईआईएमए पूर्व छात्र संघ, पुणे अध्याय के बीच पारस्परिक विचार-विमर्श में वृद्धि करना है।
25 सितंबर, 2015	अहमदाबाद	सार्वजनिक व्याख्यान	40	पूर्व छात्र कार्यालय के साथ एक अध्याय ने रघुनंदन जी. टैक्सी फॉर स्योर के संस्थापक और प्रमोटर के द्वारा एक सार्वजनिक व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान के अंत में श्री रघु ने अपने साथी और खुद द्वारा संस्थान को पर्याप्त दान की घोषणा की।
15 अक्तू बर, 2015	यूएसए (सेन फ्रांसिस्को बे एरिया)	खुश घंटे	7	चेप्टर ने उत्पाद प्रबंधन पर केंद्रित खुश घंटे की बातचीत आयोजित की।
3 नवम्बर, 2015	कोलकाता	प्रोफ़ेसर अरविंद सहाय के साथ पारस्परिक विचारविमर्श	20	प्रो. सहाय ने संस्थान में प्रमुख विकास पर सभा को संबोधित किया। उन्होंने अकादमिक और पूर्व छात्रों के आउटरीच आयामों पर बात की।
10 नवम्बर, 2015	भुवनेश्वर	चैप्टर का उद्घाटन	10	नवगठित अध्याय का पीआर. प्रसन्ना के.साहू और प्रोफेसर अनिल वाजपेयी द्वारा औपचारिक रूप से उद्घाटन किया गया। अध्याय एक मामूली 30 सदस्यों के साथ शुरू हुआ पूर्व छात्र प्रकोष्ठ के डेटाबेस की सहायता से ओडिशा में स्थित कई पूर्व छात्रों तक पहुंचे।
19 नवम्बर,2015	यूएसए (सेन फ्रांसिस्को बे एरिया)	सुखी/ खुश घंटे	12	भारत में ई-कोमर्स रुझान
नवम्बर, 2015	अहमदाबाद	अध्ययन मंडल	12	सुश्री मित्तल पटेल, वीएसएसएम के संस्थापक, ने अपने संगठन की यात्रा को प्रस्तुत किया, जो घुमंतू समुदाय के रूप में वर्गीकृत लोगों के लिए काम करता है।
21 जनवरी, 2016	यूएसए (सेन फ्रांसिस्को बे एरिया)	अध्ययन मंडल	10	इस अध्याय ने स्टार्टअप के पुनः विकास सीईओ के परिप्रेक्ष्य से विचार पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया।
22 जनवरी,2016	अहमदाबाद	प्रस्तुति	25	सुश्री अश्विनी गुप्ता और हिमाल परीख ने सेवानिवृत्ति योजना और एस्टेट योजना पर प्रस्तुति की

परिशिष्ट जारी

ठ

तारीख	शाखा	घटनाक्रम	उपस्थित पूर्व छात्रों की संख्या	टिपण्णी
27 जनवरी, 2016	जयपुर	चुनाव	20	नए अध्याय के लिए इसकी समिति के सदस्य चुने गए
5 फरवरी, 2016	अहमदाबाद	स्टार्ट अप शिखर सम्मेलन	40	आईआईएमएएएएसी ने अपने अंतिम सार्वजनिक कार्यक्रम को केएलएमडीसी में एक आधे दिन के स्टार्टअप शिखर सम्मेलन के रूप में आयोजित किया था। यह विचार लोगों को नए स्टार्टअप युग के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए था जब कि भारत इसमें प्रवेश कर रहा है।
19 फरवरी, 2016	अहमदाबाद	अध्ययन मंडल	20	एम और ए के हानि और लाभ पर श्री नीतिन पारेख, सीएफओ जाइडस कैडिला द्वारा व्याख्यान
29 फरवरी, 2016	अहमदाबाद	अध्ययन मंडल	25	जिस दिन इसे प्रस्तुत किया गया है उस दिन भारतीय बजट विश्लेषण करने की परंपरा को जारी रखने के लिए, आईआईएमए में एक बजट सत्र आयोजित किया गया जिसमें पूर्व छात्र, संकाय और छात्रों ने हिस्सा लिया।

ङ

वैश्विक रैंकिंग्स

IIM-A ranked 15th in FT Masters in Managemen t Rankings 2015

While IIM-A (pictured) improved on its previous year's ranking of 16, IIM-Calcutta, which had debuted last year at the 13th position slipped to 16 this year

BS REPORTER
Ahmedabad, 14 September

Indian Institute of Management — Ahmedabad (IIM-A) has been ra[nked] the Financia[l Times] Masters in M[anagement] (MiM) Ranki[ngs] its flagship ate programme ment (PGP).

Last year, ranked at the 1

The MiM ra[nkings] ture the top agement deg[rees] dents with previous wo[rk experi]ence.

The rank[ings are] based on seve[ral parame]ters including salary in dollars, value for money, aims achieved, ...

position.

Among the ranking criteria, IIM-A was ranked number one worldwide on placement-related criteria such as salary, employed at three months, and company internships.

It was one of the top-ranked institutions in careers and placement success parameters.

The institute was also on top in "faculty with doctorates" category with 100 per cent of IIM-A faculty meeting that metric.

Talking about the rankings, Ashish Nanda, director, IIM-A, said the rankings were useful for benchmarking how the institute was doing compared to peer institutions. "We are pleased that the institute continues to be highly regarded for the quality of education and career opportunities it provides to its students. We will endeavour to maintain excel-

BUSINESS S[TANDARD]

Institute ranks 15 in FT Masters in Management 2015

IIMA makes city proud, yet again

dna correspondent @ahmedabad

The Indian Institute of Management, Ahmedabad, ranks 15 in the Financial Times Masters in Management Rankings 2015, the report of which was released recently, states. While the institute has jumped only one rank compared to last year in the same category, its performance is definitely better at the Global MBA ranking. The premier institute ranked number 30 in 2014, whereas in 2015, it stands at number 26.

As per an official statement from the institute, "Over the past six years, the institute has ranked consistently among the top 20 programmes worldwide. Last year, the institute was at the 16th position."

However, IIMA was ranked number one worldwide on placement-related criteria, such as "salary," "employed at three months," and "company internships." The Institute also received top rankings in "faculty with doctorates" with 100% IIMA faculty meeting that metric.

ASHISH NANDA,
IIMA director, professor

"Rankings are useful for benchmarking. That is how we evaluate our performance compared to other peer institutions. We are pleased that the institute continues to be highly regarded for the quality of education and career opportunities it provides to its students. We will endeavour to maintain excellence in educational experience. We are also committed to increasing diversity of the IIMA community and have taken specific steps, including introduction of supernumerary seats for international students and revisions to our admissions process, towards achieving this objective," he said.

WHERE DOES IIMA STAND

FT GLOBAL MBA RANKING:	
2015	26
2014	30
2013	26

FT MASTERS IN MANAGEMENT:	
2015	15
2014	16
2013	18

ECONOMIST FULL TIME MBA	
2015	-
2014	48
2013	39
2012	56
2011	78
2010	85

INTERESTING TITBITS: London School of Business ranked 6th in FT Masters in Management 2015 ranking. Another interesting parameter is the percentage of international faculty at IIMA as only 3% faculty's citizenship differs from the employment country. Whereas, percentage of the same at London School of Business is 86.

DNA 15/09/2015 P.02 AHMEDABAD

IIM-A and IIT-Gn among top-10 national institutes

Times News Network

Ahmedabad: In the first-of-its-kind ranking by ministry of human resource development (MHRD), two Gujarat-based institutes including the Indian Institute of Management - Ahmedabad (IIM-A) and Indian Institute of Technology, Gandhinagar (IIT-Gn) secured places within the top 10 educational institutes in the country in their respective categories. IIM-A ranked at 2nd position with weighted score of 89.92 among the category of ten management institutes in the country while IIT-Gn is at 8th position with weighted score of 73.21 among institutes in engineering category. Teaching Learning and Resources (TLR), Research, Professional Practice and Collaborative Performance (RPC), Graduation Outcome (GO), Outreach of Inclusivity (OI) and Perception (PR) were the factors that have been considered while ranking the institutes.

"We are gratified to be recognized as one of the top management institutes by NIRF. External rankings are valuable, since they give us a sense of how we are doing in comparison to other institutes on various metrics," Ashish Nanda, Director of IIM-A, said.

"We consider good rankings as the outcome of effectively pursuing our vision of educating leaders of enterprises, not the objective of our efforts. We will continue to strive to

Indian Institute of Management, Ahmedabad

conduct high quality research, teach effectively and connect pro-actively with our various stakeholders in pursuit of our vision," Nanda added. "We are happy to be ranked among the top 10 engineering institutes across the country. If we see the entire report, we will find that we are at number four or five in some parameters, while we are at ninth position in some other parameters. But we will learn from this, and eventually we will reach first rank," IIT-Gn director, Sudhir Jain, said.

Apart from the national ranking, Gujarat University ranked at 73 and MS University got 79 among the 100 varsities across the country.

Among the Pharmacy institutes, city-based Institutes of Pharmacy, Nirma University ranked at 5th position across the country.

'Smart city technology should be simple'

Ahmedabad: A central aspect of smart cities is to create value for any services by integrating different technological systems in a city—which may link payment, civic services and the service industry. Experts at National Conference on Emerging Research Trends in Engineering (NCERTE) at the Vishwakarma Engineering college said on Monday that the integration of technology systems should be made simpler and less expensive, which was a challenge. But at the same time, the experts opined that a Protocol Society should be formed that will manage all operations.

Principal of Vishwakarma Engineering college, Dr RK Gajjar, told TOI, "It is one of the rare national level seminars where students are acquainted with emerging opportunities in engineering on smart city, artificial intelligence, green technologies, civil engineering, electronics and communication. Our students are already interacting with experts from NITs, IITs and other scientific institutions in the country. We only hope that it fires up research activity," said Gajjar. TNN

TIMES OF INDIA 05/04/2016 P.02 AHMEDABAD

EFMD

EFMD.ORG

EFMD EQUIS ACCREDITED

Indian Institute of Management, Ahmedabad (IIMA)

India

was awarded

EQUIS Accreditation

(European Quality Improvement System)

on

3rd June 2008

This award was renewed on 24th March 2015

Alain Dominique Perrin
President, EFMD

Eric Cornuel
Director General & CEO, EFMD

David M. Saunders
Chairman, EQUIS Awarding Body

AlgeriaArgentinaArmeniaAustraliaAustriaBarbadosBelgiumBosnia-HerzegovinaBrazilBruneiBulgariaCanadaChileChinaColombiaCostaRicaCroatia CyprusCzechRepublicDenmarkEcuadorEgyptEstoniaFinlandFranceGeorgiaGermanyGreeceHungaryIcelandIndiaIndonesiaIrelandIsraelItalyIvoryCoast JapanRepublicofKazakhstanKenyaRepublicofKoreaLatviaLebanonLithuaniaLuxembourgMacedoniaMadagascarMalaysiaMaltaMexicoMonacoMorocco NetherlandsNewZealandNigeriaNorwayPakistanPeruPhilippinesPolandPortugalRomaniaRussiaSaudiArabiaSenegalSingaporeSlovakiaSlovenia SouthAfricaSpainSwedenSwitzerlandTaiwanThailandTurkeyUkraineUnited ArabEmiratesUnited KingdomUnitedStatesVenezuelaVietnam...

परिशिष्ट जारी

ड

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग्स : प्रबंधन में फ़ाइनेंशियल टाइम्स मास्टर्स रैंकिंग्स 2015

FT.com FINANCIAL TIMES

Masters in Management 2015

FT.com Business School Rankings - Custom PDF download

2015	School name	Country	Programme name	Weighted salary (US$)	Employed at three months (%)
1	University of St Gallen	Switzerland	Master of Arts in Strategy and International Management	89,600	100 (92)
2	HEC Paris	France	HEC MSc in Management	83,309	97 (68)
3	Essec Business School	France	MSc in Management	81,712	94 (80)
4	Cems	See table note	Masters in International Management	68,774	95 (65)
5	Rotterdam School of Management, Erasmus University	Netherlands	MSc in International Management	80,114	87 (98)
6	London Business School	UK	Masters in Management	77,006	97 (96)
7	ESCP Europe	France, UK, Germany, Spain, Italy	ESCP Europe Master in Management	69,359	88 (63)
8	WHU Beisheim	Germany	MSc in Management	98,123	95 (93)
9	Università Bocconi	Italy	MSc in International Management	70,193	93 (49)
10	IE Business School	Spain	Master in Management	72,569	95 (88)
11	EBS Business School	Germany	Master in Management	85,066	85 (86)
12	Esade Business School	Spain	MSc in International Management	65,029	94 (95)
13	WU (Vienna University of Economics and Business)	Austria	Master in International Management	64,699	95 (100)
14	Mannheim Business School	Germany	Mannheim Master in Management	82,109	96 (80)
15	Indian Institute of Management, Ahmedabad	India	Post Graduate Programme in Management	99,544	100 (97)

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग्स : दी इकोनोमिस्ट पूर्णकालीन एमबीए रैंकिंग्स 2015

Rank	Business School	Country	Rank	Business School	Country
1	University of Chicago – Booth School of Business	United States	51	University of Rochester – Simon Business School	United States
2	University of Virginia – Darden School of Business	United States	52	Cranfield School of Management	United Kingdom
3	Dartmouth College – Tuck School of Business	United States	53	Temple University – Fox School of Business	United States
4	Harvard Business School	United States	54	City University – Cass Business School	United Kingdom
5	HEC School of Management, Paris	France	55	University of Minnesota – Carlson School of Management	United States
6	University of California at Berkeley – Haas School of Business	United States	56	University College Dublin – Michael Smurfit Graduate School of Business	Ireland
7	Northwestern University – Kellogg School of Management	United States	57	University of Wisconsin-Madison – Wisconsin School of Business	United States
8	INSEAD	France	58	University of Florida – Hough Graduate School of Business	United States
9	UCLA Anderson School of Management	United States	59	Nanyang Technological University – Nanyang Business School	Singapore
10	University of Pennsylvania – Wharton School	United States	60	Indian Institute of Management Ahmedabad	India
11	New York University – Leonard N Stern School of Business	United States	61	University of Cambridge – Judge Business School	United Kingdom
12	Columbia Business School	United States	62	Pennsylvania State University – Smeal College of Business	United States
13	Stanford University – Graduate School of Business	United States	63	Texas Christian University – Neeley School of Business	United States
14	University of Navarra – IESE Business School	Spain	64	University of Bath – School of Management	United Kingdom
15	Massachusetts Institute of Technology – MIT Sloan School of Management	United States	65	Hult International Business School	United States
16	The University of Queensland Business School	Australia	66	Western University – Ivey Business School	Canada
17	IE University – IE Business School	Spain	67	Boston University – Questrom School of Business	United States
18	University of Warwick – Warwick Business School	United Kingdom	68	Durham University – Durham University Business School	United Kingdom
19	Yale School of Management	United States	69	University of Pittsburgh – Katz Graduate School of Business	United States
20	Duke University – Fuqua School of Business	United States	70	University of St.Gallen	Switzerland
21	ESADE Business School	Spain	71	University of Southern California – Marshall School of Business	United States
22	Henley Business School	United Kingdom	72	University of Georgia – Terry College of Business	United States
23	Cornell University – Samuel Curtis Johnson Graduate School of Management	United States	73	University of Iowa – Henry B Tippie School of Management	United States
24	London Business School	United Kingdom	74	University of Nottingham – Nottingham University Business School	United Kingdom
25	Emory University – Goizueta Business School	United States	75	EMLYON – EMLYON Business School	France
26	University of Hong – Kong Faculty of Business and Economics	Hong Kong	76	Erasmus University – Rotterdam School of Management	Netherlands
27	University of Michigan – Stephen M. Ross School of Business	United States	77	University of Oxford – Saïd Business School	United Kingdom
28	Macquarie Graduate School of Management	Australia	78	Hong Kong University of Science and Technology – HKUST Business School	Hong Kong
29	Indiana University – Kelley School of Business	United States	79	University of Edinburgh Business School	United Kingdom
30	Carnegie Mellon University – The Tepper School of Business	United States	80	Queen's University – Smith School of Business	Canada
31	The Ohio State University – Fisher College of Business	United States	81	George Washington University – School of Business	United States

परिशिष्ट जारी

ड

32	IMD - International Institute for Management Development	Switzerland	82	Southern Methodist University – Cox School of Business	United States
33	University of North Carolina at Chapel Hill – Kenan-Flagler Business School	United States	83	International University of Monaco	Monaco
34	EDHEC Business School	France	84	Grenoble Ecole de Management – Grenoble Graduate School of Business	France
35	Michigan State University – Eli Broad College of Business	United States	85	Lancaster University Management School	United Kingdom
36	Vanderbilt University – Owen Graduate School of Management	United States	86	Case Western Reserve University – Weatherhead School of Management	United States
37	University of Washington – Foster School of Business	United States	87	National University of Singapore – The NUS Business School	Singapore
38	University of Mannheim – Mannheim Business School	Germany	88	Concordia University – John Molson School of Business	Canada
39	University of Texas at Austin – McCombs School of Business	United States	89	University of Birmingham – Birmingham Business School	United Kingdom
40	Georgetown University – Robert Emmett McDonough School of Business	United States	90	International University of Japan – Graduate School of International Management	Japan
41	Washington University in St Louis – Olin Business School	United States	91	Trinity College Dublin – School of Business	Ireland
42	University of Maryland – Robert H Smith School of Business	United States	92	Ryerson University – Ted Rogers School of Management	Canada
43	University of Melbourne – Melbourne Business School	Australia	93	University of Arizona – Eller College of Management	United States
44	University of Notre Dame – Mendoza College of Business	United States	94	HEC Montréal	Canada
45	Rice University – Jesse H Jones Graduate School of Business	United States	95	S P Jain School of Global Management	Singapore
46	York University – Schulich School of Business	Canada	96	University of South Carolina – Darla Moore School of Business	United States
47	Arizona State University – W. P. Carey School of Business	United States	97	University of Miami – School of Business Administration	United States
48	University of Strathclyde – Strathclyde Business School	United Kingdom	98	The University of Liverpool Management School	United Kingdom
49	European School of Management and Technology – ESMT Berlin	Germany	99	WHU - Otto Beisheim School of Management	Germany
50	SDA Bocconi – School of Management	Italy	100	Chinese University of Hong Kong – CUHK Business School	Hong Kong

कृषि व्यवसाय/खाद्य उद्योग प्रबंधन में एद्युनिवर्सल श्रेष्ठ मास्टर रैंकिंग 2015-16

BEST MASTERS RANKING

4000 BEST MASTERS & MBA's IN 30 FIELDS OF STUDIES WORLDWIDE

Eduniversal Best Masters Ranking Agribusiness / Food Industry Management - Worldwide

Country	Rank	School / Programme
	1.	Indian Institute of Management Ahmedabad ★★★★ Post Graduate Programme in Agri-Business Management (PGP-ABM)
	2.	University of California - Berkeley ★★★★ Graduate Program and PhD Agribusiness Program
	3.	ESSEC Business School ★★★★ MS Management International Agro-Alimentaire
	4.	Cornell University ★★★★ Master of Science in Food Industry Management
	5.	Universidad de Buenos Aires (UBA) ★★★★ Maestría en Agronegocios
	6.	The University of Melbourne - Melbourne School of Land and Environment ★★★★ Master of Agribusiness
	7.	Texas A&M University ★★★★ Master of Agribusiness
	8.	University of British Columbia ★★★★ Master of Food and Resource Economics
	9.	Purdue University ★★★★ MSc/MBA in Food and Agribusiness Management
	10.	Facultad de Ciencias Empresariales - Universidad Austral ★★★★ MBA en Agronegocios

एफ़टीडॉटकॉम वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2016

FT.com FINANCIAL TIMES **Global MBA Ranking 2016**

FT.com Business School Rankings - Custom PDF download

Rank in 2016	Rank in 2015	3 year average rank	School name	Country	Weighted salary (US$)	Salary percentage increase
1	4	3	Insead	France / Singapore	166,510	96
2	1	1	Harvard Business School	US	172,501	94
3	2	3	London Business School	UK	154,150	100
4	3	4	University of Pennsylvania: Wharton	US	177,877	84
5	4	4	Stanford Graduate School of Business	US	185,939	87
6	6	6	Columbia Business School	US	169,866	99
7	10	9	University of California at Berkeley: Haas	US	169,395	93
8	9	9	University of Chicago: Booth	US	158,259	107
9	8	8	MIT: Sloan	US	159,909	90
10	13	13	University of Cambridge: Judge	UK	156,323	95
11	14	13	Northwestern University: Kellogg	US	162,923	93
12	12	12	IE Business School	Spain	159,266	104
13	20	15	IMD	Switzerland	157,439	83
14	14	14	HKUST Business School	China	144,303	114
15	16	17	HEC Paris	France	134,299	108
16	7	10	Iese Business School	Spain	140,185	121
17	11	15	Ceibs	China	147,716	157
18	17	15	Yale School of Management	US	152,232	108
19	18	18	New York University: Stern	US	150,510	97
20	24	22	University of Michigan: Ross	US	144,961	107
21	21	20	Duke University: Fuqua	US	144,455	94
22	23	22	Dartmouth College: Tuck	US	156,652	95
23	19	21	Esade Business School	Spain	132,119	117
24	26	27	Indian Institute of Management, Ahmedabad	India	174,274	96

एफ़टीडॉटकॉम कार्यकारी शिक्षा स्वनिर्धारित 2015

FT.com FINANCIAL TIMES **Executive Education - Customised - 2015**

FT.com Business School Rankings - Custom PDF download

2015	2014	3 year average	School	Country
1	3	2	Iese Business School	Spain
2	2	2	HEC Paris	France
3	1	2	Duke Corporate Education	US / UK / South Africa
4	9	10	London Business School	UK
5	12	-	Mannheim Business School	Germany
6	5	6	IMD	Switzerland
7	11	11	SDA Bocconi	Italy
8	4	6	Center for Creative Leadership	US / Belgium / Singapore / Russia
9	9	9	University of North Carolina: Kenan-Flagler	US
10	7	8	Cranfield School of Management	UK
11	21	18	Insead	France / Singapore
12	6	7	Esade Business School	Spain
13	13	13	Ipade Business School	Mexico
13	15	15	University of Chicago: Booth	US / UK / Singapore
15	-	-	Shanghai Jiao Tong University: Antai	China
16	-	-	National University of Singapore Business School	Singapore
17	19	20	Edhec Business School	France
18	18	16	Harvard Business School	US
18	31	35	MIT: Sloan	US
20	22	20	Thunderbird School of Global Management at ASU	US
21	17	24	Georgetown University: McDonough	US
22	16	16	Ashridge	UK
23	23	22	University of Oxford: Saïd	UK
24	19	17	Babson Executive Education	US
25	25	27	Essec Business School	France / Singapore
26	40	35	Melbourne Business School, Mt Eliza	Australia
27	51	36	ESMT - European School of Management and Technology	Germany
28	56	41	ESCP Europe	France / UK / Germany / Spain / Italy
29	50	41	Henley Business School	UK
30	39	33	IAE Business School	Argentina
31	29	30	Stockholm School of Economics	Sweden / Russia / Latvia
32	33	39	University of Michigan: Ross	US
33	27	25	Fundação Dom Cabral	Brazil
34	34	-	Ceibs	China
35	47	46	Emory University: Goizueta	US
36	32	31	University of Virginia: Darden	US
37	43	43	University of St Gallen	Switzerland
38	36	33	UCLA: Anderson	US
38	47	48	Universidad de los Andes	Colombia
40	55	53	Incae Business School	Costa Rica / Nicaragua
41	28	36	Northwestern University: Kellogg	US
42	37	36	Columbia Business School	US
43	38	41	Vlerick Business School	Belgium
44	-	-	Peking University: Guanghua	China
45	45	41	Western University: Ivey	Canada / China
46	44	38	Boston University: Questrom	US
47	26	31	University of Pennsylvania: Wharton	US
48	62	-	Manchester Business School	UK
49	52	46	Insper	Brazil
50	41	39	EMLyon Business School	France
51	61	55	Católica Lisbon School of Business and Economics	Portugal
52	30	44	Carnegie Mellon: Tepper	US
53	53	53	University of Pretoria, Gibs	South Africa
54	59	53	AGSM at UNSW Business School	Australia
55	24	40	Washington University: Olin	US
56	64	62	University of Cape Town GSB	South Africa
57	-	-	Indian Institute of Management, Bangalore	India
58	54	51	Aalto University	Finland / Singapore
59	58	55	University of Texas at Austin: McCombs	US
60	60	-	Imperial College Business School	UK
61	66	64	Eada Business School Barcelona	Spain
62	42	50	University of Toronto: Rotman	Canada
63	70	-	QUT Business School	Australia
64	69	67	Irish Management Institute	Ireland
65	79	71	BI Norwegian Business School	Norway
66	67	60	Tias Business School	Netherlands
67	-	-	University of Cambridge: Judge	UK
68	72	65	Rotterdam School of Management, Erasmus University	Netherlands
69	73	-	Nova School of Business and Economics	Portugal
70	77	-	University of Alberta	Canada
70	63	64	Porto Business School	Portugal
72	-	-	Sun Yat-sen Business School	China
73	78	-	Wits Business School	South Africa
73	68	68	USB Executive Development	South Africa
75	75	71	Universidad Adolfo Ibanez	Chile
76	65	64	Politecnico di Milano School of Management	Italy
77	76	-	Nyenrode Business Universiteit	Netherlands
78	71	72	NHH	Norway
79	-	-	Lagos Business School	Nigeria
80	74	71	Grenoble Graduate School of Business	France
81	-	-	Kedge Business School	France
82	-	-	Esan	Peru
83	-	-	Indian Institute of Management, Ahmedabad	India
84	80	-	Skema Business School	France
85	-	-	Frankfurt School of Finance and Management	Germany

Table notes

† These data are provided for information only. For schools whose main headquarters are outside the US, figures are based on average dollar currency exchange rates for 2014.

*Includes revenue from food. **Includes revenue from food and accommodation. ***Aggregate total for open and customised programmes.

Although the headline ranking figures show changes in the data year to year, the pattern of clustering among the schools is equally significant. About 350 points separate the top school, Iese Business School, from the school ranked number 85. The top 10 business schools, from Iese to Cranfield School of Management, form the top group of custom providers. The second group is lead by Insead and the third by Universidad Adolfo Ibañez. The top and bottom schools in the second group are separated by 175 points; in the third group there is a 85-point gap between top and bottom.

© Copyright The Financial Times Ltd 2015. "FT" and "Financial Times" are trademarks of The Financial Times Ltd. This PDF created on 18th May 2015.

ढ
कार्मिक

ढ1 नई नियुक्तियाँ

• प्रोफेसर सौम्या मुखोपाध्याय	विपणन
• प्रोफेसर अनिन्द्य एस. चक्रवर्ती	अर्थशास्त्र
• प्रोफेसर अनीश शुगथन	व्यापार नीति
• प्रोफेसर अभिमान दास	अर्थशास्त्र
• प्रोफेसर पृथा देव	अर्थशास्त्र
• प्रोफेसर मुकेश सूद	व्यापार नीति
• प्रोफेसर मनीष अग्रवाल	सूचना प्रणाली
• प्रोफेसर मिगुएल सेरोन	मानव संसाधन प्रबंधन

ढ2 त्यागपत्र / समयावधि पूर्ण

संकाय

प्रोफेसर रामनाथन सुब्रमण्यम	10 अगस्त 2015 को त्यागपत्र
प्रोफेसर राजेन्द्र पटेल	15 अप्रैल 2015 समयावधि पूर्ण
प्रोफेसर प्रेमचंदर	15 अप्रैल 2015 समयावधि पूर्ण

स्टाफ

श्री मुरलीकृष्ण सी. वी.	29 फरवरी, 2016 को त्याग पत्र
श्री जिग्नेश सोनी	29 फरवरी, 2016 को त्याग पत्र
श्री वरुण योगेश देसाई	31 मार्च 2016 को समय अवधि पूर्ण

संस्थान उपरोक्त सभी सदस्यों को अपनी शुभकामनाएं प्रदान करता है।

ढ3 सेवानिवृत्तियाँ

वर्ष के दौरान निम्न संकाय सेवानिवृत्त हुएः

• प्रोफेसर पी.आर. शुक्ला

वर्ष के दौरान निम्न कर्मचारी सेवानिवृत्त हुएः

• सुश्री रेवती श्रीनिवासन	• श्री कानजीभाई जी. वाघेला	• श्री अयोध्याप्रसाद बी. तिवारी
• श्री गोविंदभाई मंगल सोलंकी	• सुश्री भारती रामचंद्रन	• श्री बच्चुभाई आर. राणा
• श्री डैनियल वाई. मकवान	• श्री मोहन एम. पटेल	• श्री कमलेश एस. जोशी
• श्री जयंतीलाल एस. छनियारा	• श्री गोविंदभाई डी. वाघेला	• श्री रणजीत सिंह बी. चावडा
• श्री सीताराम पी. सिंह	• श्री नारायण ए. डामोर	• श्री रसिक यू. पाटडिया
• श्री सी. एच. एस. प्रसाद	• श्री लूम्बाजी डी.जे. मारवाड़ी	

संस्थान इन्हें इनकी दीर्घकालीन, समर्पित तथा विशिष्ट सेवाओं के लिए धन्यवाद देता है।

ढ4 स्वर्गवास

• श्री कमल यू पंड्या (27 फरवरी, 2016)

• श्री रणछोड मकवाना (15 मार्च, 2016)

ढ5 अनुपस्थिति की स्वीकृति

- प्रोफेसर नवदीप माथुर को 1 सितंबर 2014 से 31 मई 2015 तक वेतन के बिना छुट्टी दी गई है।
- प्रोफेसर देबजित रॉय को 1 अप्रैल 2015 से 31 मई 2015 तक वेतन के बिना छुट्टी दी गई है।
- प्रोफेसर विजय पाल शर्मा को 5 अक्टूबर 2015 से 18 नवंबर, 2015 और 7 दिसंबर 2015 से 1 जनवरी 2016 तक वेतन के बिना छुट्टी दी गई है।
- प्रोफेसर आशा कौल को 6 नवंबर, 2015 से दिसंबर 18, 2015 तक वेतन के बिना छुट्टी दी गई है।

ढ6 फिर से जुड़े

- प्रोफेसर नवदीप माथुर, देबजित रॉय, विजय पाल शर्मा, और आशा कौल वेतन के बिना छुट्टी का लाभ लेने के बाद फिर से संस्थान से जुड़े।

ढ7 पदोन्नति

संकाय

- प्रोफेसर मंजारी सिंह को प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया
- प्रोफेसर विश्वनाथ पिंगाली को सहयोगी प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया
- प्रोफेसर जोशी जेकब को सहयोगी प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया
- प्रोफेसर धिमान भद्रा को सहयोगी प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया
- प्रोफेसर सचिन जायसवाल को सहयोगी प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया

स्टाफ़

- श्री अंकुर एस. सुमेसरा
- श्री सुरेश मैनम
- सुश्री हर्षा खत्री
- श्री हर्षदकुमार परमार
- श्री निरज दवे

ढ8 कार्मिक संख्या

वर्ष	संकाय	अनुसंधान कार्मिक	प्रशासनिक कर्मचारी	कुल
2005-6	81	69	314	464
2006-7	83	63	316	462
2007-8	86	69	311	466
2008-9	94	79	319	492
2009-10	92	68	329	489
2010-11	88	71	327	486
2011-12	88	66	316	470
2012-13	85	70	291	446
2013-14	90	65	269	424
2014-15	95	72	286	453
2015-16	**98**	**68**	**289**	**391**

ण

शासक मंडल

अध्यक्ष

ए. एम. नायक
समूह कार्यकारी अध्यक्ष
लार्सन एंड टूब्रो लिमिटेड, मुंबई
(22 जनवरी 2016 तक)

कार्यवाहक अध्यक्ष

पंकज आर. पटेल
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
कैडिला हेल्थकेयर लिमिटेड, अहमदाबाद
(5 मार्च, 2016 से प्रभावी)

सदस्य

श्री विनय शील ऑबेराय
सचिव
उच्च शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
नई दिल्ली

सुश्री दर्शना एम. डबराल
संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार
उच्च शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
नई दिल्ली

श्री पंकज जोशी, आई.ए.एस.
प्रमुख सचिव
(उच्च और तकनीकी शिक्षा)
शिक्षाविभाग, गुजरात सरकार, गांधीनगर

डॉ. एम.एन. पटेल
कुलपति
गुजरात विश्वविद्यालय, नवरंगपुरा,अहमदाबाद

संजय एस. लालभाई
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
अरविंद लिमिटेड, अहमदाबाद

चिंतन एन. परीख
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
आशिमा लिमिटेड, अहमदाबाद

पंकज आर. पटेल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
कैडिला हेल्थकेयर लिमिटेड
अहमदाबाद

टी. वी. राव
अध्यक्ष, टीवीआरएलएस
अहमदाबाद

डी शिवाकुमार
अध्यक्ष तथा सीईओ भारतीय क्षेत्र
पेप्सिका इंडिया होल्डिंगस प्रा. लिमिटेड
गुड़गाँव

अनिल गुप्ता
प्रोफ़ेसर
भारतीय प्रबंधन संस्थान
अहमदाबाद

निहारिक वोहरा
भारतीय प्रबंधन संस्थान
अहमदाबाद

किरण कर्णिक
नई दिल्ली

श्रीकांत एम. दातार
लेखांकन के आर्थर लोव्स डिकिन्सन प्रोफेसर
हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए

आशीष नंदा
निदेशक
भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद

सचिव

कमांडर मनोज भट्ट (सेवानिवृत्त)
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
भारतीय प्रबंधन संस्थान
अहमदाबाद

त

भा. प्र. सं. समिति के सदस्य

बजमी हुसैन
प्रबंध निदेशक
एबीबी लिमिटेड
बेंगलुरु

बेहरम शेरडीवाला
प्रमुख मानव संसाधन
एसीसी लिमिटेड
मुंबई

हिरेन एस. महादेविया
निदेशक (वित्त एवं कारपोरेट मामलों)
और कंपनी सचिव
अहमदाबाद न्यू कॉटन मिल्स कंपनी
लिमिटेड
आशिमा लिमिटेड की इकाई अहमदाबाद

प्रहर्ष मेहता
वरिष्ठ उपाध्यक्ष (एचआर)
एलेम्बिक लिमिटेड
वडोदरा

मोहल के. साराभाई
प्रमुख (कॉर्पोरेट योजना)
अंबलाल साराभाई एंटरप्राइजेज लिमिटेड
अहमदाबाद

नितिन जे. नानावटी
प्रबंध निदेशक
अपूर्व कंटेनर्स प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

अमोल शेठ
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
अनिल लिमिटेड
अहमदाबाद

प्रफुल्ल अनूभाई
मुख्य कार्यकारी
अरोही कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

संजय एस. लालभाई
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
अरविंद लिमिटेड
अहमदाबाद

अनंग ए. लालभाई
प्रबंध निदेशक
अरविंद प्रॉडक्ट्स लिमिटेड
अहमदाबाद

जलज दानी
प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय
एशियन पेंट्स लिमिटेड
मुंबई

चिंतन परीख
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
आशिमा लिमिटेड
अहमदाबाद

सुनील एस. लालभाई
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
अतुल लिमिटेड
अतुल

अमृत रथ
उप प्रमुख (मानव संसाधन)
बजाज ऑटो लिमिटेड
पुणे

विंध्या रमेश
महाप्रबंधक (एचआरएम)
बैंक ऑफ बड़ौदा
मुंबई

कमलेश पटेल
महाप्रबंधक और प्रमुख
बड़ौदा अपेक्स अकादमी
अहमदाबाद

परशुराम पांडा
क्षेत्रीय प्रबंधक
बैंक ऑफ इंडिया
अहमदाबाद

पी. द्वारकानाथ
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
बीईएमएल लिमिटेड
बेंगलुरु

बी. प्रसाद राव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
नई दिल्ली

दुर्गेश मेहता
संयुक्त प्रबंध निदेशक
बॉम्बे डाइंग और एमएफजी कंपनी
लिमिटेड
मुंबई

पंकज आर. पटेल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
कैडिला हेल्थकेयर लिमिटेड
अहमदाबाद

एम.एम. मुरुगप्पन
अध्यक्ष
कार्बोरंडम यूनिवर्सल लिमिटेड
चेन्नई

प्रमित झावेरी
भारत के सीईओ
सिटी बैंक
मुंबई

आर. क्रिपलानी
निदेशक - मोटर वाहन एवं मुख्य
परिचालन अधिकारी
कैस्ट्रॉल इंडिया लिमिटेड
मुंबई

एस. दास गुप्ता
महाप्रबंधक (संचालन)
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया
मुंबई

अनंग के. शाह
प्रबंध निदेशक
क्रिस्टल क्विनोन प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

डॉ. विनय भरत-राम
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
डीसीएम लिमिटेड
नई दिल्ली

सुनील अग्रवाल
निदेशक
देवीदयाल रोलिंग एंड रिफाइनरीज प्रा.
लिमिटेड
मुंबई

सी. भास्कर
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी
अधिकारी
दिगजम लिमिटेड
नई दिल्ली

भरतभाई यू. पटेल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
श्री दिनेश मिल्स लिमिटेड
वडोदरा

परिशिष्ट जारी

त

संजय गुप्ता
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड
नई दिल्ली

निखिल नंदा
प्रबंध निदेशक
एस्कॉर्ट्स लिमिटेड
फरीदाबाद

गीता मुरलीधर
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
ईसीजीसी लिमिटेड
मुंबई

जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया
मुंबई

अन्नास्वामी वैदेश
उप प्रमुख, दक्षिण एशिया और
प्रबंध निदेशक, भारत
ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन फार्मास्युटिकल्स
लिमिटेड
मुंबई

समीर एस. सोमैया
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
गोदावरी बायोरिफ़नीरीज लिमिटेड
मुंबई

आनंद मोहन तिवारी, आईएएस
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स
लिमिटेड
वडोदरा

अरविंद अग्रवाल
प्रबंध निदेशक
गुजरात राज्य वित्तीय निगम
गांधीनगर

पियूष ओ. देसाई
अध्यक्ष
गुजरात टी प्रोसेसर एंड पैकर्स लिमिटेड
अहमदाबाद

बी.पी. बिडप्पा
कार्यकारी निदेशक मानव संसाधन
हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड
मुंबई

अखिलेश जोशी
सीओओ और पूर्णकालिक निदेशक
हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड
उदयपुर

मुकेश डी. अंबानी
अध्यक्ष
भारतीय पेट्रोकेमिकल्स कॉर्प. लिमिटेड
वडोदरा

टी.के. श्रीरंग
वरिष्ठ महाप्रबंधक एवं प्रमुख मानव
संसाधन
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड
मुंबई

राहुल एन. अमीन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
ज्योति लिमिटेड
वडोदरा

राजेश खंडेलवाल
खंडेलवाल ब्रदर्स लिमिटेड
मुंबई

हसित जोशीपुरा
सदस्य-कार्यकारी प्रबंधन समिति और
(प्रमुख - कॉर्पोरेट केंद्र)
लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड
मुंबई

एस.एन. सुब्रमन्यन
बोर्ड के सदस्य और
वरिष्ठ कार्यकारी उपाध्यक्ष
बुनियादी ढांचा और निर्माण
लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड
चेन्नई

एस.आर. सुब्रमण्यम
बोर्ड के सदस्य
एल एंड टी कटिंग टूल्स लिमिटेड
मुंबई

एन वी. वेंकटसुब्रामणियन
मुख्य कार्यकारी
एल एंड टी वाल्व्स लिमिटेड
चेन्नई

अध्यक्ष
भारतीय जीवन बीमा निगम
मुंबई

प्रबंध निदेशक
लिंडे इंडिया लिमिटेड
कोलकाता 700088

हृषिकेश ए. मफतलाल
अध्यक्ष
मफतलाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड
मुंबई

राजीव दयाल
प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी
अधिकारी
मफतलाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड
मुंबई

राजीव दुबे
अध्यक्ष (मा.सं. कॉर्पोरेट सेवाएँ तथा
बाजार अनुसरण)
एवं कार्यकारी बोर्ड के सदस्य
महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड
मुंबई

अशांक देसाई
संस्थापक और पूर्व अध्यक्ष
मस्तक लिमिटेड
मुंबई

ए.के. त्यागी
अध्यक्ष-सह-प्रबंधनिदेशक
मेकॉन लिमिटेड
झारखंड

वेद प्रकाश
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
एम.एम.टी.सी. लिमिटेड
नई दिल्ली

निरज बजाज
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
मुकुंद लिमिटेड
मुंबई

सुहास आर. लोहकारे
प्रबंध निदेशक
राष्ट्रीय पेरोक्साइड लिमिटेड
मुंबई

जी. श्रीनिवासन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
मुंबई

अरुण जैन
प्रबंध निदेशक
एन.आर. सी. लिमिटेड
मुंबई

परिशिष्ट जारी

त

हिमांशु जोशी
सर्किल हेड
पंजाब नेशनल बैंक
अहमदाबाद

संजय सावरकर
रैलीवॉल्फ लिमिटेड
मुंबई

राजेश आर. मेहता
उपाध्यक्ष
रोहित समूह का उद्यम
अहमदाबाद

अनुज आर. मेहता
निदेशक
रोहित समूह का उद्यम
अहमदाबाद

सौरभ एन. शोधन
निदेशक
साकारलाल बालाभाई एंड कंपनी लिमिटेड
अहमदाबाद

सुह्रद एस. साराभाई
निदेशक
साराभाई होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

कार्तिकेय वी. साराभाई
साराभाई मैनेजमेंट कॉर्प. प्रा. लिमिटेड
अहमदाबाद

तपन हरेश चोकशी
सौरभ निगम
अहमदाबाद

प्रियम बी. मेहता
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
सयाजी इंडस्ट्रीज लिमिटेड
अहमदाबाद

पी.आर. मफतलाल
शानुदीप प्राइवेट लिमिटेड
मुंबई

एस.के. लुहारूका
श्री राम शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड
श्री राम मिल्स परिसर
मुंबई

अमित डी. पटेल
समूह प्रबंध निदेशक
सिन्टेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड
कलोल

रवि मल्होत्रा
प्रबंध निदेशक
सरहिन्द स्टील लिमिटेड
अहमदाबाद

एस.ए. रमेश रंगन
मुख्य महाप्रबंधक
भारतीय स्टेट बैंक
अहमदाबाद

बलदेव सिंह, आईएएस
प्रबंध निदेशक
सिकोम लिमिटेड
मुंबई

अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
स्टेट ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया
लिमिटेड
नई दिल्ली

बी.बी. कठपालिया
उपप्रमुख-विनिर्माण
टाटा केमिकल्स लिमिटेड
मीठापुर

एच.एम. नेस्सरकर
प्रबंध निदेशक
टाटा स्टील लिमिटेड
जमशेदपुर

प्रभाकर झा
वरिष्ठ उपाध्यक्ष मानव संसाधन
टाटा मोटर्स लिमिटेड
मुंबई

चेतन टोलिया
मुख्य मानव संसाधन अधिकारी
टाटा पावर कंपनी लिमिटेड
मुंबई

टी.पी. विजयसारथी
निदेशक
टोरेंट पावर लिमिटेड
अहमदाबाद

आर. हरेश
सचिव और कोषाध्यक्ष
टी वी एस चैरीटीज
मदुरै

आर. हरेश
प्रबंध निदेशक
टी.वी. सुंदरम अय्यंगार एंड सन्स
लिमिटेड
मदुरै

नरेंद्र नायर
ईवीपी और सीएचआरओ
वोल्टास लिमिटेड
मुंबई

चाकोर दोशी
अध्यक्ष
वालचंदनगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड
मुंबई

एस.चौधरी
विष्णु फार्म
जिला हरिद्वार

महिपाल दलाल
अहमदाबाद

गोकुल एम. जयकृष्ण
अहमदाबाद

डॉ. बिहारलाल कन्हैयालाल
अहमदाबाद

राजीव सी. लालभाई
अहमदाबाद

ज्योतीन्द्र एन. मेहता
अहमदाबाद

श्रेणी : व्यक्तिगत / सेवानिवृत्त संकाय / पूर्व छात्र

प्रोफेसर सुभाष चंद्र भटनागर
अहमदाबाद

प्रोफेसर वरुण आर्य
संस्थापक एवं निदेशक
मारवाड शिक्षा फाउंडेशन
जोधपुर

प्रोफेसर टी.वी. राव
अध्यक्ष, टीवीआरएलएस
अहमदाबाद

प्रमोद अग्रवाल
स्विट्जरलैंड

अनुपम मार्टिस
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
न्यू चैप्टर इंक
अमेरीका

थ

प्रशासन, संकाय, अधिकारी एवं अनुसंधान

प्रशासन

निदेशक

आशीष नंदा
पीएच.डी. (हार्वर्ड)

डीन (कार्यक्रम)

अजय पांडेय
फेलो (आईआईएमए)
(31 दिसंबर, 2015 तक)

शैलेश गाँधी
फेलो (आईआईएमए)
(01 जनवरी, 2016 से प्रभावी)

डीन (संकाय)

जी. रघुराम
पीएच.डी. (नोर्थवेस्टर्न)
(31 दिसंबर, 2015 तक)

एर्रोल डिसूजा
पीएच.डी. (जे.एन.यू.)
(01 जनवरी, 2016 से प्रभावी)

डीन (पूर्व छात्र एवं बाह्य संबंध)

अरविंद सहाय
पीएच.डी. (टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन)

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

कमांडर मनोज भट्ट (सेवानिवृत्त)
एम.ई. (पुणे), वित्त प्रबंधन में स्नातकोत्तर (मुंबई विश्वविद्यालय),
व्यवसाय प्रशासन में कार्यक्रम (आईआईएमए),
पीएमआई का व्यवसायिक परियोजना प्रबंधन (पीएमपी),
संकाय सदस्य

पुस्तकालयाध्यक्ष

अनिल कुमार एच.
पीएच.डी. (म.स.विश्वविद्यालय)
संकाय सदस्य

संकाय

व्यापार नीति

अजीत नारायण माथुर
पीएच.डी. (आईआईएस, बैंगलोर)

अखिलेश्वर पाठक
पीएच.डी. (एडिनबर्ग)

अमित कर्णा
फेलो (आईआईएमए)

अनीश शुगथन
फेलो (आईआईएमबी)

अनुराग के. अग्रवाल
एल.एल.एम. (हार्वर्ड), एल.एल.डी. (लखनऊ)

आशीष जलोटे परमार
पोस्ट डॉक्टरल (डेल्फ़्ट यूनि., नीदरलैंड्स)
पीएचडी (डेल्फ़्ट यूनि., नीदरलैंड्स)

आशीष नंदा
पीएच.डी. (हार्वर्ड)

चित्रा सिंगला
फेलो (आईआईएमबी)

डी. कार्तिक
फेलो (आईआईएमए)

एम.आर. दीक्षित
पीएच.डी. (आई.आई.टी. कानपुर)

मुकेश सूद
फेलो (आईआईएमबी)

पवन मामिडी
पीएच.डी. (ऑक्सफोर्ड)

सुनील शर्मा
फेलो (आईआईएमए)

परिशिष्ट जारी

थ

कृषि प्रबंधन केंद्र

अनिल के गुप्ता
पीएच.डी. (कुरुक्षेत्र)
फेलो, विश्व कला एवं विज्ञान अकादमी
फेलो, राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी
सदस्य, राष्ट्रीय नवाचार परिषद

पूर्णिमा वर्मा
पीएच.डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

सुखपाल सिंह
पीएच.डी. (बंगलोर)

वैभव भमौरिया
फेलो (आईआईएमए)

वसंत पी. गाँधी
पीएच.डी. (स्टैनफोर्ड)

विजय पाल शर्मा
पीएच.डी. (एनडीआरआई, करनाल)

संचार

आशा कौल
पीएच.डी.
(आईआईटी कानपुर)

मीनाक्षी शर्मा
पीएच.डी. (क्वींसलैंड)

वैभवी कुलकर्णी
पीएच.डी. (कैलिफोर्निया)

सूचना प्रणालियाँ

कविता रंगनाथन
पीएच.डी. (शिकागो)

मनीष अग्रवाल
पीएच.डी. (आईआईटी, दिल्ली)

रेखा जैन
पीएच.डी. (आईआईटी, दिल्ली)

संजय वर्मा
फेलो (आईआईएमसी)

श्रीकुमार कृष्णमूर्ति
फेलो (आईआईएमएल)

अर्थशास्त्र

अभिमान दास
पोस्ट डॉक्टरल रिसर्च फेलो
(एमआईटी, यूएसए)
पीएच.डी. (आईआईपीएस, मुंबई)

अनिन्दय चक्रवर्ती
पीएच.डी. (बोस्टन यूनिवर्सिटी)

एर्रोल डिसूजा
पीएच.डी. (जे.एन.यू.)

पृथा देव
पीएच.डी. (न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय)

राकेश बसंत
पीएच.डी. (गुजरात)

रवींद्र एच. ढोलकिया
पीएच.डी. (म.स.वि.)

संकेत मोहपात्रा
पीएचडी (कोलंबिया यूनी., न्यूयॉर्क)

सतीश देवधर
पीएच.डी. (ओहायो स्टेट)

सेबस्टियन मॉरिस
फेलो (आईआईएमसी)

श्रुति शर्मा
पीएच.डी. (कैलिफोर्निया)

विश्वनाथ पिंगाली
पीएच.डी. (नॉर्थवेस्टर्न)

वित्त एवं लेखा

अजय पांडेय
फेलो (आईआईएमए)

जयंत आर. वर्मा
फेलो (आईआईएमए)

जोशी जेकब
फेलो (आईआईएमएल)

नमन देसाई
पीएच.डी. (फ्लोरिडा)

नीरव नागर
फेलो (आईआईएमसी)

प्रेमचंदर
फेलो (आईआईएमए)

राजेंद्र पटेल
एआईसीडब्ल्यूए, एसीए, पीजीडीएम
(आईआईएमए)

शैलेश गाँधी
फेलो (आईआईएमए)

सिद्धार्थ सिन्हा
पीएच.डी. (कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले)

सोभेश कुमार अगरवाला
फेलो (आईआईएमए)

टी.टी. राम मोहन
पीएच.डी. (स्टर्न स्कूल, एनवाईयू)

विनीत विरमानी
फेलो (आईआईएमए)

परिशिष्ट जारी

थ

मानव संसाधन प्रबंधन

बीजू वर्की
फेलो (एनआईबीएम, पुणे)

मंजरी सिंह
फेलो(आईआईएमसी)

मिगुएल सर्रियन
पीएचडी (स्ट्रैथक्लाइड बिजनेस स्कूल, यूके)

प्रोमिला अग्रवाल
पीएच.डी. (दिल्ली)

राजेश चंदवानी
फेलो (आईआईएमबी)

सुनील कुमार माहेश्वरी
फेलो (आईआईएमए)

विपणन

अभिषेक
फेलो (आईआईएमए)

अब्राहम कोशी
फेलो (आईआईएमए)

आनंद कुमार जायसवाल
फेलो (एक्सएलआरआई)

अरिंदम बनर्जी
पीएच.डी. (स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयोर्क)

अरविंद सहाय
पीएच.डी. (टेक्सास यूनिवर्सिटी, ऑस्टिन)

धीरज शर्मा
पीएच.डी. (लुइसियाना तकनीकी विश्वविद्यालय)

पीयूष कुमार सिन्हा
पीएच.डी. (सरदार पटेल विश्वविद्यालय)

रामनाथन सुब्रमण्यम
पीएच.डी. (पिट्सबर्ग)

संजीव त्रिपाठी
फेलो (आईआईएमए)

सौम्या मुखोपाध्याय
पीएच.डी. (एनटीयू, सिंगापुर)

संगठनात्मक व्यवहार

अर्नेस्टो नोरोन्हा
पीएच.डी. (टीआईएसएस, मुंबई)

जॉर्ज कंडाथिल
पीएच.डी. (कॉर्नेल)

कीर्ति शारदा
फेलो (आईआईएमसी)

निहरिका वोहरा
पीएच.डी. (मनिटोबा)

परविंदर गुप्ता
पीएच.डी. (आईआईटी, कानपुर)

प्रद्युमन खोखले
फेलो (आईआईएमए)

प्रेमिला डीक्रूज़
पीएच.डी. (टीआईएसएस, मुंबई)

विशाल गुप्ता
पीएच.डी. (आईआईएमएल)

उत्पादन एवं मात्रात्मक विधियाँ

ए.के. लाहा
पीएच.डी. (आईएसआई, कलकत्ता)

अंकुर सिन्हा
पीएचडी (आल्टो यूनि, फिनलैंड)

अप्रतीम गुहा
पीएचडी (कैलिफ़ोर्निया)

चेतन सोमन
पीएच.डी. (ग्रोनिंगन)

देबजित रॉय
पीएच.डी. (विस्कॉन्सिन-मैडिसन)

धीमन भद्रा
पीएच.डी. (फ्लोरिडा)

दीप्तेश घोष
फेलो (आईआईएमसी)

गौतम दत्ता
पीएच.डी. (नार्थवेस्टन)

कार्तिक श्रीराम
फेलो (आईआईएमबी)

एन. रविचंद्रन
पीएच.डी. (आईआईटी, मद्रास)

प्रहलाद वेंकटेशन
पीएच.डी. (केस वेस्टर्न रिजर्व)

सचिन जायसवाल
पीएच.डी. (वाटरलू विश्वविद्यालय)

समीर के. बख्शा
फेलो (आईआईएमए)

सरल मुखर्जी
फेलो (आईआईएमसी)

तथागत बंद्योपाध्याय
पीएच.डी. (कोलकाता)

परिशिष्ट जारी

थ

सार्वजनिक प्रणाली समूह

अमित गर्ग
फेलो (आईआईएमए)

अंकुर सरीन
पीएच.डी.(शिकागो)

जी. रघुराम
पीएच.डी. (वेस्टर्न)

हंस ह्यूबर
पीएच.डी. (यूनिवर्सिटी डी जिनेवे)

नवदीप माथुर
पीएच.डी. (रट्गेर्स)

पी.आर. शुक्ला
पीएच.डी. (स्टैनफोर्ड)

प्रेम पंगोत्रा
पीएच.डी. (विस्कॉन्सिन)

राम मोहन तुरागा
पीएच.डी. (जॉर्जिया तकनीकी संस्थान)

रमेश भट
पीएच.डी. (दिल्ली विश्वविद्यालय)

शेरोन बार्नहार्ट
पीएच.डी. (हार्वर्ड)

सुंदरवल्ली नारायणस्वामी
पीएच.डी. (आईआईटी, बॉम्बे)

रवि मथाई शैक्षिक नवाचार केंद्र

पी.जी विजय शेरी चंद
पीएच.डी. (गुजरात)

राजीव शर्मा
पीएच.डी. (इलाहाबाद)

सहायक संकाय

ए.के. जैन

बी.एच. जाजू

ब्रृज कोठारी

दीप्ति भटनागर

के.वी. रमणी

महेंद्र गुजराती

मुकुल वसावड़ा

एन. बालासुब्रमण्यम

पी.आर. शुक्ला

प्रेमचंदर

राजेंद्र पटेल

एस.सी. भटनागर

अधिकारी

अल्बर्ट जेवियर
बी.एससी. / एमएलएम / आईआरपीएम में पी जी डिप्लोमा/एम बी ए
प्रबंधक, मानव संसाधन

बदलानी नीना
एम.बी.ए. (वित्त) (गुजरात)
आईसीडब्ल्यूए (इंटर)
मुख्य प्रबंधक, वित्त और बजट

भट्ट कौशिक डी.
एम.कॉम, एल.एल.बी. द्वितीय
लेखा अधिकारी

भट्ट पंकजकुमार के.
एम.कॉम.
लेखा अधिकारी

भट्टाचार्य एस.
बी.एससी. (कोलकाता)
प्रबंधक सुविधाएँ

भावसार यू.बी.
एम.कॉम, इंटर सीए ग्रुप1
कार्यक्रम अधिकारी - ईईपी

गाँधी कमलेश
बी.ई. (सिविल) (गुजरात)
प्रबंधक - परियोजनाएँ, संपत्ति एवं रखरखाव

गोहिल लक्ष्मणदेव बी.
बी. कॉम., एसीएस
मुख्य प्रबंधक, लेखा

गर्ग सुनील कुमार
एम.एससी. (उदयपुर)
एमबीए (इग्नू)
प्रबंधक आईटी सेवाएं

जंसारी कंचन के.
बी. ए.
सामग्री प्रतिकृति अधिकारी

लाड अविनाश जी.
एमबीए (गुजरात)
बीई (इलेक्ट्रिकल)
(सौराष्ट्र विश्वविद्यालय)
प्रबंधक विद्युत

नागोरी जतिन एम.
एम.कॉम, एल.एल.बी. (गुजरात)
निर्यात विपणन प्रबंधन में डिप्लोमा(आईआईई, बड़ौदा)
प्रबंधक पीजीपी

प्रवीण जी. क्रिश्चियन
एम.कॉम, एल.एल.बी. (द्वितीय)
कार्यक्रम अधिकारी, छात्र गतिविधियाँ

पालीवाल मोहन
एम.कॉम, (गुजरात)
कंप्यूटर विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (गुजरात विद्यापीठ)
आईटी अधिकारी (शैक्षणिक सेवाएँ)

परिशिष्ट जारी

थ

पुष्पा हरिहरन
एम.ए.
मा.सं.प्र. / डीएमएस डिप्लोमा
गृह प्रबंध अधिकारी

पंड्या रवींद्रनाथ एन.
बीएससी (भौतिक विज्ञान),
ईडीपी और कंप्यूटर प्रबंधन में डिप्लोमा
व्यवसाय उद्यमिता में डिप्लोमा
अधिकारी - ईआरपी

परेरा विक्टर
एम.ए.
प्रबंधक - पूर्व छात्र संबंध

रामचंद्रन के.वी.
बी.कॉम. (मद्रास विश्वविद्यालय)
पी.जी. डिप्लोमा एचआरएम
और कार्मिक (एम्स, चेन्नई)
कंप्यूटर एपलीकेशन में डिप्लोमा
(अहमदाबाद)
मानव संसाधन अधिकारी

सोलंकी इशिता निलेश
सामाजित संप्रेषण एवं जनसंचार में
डिप्लोमा (महाराष्ट्र)
ग्रामीण विकास प्रबंधन में स्नातकोत्तर
डिप्लोमा (आईआरएमए)
मानव संसाधन प्रबंधन में डिप्लोमा (इग्नू)
प्रबंधक - वैश्विक भागीदारी एवं कॉर्पोरेट
मामले

श्रीवास्तव प्रणय
बी.टेक. (सिविल) (अवध)
एमबीए (निरमा विश्वविद्यालय)
मुख्य प्रबंधक - परियोजना, संपत्ति एवं
रखरखाव

सुदर्शनन एम.एस.
एम.ए.(लोक प्रशासन) (अन्नामलाई)
प्रवेश अधिकारी

वाढेर हरेंद्र जे.
बी.ई. (सिविल) (एस.पी.यू.)
एमबीए (गुजरात)
मुख्य प्रबंधक - इंजीनियरिंग सेवाएँ एवं
संपदा

पंड्या यू.पी. (डॉ.)
बी.एससी. (सौराष्ट्र)
एल.एल.बी (गुजरात)
डी.एल.पी. (गुजरात)
एम. लिब.एससी. (इग्नू)
पीएच.डी. (उत्तर गुजरात)
सहायक पुस्तकाल्याध्यक्ष

सोनी हिमा बी.
बीए, एम. लिब. एससी. (सागर)
उप पुस्तकालयाध्यक्ष

मुरलीधरन के.एन.
एम. लिब. एससी. (इग्नू)
बी.कॉम. (गुजरात यूनि.)
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष

जैन नीरज
बी.ई. (रुड़की यूनि.)
प्रबंधक - सीआईआईई

शर्मा मुकेश (डॉ.)
एम.ए. (लोक प्रशासन) (राजस्थान
विश्वविद्यालय)
एम.ए. (हिंदी) (उस्मानिया विश्वविद्यालय)
एम.फिल. (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय)
पीएच.डी. (सरदार पटेल विश्वविद्यालय)
हिंदी अधिकारी

स्थायी अनुसंधान कर्मचारी

जयंत भट्ट
एम.एससी. (गुजरात)
कंप्यूटर विज्ञान में डिप्लोमा (एस.पी.यू.)

श्रुति दवे
पीएच.डी. (एस.पी.विश्वविद्यालय)

सोनल कुरैशी
एम.बी.ए., एल.एल.बी. (गुजरात)
पीएच.डी. (एस.पी. विश्वविद्यालय)

मिताली सरकार
एम.ए. (पटना)

सत्यमेव जयते

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग
कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)
लेखापरीक्षा भवन, नवरंगपुरा, अहमदाबाद - ३८० ००९

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
Office of the Principal Director of Audit (Central)
Audit Bhavan, Navrangpura, Ahmedabad - 380 009

सेवा में,
सचिव - भारत सरकार,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय विभाग,
माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग,
कमरा नं. 529, शास्त्री भवन, सीविंग,
नई दिल्ली 110001

सीए(ई)/एसएआर/आईआईएम/अहमदाबाद/2015-16/740
दिनांक 02/11/2016

विषय वर्ष 2015-16 के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के लेखाओं पर अलग से लेखा परीक्षा रिपोर्ट।

महोदय,

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के वर्ष 2015-16 के लिए वार्षिक खातों की लेखा परीक्षा 28.06.2016 से 15.07.2016 के दौरान भारत के लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के अधिनियम, 1971 की धारा 20 (1) के अधीन की गई।

निम्नलिखित दस्तावेजों को इसके साथ भेजा जा रहा है

1) वर्ष 2015-16 के लिए अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट एवं अनुलग्नक-क।

2) भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के वर्ष 2015-16 के वार्षिक लेखाओं की प्रमाणित प्रतिलिपि।

कृपया लेखा परीक्षा रिपोर्ट को संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत करने की व्यवस्था की जाए एवं जिस दिनांक को यह रिपोर्ट लोकसभा एवं राज्यसभा के समक्ष प्रस्तुत की जाए, उसकी सूचना इस कार्यालय को लेखा परीक्षा रिपोर्ट की मुद्रित प्रति के साथ दी जाए, तथा उसकी एक प्रति, भारत के लेखानियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक, नई दिल्ली को पृष्ठांकित की जाए।

कृपया इस रिपोर्ट को संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत किये जाने से पहले तक गोपनीय समझा जाए।

भवदीय,

हस्ताक्षरित/
डिप्टी निदेशक/ आईटीआरए व सीए (ई)

संलग्नक : यथोपरि

प्रतिलिपि प्रेषित निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान, वस्त्रापुर, अहमदाबाद 380015

वार्षिक खातों एवं अलग से लेखा परीक्षा रिपोर्ट की प्रमाणित प्रति संलग्न है, जिसे संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखने तक गोपनीय समझा जाए। जिस दिन, लेखा परीक्षा रिपोर्ट की मुद्रित प्रति के साथ, यह अलग से लेखा परीक्षा रिपोर्ट, संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखी जाए, उस दिनांक की सूचना, लेखा परीक्षा कार्यालय को दी जाए। मुद्रित रिपोर्ट में प्रधान निदेशक लेखा परीक्षा (केन्द्रीय) का नाम उनके पदनाम के साथ अंकित किया जाए।

हस्ताक्षरित/
निदेशक/ आईटीआरए व सीए (ई)

फोन / Phone : 079-26561282, 26561382, 26405882, फेक्स / Fax : 079-26560134, E-mail : pdacahmedabad@cag.gov.in

31 मार्च, 2016 को समाप्त हुए वर्ष के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के लेखाओं पर भारतीय लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की अलग से लेखापरीक्षा रिपोर्ट

हमने भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद की नियमावली के नियम 18 के साथ पठित लेखानियंत्रक एवं एवं महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य, शक्तियाँ एवं सेवा शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 20 (1) के अधीन 31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष की यथास्थिति के अनुसार, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के संलग्न तुलन पत्र और उस दिनांक को समाप्त वर्ष के आय और व्यय तथा प्राप्ति एवं भुगतान के खातों की लेखा परीक्षा की है। यह लेखा परीक्षा वर्ष 2015-16 तक की अवधि के लिए सौंपी गई है। इन वित्तीय विवरणों के प्रति उत्तरदायित्व, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के प्रबंधवर्ग का है। हमारा उत्तरदायित्व, हमारे द्वारा की गई लेखा परीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है।

2) वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखाकरण विधियों के साथ अनुरूपता, लेखाकरण के मानदंडों तथा प्रगटीकरण मानकों, आदि के संबंध में, इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में, केवल लेखाकरण समाधान पर महा लेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियाँ समाविष्ट हैं। कानून, नियम एवं विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) तथा दक्षता सह कार्यनिष्पादन संबंधी पहलुओं आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेनों पर लेखा टिप्पणियाँ, यदि कोई हैं, तो उन्हें निरीक्षण रिपोर्टों / लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से, पृथक रूप से दर्शाया गया है।

3) हमने यह लेखा परीक्षा, भारत के सामान्यत स्वीकृत लेखा परीक्षा के मानकों के अनुसार की है। इन मानकों की अपेक्षा होती है कि हम यह तर्कसंगत आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा परीक्षा की योजना बनाएँ और लेखा परीक्षा करें कि ये वित्तीय विवरण, गलत बयानी से मुक्त हैं। किसी भी लेखा परीक्षा के अंतर्गत, जाँच के आधार पर, धनराशियों का समर्थन करने वाले साक्ष्य और वित्तीय विवरणों में प्रकटन, शामिल होते हैं। प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों का मूल्यांकन तथा प्रबंधवर्ग द्वारा लगाए गए महत्त्वपूर्ण अनुमानों के साथ साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी लेखा परीक्षा में शामिल होता है। हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा की गई लेखा परीक्षा, हमारी राय को तर्कसंगत आधार प्रदान करती है।

4) लेखा परीक्षण के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि

i हमने वे सभी सूचनाएँ एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो लेखा परीक्षा के प्रयोजन के लिए हमारे संपूर्ण ज्ञान और विश्वास के लिए आवश्यक थे।

ii इस रिपोर्ट में वर्णित तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते और प्राप्ति एवं भुगतान खाते मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी एक समान प्रारूप में तैयार किए गए हैं।

iii हमारी राय में, भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद द्वारा समुचित लेखा बहियाँ और अन्य प्रासंगिक अभिलेख अनुरक्षित किये गए हैं, जहाँ तक हमारे द्वारा इन बहियों की जाँच करने से प्रतीत हुआ है।

हम आगे प्रतिवेदित करते हैं कि

क) तुलन पत्र खाता

1) ऋण, अग्रिम और जमा (अनुसूची 7) - 5656.31 लाख रुपए।

क्रमांक 5 अर्जित आय - निवेश पर - 2811.72 लाख रुपए।

(i) बैंकों द्वारा की गई पेशकश के अनुसार, सावधि जमा पर त्रैमासिक संचयी आधार के बजाय साधारण ब्याज के रूप में दिये गए ब्याज की गणना के कारण उपरोक्त खाते में 150.59 लाख रुपए की कमी है। इसके परिणाम स्वरूप चालू वर्ष की निवेश से आय (अनुसूची 10) और पूर्व अवधि आय में 40.27 लाख रुपए में 110.32 लाख रुपए की कमी है।

इस प्रकार निवेश खाते से आय की न्यूनोक्ति और पूर्व अवधि आय को 31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए 15.05लाख रुपए और 5.50 लाख रुपए क्रमशः आय और व्यय विवरण में गिना गया है और 31 मार्च 2016 के अनुसार तुलन पत्र के नामित/निर्धारित/बंदोबस्ती निधियों में 130.04 लाख रुपए गिने गए हैं।

(ii) आगे प्रतिवेदित करते हैं कि, 31 मार्च, 2016 के अनुसार आईआईएमए ने भवन निर्माण अग्रिम (एचबीए) निधि (अनुसूची 2) बनाई है। हालांकि, एचबीए के संबंध में कर्मचारियों को दी गई अर्जित आय पर वसूली नहीं गई उसे ना तो बनाए रखा गया है या ना ही वर्ष 2015-16 में गिना गया है।

ख. आय एवं व्यय विवरण

2) अन्य आय (अनुसूची 12)

ग अन्य विविध प्राप्तियाँ (अनुसूची क्रमांक 10) 246.40 लाख रुपए

लेखा मानक 5 के अनुसार, इस अवधि के लिए शुद्ध लाभ या हानि, पूर्व अवधि मदें और लेखांकन नीतियों में परिवर्तन, पूर्व अवधि मदें आय या व्यय हैं जो एक या अधिक पूर्व अवधियों के वित्तीय विवरणों की तैयारी में त्रुटियों या चूक के परिणाम स्वरूप चालू अवधि में उत्पन्न हुई हैं।

जून 2013 में आईआईएमए के परिसर में आग लग गई। तदनुसार, एक दावा बीमा कंपनी में दर्ज किया गया था परंतु बीमा दावे के लिए खाता बहियों में कोई प्रविष्टी डाली नहीं गई है।

वर्ष 2015-16 के दौरान, आईआईएमए को 53.04 लाख रुपए की राशि प्राप्त हुई थी, जिसे पूर्व अवधि आय के रूप में गिनने के बजाय अन्य आय (अनुसूची 2) के तहत विविध आय के रूप में गिना गया है। इसके परिणाम स्वरूप 53.04 लाख रुपए तक अतिस्तरण हुआ है और पूर्व अवधि आय का न्यूनीकरण हुआ है।

3) मूल्यह्रास / परिशोधन 942.65 लाख रुपए (अनुसूची 18)

(i) उपरोक्त खाते में आय कर अधिनियम 1961 में निर्दिष्ट के अनुसार 60 प्रतिशत के बजाय 100 प्रतिशत की दर पर वार्षिक प्रकाशनों के अलावा पुस्तकालय की पुस्तकों पर अतिरिक्त मूल्यह्रास प्रदान करने के कारण 31.62 लाख रुपए का ज्यादा विवरण दिया गया है, जिसके आधार पर आईआईएमए द्वारा लेखाओं में मूल्यह्रास प्रदान किया गया है।

(ii) महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ (अनुसूची 21) की नोट क्रमांक 5 में दर्शाए गए अनुसार 40 प्रतिशत के बजाय 60 प्रतिशत की दर पर अमूर्त संपत्तियों के परिशोधन को प्रदान करने के कारण इस राशि में 3.15 लाख रुपए अधिक विवरण दिखाया गया है।

4) आकस्मिक देनदारियाँ और खातों पर टिप्पणियाँ (अनुसूची 22)

आकस्मिक देयताएं

उपरोक्त अनुसूची में विवादों में सेवा कर की मांग के रूप में 191.87 लाख रुपए का खुलासा आईआईएमए ने किया है। फिर भी, अनुसूची 22 में सेवा कर मांग सूचनाओं की राशि 139.51 लाख रुपए के अनुसार देय दंड राशि का खुलासा नहीं किया गया है।

ग. सहायता अनुदान

वर्ष 201516 के दौरान प्राप्त सहायता अनुदान की राशि 262.38 लाख रुपए में से इस संस्थान ने 217.09 लाख की राशि का उपयोग किया। पिछले वर्ष की बची हुई राशि 173.80 लाख रुपए थी और वर्ष के अंत में शेष राशि, अधिशेष जीआईए के निवेश पर ब्याज के रूप में अर्जित 12.38 लाख रुपए का ब्याज जोड़कर 219.09 लाख रुपए थी।

iv. खातों पर टिप्पणियों के प्रभाव

- ऋण, अग्रिमों और जमाओं (अनुसूची 7) में 150.59 लाख रुपए की न्यूनोक्ति
- 53.04 लाख रुपए (अनुसूची 12) की अन्य आय का अति विवरण
- मूल्यह्रास/परिशोधन (अनुसूची 18) में 31.62 लाख और 3.15 लाख रुपए का अति विवरण।

v. पूर्ववर्ती पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट में दर्शाए गए तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते और प्राप्ति एवं भुगतान खाते लेखाबहियों के अनुरूप हैं।

vi. हमारी राय में तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी में एवं हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार कथित वित्तीय विवरण लेखांकन नीतियों और लेखाओं पर टिप्पणियों के अनुसार तथा उपरोक्त महत्त्वपूर्ण मामलों के विषयों और इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुलग्नक में दर्शाये गए अन्य मामले, भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुपालन में एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं।

(क) जहाँ तक यह भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के मामलों की स्थिति से संबंधित 31 मार्च 2016 के तुलन पत्र से संबंधित है और

(ख) जहाँ तक यह उक्त तिथि को समाप्त हुए वर्ष के आय एवं व्यय लेखे से संबंधित हैं।

कृते एवं की तरफ से

भारत के लेखानियंत्रक व महालेखा परीक्षक

हस्ताक्षरित/
प्रधान निदेशक, लेखा परीक्षा (केन्द्रीय)

स्थान : अहमदाबाद

दिनांक 02.11.2016

प्रोफार्मा (प्रपत्र)

लेखापरीक्षा की प्रगति पर प्रोफार्मा को लेखा परीक्षित लेखाओं और लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, नई दिल्ली के कार्यालय में भेजना है।

क्रमांक	स्वायत्त निकाय का नाम	आईआईएम अहमदाबाद
1	स्वायत्त निकाय द्वारा लेखापरीक्षा के लिए लेखाओं को जमा करने की तारीख	28/06/2016
2	जहाँ लागू है, वहाँ लेखाओं को संशोधन संकेत के लिए वापस करना कि खातों को योग्यता के साथ प्रमाणित क्यों नहीं किया जा सकता	लागू नहीं
3	संशोधित खातों को ऑडिट के लिए जमा करने की तारीख जहां संशोधन को आवश्यक नहीं माना गया था	लागू नहीं
4	जिन तारीखों को लेखा परीक्षा की गई और पूरी की गई	28/6/16 से 15/7/2016
5	प्रत्युत्तर / टिप्पणियों के लिए स्वायत्त निकाय को मसौदा एसएआर जारी करने की तिथि	02/08/2016
6	स्वायत्त निकाय से प्रत्युत्तर/टिप्पणियाँ प्राप्त होने की तारीख (यदि प्राप्त हुई तो)	19/08/2016
7	अनुमोदन के लिए सीएजी कार्यालय को सहयोगीपत्र के साथ स्वायत्त निकाय के प्रत्युत्तर/टिप्पणियों सहित मसौदा एसएआर जारी करने की तारीख	09/09/2016
8	(क) सीएजी कार्यालय के पत्र की अनुमोदित एसएआर संचार जानकारी की तारीख (ख) 8(क) में यदि पत्र तथा अनुमोदन प्राप्त हुए हैं तो वह तारीख	18/10/2016
9	सरकारी/सीएजी कार्यालय को अंतिम लेखा परीक्षा रिपोर्ट जारी करने की तारीख। अंग्रेजी संस्करण, हिंदी संस्करण (यदि आवश्यक है तो)	
10	विभिन्न चरणों में विलंब होने के कारण, यदि कोई है तो	

11	संसद/विधानमंडल के समक्ष पिछले लेखापरीक्षा रिपोर्टों की प्रस्तुति की तारीख	**वर्ष**	**लोकसभा**	**राज्यसभा**
(जहां पिछले वर्षों के लिए लेखापरीक्षा रिपोर्ट नहीं रखी गई है, वहाँ जिन वर्षों से ये संबंधित हैं, उनका भी संकेत दिया जाए।)				

हस्ताक्षरित/
उप निदेशक/आईटीआरए एवं सीए(ई)

लेखा परीक्षा का अनुलग्नक क

1. आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

संस्थान की आंतरिक लेखा परीक्षा चार्टर्ड एकाउंटेंट्स द्वारा परीक्षित की गई है। आंतरिक लेखा परीक्षक को आंतरिक लेखा परीक्षा रिपोर्ट अर्द्धवार्षिक तौर पर प्रस्तुत करनी चाहिए। आंतरिक लेखा परीक्षक ने अक्टूबर 2015 से मार्च 2016 की अवधि में यह रिपोर्ट जमा नहीं कराई है। इस प्रकार आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली को और भी मजबूत करना जरूरी है।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली अपर्याप्त है क्योंकि :

i सावधि जमा पर अर्जित ब्याज को त्रिमासिक संचयी आधार [A 1 (i)] के बजाय सामान्य ब्याज के रूप में गिना गया है।

ii आग लगने की घटना के समय बीमा का दावा दर्ज कराने की प्रणाली अस्तित्व में नहीं थी।

iii मूल्यह्रास की अनुचित गणना।

iv दंड के लिए सेवा कर मांग के संबंध में आकस्मिक देयता बताने की कोई प्रणाली ही नहीं है।

3. अचल संपत्तियों के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली

नियमित अंतराल पर अचल संपत्तियों का प्रत्यक्ष सत्यापन किया जाता है। अंतिम प्रत्यक्ष सत्यापन वर्ष 2016 में किया गया था।

4. वस्तुसूची के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली

नियमित अंतराल पर वस्तुसूची का प्रत्यक्ष सत्यापन किया जाता है। इसका अंतिम प्रत्यक्ष सत्यापन वर्ष 2016 में नहीं किया गया था।

5. वैधानिक देय राशियों के भुगतान में नियमितता

संस्थान वैधानिक देय राशियों को जमा करने में नियमित है।

हस्ताक्षरित/
वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी सीए (ई)

31 मार्च 2016 के अनुसार तुलन पत्र

(रु. लाखों में)

निधियों का स्रोत	अनुसूची	2016	2015
कॉर्पस / पूंजीगत राशि	1	15,638.79	14,898.76
निर्दिष्ट / निर्धारित / बंदोबस्ती निधि	2	38,337.93	30,437.40
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	3	31,448.25	25,499.80
कुल		**85,424.97**	70,835.96
निधियों का निर्धारण			
अचल संपत्तियां			
वास्तविक संपत्तियां	4	4,492.80	5,507.74
अमूर्त संपत्तियां		15.31	-
पूंजीगत कार्य प्रगति पर		130.48	122.56
निवेश	5		
दीर्घकालिक		53,707.12	37,615.76
लघु अवधि		-	-
वर्तमान संपत्तियाँ	6	21,422.95	22,247.14
ऋण, अग्रिम एवं जमा	7	5,656.31	5,342.76
कुल		**85,424.97**	70,835.96
महत्वपुर्ण लेखांकन नीतियाँ	21		
आकस्मिक देनदारियाँ और खातों के नोट्स	22		

इस तारीख तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार

हस्ताक्षरित/-
आशीष नंदा
निदेशक

हस्ताक्षरित/-
लेखा परीक्षा अधिकारी / सी.ए. व्यय
लेखा परीक्षा प्रधान निदेशक कार्यालय (केन्द्रीय), गुजरात
लेखा परीक्षा भवन, नवरंगपुरा, अहमदाबाद 380009

हस्ताक्षरित/-
मनोज भट्ट
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

हस्ताक्षरित/-
लक्ष्मणदेव गोहिल
मुख्य प्रबंधक- लेखा

दिनांक : 24 जून, 2016
स्थल : अहमदाबाद

31 मार्च 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

(रुपए लाख में)

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
आय			
अकादमिक प्राप्तियां	8	16,303.08	14,279.81
अनुदान / सब्सिडी	9	215.67	223.94
निवेश से आय	10	821.01	618.43
अर्जित ब्याज	11	99.63	29.47
अन्य आय	12	2,807.03	4,923.21
पूर्व अवधि आय	-	-	-
कुल (क)		**20,246.42**	20,074.86
व्यय			
कार्मिक भुगतान और लाभ (प्रतिष्ठान व्यय)	13	8,457.50	8,831.64
अकादमिक व्यय	14	5,755.43	5,936.48
प्रशासनिक और सामान्य व्यय	15	1,161.09	1,011.64
यातायात खर्चे	16	2.62	2.99
मरम्मत और रखरखाव	17	822.10	754.05
वित्त लागत	-	-	-
अवमूल्यन / परिशोधन	18	942.65	1,085.50
अन्य खर्चे	19	1.41	17.48
पूर्व अवधि व्यय	-	-	-
कुल (ख)		**17,142.80**	17,639.78
खर्च पर आय से अधिक शेष राशि (क-ख)		**3,103.62**	**2,435.08**
नामित फंड में स्थानांतरण	20	3,000.00	2,435.00
पूंजी निधि में अधिशेष लाई गई		103.62	0.08
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	21		
खाते में आकस्मिक देयताएँ और नोट्स	22		

इस तारीख तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार

हस्ताक्षरित/-
आशीष नंदा
निदेशक

हस्ताक्षरित/-
लेखा परीक्षा अधिकारी / सी.ए. व्यय
लेखा परीक्षा प्रधान निदेशक कार्यालय (केन्द्रीय), गुजरात
लेखा परीक्षा भवन, नवरंगपुरा, अहमदाबाद 380009

हस्ताक्षरित/-
मनोज भट्ट
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

हस्ताक्षरित/-
लक्ष्मणदेव गोहिल
मुख्य प्रबंधक- लेखा

दिनांक : 24 जून, 2016
स्थल : अहमदाबाद

अनुसूची 1
कॉर्पस / पूंजीगत निधि

(रुपए लाखों में)

क्रम संख्या	विवरण	01.04.2015 को शेष राशि	खरीदी गई संपत्तियाँ / प्राप्त दान				ब्याज	अन्य	वर्ष के दौरान चूकाए गए	31.03.2016 को शेष राशि
			अनुदान (भारत सरकार / राज्य सरकार)	निर्धारित धन से बाहर	प्रायोजित परियोजनाओं से बाहर	दान / उपहार				
1	कार्पस निधि	9,802.52						1,000.00 (घ)		10,802.52
2	पूंजीगत निधि	4,956.40	1.42	57.32	21.61	14.34			423.68 (क) 32.10 (ख)	4,595.31
3	आय और व्यय खाता	4.64						86.70 (ग) 103.62 (घ)		194.96
4	सामान्य निधि	89.20							86.70 (ग)	-
5	आईआईएमए सोसाइटी सदस्यता निधि	46.00							2.50 (ङ)	46.00
	कुल	**14,898.76**	**1.42**	**57.32**	**21.61**	**14.34**	**-**	**1,190.32**	**544.98**	**15,638.79**
	पिछले वर्ष	12,783.49	-	36.47	-	-	7.13	2,461.49	389.82	14,898.76

(क) अवमूल्यन की सीमा तक आय और व्यय खाते में हस्तांतरित

(ख) बिक्री के कारण समायोजन / अचल संपत्तियों के लेख

(ग) निधि खाते में / से हस्तांतरित

(घ) आय और व्यय खाते से हस्तांतरित

(ङ) स्टाफ कल्याण के लिए निधि को हस्तांतरित किया गया

अनुसूची 2
निर्धारित कोष

(रुपए लाखों में)

क्रमांक	विवरण	01.04.2015 को शेष राशि	अर्जित आय	ब्याज	आय और व्यय खाते से हस्तांतरित	अन्य आय		पूंजी व्यय	राजस्व व्यय	31.03.2016 को शेष राशि
1	सीएमए प्रोग्राम के लिए निधि	485.16	3.33	40.27	-	-		-	4.04	524.72
2	पूर्व छात्र गतिविधियों के लिए निधि	295.97	107.08	24.57	-	-		-	70.29	357.33
3	कंप्यूटर पर खर्च के लिए निधि	1,265.19	0.17	105.01	-	-		57.32	-	1,313.05
4	छात्र कल्याण कोष	209.85	99.71	34.41	-	-		-	59.40	284.57
5	परिसर एवं अवसंरचना विकास निधि	19,435.19	-	2,641.96	1,000.00	-		-	25.03	23,052.12
6	नवप्रवर्तन और ऊष्मायन केंद्र	90.80	30.75	5.64	-	-		-	28.81	98.38
7	अनुसंधान, प्रकाशन और प्रमुख क्षेत्र निधि	2,621.17	322.09	195.99	500.00	-		-	271.53	3,367.72
8	परिवहन अग्रिम निधि	58.58	0.20	4.96	-	0.96	(क)	-	-	64.70
9	मकान निर्माण अग्रिम निधि	530.89	5.83	44.59	-	0.56	(क)	-	-	581.87
10	संकाय, अधिकारी और कर्मचारी विकास और कल्याण निधि	278.67	239.27	19.17	500.00	2.50	(ख)	-	136.15	903.46
11	अध्यक्ष निधि	350.36	30.00	31.10	-	-		-	7.50	403.96
12	बंदोबस्ती निधि (अनुसूची 2क)	1,919.56		208.60	-	556.69	(ग)	-	-	2,684.85
13	दान निधि									
	-परिसर एवं अवसंरचना विकास	1,115.70	774.29	88.63	-	-		14.34	61.97	1,902.31
	-अनुसंधान और प्रकाशन	279.72	12.48	19.87	-	-		-	3.50	308.57
	-छात्र सहायता	1,255.07	540.86	112.04	-	-		-	104.11	1,803.86
	-कर्मचारी कल्याण	40.66	56.90	-	-	-		-	3.68	93.88
	-फैकल्टी पुरस्कार, फैलोशिप	92.42	63.00	-	-	-		-	3.00	152.42
	-अन्य	112.43	282.44	45.28	-	-		-	-	440.15
	कुल	**30,437.40**	**2,568.40**	**3,622.09**	**2,000.00**	**560.71**		**71.66**	**779.01**	**38,337.93**
	पिछले वर्ष	25,032.76	3,039.34	2,943.53	-	20.26		36.47	562.02	30,437.40

टिप्पणियां

(क) कर्मचारियों को ऋण (कुल)

(ख) सामान्य निधि से हस्तांतरित

(ग) कॉर्पस बंदोबस्त से प्राप्त हुआ

अनुसूची 2क
बंदोबस्ती निधि

(रुपए लाखों में)

क्रमांक	बंदोबस्ती निधि का नाम	01.04.2015 को शेष		वर्ष के दौरान वृद्धि		कुल		वर्ष के दौरान वस्तु पर व्यय	31.03.2016 को शेष राशि		
		बंदोबस्त	संचित ब्याज	बंदोबस्त	ब्याज	बंदोबस्त	संचित ब्याज		बंदोबस्त	संचित ब्याज	कुल
1	अध्यक्ष निधि	1,401.00	518.56	556.69	208.60	1,957.69	727.16	-	1,957.69	727.16	2,684.85
	कुल	**1,401.00**	**518.56**	**556.69**	**208.60**	**1,957.69**	**727.16**	**-**	**1,957.69**	**727.16**	**2,684.85**

अनुसूची 3
मौजूदा देयताएं और प्रावधान

(रुपए लाखों में)

विवरण		31-03-2016 को	31.03.2016 को
क.	**वर्तमान देनदारियां**		
1	कर्मचारी से जमा राशि	7.91	2.00
2	छात्रों से जमा राशि	159.01	80.63
3	जमा-अन्य (ईएमडी, सुरक्षा जमा सहित)	251.49	352.81
4	विविध लेनदार		
	सामान और सेवाओं के लिए	433.52	354.61
	अन्य	-	-
5	अग्रिम में प्राप्त शुल्क	2,603.60	2,077.29
6	वैधानिक देयताएं		
	अतिदेय	-	-
	अन्य	396.18	177.48
7	अन्य वर्तमान देयताएं	-	-
	वेतन	220.67	199.84
	पेंशन	78.22	70.54
	प्रायोजित परियोजनाओं / कार्यक्रमों के सामने प्राप्तियां	1,905.11	1,901.12
	प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्तियों (अनुसूची - 3क) के सामने प्राप्तियां	14.62	7.82
	अनुपयुक्त अनुदान (अनुसूची 9)	219.09	173.81
	कैट 2015	1,813.79	-
	आईआईएम नागपुर	750.00	-
	छात्र लेखा	35.37	15.24
	अन्य देनदारियां	567.84	318.51
	कुल क	**9,456.42**	**5,731.70**
ख.	**प्रावधान**		
1	सेवानिवृत्ति पेंशन	17,922.22	16,222.04
2	संचित छुट्टी नकदीकरण	1,884.74	1,329.61
3	ग्रेचुइटी	1,032.45	1,073.94
4	अन्य	1,152.42	1,142.51
	कुल ख	21,991.83	19,768.10
	कुल (क + ख)	**31,448.25**	**25,499.80**

अनुसूची 3 क
प्रायोजित फेलोशिप और छात्रवृत्तियाँ

(रुपए लाखों में)

क्रमांक	प्रायोजक का नाम	1.4.2015 को प्रारंभिक शेष		वर्ष के दौरान लेनदेन		31.3.2016 को समापन शेष	
1	2	3 जमा	4 खर्च	5 जमा	6 खर्च	7 जमा	8 खर्च
1	आईआईएम छात्रवृत्ति	6.02	-	15.25	14.44	6.83	-
2	केंद्र सरकार	1.80	-	15.27	9.28	7.79	-
	कुल	**7.82**	**-**	**30.52**	**23.72**	**14.62**	**-**

अनुसूची 4
अचल संपत्तियां

(रुपए लाखों में)

क्रमांक	संपत्ति के नाम	कुल संपत्ति				मूल्यह्रास				शुद्ध कुल संपत्तियाँ	
		01-04-2015 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31-03-2016 के अनुसार	01-04-2015 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	31-03-2016 के अनुसार	31-03-2016 के अनुसार	31-03-2015 के अनुसार
1	पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि	107.00			107.00				-	107.00	107.00
2	इमारतें	12,231.13	30.14	-	12,261.27	8,603.40	984.02	-	9,587.42	2,673.85	3,627.73
3	विद्युत स्थापना और उपकरण	788.48	31.45	-	819.93	479.99	50.34	-	530.33	289.60	308.49
4	संयंत्र और मशीनरी	-	14.43		14.43		1.74		1.74	12.69	-
5	कार्यालय उपकरण	1,781.41	38.55	48.43	1,771.53	1,239.91	84.75	37.18	1,287.48	484.05	541.50
6	श्रव्य दृश्य उपकरण	-	11.14		11.14	-	1.65		1.65	9.49	-
7	कंप्यूटर और पेरिफेरल्स	1,543.87	73.52	19.15	1,598.24	1,479.03	73.70	19.06	1,533.67	64.57	64.84
8	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	1,980.57	90.13	3.67	2,067.03	1,136.75	103.75	3.65	1,236.85	830.18	843.82
9	वाहन	30.48	11.26	3.92	37.82	16.12	3.75	3.42	16.45	21.37	14.36
10	पुस्तकालय की पुस्तकें	1,326.26	53.17	-	1,379.43	1,326.26	53.17	-	1,379.43	-	-
	कुल (क)	**19,789.20**	**353.79**	**75.17**	**20,067.82**	**14,281.46**	**1,356.87**	**63.31**	**15,575.02**	**4,492.80**	**5,507.74**
	पिछले वर्ष	19,596.57	245.91	53.28	19,789.20	12,863.23	1,468.31	50.08	14,281.46	5,507.74	6,733.34
11	प्रगति में पूंजीगत कार्य (ख)	122.56	76.33	68.41	130.48					130.48	122.56

क्रमांक	अमूर्त संपत्ति	कुल संपत्ति				ऋणमुक्ति				शुद्ध कुल संपत्तियाँ	
		01-04-2015 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31-03-2016 के अनुसार	01-04-2015 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	31-03-2016 के अनुसार	31-03-2016 के अनुसार	31-03-2015 के अनुसार
12	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	-	24.77	-	24.77	-	9.46	-	9.46	15.31	-
	कुल (ग)	**-**	**24.77**	**-**	**24.77**	**-**	**9.46**	**-**	**9.46**	**15.31**	**-**
	पिछले वर्ष	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल महायोग (क+ख+ग)	**19,911.76**	**454.89**	**143.58**	**20,223.07**	**14,281.46**	**1,366.33**	**63.31**	**15,584.48**	**4,638.59**	**5,630.30**
	पिछले वर्ष	19,719.13	245.91	53.28	19,911.76	12,863.23	1,468.31	50.08	14,281.46	5,630.30	6,855.90

अनुसूची 4 क
अचल संपत्तियाँ - योजना

(रुपए लाखों में)

क्रमांक	संपत्ति के नाम	कुल संपत्ति				मूल्यह्रास				शुद्ध कुल संपत्तियाँ	
		01-04-2015 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31-03-2016 के अनुसार	01-04-2015 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	31-03-2016 के अनुसार	31-03-2016 के अनुसार	31-03-2015 के अनुसार
1	इमारतें	3,321.36	-	-	3,321.36	1,161.89	279.67	-	1,441.56	1,879.80	2,159.47
2	विद्युत स्थापना और उपकरण	275.44	-	-	275.44	80.75	29.21	-	109.96	165.48	194.69
3	कार्यालय उपकरण	392.62	1.50	28.53	365.59	316.80	11.28	26.64	301.44	64.15	75.82
4	कंप्यूटर और पेरिफेरल्स	154.68	1.15	1.78	154.05	154.39	0.86	1.78	153.47	0.58	0.29
5	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	544.28	2.58	1.21	545.65	258.56	28.70	1.19	286.07	259.58	285.72
6	पुस्तकालय की पुस्तकें	582.76	-	-	582.76	582.76	-	-	582.76	-	-
	कुल	**5,271.14**	**5.23**	**31.52**	**5,244.85**	**2,555.15**	**349.72**	**29.61**	**2,875.26**	**2,369.59**	**2,715.99**

अनुसूची 4ख
अचल संपत्तियाँ - अन्य

(रुपए लाखों में)

क्रमांक	संपत्ति के नाम	कुल संपत्ति				मूल्यह्रास				शुद्ध कुल संपत्तियाँ	
		01-04-2015 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31-03-2016 के अनुसार	01-04-2015 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	31-03-2016 के अनुसार	31-03-2016 के अनुसार	31-03-2015 के अनुसार
1	पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि	107.00	-	-	107.00	-	-	-	-	-	107.00
2	इमारतें	8,909.77	30.14	-	8,939.91	7,441.51	704.35	-	8,145.86	794.05	1,468.26
3	विद्युत स्थापना और उपकरण	513.04	31.45	-	544.49	399.24	21.13	-	420.37	124.12	113.80
4	संयंत्र और मशीनरी	-	14.43	-	14.43	-	1.74	-	1.74	12.69	-
5	कार्यालय उपकरण	1,388.79	37.05	19.90	1,405.94	923.11	73.47	10.54	986.04	419.90	465.68
6	श्रव्य दृश्य उपकरण		11.14		11.14		1.65		1.65	9.49	
7	कंप्यूटर और पेरिफेरल्स	1,389.19	72.37	17.37	1,444.19	1,324.64	72.84	17.28	1,380.20	63.99	64.55
8	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	1,436.29	87.55	2.46	1,521.38	878.19	75.05	2.46	950.78	570.60	558.10
9	वाहन	30.48	11.26	3.92	37.82	16.12	3.75	3.42	16.45	21.37	14.36
10	पुस्तकालय की पुस्तकें	743.50	53.17	-	796.67	743.50	53.17	-	796.67	-	-
	कुल (क)	**14,518.06**	**348.56**	**43.65**	**14,822.97**	**11,726.31**	**-**	**-**	**-**	**-**	**2,791.75**
11	प्रगति में पूंजीगत कार्य (ख)	122.56	76.33	68.41	130.48					130.48	122.56

क्रमांक	अमूर्त संपत्ति	कुल संपत्ति				ऋणमुक्ति				शुद्ध कुल संपत्तियाँ	
		01-04-2015 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31-03-2016 के अनुसार	01-04-2015 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	31-03-2016 के अनुसार	31-03-2016 के अनुसार	31-03-2015 के अनुसार
12	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	-	24.77	-	24.77	-	9.46	-	9.46	15.31	-
	कुल (ग)	**-**	**24.77**	**-**	**24.77**	**-**	**9.46**	**-**	**9.46**	**15.31**	**-**
	कुल योग (क+ख+ग)	**14,640.62**	**449.66**	**112.06**	**14,978.22**	**11,726.31**	**1,016.61**	**33.70**	**12,709.22**	**2,269.00**	**2,914.31**

अनुसूची 5
पूर्वनिर्धारित / बंदोबस्ती निधि से निवेश

(रुपए लाखों में)

क्रमांक	विवरण	31-03-2016 के अनुसार	31-03-2015 के अनुसार
	दीर्घकालिक		
1	केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में	7,008.35	5,700.00
2	राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में	1,000.00	1,000.00
3	बॉड्स	45,698.56	31,101.30
		53,706.91	**37,801.30**
	प्रीमियम के लिए प्रावधान / (छूट) निवेश की ऋणमुक्ति पर	0.21	(185.54)
	कुल	**53,707.12**	**37,615.76**

अनुसूची 6
मौजूदा संपत्तियां

(रुपए लाखों में)

क्रमांक	विवरण	31-03-2016 के अनुसार	31-03-2015 के अनुसार
1	**मूलधन**		
	क) विद्युत सामग्री	14.58	11.08
	ख) साहित्य सामग्री	14.82	12.03
	ग) अन्य	2.82	4.56
		32.22	**27.67**
2	**नकद और बैंक शेष**		
	क) अनुसूचित बैंकों के साथ :		
	चालू खाते में		
	रुपया खाता	529.70	676.64
	एफसी खाते	5.64	9.21
	सावधि जमा खातों में	18,935.71	21,224.15
	बचत खातों में	1,169.37	309.21
	बचत खातों में (आईआईएम नागपुर)	750.00	-
		21,390.42	**22,219.21**
	ख) हस्तगत नकद	0.25	0.25
	ग) हस्तगत स्टेम्प	0.06	0.01
	कुल	**21,422.95**	**22,247.14**

अनुसूची 7
ऋण, अग्रिम और जमा

(रुपए लाखों में)

क्रमांक	विवरण	31-03-2016 के अनुसार		31-03-2015 के अनुसार	
1	कर्मचारियों को अग्रिम : (गैर-ब्याज व्यवहार)				
	क) त्यौहार	1.63		1.44	
	ख) अन्य	17.16	18.79	18.68	20.12
2	अग्रिम और नकद या प्रकार में अन्य रकम पुनर्प्राप्त करने योग्य या				
	मान प्राप्त करने के लिए :				
	क) अन्य को अग्रिम	165.24		127.21	
	ख) छात्र	10.25		4.45	
	ग) अग्रिम में भुगतान किया गया सेवा कर	3.66		18.44	
	घ) सेनवेट क्रेडिट प्राप्य	60.06		86.61	
	ङ) टीडीएस प्राप्य	1,287.18	1,526.39	1,206.91	1,443.62
3	पूर्वदत्त खर्चे				
	क) बीमा	9.93		9.78	
	ख) अन्य खर्च	172.56	182.49	131.36	141.14
4	जमा				
	क) टेलीफोन	0.20		0.20	
	ख) सुरक्षा जमा	80.11	80.31	79.53	79.73
5	उपार्जित आय				
	क) निवेश पर	2,811.72		2,693.34	
	ख) अन्य (अवास्तविक आय शामिल है)	980.84	3,792.56	688.20	3,381.54
6	अनुदान / प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां				
	क) प्रायोजित परियोजनाओं में नामे शेष	55.77		85.19	
	ख) प्राप्त करने योग्य अनुदान	-	55.77	191.41	276.60
7	प्राप्त करने योग्य दावे				
	क) जीएसएलआईएस दावे खाते		0.01		0.01
	कुल		**5,656.31**		**5,342.76**

अनुसूची 8
अकादमिक प्राप्तियाँ

(रुपए लाखों में)

		वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
छात्रों से फीस			
अकादमिक			
1. शिक्षण शुल्क		7,242.84	6,590.81
2. प्रवेश शुल्क		24.07	4.15
3. नामांकन फीस		4.24	5.28
4. शैक्षणिक सहायता		1,804.18	1,644.70
5. अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम		318.75	276.25
	कुल (क)	**9,394.08**	**8,521.19**
परीक्षाएँ			
1. प्रवेश परीक्षा शुल्क - कैट (शुद्ध)		165.55	262.58
2. मार्क शीट, सर्टिफिकेट फीस		25.80	28.38
	कुल (ख)	**191.35**	**290.96**
अन्य शुल्क			
1. जुर्माना / विविध फीस		18.05	4.42
2. चिकित्सा शुल्क		24.31	23.22
3. छात्रावास शुल्क		676.47	576.68
4. भोजनालय प्रभार		57.51	53.20
5. जब्त शुल्क		-	83.20
	कुल (ग)	**776.34**	**740.72**
अन्य शैक्षणिक प्राप्तियां			
(क) कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम			
1. कार्यशालाओं, कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण शुल्क		3,109.34	2,133.32
2. स्वनिर्धारित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम के लिए पंजीकरण शुल्क		2,765.01	2,551.78
		5,874.35	4,685.10
(ख) पंजीकरण शुल्क (शैक्षणिक कर्मचारी)		66.96	41.84
	कुल (घ)	**5,941.31**	**4,726.94**
	कुल योग (क + ख + ग + घ)	**16,303.08**	**14,279.81**

अनुसूची 9
अनुदान / सबसिडियाँ (प्राप्त किए गए स्थिर अनुदान)

(रुपए लाखों में)

विवरण	भारत सरकार		वर्तमान वर्ष का योग	भारत सरकार		पिछले वर्ष का योग
	एफपीएम	सीएमए		एफपीएम	सीएमए	
अग्रेनित शेष	149.09	24.71	173.80	38.31	22.95	61.26
जुड़े : वर्ष के दौरान प्राप्त / प्राप्य अनुदान	-	250.00	250.00	133.15	200.00	333.15
जुड़े : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	12.38	-	12.38	3.33	-	3.33
कुल	**161.47**	**274.71**	**436.18**	**174.79**	**222.95**	**397.74**
घटाया : धनवापसी	-	-	-	-	-	-
शेष	**161.47**	**274.71**	**436.18**	**174.79**	**222.95**	**397.74**
घटाया : पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग	-	1.42	1.42	-	-	-
शेष	**161.47**	**273.29**	**434.76**	**174.79**	**222.95**	**397.74**
घटाया : राजस्व व्यय के लिए उपयोग (क)	-	215.67	215.67	25.70	198.24	223.94
अग्रेनित शेष (ख)	**161.47**	**57.62**	**219.09**	**149.09**	**24.71**	**173.80**

क - आय और व्यय खाते में अनुदान आय के रूप में दिखाया गया

ख - अनुसूची 3 में तुलन पत्र में वर्तमान देयताओं के तहत दिखाया गया।

अनुसूची 10
निवेश से आय

(रुपए लाखों में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1. ब्याज		
क. सरकारी प्रतिभूतियों पर	216.98	259.64
ख. अन्य बॉन्ड	3,866.17	2,315.89
2. सावधि जमा पर ब्याज	1,930.13	2,358.39
कुल	**6,013.28**	**4,933.92**
घटाया :		
1. प्रीमियम / निवेश की ऋणमुक्ति (डिस्काउंट) पर ऋण परिशोधन	-	(7.69)
2. निर्धारित / बंदोबस्ती निधि पर हस्तांतरित किया गया	3,622.09	2,950.66
3. परियोजना खाते में हस्तांतरित	52.73	70.91
4. अनुदान खाते में हस्तांतरित	12.38	3.33
5. सेवानिवृत्ति लाभ खाते के लिए प्रावधान में हस्तांतरित	1,505.07	1,298.28
शेष	**821.01**	**618.43**

अनुसूची 11
अर्जित आय

(रुपए लाखों में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1. अनुसूचित बैंकों के साथ बचत खातों पर	99.63	29.47
कुल	**99.63**	**29.47**

अनुसूची 12
अन्य आय

(रुपए लाखों में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क. भूमि और भवनों से आय		
1. छात्रावास कक्ष किराया	10.58	16.80
2. लाइसेंस शुल्क	17.93	18.75
3. सभागार / खेल मैदान / सम्मेलन केंद्र आदि का किराया प्रभार	96.83	98.15
4. सुविधाएं (एमडीसी / आईएमडीसी / नव परिसर आदि)	770.64	857.22
कुल क	**895.98**	990.92
ख. संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री	**-**	18.45
कुल ख	**-**	**18.45**
ग. अन्य		
1. परामर्शन से आय	552.54	821.82
2. परामर्शन परियोजना शेष वापस	-	1,915.38
3. अनुसंधान परियोजनाओं से आय	224.05	241.12
4. स्थानन शुल्क	442.83	457.74
5. छात्रवृत्तियां	245.05	307.59
6. आरटीआई शुल्क	0.01	0.01
7. रॉयल्टी से आय	-	0.03
8. निवेश पर ब्रोकरेज	168.46	39.77
9. संपत्ति की बिक्री / निपटान पर लाभ - खुद की परिसंपत्तियां	3.78	2.22
10. विविध प्राप्तियाँ (निविदा फार्म, वेस्ट कागज, आदि की बिक्री)	246.40	121.67
11. संपत्ति की बिक्री की सीमा तक वापस मूल्यह्रास निधि	27.93	6.49
कुल ग	**1,911.05**	**3,913.84**
कुल (क + ख + ग)	**2,807.03**	**4,923.21**

अनुसूची 13
कर्मचारी भुगतान एवंम् लाभ (स्थापना खर्च)

(रुपए लाखों में)

विवरण	अध्यापन	गैर-अध्यापन	गैर आबंटन योग्य	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
गैर योजना					
क) वेतन और मजदूरी	2,355.99	1,498.31	-	3,854.30	3,601.77
ख) भत्ते और बोनस	-	20.91	-	20.91	21.06
ग) भविष्य निधि में योगदान	23.87	8.57	-	32.44	32.46
घ) कर्मचारी कल्याण व्यय	-	-	64.57	64.57	70.73
ङ) सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ (देखें अनुसूची 13 क)	446.63	1,597.07	-	2,043.70	2,914.68
च) एलटीसी सुविधा	19.39	32.22	-	51.61	51.13
छ) चिकित्सा सुविधा	-	-	86.80	86.80	81.93
ज) बाल शिक्षा भत्ता	6.87	19.06	-	25.93	24.94
कुल क	**2,852.75**	**3,176.14**	**151.37**	**6,180.26**	**6,798.70**
अन्य स्थापना खर्च					
क) सीएमए परियोजना	105.20	92.37	-	197.57	179.28
ख) परामर्श परियोजनाएं	347.38	37.34	-	384.72	607.29
ग) अनुसंधान परियोजनाएं	11.03	96.84	-	107.87	105.94
घ) केंद्र गतिविधियाँ	-	1.92	-	1.92	9.42
ङ) स्वनिर्धारित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम	741.98	61.72	-	803.70	687.13
च) मुक्त नामांकन कार्यक्रम	689.88	91.58	-	781.46	443.88
कुल क	**1,895.47**	**381.77**	**-**	**2,277.24**	**2,032.94**
कुल	**4,748.22**	**3,557.91**	**151.37**	**8,457.50**	**8,831.64**

अनुसूची 13 क
कर्मचारी सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ

(रुपए लाखों में)

विवरण	पेंशन	ग्रेचुइटी	छुट्टी नकदीकरण	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1.4.2015 को अथ शेष	16,222.04	1,073.94	1,329.61	18,625.59	15,653.96
जोड़े : निधि में जमा ब्याज	1,310.85	86.78	107.44	1,505.07	1,298.28
कुल (क)	**17,532.89**	**1,160.72**	**1,437.05**	**20,130.66**	**16,952.24**
घटाया : वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (ख)	995.74	127.02	106.41	1,229.17	1,187.67
31.03.2016 को उपलब्ध शेष राशि (क-ख)	16,537.15	1,033.70	1,330.64	18,901.49	15,764.57
बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.2016 को आवश्यक प्रावधान (घ)	**17,922.22**	**1,032.45**	**1,884.74**	**20,839.41**	**18,625.59**
क. चालू वर्ष में किए जाने वाले प्रावधान (घ-ग)	1,385.07	(1.25)	554.10	1,937.92	2,861.02
ख. नई पेंशन योजना के लिए योगदान				104.22	49.16
ग. सेवानिवृत्ति पर गृहनगर यात्रा				1.56	4.50
कुल (क + ख + ग)				**2,043.70**	**2,914.68**

अनुसूची 14
अकादमी खर्च

(रुपए लाखों में)

विवरण		वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
	गैर योजना		
	क - शैक्षणिक व्यय		
क)	सम्मेलनों में क्षेत्र कार्य / भागीदारी	19.65	22.61
ख)	सेमिनार / कार्यशालाओं पर खर्च	-	2.93
ग)	अभ्यागत संकाय के लिए भुगतान	227.41	198.46
घ)	प्रवेश व्यय	97.68	94.93
ङ)	दीक्षांत व्यय	17.83	26.70
च)	स्टाइपेंड / मीन्स-कम-मेरिट छात्रवृत्ति	1,230.30	1,349.64
छ)	पुस्तकें और केस सामग्री	288.73	217.73
ज)	बिजली - छात्र	111.93	101.15
झ)	चिकित्सा खर्च	16.09	13.65
ञ)	विविध व्यय	122.61	120.29
ट)	स्थानन व्यय	152.11	182.10
ठ)	छात्र विनिमय कार्यक्रम	6.18	8.31
ड)	अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन	291.28	254.06
ढ)	भोजनालय व्यय	57.51	53.39
ण)	कमरों का किराया	146.49	150.81
त)	पुस्तकालय खर्च	549.81	507.88
थ)	विपणन, संवर्धन विकास व्यय	22.46	15.82
द)	समीक्षा समिति	2.54	0.65
	कुल क	**3,360.61**	**3,321.11**
	ख - अन्य परियोजनाएं / कार्यक्रम व्यय		
क)	मुक्त नामांकन कार्यक्रम	1,098.19	979.58
ख)	स्वनिर्धारित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम	1,062.13	1,077.38
ग)	परामर्श परियोजनाएं	22.20	388.40
घ)	संकाय विकास कार्यक्रम	40.93	26.43
ङ)	अनुसंधान परियोजनाएं	74.33	51.58
च)	सीएमए अन्य व्यय	18.09	18.96
छ)	केंद्र गतिविधियाँ	13.48	3.17
ज)	संकाय और व्यावसायिक विकास व्यय	65.47	56.26
झ)	नए संकाय को अनुसंधान सहायता	-	13.61
	कुल ख	**2,394.82**	**2,615.37**
	कुल (क + ख)	**5,755.43**	**5,936.48**

अनुसूची 15
प्रशासनिक और सामान्य व्यय

(रुपए लाखों में)

विवरण		वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
गैर योजना			
क बुनियादी ढांचा			
क) बिजली और पावर		188.55	167.04
ख) जल प्रभार		81.70	72.45
ग) बीमा		16.66	15.15
घ) किराया, दरें और कर (संपत्ति कर सहित)		75.40	47.04
	कुल (क)	**362.31**	**301.68**
ख संचार			
क) डाक व्यय और स्टेशनरी		3.22	1.07
ख) टेलीफोन, फैक्स और इंटरनेट शुल्क		67.42	62.91
	कुल (ख)	**70.64**	**63.98**
ग अन्य			
क) मुद्रण और स्टेशनरी		14.52	14.49
ख) यात्रा और परिवहन व्यय		97.14	76.48
ग) आतिथ्य		44.17	45.58
घ) लेखा परीक्षक पारिश्रमिक		5.50	4.00
ङ) व्यावसायिक / कानूनी शुल्क		41.48	33.90
च) विज्ञापन और प्रचार		17.31	10.55
छ) सुरक्षा प्रभार		184.67	152.83
ज) संस्थान द्वारा वहन किया जाने वाला सेवा कर		221.83	227.49
झ) कार्मिक भोजनालय व्यय		19.54	19.19
ञ) विविध व्यय		69.34	57.21
ट) संपत्ति की बिक्री पर नुकसान		9.17	1.21
ठ) बैंक कमिशन		3.47	3.05
	कुल (ग)	**728.14**	**645.98**
	कुल (क + ख + ग)	**1,161.09**	**1,011.64**

अनुसूची 16
परिवहन व्यय

(रुपए लाखों में)

विवरण		वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
गैर योजना			
1 वाहन (संस्थान के स्वामित्व वाले)			
क) चालू खर्च		1.41	1.65
ख) मरम्मत और रखरखाव		0.67	0.86
ग) बीमा खर्च		0.54	0.48
	कुल	**2.62**	**2.99**

अनुसूची 17
मरम्मत और रखरखाव

(रुपए लाखों में)

विवरण		वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
गैर योजना			
क) इमारतें		154.66	177.78
ख) फर्नीचर और फिक्स्चर		40.38	19.04
ग) कार्यालय उपकरण		35.80	41.93
घ) कंप्यूटर		65.96	72.14
ङ) संपत्ति रखरखाव		525.30	443.16
	कुल	**822.10**	**754.05**

अनुसूची 18
मूल्यह्रास / परिशोधन

(रुपए लाखों में)

विवरण		वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
मूर्त परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास		1,356.87	1,468.31
अमूर्त संपत्ति का परिशोधन		9.46	-
		1,366.33	1,468.31
घटाया : पूंजी निधि से हस्तांतरित		423.68	382.81
	कुल	**942.65**	**1,085.50**

अनुसूची 19
अन्य खर्च

(रुपए लाखों में)

विवरण		वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
गैर योजना			
क) अपरिवर्तनीय शेष लिखित		1.41	17.48
	कुल	**1.41**	**17.48**

अनुसूची 20
नामित फंड में स्थानांतरण

(रुपए लाखों में)

विवरण		वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) बंदोबस्ती निधि (कॉर्पस)		1,000.00	2,435.00
ख) परिसर एवं अवसंरचना विकास निधि		1,000.00	-
ग) संकाय एवं कर्मचारी कल्याण निधि		500.00	-
घ) अनुसंधान, प्रकाशन और प्रमुख क्षेत्र निधि		500.00	-
	कुल	**3,000.00**	**2,435.00**

अनुसूची 21
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

1. लेखांकन परंपरा

जर्नलों तथा सामयिकी पत्रिकाओं और कर्मचारियों के विकास भत्ते के लिए अपनाई जाने वाली लेखांकन परंपराओं को छोड़कर ऐतिहासिक लागत प्रथा, तथा लेखांकन प्रोद्भवन विधि के तहत सामान्यतः भारतीय स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के अनुसार और भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा अधिसूचित लेखांकन मानकों के अनुसार वित्तीय विवरण तैयार किये गए हैं।

वित्तीय विवरण, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए बृहत् रूप से निर्धारित प्रारूप के आधार पर तैयार किये गए हैं।

2. अनुमानों का उपयोग

वित्तीय विवरणों को तैयार करने में आय और व्यय की तारीख के अनुरूप भारतीय जीएएपी के अनुसार प्रबंधकों को समीक्षाधीन अवधि के दौरान संपत्ति और देनदारियों (आकस्मिक देयताओं सहित) की प्रतिवेदित मात्रा में अनुमानों और मान्यताओं के लिए प्रबंधन की आवश्यकता है। प्रबंधन का मानना है कि वित्तीय विवरणों की तैयारी में प्रयुक्त अनुमान विवेकपूर्ण और उचित हैं। भविष्य के अनुमान इन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं।वास्तविक परिणामों में अनुमानों के बीच अंतर उस अवधि में पहचाना जाता है, जिसमें परिणाम ज्ञात होते हैं या अमल में आते हैं।

3. वस्तुसूची मूल्यांकन

भंडार की वस्तु सूचियाँ, लेखन सामग्री और उपभोग्य वस्तुओं की कीमत लागत पर दी गई है।

4. अचल संपत्तियाँ

मूर्त संपत्तियाँ

मूर्त अचल संपत्ति कम लागत संचित मूल्यह्रास पर दर्शायी गई हैं। अधिग्रहण की लागत में भाड़ा, शुल्क, कर और अधिग्रहण से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष खर्च शामिल हैं।

निर्माणाधीन परियोजनाओं के संबंध में, संबंधित पूर्वपरिचालन खर्चे पूंजीगत परिसंपत्तियों के मूल्य का हिस्सा हैं।

दान के माध्यम से प्राप्त निश्चित संपत्तियों को पूंजी निधि के लिए इसी ऋण के अनुसार, मूल्यों पर दर्शाया गया है।

अमूर्त संपत्तियाँ

अमूर्त संपत्तियों को अधिग्रहण की उनकी लागत, कम संचित ऋण मुक्ति और हानि नुकसान को घटा कर लागत पर दी गई हैं। अमूर्त संपत्ति वहाँ समझना है, जहाँ यह संभव है कि भविष्य में आर्थिक लाभ संपत्ति के कारण उद्यम बनेंगे और जहाँ इसका मूल्य / लागत विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है।

संस्थान सॉफ्टवेयर निधि रखता है और संबंधित कार्यान्वयन लागत को बढाता है जहाँ इसके यथोचित अनुमान हैं कि सॉफ्टवेयर में एक स्थायी उपयोगी जीवन का फ़ायदा मिल सके।

5. मूल्यह्रास

मूर्त परिसंपत्तियों पर

इमारतों पर मूल्यह्रास, सीधी रेखा पद्धति पर प्रदान किया गया है, जबकि अन्य परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास, ह्रासित मूल्य पद्धति पर प्रदान कि गया है। मूल्यह्रास की दरें, मुख्य परिसर के भवनों के अलावा, आयकर अधिनियम, 1961 में निर्दिष्ट के अनुसार हैं। इस मामले में, जहाँ आवासीय और गैर आवासीय भवन के अलग-अलग आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं और भवन का बड़ा हिस्सा आवासीय प्रयोजन के लिए है, वहाँ मूल्यह्रास की दर 5% लागू की गई है, जबकि गैर आवासीय भवनों के लिए नियत दर 10% है।

परिसंपत्ति पर मूल्यह्रास, जहाँ मदवार वास्तविक लागत 5000/ रुपए के बराबर या इससे कम हैं, वहाँ 100% की दर से प्रदान की गई है।

अचल परिसंपत्तियों से संबंधित पूंजी अनुदानों / निधियों (सरकारी और गैर-सरकारी) को आस्थगित आय के रूप में मान्यता दी गईं है और इसे आय एवं व्यय खाते में लिया गया है। अर्थात् दीर्घ अवधियों में पूंजीगत अनुदानों / निधियों को उसी अनुपात में आय में आवंटित किया गया है, जिस अनुपात में मूल्यह्रास लगाया गया है।

अमूर्त आस्तियों की ऋणमुक्ति

सॉफ्टवेयर को 40% की दर से परिशोधित ऋणमुक्त किया गया है।

6. निवेश

दीर्घकालिक निवेश के रूप में वर्गीकृत निवेशों को लागत पर लगाया गया है। अस्थायी के अलावा, ह्रास के प्रावधान, ऐसे निवेशों को लागत में लाने के लिए किये हैं।

निवेश के अधिग्रहण पर भुगतान किये गए प्रीमियम को परिपक्वता तारीख तक यथानुपात परिशोधित कर दिया गया है।

लागत में दलाली, हस्तांतरण टिकटों के जैसे अधिग्रहण व्यय भी शामिल हैं।

7. राजस्व मान्यता

कार्यकारी अधिकारियों के लिए पीजीपी शुल्क नामांकन, जो शैक्षणिक वर्ष की अवधि के आधार पर गिना जाता है उसको छोड़कर छात्रों से ली गई फीस प्रोद्भवन के आधार पर मान्यता प्राप्त है।

आजीवन सदस्यता शुल्क पूंजीगत प्राप्ति के रूप में माने गए हैं और कोर्पस / पूंजीगत निधि के तहत दर्शाये गए हैं।

निवेश पर ब्याज को समय अनुपात के आधार पर मान्यता प्राप्त है।

दान / योगदान अपने अंतिम संग्रह पर मान्यता प्राप्त है।

8. निवेश पर ब्याज

कॉर्पस निधि से किये गए निवेश पर ब्याज को,आय और व्यय खाते में दर्शाया गया है।

निर्धारित, बंदोबस्ती और अन्य फंड से बाहर निवेश पर ब्याज को निवेश पर अर्जित ब्याज की औसत दर के आधार पर संबंधित फंड खाते में आवंटित किया गया हैं क्योंकि संस्थान ने कई निवेश कर रखे हैं।

9. विदेशी मुद्रा लेन-देन

विदेशी मुद्रा में किये गए लेन-देनों की गणना, लेनदेन की नियत तिथि पर प्रचलित विनिमय दर पर की गई है।

10. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों की गणना, सरकारी विभागों से प्राप्त मंजूरी के आधार पर की गई है।

नियत परिसंपत्तियों के संबंध में अनुदानों को पूंजी अनुदान के रूप में माना गया है और निर्धारित निधि शीर्ष के तहत दिखाया गया है।

नियत परिसंपत्तियों के संबंध में अनुदानों को, आस्थगित आय के रूप में माना गया है तथा आय और व्यय खाते में परिसंपत्तियों को उपयोगी जीवनकाल पर व्यवस्थित और तर्कसंगत आधार पर लिया गया है अर्थात् पूंजीगत अनुदान को आय में उसी अनुपात में आवंटित किया गया है ,जिस अनुपात में मूल्यह्रास हुआ है।

11. सेवानिवृत्ति लाभ

संचयी अवकाश नकदी लाभ, मृत्यु / सेवानिवृत्ति और पेंशन पर देय ग्रैच्युइटी को बीमांकिक मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार प्रोद्भवन आधार पर गिना गया है।

12. प्रावधान, आकस्मिक देयताएँ और आकस्मिक संपत्तियाँ

माप में पर्याप्त अनुमानित आकलन से संबंधित प्रावधानों को मान्यता प्राप्त है, जब पिछली घटनाओं के परिणामस्वरूप वर्तमान दायित्व होते हैं और यह संभावित है कि संसाधनों का उत्प्रवाह होगा। आकस्मिक देनदारियों को मान्यता नहीं दी गई है लेकिन एक नोट के माध्यम से खातों में खुलासा किया गया है। वित्तीय विवरणों में आकस्मिक संपत्तियों को न तो मान्यता प्राप्त है और न ही स्पष्ट किया गया है।

अनुसूची 22
आकस्मिक देयताएं और खातों में नोट

1. आकस्मिक देयताएं

(क) सेवाकर की मांग विवाद में है

191.87 लाख रुपए (पिछले वर्ष 23.91 लाख रुपए)।

(ख) संस्थान के खिलाफ दावों को ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है

1.59 लाख रुपए (पिछले वर्ष 1.59 लाख रुपए)

2. अनिष्पादित पूंजीगत अनुबंध

अनिष्पादित पूंजीगत अनुबंध (अग्रिम का कुल) 318.34 लाख (पिछले वर्ष 202.57 लाख) रुपए हैं, जिसके लिए परिसर एवं अवसंरचना विकास निधि में पर्याप्त निधि उपलब्ध है।

3. वर्तमान परिसंपत्तियाँ, ऋण और अग्रिम

प्रबंधन की राय में, मौजूदा परिसंपत्तियों, ऋणों और अग्रिमों का सामान्य कार्य व्यापार के दौरान वसूली पर मूल्य, कम से कम तुलन पत्र में दर्शायी गई कुल राशि के बराबर है।

4. कराधान

संस्थान ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10(23सी) के अधीन, आयकर मुख्य आयुक्त कार्यालय, अहमदाबाद कार्यालय से पत्र संख्या CC-IV/ABD/10 (23C) cell/10 (23C) (vi) IIM/2010-11/1305 दिनांक 31.01.2011 के अनुसार आयकर में छूट प्राप्त कर ली है। यह जब तक प्रभावी रहेगी तब तक किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा वापिस नहीं ली जाती है। इसे देखते हुए, आयकर के लिए कोई भी प्रावधान आवश्यक नहीं समझा गया है।

5. विदेशी मुद्रा में व्यय

(रुपए लाखों में)

विवरण	2015-16 रुपए	2014-15 रुपए
क) विदेशी यात्रा	59.62	37.30
ख) पुस्तकें और केस सामग्री	693.99	353.72
ग) अन्य	175.59	242.69

6. विदेशी मुद्रा में आय

(रुपए लाखों में)

विवरण	2015-16 रुपए	2014-15 रुपए
क) परियोजना, कार्यक्रम और शुल्क	642.03	403.36
ख) स्थानन आय	30.80	40.17

7. लेखांकन नीति में परिवर्तन

निवेश के अधिग्रहण पर ऋण मुक्ति में छूट का परिशोधन

अब तक, निवेश के अधिग्रहण पर प्रीमियम और साथ में छूट को उनकी परिपक्वता की तारीख तक एक समय अनुपात के आधार पर परिशोधित किया गया। हालांकि, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए वित्तीय विवरणों के नए प्रारूप के अनुसार, अधिग्रहण पर छूट को परिशोधित नहीं किया जा सकता है।

तदनुसार, चालू वर्ष से निवेश के अधिग्रहण पर छूट को ऋण मुक्त मानना बंद कर दिया है और यह भी कि छूट के अप्रमाणित भाग को श्रद्धेय माना गया है।

इसके कारण, इस वर्ष के लिए ब्याज आय और वर्ष के लिए अधिशेष 185.90 लाख रुपए कम हो रहा है और उस सीमा तक प्रीमियम / डिस्काउंट खाते में ऊरी बकाया राशि है।

8. 500/ रुपए से कम की राशियाँ, जो अलग से दिखाई जानी चाहिए, वास्तिक रूप से कोष्ठकों में दर्शायी गई हैं।

9. गत वर्ष की तदनरूप राशियों को, वर्तमान वर्ष की राशियों के साथ तुलना करने के लिए जहाँ कहीं आवश्यक था, पुनर्वर्गित / पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

अनुसूचियाँ 1 से 22 तक हस्ताक्षर

इस तारीख तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार

हस्ताक्षरित/-
आशीष नंदा
निदेशक

हस्ताक्षरित/-
मनोज भट्ट
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

हस्ताक्षरित/-
लक्ष्मणदेव गोहिल
मुख्य प्रबंधक- लेखा

हस्ताक्षरित/-
लेखा परीक्षा अधिकारी / सी.ए. व्यय
लेखा परीक्षा प्रधान निदेशक कार्यालय (केन्द्रीय), गुजरात
लेखा परीक्षा भवन, नवरंगपुरा, अहमदाबाद 380009

दिनांक : 24 जून, 2016
स्थल : अहमदाबाद

31 मार्च 2016 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्तियां और भुगतान खाता

(रुपए लाखों में)

प्राप्तियाँ	वर्तमान वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष
I. अथ शेष		**I. व्यय**	
क) नकद शेष	0.25	क) स्थापना व्यय	7,748.75
ख) बैंक में शेष		ख) शैक्षणिक व्यय	3,360.61
i. रुपये खातों में	676.64	ग) प्रशासनिक व्यय	1,153.33
ii. जमा खातों में	21,224.15	घ) परिवहन व्यय	2.62
iii. बचत खाते	309.21	ङ) मरम्मत और रखरखाव	822.10
iv. एफसी खातों में	9.21	च) पूर्व अवधि व्यय	-
ग) हस्तगत स्टेम्प	0.01		
II. प्राप्त अनुदान		**II. निर्धारित / बंदोबस्ती निधि के लिए भुगतान**	779.01
क) भारत सरकार से	441.41		
ख) राज्य सरकार से	-		
ग) अन्य स्रोतों से	-		
III. अकादमिक प्राप्तियां	16,829.39	**III. प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं के लिए भुगतान**	2,394.82
IV. निर्धारित / बंदोबस्ती निधि से प्राप्तियाँ	3,125.09	**IV. प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति के लिए भुगतान**	23.72
V. प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं से प्राप्तियाँ	29.42	**V. निवेश और जमा किए गए**	
		क) निर्धारित / बंदोबस्ती निधि के अलावा	-
		ख) अपने स्वयं की निधि के अलावा (अन्य निवेश)	16,091.36
VI. प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति से प्राप्तियाँ	30.52	**VI. अनुसूचित बैंकों के साथ सावधि जमाराशि**	-
VII. निवेशों से आय		**VII. अचल संपत्तियों और जारी पूंजीगत कार्यो पर व्यय**	
क) निर्धारित / बंदोबस्ती निधि	-	क) अचल संपत्तियाँ	378.56
ख) अन्य निवेश	4,083.15	ख) पूंजी कार्य-प्रगति-में (पूंजी अग्रिम सहित)	7.92
VIII. ब्याज प्राप्त हुआ		**VIII. वैधानिक भुगतान सहित अन्य भुगतान**	
क) बैंक जमा	1,759.02	क) दी गई जमाराशियाँ	0.58
ख) ऋण और अग्रिम	-	ख) जमा राशि का पुनर्भुगतान	17.03
ग) बैंक बचत खाते	99.63	ग) सांविधिक भुगतान	177.48

(रुपए लाखों में)

प्राप्तियाँ	वर्तमान वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष
IX. निवेश नकदीकरण	-	**IX. अनुदान की धनवापसी**	
X. अनुसूचित बैंकों के साथ सावधि जमा नकदीकरण	-	**X. जमा और अग्रिम**	42.52
XI. अन्य आय		**XI. अन्य भुगतान**	
क) भूमि और इमारतों से आय	895.98	क) व्यापक ऋणदाता और ऋण और अग्रिम	
ख) अन्य	1,608.31	ख) विविध लेनदार और अन्य देयताएं	
		ग) स्टॉक में परिवर्तन	4.55
		घ) टीडीएस प्राप्य	80.27
XII. जमा और अग्रिम		**XII. समापन शेष**	
क) प्राप्त जमानती धनराशि		क) नकद शेष	0.25
ख) सुरक्षा जमा		ख) बैंक शेष	
ग) कर्मचारियों को ऋण	1.52	i. रुपया खातों में	529.70
		ii. जमा खातों में	18,935.71
		ii. बचत खाते	1,919.37
		ii. एफसी खातों में	5.64
		ग) हस्तगत स्टेम्प	0.06
XIII. विविध प्राप्तियाँ (वैधानिक प्राप्तियां)	396.18		
XIV. अन्य प्राप्तियाँ			
क) प्रावधानों में परिवर्तन	9.91		
ख) विविध लेनदार और अन्य देयताएँ	2,944.66		
ग) संपत्ति की बिक्री	2.30		
कुल	**54,475.96**	**कुल**	**54,475.96**

हस्ताक्षरित/-
लक्ष्मणदेव गोहिल
मुख्य प्रबंधक- लेखा

हस्ताक्षरित/-
मनोज भट्ट
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

हस्ताक्षरित/-
आशीष नंदा
निदेशक

स्वर्ण पदक विजेता 1966 से 2016 तक

1966
- दिवान अरुण नंदा
- सी. के. प्रह्लाद
- लक्ष्मी प्रसाद वेपा

1967
- विजय भार्गव
- जयंत कुमार डे

1968
- जोह्न सायस केमिलस
- ग्रेम्मा कस्तूरी जयरामन
- बीजी के. कुरियन
- रवि वी. सारथी

1969
- पृथ्वी नाथ शेठ
- एम. जी. सुब्रामणियम
- वीरराघवन वी.
- वेणुगोपाल एस.

1970
- टी. के. बालाजी
- भरतकुमार जे. मेहता
- पॉल माम्पिल्ली
- अशोक केवलचन्द वोरा

1971
- हर किशन लाल अग्रवाल
- प्रदीप कुमार भार्गव
- अरुण पी. पांडे
- ऑड्री इग्नेशियस रेबेलो

1972
- वेनबक्कम एस. कृष्णन
- एस. रामकृष्णन
- एस. उमापति
- विजय सागर

1973
- सुदिप्तो भट्टाचार्य
- कृष्णास्वामी मोहन
- विलास के. रजवाड़े
- उत्पल सेन गुप्ता

1974
- राजीव बर्मन
- जनार्दनमोहन जी. राव
- रवि आर.
- एस. रविचन्द्रन

1975
- आर. बालगंगाधरन
- एस. बालासुब्रामणियन
- राज कुमार साह
- श्रीधर एस.

1976
- गौतम चक्रवर्ती
- श्रीकान्त पी. पांडे
- रीटा मोहन
- सुधर कृष्णमूर्ति

1977
- मनविन्दर सिंह बंगा
- लक्ष्मी चंद भंडारी
- हेमन्त शाह
- बी. रामास्वामी (एसपीए)

1978
- बी. अनन्तराम
- श्रीकान्त माधव दातार
- संदीप माथुर
- वसन्त प्रकाश गाँधी (एसपीए)

1979
- श्री के. चन्द्रशेखर
- मेहर करण सिंह
- विजय श्रीरंगन

1980
- संजय भार्गव
- विपुल प्रसाद जैन
- श्रीधर शेषाद्री

1981
- आलोक अग्रवाल
- राजीव कपूर
- विजय महाजन
- वी. एस. सीताराम

1982
- जगमोहन सिंह राजू
- शशि कान्त सचदेवा
- जयन्त राम वर्मा

1983
- प्रकाश मिरचन्दानी
- आशिष नन्दा
- रामकुमार एस.
- सुरेश मदान (एसपीए)

1984
- सुनील गुलाटी
- पप्पू जगदीश राव

1985
- हर्ष लाल
- कादम्बी पी. जनार्दन
- श्रीनाथ मुखर्जी

1986
- अनिल आहूजा
- राजीव आहूजा
- देविना मेहरा

1987
- हरीश आर. भाट
- वेंकटेश नरसियाह
- रघुराम जी. राजन

1988
- राजीव अग्रवाल
- संजय गुप्ता
- सौरभ गर्ग

1989
- आर. सुब्रामणियन
- के. आर. एस. जामवाल
- सचित जैन

1990
- विपिन गुप्ता
- मोनिष कुमार
- मिलिंद शहाणे

1991
- अग्रवाल विजय
- एस. नागराजन

1992
- चेतनकुमार बी. शाह
- संजीव छाबरा
- विवेक रस्तोगी

1993
- संजय कुमार जैन
- गौतम कुमरा
- रोहित चटर्जी

1994
- हृषिकेश बी. परान्देकर
- एस. रमेश
- आनंद संघी

1995
- आशुतोष पाढ़ी
- नितिन मल्हान
- संजय पुरोहित

1996
- समित ए. पारेख
- भुपेन्दर सिंह
- पूर्वा इन्दुरकर

1997
- राजीव ई. के.
- रजत भार्गव
- संदीप गुप्ता

1998
- सुमत राजपाल
- अविनाश अग्रवाल
- विपुल बंसल

1999
- अमित बोरडिया
- अनुपम मोर्टिन्स
- प्रशांत

2000
- प्रियंका अरोडा
- सुरेन्द्र कुमार जैन
- शिशिर आर. मांकड

2001
- कृष्णा वाय. एस. आर.
- भारद्वाज वी. टी.
- आनंद श्रीधरन

2002
- विकास गुप्ता
- मणिकन्दन नटराजन
- मोहित खुराना
- सुमन एन थॉमस (पीजीपी-एबीएम)

2003
- अमर मखीजा
- रामनाथ बालासुब्रामणियन
- नितिन दहिया
- रामप्रसाद बी. के. (पीजीपी-एबीएम)

2004
- मुकुंदन डी.
- जी. वी. रविशंकर
- के. एन. रामगणेश
- ध्रुद ज्योति बनर्जी (पीजीपी-एबीएम)

2005
- फिलिप टी. जेकब
- मनोज गुप्ता
- गौरव सहगल

2006
- कनिष सरीन
- विषय ग्रोवर
- अंकुर साबू
- अमित जानी (पीजीपी-एबीएम)

2007
- मयंक रावत
- सुमित कुमार
- बाला वामसी ततवर्ती
- जेम्स बीसोन (पीजीपीएक्स)

2008
- कपिल मोदी
- जी. अर्जुन
- प्रतीक जैन
- सहलीन गर्ग (पीजीपीएक्स)
- सैयद अली मुर्तज़ा रिज़वी (पीजीपी-पीएमपी)

2009
- गगनदीप सिंह
- अभिषेक वर्मा
- इशांत गोयल
- सौरी गुदलावालेत्ती (पीजीपीएक्स)
- राकेश रंजन (पीएमपी)

2010
- सम्राट अशोक लाल
- रोहन चौधरी
- हिमांशु शर्मा
- विनोद कुमार रामचन्द्रन (पीजीपीएक्स)
- संजीत कुमार पांडे (पीजीपी-पीएमपी)

2011
- श्री जयदीप शंकर जगन्नाथन
- श्री मयंक कुकरेजा
- श्री मोहित गर्ग
- श्री राहुल (पीजीपीएक्स)

2012
- श्री गौरव जगदीश सिंघल
- श्री नेहुल मल्होत्रा
- श्री आदित्य खंडेलिया
- श्री शिवराम रामाकृष्णन (पीजीपीएक्स)

2013
- निखिल अग्रवाल
- अनिकेत तलवाई
- सुमित सोमानी
- शशांक राठी (पीजीपी-एबीएम)
- आदित्य बंसल (पीजीपीएक्स)

2014
- हेमंत ओमप्रकाश मूंदड़ा
- संचित बंसल
- प्रशांत सरकार
- आदित्य किरण परांजपे (पीजीपीएक्स)

2015
- अग्रवाल राहुल सतीश
- रक्षित यू. अग्रवाल
- अभिनव गुप्ता
- सिद्धार्थ अग्रवाल (पीजीपी-एबीएम)
- अंशुल श्रीवास्तव (पीजीपीएक्स)

2016
- आयुष अग्रवाल
- शाह आशय सुभाष
- अनुराग अग्रवाल
- प्रसन्ना वेंकटेशन श्रीनिवासन अय्यंगर (पीजीपीएक्स)

दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथिगण

1966 श्री एम. सी. चागला
1967 डॉ. विक्रम साराभाई
1968 श्रीमती इन्दिरा गाँधी
1969 डॉ. करन सिंह
1970 श्री एल. के. झा
1971 श्री धर्म वीर
1972 श्री सी. सुब्रामणियम
1973 श्री डी.पी. धर
1974 प्रोफेसर नुरुल हसन
1975 श्री टी.ए. पाई
1976 डॉ. वी. एम. दंडेकर
1977 श्री एम.एस. स्वामीनाथन
1978 श्री एच. एम. पटेल
1979 श्री वी. जी. राजाध्यक्ष
1980 जस्टिस श्री एम. हिदायतुल्लाह
1981 श्री केशुब महिन्द्रा
1982 श्रीमती शारदा मुखर्जी
1983 श्री नानी पालखीवाला
1984 श्री पी.एल. टंडन
1985 श्री के. सी. पंत
1986 श्री हितेन भाया
1987 डॉ. राजा रमन्ना
1988 श्री वी. कुरियन
1989 श्री ए.एस. गांगुली
1990 श्री रुसी मोदी
1991 श्री सरुप सिंह
1992 श्री राजमोहन गाँधी
1993 श्री पी. वी. नरसिम्हा राव
1994 डॉ. मनमोहन सिंह
1995 श्री सेम पित्रोडा
1996 श्री ए. एम. एहमदी
1997 श्री अदी गोदरेज
1998 श्री विक्रम लाल
1999 श्री के. बी. दादीशेठ
2000 श्री आर. के. लक्ष्मण
2001 डॉ. देश देशपांडे
2002 श्री अज़ीम प्रेमजी
2003 डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम
2004 डॉ. बिमल जालान
2005 श्री रघुराम राजन
2006 श्री एम. एस. बंगा
2007 श्री पी. चिदम्बरम्
2008 श्री मोंटेक सिंह अहलुवालिया
2009 श्री दीपक पारेख
2010 डॉ. सी. रंगराजन
2011 डॉ. मनमोहन सिंह
2012 श्री के. वी. कामथ
2013 श्री एल. एन. मित्तल
2014 श्री आनंद महिन्द्रा
2015 श्री अजय बंगा
2016 श्रीमती अरुंधती भट्टाचार्य